THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 70 (हैदराबाद, निज़ामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) ज्येष्ठ शु.11 2082 शुक्रवार, 6 जून-2025

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✻ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

चुनाव आयोग ने पुरानी मैनुअल प्रणाली को बदला

नई दिल्ली, 5 जून (एजेंसियां)। भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) ने गुरुवार को घोषणा की कि उसने चुनाव के बाद की सांख्यिकीय रिपोर्टों को तैयार करने की प्रक्रिया को पहले से कहीं अधिक तेज और आधुनिक बना दिया है। अब पुरानी, समय लेने वाली मैनुअल प्रक्रिया की जगह एक उन्नत डिजिटल प्रणाली ले चुकी है। अब तक, मतदान खत्म होने के बाद उम्मीदवारों, मतदाताओं और वोटों से जुड़ी जानकारी को अलग-अलग जगहों पर हाथ से भरे गए फॉर्म यानी 'इंडेक्स कार्ड' में लिखा जाता था। फिर इन कार्डों की जानकारी कंप्यूटर सिस्टम में डाली जाती थी और उसके आधार पर रिपोर्ट तैयार की जाती थी। इस पूरी प्रक्रिया में काफी समय लगता था और जानकारी देर से जनता तक पहुंचती थी।

भारत में बनेगी राफेल विमान की बॉडी

> टाटा ग्रुप का डसॉल्ट एविएशन के साथ समझौता > पहली बार फ्रांस के बाहर बनाया जाएगा

नई दिल्ली, 5 जून (एजेंसियां)। राफेल फाइटर जेट की मेन बॉडी अब हैदराबाद में बनेगी। इसे फ्यूजलाज कहा जाता है। भारत की टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड (टीएएसएल) ने इसके लिए फ्रांस की कंपनी डसॉल्ट एविएशन के साथ चार प्रोडक्शन ट्रांसफर एग्रीमेंट साइन किए है।

राफेल की पहली फ्यूजलाज यूनिट 2028 में असेंबली लाइन से बाहर आएगी। हैदराबाद में बनाए जा रहे मैन्युफैक्चरिंग प्लांट से हर महीने दो पूरी मेन बॉडी तैयार होने की उम्मीद है। टाटा और डसॉल्ट की ये साझेदारी भारत के रक्षा क्षेत्र में निजी कंपनियों की भागीदारी को बढ़ाएगी। डसॉल्ट ने कहा कि ये प्रोजेक्ट भारत और फ्रांस के बीच रक्षा सहयोग का एक बड़ा कदम है। इससे भारत में रक्षा उपकरण बनाने की क्षमता बढ़ेगी और स्थानीय इंजीनियर्स को विश्व स्तरीय तकनीक सीखने का मौका मिलेगा। ये पहली बार होगा जब राफेल की मेन बॉडी फ्रांस के बाहर बनेगी।

राफेल के पुर्जे पहले से ही बनाता है टाटा :

टाटा ग्रुप पहले से ही डसॉल्ट के साथ मिलकर राफेल और मिराज 2000 जैसे विमानों के पुर्जे बनाता है। टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स के सीईओ सुकरन सिंह ने कहा, ये साझेदारी भारत के हवाई जहाज बनाने के सफर में एक बड़ा कदम है। भारत में राफेल की पूरी मेन बॉडी बनाना दिखाता है कि टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स की काबिलियत पर कितना भरोसा बढ़ रहा है और डसॉल्ट एविएशन के साथ हमारा रिश्ता कितना मजबूत है। ये इस बात का भी सबूत है कि भारत ने एक आधुनिक और मजबूत एयरोस्पेस मैन्युफैक्चरिंग सिस्टम तैयार करने में जबरदस्त तरक्की की है, जो दुनिया के बड़े प्लेटफॉर्म्स को सपोर्ट कर सकता है।

एयरक्राफ्ट फ्यूजलाज हवाई जहाज का मुख्य ढांचा या शरीर होता है, जो विमान का सबसे बड़ा और अहम हिस्सा है। आ सा ा न भाषा में कहें तो ये हवाई जहाज का वो हिस्सा है, जिसमें बाकी सारे हिस्से (जैसे पंख, पूंछ, इंजन) जोड़े जाते हैं। ये विमान को उसका आकार देता है और बाकी हिस्सों को एक साथ जोड़कर रखता है। सुपरसोनिक फाइटर जेट का फ्यूजलाज पतला और चिकना होता है, ताकि तेज रफ्तार से उड़ते वक्त हवा का रेजिस्टेंस कम हो। वहीं, एक एयरलाइनर यानी, यात्री विमान का फ्यूजलाज ज्यादा चौड़ा होता है, क्योंकि इसमें ज्यादा से ज्यादा यात्रियों को ले जाना होता है। फाइटर जेट में कॉकपिट फ्यूजलाज के ऊपरी हिस्से पर होता है। हथियार पंखों पर लगे होते हैं, और इंजन व ईंधन फ्यूजलाज के पीछे के हिस्से में रखे जाते हैं। वहीं एयरलाइनर में पायलट फ्यूजलाज के सबसे आगे कॉकपिट में बैठते हैं। यात्री और सामान फ्यूजलाज के पीछे के हिस्से में होते हैं, और ईंधन पंखों में स्टोर किया जाता है।

भारत में पहली बार मिली सोने की खदान

✻ 750 किलोग्राम सोने का उत्पादन करेंगी

अमरावती, 5 जून (एजेंसियां)। डेक्कन गोल्ड माइन्स लिमिटेड को आंध्र प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से हरी झंडी मिल गई है। यह मंजूरी उसे जोन्नागिरी गोल्ड माइन्स को चलाने के लिए मिली है। यह प्रोजेक्ट जियोमैसूर सर्विसेज (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड का है। यह कंपनी डेक्कन गोल्ड माइन्स की सहयोगी कंपनी है।

कंपनी के प्रबंध निदेशक हनुमा प्रसाद मोदली के अनुसार, खदानें अपने चरम पर 750 किलोग्राम सोने का उत्पादन करेंगी। उन्होंने यह भी कहा कि पिछले 80 सालों में भारत में स्थापित होने वाली यह पहली सोने की खदान है। इस खबर के बाद डेक्कन गोल्ड के शेयरों में उछाल आया है। शेयर 10 महीने के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गए। हनुमा प्रसाद मोदली ने एनडीटीवी प्रॉफिट को बताया कि पहले साल में 400 किलोग्राम सोने का उत्पादन होगा। बाद में खदान से हर साल 750 किलोग्राम सोना निकलेगा। आंध्र प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से अंतिम अनुमति मिलने का मतलब है कि कंपनी अब खदानों और प्रोसेसिंग प्लांट को चला सकती है। हालांकि, उन्होंने कहा कि ऑपरेशन शुरू होने में कुछ महीने लगेंगे। पहले कुछ ट्रायल रन करने की जरूरत है।

इंफ्लूएंसर शर्मिष्ठा पनोली को कलकत्ता हाई कोर्ट से मिली अंतरिम जमानत

अदालत ने लगाई शर्तें

कोलकत्ता, 5 जून (एजेंसियां)। कलकत्ता हाई कोर्ट ने गुरुवार को लॉ की स्टूडेंट शर्मिष्ठा पनोली को अंतरिम जमानत दे दी। इसके साथ ही कोर्ट ने शर्मिष्ठा पनोली को 10,000 रुपये का जमानत बांड भरने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने शर्मिष्ठा के देश छोड़ने पर पूरी तरह से रोक लगा दी है। अदालत ने कहा कि शर्मिष्ठा बिना सीजेएम की इजाजत के देश से बाहर नहीं जा सकतीं।

रिपोर्ट के मुताबिक, इससे पहले की सुनवाई में कोर्ट ने पनोली को अंतरिम जमानत देने से इनकार कर दिया था और उन्हें सलाह दी थी कि अभिव्यक्ति की आजादी का मतलब यह नहीं है कि वह दूसरों की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाएं। सिंबायोसिस लॉ स्कूल की स्टूडेंट पनोली ने इंस्टाग्राम और एक्स पर पैगंबर मोहम्मद के खिलाफ कथित तौर पर ईशनिंदा वाली टिप्पणी की थी।

गुरुग्राम में उसे अरेस्ट किया गया

बयान की कड़ी आलोचना होने के बाद पनोली ने सोशल मीडिया पर माफीनामा पब्लिश किया, लेकिन गुरुग्राम में उसे गिरफ्तार कर लिया गया। उसके खिलाफ 15 मई 2025 को एक एफआईआर दर्ज की गई और उसके ठीक दो दिन बाद 17 मई 2025 को वारंट जारी किए गए। अपनी याचिका में पनोली ने ट्रायल कोर्ट द्वारा पारित रिमांड आदेश को भी चुनौती दी। इसमें उसे 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया था।

बीजेपी नेता ने वजाहत खान के खिलाफ दर्ज कराई शिकायत :

भारतीय जनता पार्टी की विधायक अग्निमित्रा पॉल ने कहा, हां मैंने वजाहत खान के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है, जिन्होंने शर्मिष्ठा पनोली के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है।

मेरा मानना है कि पश्चिम बंगाल में बीआर अंबेडकर जी का संविधान लागू है और हर समुदाय के लिए समान अधिकार और नियम होने चाहिए।

बेंगलुरू भगदड़ मामले में आरसीबी समेत 3 के खिलाफ एफआईआर

> आपराधिक लापरवाही का आरोप > हाईकोर्ट ने स्टेट्स रिपोर्ट मांगी > सुनवाई 10 जून को

बेंगलुरू, 5 जून (एजेंसियां)। कर्नाटक पुलिस ने गुरुवार को भगदड़ मामले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू (आरसीबी), डीएनए इवेंट मैनेजमेंट कंपनी और कर्नाटक क्रिकेट एसोसिएशन के खिलाफ एफआईआर दर्ज की। इन पर विक्ट्री परेड के दौरान आपराधिक लापरवाही का आरोप लगाया गया है। एफआईआर में कहा गया है कि भगदड़ की घटना अव्यवस्था और जिम्मेदार एजेंसियों की लापरवाही की वजह से हुई। उधर, इस मामले में हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। एक्टिंग चीफ जस्टिस वी कामेश्वर राव और जस्टिस सी एम जोशी बेंच ने राज्य सरकार को हादसे पर स्टेट्स रिपोर्ट पेश करने को कहा है। अब अगली सुनवाई 10 जून को होगी।

वहीं, याचिकाकर्ता के वकील ने कोर्ट से कहा, राज्य सरकार को यह बताना चाहिए कि आरसीबी के खिलाड़ियों को सम्मानित करने का फैसला किसने लिया है। जो खिलाड़ी देश के लिए नहीं खेलते, उन्हें सम्मानित करने की क्या मजबूरी थी। दरअसल, 4 मई को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू (आरसीबी) ने पहली बार आईपीएल खिताब जीतने पर बेंगलुरू में विक्ट्री परेड का आयोजन किया था। पहले राज्य सरकार ने विधानसभा परिसर में सभी खिलाड़ियों का सम्मान किया।

इसके बाद चिन्नास्वामी स्टेडियम में कार्यक्रम में हुआ। इससे पहले ही स्टेडियम के बाहर जुटी भीड़ में भगदड़ मचने से 11 लोगों की मौत हो गई। 33 घायल हैं। सभी मरने वाले 35 साल से कम उम्र के थे, 3 टीनएजर हैं।

तेलंगाना के डीजीपी को राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग का नोटिस

थाने में पिटाई से ऑटो रिक्शा चालक की मौत का आरोप

हैदराबाद, 5 जून (एजेंसियां)। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने एक मीडिया रिपोर्ट पर संज्ञान लिया है, जिसमें बताया गया है कि हैदराबाद के राजेंद्रनगर थाने में पुलिस ने एक 35 वर्षीय ऑटो रिक्शा चालक को कथित तौर पर शारीरिक यातना दी, जिसके बाद 13 मई 2025 उसकी मौत हो गई। एनएचआरसी ने इस मामले को लेकर तेलंगाना के पुलिस महानिदेशक को नोटिस जारी किया है और दो हफ्ते के भीतर विस्तृत रिपोर्ट देने को कहा है।

गोवा में रह रहे पाकिस्तानी ने सरकार के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में दायर की याचिका

नई दिल्ली, 5 जून (एजेंसियां)। साल 2016 से गोवा में दीर्घकालिक वीजा पर रह रहे एक पाकिस्तानी नागरिक ने केंद्र सरकार के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है। इस याचिका में पाकिस्तानी नागरिक ने पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तानी नागरिकों के वीजा रद्द करने संबंधी केंद्र सरकार की अधिसूचना के खिलाफ अपील की है।

बीती 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए हमले में 26 लोग मारे गए थे, जिनमें ज्यादातर पर्यटक थे। इस हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के संबंधों में तनाव बढ़ गया था और केंद्र सरकार ने अधिसूचना जारी कर पाकिस्तानी नागरिकों के वीजा रद्द कर दिए थे। सरकार द्वारा वीजा रद्द करने की अधिसूचना दिए जाने के बाद पाकिस्तानी नागरिकों को निर्वासन के लिए एक तय समयसीमा दी गई थी। पाकिस्तानी नागरिक के वकील ने गुरुवार को जस्टिस संजय करोल और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की पीठ के समक्ष मामले को सुनवाई के लिए रखा।

मोदी ने पीएम आवास में सिंदूर का पौधा लगाया

> गुजरात दौरे पर 1971 के भारत-पाक युद्ध की वीरांगनाओं ने दिया था

नई दिल्ली, 5 जून (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर पीएम आवास पर सिंदूर का पौधा लगाया। ये पौधा उन्हें 25-26 मई को गुजरात दौरे के दौरान कच्छ में 1971 के भारत-पाक युद्ध में बहादुरी दिखाने वाली महिलाओं के ग्रुप ने भेंट किया था। दरअसल, इस सिंदूर के पौधे को ऑपरेशन सिंदूर से जोड़कर देखा जा रहा है। 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले का बदला लेने के लिए भारत ने 7 मई को पीओके और पाक में मौजूद 9 आतंकी ठिकानों पर एयरस्ट्राइक की थी। सेना ने 100 आतंकियों को मार गिराया था। इस ऑपरेशन का नाम सिंदूर रखा गया था।

सिंदूर का पौधा एक खास पत्तेदार पौधा है, जो धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व रखता है। इसे शुभता और शक्ति का प्रतीक माना जाता है। यह पौधा पर्यावरण के लिए भी फायदेमंद होता है और अक्सर मंदिरों और घरों में लगाया जाता है। इसकी देखभाल आसान होती है।

पीएम 26-27 मई को दो दिन के गुजरात दौरे पर पहुंचे थे

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 26-27 मई को दो दिन के गुजरात दौरे पर पहुंचे थे। इस दौरान भुज में उन्होंने कहा था कि भारत पर आंख उठाने वाले को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। पाकिस्तान को चेतावनी दी कि सुख-चैन से जियो, अपने हिस्से की रोटी खाओ, नहीं तो मेरी गोली तो है ही।

पीएम ने अरावली ग्रीन वॉल प्रोजेक्ट की शुरूआत की :

आज ही पीएम मोदी ने दिल्ली के भगवान महावीर वनस्थली पार्क में पौधा लगाकर 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान को आगे बढ़ाया और अरावली ग्रीन वॉल प्रोजेक्ट की शुरूआत की। इस परियोजना का लक्ष्य गुजरात, राजस्थान, हरियाणा और दिल्ली में फैली अरावली पर्वत श्रृंखला के आसपास 5 किलोमीटर चौड़े क्षेत्र में हरियाली बढ़ाने का है।

इससे न केवल बंजर जमीन उपजाऊ बनेगी बल्कि थार रेगिस्तान का विस्तार भी रुकेगा। इस अभियान में एक हजार नर्सरी बनाई जाएंगी और पौधों की निगरानी 'मेरी लाइफ' पोर्टल से होगी।

राहुल गांधी के 'लंगड़ा' शब्द पर दिव्यांग स्विमर नाराज

पद्मश्री सतेंद्र लोहिया बोले-हम भी देश के नागरिक, हमारा भी आत्मसम्मान, बयान पर स्पष्टीकरण दें

भिंड, 5 जून (एजेंसियां)। लोकसभा में विपक्ष के नेता और पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने भोपाल में अपने भाषण में लंगड़ा शब्द का इस्तेमाल किया। उनके इस बयान पर अंतर्राष्ट्रीय पैरा स्विमर और पद्मश्री से सम्मानित सतेंद्र सिंह लोहिया ने आपत्ति ली है। राहुल गांधी के सार्वजनिक बयान पर नाराजगी जताते हुए लोहिया ने कहा कि 'लंगड़ा' शब्द का इस्तेमाल दिव्यांगों के आत्मसम्मान को ठेस पहुंचाने वाला है। उन्होंने एक्स पोस्ट पर लिखा- आदरणीय राहुल गांधी जी, आप राष्ट्रीय स्तर के सम्माननीय राजनेता हैं। मैं व्यक्तिगत रूप से आपका लंबे समय से आदर करता आया हूं। मैं एक अंतर्राष्ट्रीय स्तर का पैरा स्विमर हूं, दिव्यांग हूं, और इस देश का एक जिम्मेदार नागरिक भी हूं।

'लंगड़ा' यह शब्द कानूनी रूप से भी आपत्तिजनक :

लोहिया ने लिखा- हाल ही में भोपाल में राहुल गांधी ने 'लंगड़ा' शब्द का प्रयोग किया, जो अत्यंत असंवेदनशील है। उन्होंने इसे दिव्यांग जन अधिकार अधिनियम 2016 के खिलाफ बताते हुए कहा कि यह शब्द कानूनी रूप से भी आपत्तिजनक है और अब सरकारी भाषा में इसका प्रयोग नहीं होता। लोहिया ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दिए गए शब्द दिव्यांग का जिक्र करते हुए कहा, यह शब्द हमारी क्षमताओं को दर्शाता है, न कि हमारी चुनौतियों को।

1 करोड़ के इनामी नक्सली के मारे जाने की खबर

> तेलंगाना, छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र में वांटेड था

बीजापुर, 5 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बीजापुर के नेशनल पार्क एरिया में नक्सलियों के साथ मुठभेड़ चल रही है। जिसमें केंद्रीय कमेटी मेंबर सुधाकर उर्फ नर सिंहाचलम के ढेर होने की खबर है। वो तेलंगाना, छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र में वांटेड था। सुधाकर पर 1 करोड़ रुपये का इनाम भी घोषित है। गुरुवार सुबह से पुलिस और नक्सलियों के बीच गोलीबारी चल रही है। बताया जा रहा है कि, नेशनल पार्क एरिया में माओवादियों के बड़े कैडर की मौजूदगी की सूचना पर सुरक्षाबल निकले थे। सुधाकर के मारे जाने की फिलहाल पुष्टि नहीं हुई है। हालांकि बस्तर आईजी पी. सुंदरराज ने मुठभेड़ की पुष्टि की है। सुरक्षाबलों की संयुक्त टीम में डीआरजी, एसटीएफ और कोबरा के जवान शामिल हैं।

टीम जब सर्चिंग में निकली तो इसी दौरान घात लगाए बैठे नक्सलियों ने जवानों पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में जवानों ने भी गोलीबारी की। मुठभेड़ के बाद पूरे इलाके में जवानों की सर्चिंग जारी है। नक्सलियों के तेलंगाना स्टेट कमेटी में प्रेस इंचार्ज बंडी प्रकाश समेत बड़े स्तर के नक्सलियों की मौजूदगी की खबर है। बीजापुर एसपी जितेंद्र कुमार यादव, डीआईजी कमलोचन कश्यप और एएसपी मयंक गुर्जर मुठभेड़ की मॉनिटरिंग कर रहे हैं। वहीं एडीजी नक्सल ऑप्श विवेकानंद सिन्हा, बस्तर आईजी पी. सुंदरराज, सीआरपीएफ आईजी राकेश अग्रवाल भी नजर बनाए हुए हैं।

पहली बार सिर्फ 38 दिन चलेगी अमरनाथ यात्रा

केंद्रीय सुरक्षाबलों की 581 कंपनियां की जाएंगी तैनात

नई दिल्ली, 5 जून (एजेंसियां)। अमरनाथ यात्रा शुरू होने में अब एक महीने से भी कम का समय रह गया है। यात्रा से पहले केंद्र और जम्मू-कश्मीर सरकार द्वारा सुरक्षा के व्यापक इंतजाम की तैयारियां की जा रही हैं। न्यूज एजेंसी द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, इस बार अमरनाथ यात्रा के समय अवधि में कटौती की गई है।

इस बार अमरनाथ यात्रा सिर्फ 38 दिनों तक चलेगी। यह पहली बार है, जब अमरनाथ यात्रा की समय अवधि इतनी छोटी की गई है। इसके अलावा सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए इस साल अमरनाथ यात्रा में आना वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए केंद्रीय सुरक्षा बलों की 581 कंपनियां तैनात की जाएंगी। एजेंसी के अनुसार, इस बार पहली बार अमरनाथ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं के काफिले की मूवमेंट की सुरक्षा के लिए जैमर लगाए जाएंगे।

राष्ट्रीय जातिगत जनगणना से पहले तेजस्वी यादव 85 प्रतिशत आरक्षण की जिद पर अड़े

सीएम नीतीश को लिखा पत्र

पटना, 5 जून (एजेंसियां)। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने बिहार में आरक्षण की सीमा अड़ाने की जिद पर अड़ गए हैं। इसको लेकर तेजस्वी यादव ने सीएम नीतीश कुमार को पत्र भी लिखा है। सोशल मीडिया पर तेजस्वी यादव ने इस पत्र को शेयर करते हुए लिखा कि मैंने महागठबंधन सरकार में बढ़ाई गई 65 प्रतिशत आरक्षण सीमा को अपनी ही सरकार में संविधान की 9वीं अनुसूची में शामिल कराने में घोर विफल रहे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी को पत्र लिखा है। बाक़ी हमें जो करना है वो हम करेंगे। तेजस्वी ने मांग की है कि सर्वदलीय समिति का गठन करते हुए बिहार विधानसभा का एक दिन का विशेष सत्र आहूत की जाए, जिसमें कुल 85 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान करते हुए विधेयक पारित करा उसे 9वीं अनुसूची में शामिल करने का प्रस्ताव केन्द्र सरकार को तीन सप्ताह के अंदर भेजने की कृपा की जाए। ऐसा नहीं होने की स्थिति में राज्य के 90 प्रतिशत दलित-आदिवासी, पिछड़े-अति पिछड़े एवं सदियों से दबे-कुचले लोगों के हित में हमारे द्वारा राज्य भर में एक व्यापक जन-आन्दोलन की शुरूआत की जाएगी। तेजस्वी यादव ने लिखा कि विपक्ष में रहते एवं अगस्त 2022 में सरकार में आने के बाद हमारे अथक प्रयासों से महागठबंधन सरकार द्वारा वर्ष 2023 में बिहार में जाति आधारित गणना का कार्य पूर्ण कराया गया था।

'देशहित में काम करना पार्टी विरोधी नहीं'

> कांग्रेस नेताओं की आलोचना पर भड़के थरूर

वॉशिंगटन, 5 जून (एजेंसियां)। सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे शशि थरूर ने कहा कि जो लोग ऐसा सोचते हैं कि देशहित में काम करना पार्टी विरोधी है तो उन्हें खुद से सवाल करने की जरूरत है। सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल के साथ थरूर फिलहाल अमेरिका दौरे पर हैं। वहां एक इंटरव्यू में थरूर ने ये बात कही। दरअसल कई कांग्रेस नेताओं ने थरूर पर निशाना साधा है और उन्हें भाजपा का सुपर प्रवक्ता बताया है। थरूर ने कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल होने की अटकलों को भी खारिज कर दिया।

कांग्रेस छोड़ने की अटकलों पर दिया ये जवाब :

एक इंटरव्यू में शशि थरूर ने कहा कि जब कोई देश की सेवा कर रहा हो तो मुझे नहीं लगता कि किसी अन्य चीजों के बारे में बहुत चिंता करने की जरूरत है। मुझे लगता है कि जिसे लगता है कि देशहित में काम करना पार्टी विरोधी है तो उन्हें हमसे सवाल करने के बजाय खुद से सवाल करने की जरूरत है। कांग्रेस छोड़ने की अटकलों को खारिज करते हुए थरूर ने कहा कि मैं संसद का चुना हुआ प्रतिनिधि हूं और मेरे कार्यकाल में अभी चार साल का वक्त बाकी है। मुझे नहीं पता कि ऐसा सवाल पूछा ही क्यों जा रहा है।

राहुल गांधी के आरोपों पर क्या बोले थरूर :

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने हाल ही में अपने एक बयान में आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप का फोन आते ही आत्मसमर्पण कर दिया। इसे लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में थरूर ने कहा कि लोकतंत्र में ये सामान्य प्रक्रिया है, जहां पार्टियां एक दूसरे का विरोध करती हैं, आलोचना करती हैं और मांग करती हैं, लेकिन हम यहां किसी पार्टी के लिए नहीं हैं बल्कि हम यहां भारत के प्रतिनिधि बनकर आए हैं। थरूर ने कहा कि उनके प्रतिनिधिमंडल में पांच राजनीतिक पार्टियों के, तीन धर्मों को मानने वाले और सात राज्यों से आने वाले सांसद शामिल हैं। थरूर के अलावा भारतीय प्रतिनिधिमंडल में शामिल अन्य सांसद सरफराज अहमद, गंति हरीश मधुर बालयोगी, शशांक मणि त्रिपाठी, भुवनेश्वर कालिता, मिलिंद देवड़ा, तेजस्वी सूर्या और अमेरिका में भारत के राजदूत रहे तरनजीत सिंह संधू शामिल हैं। थरूर ने कहा कि भारत में अनेकता में एकता है और अलग-अलग पार्टियों और क्षेत्रों से आने के बावजूद हम एकजुट भारत के संदेश के साथ आए हैं।

दो दिवसीय शिमला दौरे पर जाएंगे उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़

शिमला, 5 जून (एजेंसियां)। उप-राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के शिमला प्रस्तावित दौरे को लेकर आज एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता उपायुक्त शिमला अनुपम कश्यप ने की। बैठक में उप-राष्ट्रपति के आगमन से संबंधित कार्यक्रम, सुरक्षा व्यवस्था, यातायात नियंत्रण, स्वच्छता, पेयजल, स्वास्थ्य सुविधाएं एवं आपातकालीन सेवाओं की व्यवस्था सहित सभी आवश्यक पहलुओं पर विस्तृत चर्चा की गई। उपायुक्त शिमला ने कहा कि उप राष्ट्रपति 06 जून को शिमला पहुंचेंगे और 07 जून को सोलन जिला के लिए प्रस्थान करेंगे। उन्होंने सभी संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए तथा यह सुनिश्चित करने को कहा कि समस्त तैयारियां समयबद्ध और समन्वित रूप से पूरी की जाएं। उन्होंने कहा कि उप-राष्ट्रपति का यह दौरा जिले के लिए गर्व की बात है, इसलिए सभी अधिकारी इसे सफल बनाने के लिए पूरी तत्परता से कार्य करें। बैठक में पुलिस अधीक्षक शिमला गौरव सिंह, अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी (प्रोटोकॉल) ज्योति राणा, अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी (कानून एवं व्यवस्था) पंकज शर्मा, उपमंडलाधिकारी शिमला (ग्रामीण) मंजीत शर्मा, उपमंडलाधिकारी शिमला (शहरी) ओशिन शर्मा, सहायक आयुक्त देवी चंद, प्रशासन, नगर निगम, स्वास्थ्य, लोक निर्माण, परिवहन तथा अन्य विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

जम्मू-कश्मीर में 32 जगहों पर एनआईए की छापेमारी
2018 में मारे गए लश्कर आतंकी के घर भी रेड

जम्मू, 5 जून (एजेंसियां)। कश्मीर राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने आज गुरुवार को जम्मू-कश्मीर के कई जिलों के कई इलाकों में छापेमारी की है। आतंकी साजिश रचने के मामले जांच के तहत एजेंसी की ओर से शोपियां, कुलगाम, कुपवाड़ा, सोपोर और बारामूला के कई इलाकों में छापेमारी की जा रही है। जांच एजेंसी ने यहां 2018 में मारे गए लश्कर के आतंकी के घर के साथ-साथ करीब 32 ठिकानों पर छापेमारी की। एजेंसी से जुड़े अधिकारियों ने बताया कि राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने आतंकी साजिश रचने के मामले की जांच को लेकर कई जिलों में कई जगहों पर छापेमारी की है। शोपियां जिले में कई स्थानों पर छापेमारी चल रही है। इसी तरह दक्षिण कश्मीर के पुलवामा, कुलगाम और सोपोर के साथ-साथ बारामूला में भी छापेमारी की जा रही है।

2018 में मारा गया था लश्कर का कमांडर

एनआईए ने बताया कि जम्मू-कश्मीर में 32 स्थानों पर तलाशी ली जा रही है। अलग-अलग आतंकवादी संगठनों के ओवर ग्राउंड वर्कर (ओजीडब्ल्यू) के खिलाफ आतंकवादी गतिविधियों में शामिल होने के मामले में तलाशी ली जा रही है। एजेंसी ने जून 2018 में कुलगाम के चेडर बान इलाके में मारे गए लश्कर के कमांडर शकूर अहमद डार के घर सोपत देवसर में भी छापेमारी की है।

जासूसी के आरोप में एनआईए ने की थी छापेमारी

इससे पहले पिछले हफ्ते भी एनआईए ने पाकिस्तान से जुड़े जासूसी मामले में 8 राज्यों में 15 जगहों पर छापेमारी की थी। एजेंसी के जुड़े अधिकारियों ने बताया कि पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के आरोप में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के एक असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर (एएसआई) मोती राम जाट की गिरफ्तारी के बाद यह छापेमारी की गई। मोती राम सीआरपीएफ से बर्खास्त कर दिया गया है। एजेंसी की ओर से यह छापेमारी उत्तर प्रदेश, दिल्ली, महाराष्ट्र (मुंबई), हरियाणा, राजस्थान, छत्तीसगढ़, असम और पश्चिम बंगाल में पाकिस्तानी खुफिया एजेंसियों से जुड़े संदिग्धों के ठिकानों पर की गई। छापेमारी के दौरान यहां से कई इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, संदिग्ध वित्तीय दस्तावेज और अन्य कागजात भी बरामद हुए।

टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा ने गुपचुप रचाई दूसरी शादी
जर्मनी में दूसरे पति के साथ खिलखिलाती नजर आई

कोलकाता, 5 जून (एजेंसियां)। तृणमूल कांग्रेस की तेजतर्रार सांसद महुआ मोइत्रा ने एक बार फिर शादी रचाई है। इनके दूसरे पति पिनाकी मिश्रा भी राजनेता हैं और ओडिशा के पुरी के सांसद रह चुके हैं। पिनाकी मिश्रा बीजू जनता दल के नेता हैं। मीडिया रिपोर्टस के मुताबिक, हाल ही में महुआ मोइत्रा को जर्मनी में पिनाकी मिश्रा के साथ देखा गया, जिसमें वह मांग टीका और गहनों के साथ लदी नजर आई। बता दें कि महुआ मोइत्रा की शादी डेनिश फाइनेंसर लार्स ब्रोरसन से हुई थी, जिनसे बाद में उनका तलाक हो गया।

वह लगभग तीन साल तक वकील जय अनंत देहाद्राई के साथ रिश्ते में रहीं। रिपोर्टस के अनुसार, दो बार तृणमूल कांग्रेस की लोकसभा सांसद महुआ मोइत्रा ने 3 मई को चुपचाप शादी कर ली। महुआ मोइत्रा की सीक्रेट शादी करीब एक महीने पहले 3 मई को हुई, मगर सांसद ने इस पर चुप्पी साधे रखा। जर्मनी से आई तस्वीर वायरल होने के बाद उनकी दूसरी शादी के रहस्य से पर्दा उठा। कृष्णा नगर की सांसद महुआ 50 साल की हैं जबकि उनके दूसरे पति पिनाकी मिश्रा 65 साल के हैं।

बिहार की महिला अधिकारी के ठिकानों पर ताबड़तोड़ छापेमारी
एसवीयू ने सरकारी आवास किया सील

पटना, 5 जून (एजेंसियां)। स्पेशल विजिलेंस यूनिट (एसवीयू) ने बिहार के एक और अधिकारी पर कार्रवाई की है। आय से अधिक संपत्ति मामले में कटिहार की लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी श्वेता मिश्रा के कई ठिकानों पर ताबड़तोड़ छापेमारी हुई है। मिली जानकारी के अनुसार कटिहार, पटना और यूपी में एक ठिकानों को एसवीयू की टीम खंगाल रही है।

कटिहार स्थित सरकारी आवास में छापेमारी

मिली जानकारी के अनुसार, श्वेता मिश्रा कटिहारी के मनिहारी में लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी के पद पर तैनात हैं। कटिहार के मिरचाईबाड़ी स्थित ऑफिसर्स कॉलोनी में उनके सरकारी आवास भी एसवीयू की एक टीम गुरुवार को पहुंची। उनके सरकारी आवास में छापेमारी की गयी।

आवास में मौजूद नहीं थीं महिला अफसर

सूत्रों के मुताबिक, स्पेशल विजिलेंस यूनिट की यह कार्रवाई भ्रष्टाचार से जुड़ी शिकायतों के आधार पर की जा रही है। कटिहार पहुंची एसवीयू की टीम में कई वरिष्ठ अधिकारी और तकनीकी विशेषज्ञ शामिल हैं, जो आवास की गहन तलाशी ले रही है। टीम ने आवास के भीतर दस्तावेजों और अन्य सामग्रियों की जांच शुरू कर दी है। हालांकि, छापेमारी के समय श्वेता मिश्रा अपने आवास पर मौजूद नहीं थीं। ऐसे में अभी तक उनसे कोई पूछताछ नहीं हो पाई है।

आवास को सील किया, श्वेता मिश्रा को भेजा जा सकता है नोटिस

एसवीयू की टीम ने श्वेता मिश्रा के सरकारी आवास को सील कर दिया है और उनके लौटने का इंतजार किया जा रहा है। माना जा रहा है कि पूछताछ के लिए उन्हें नोटिस भेजा जा सकता है या गिरफ्तारी की संभावना से भी इनकार नहीं किया जा रहा।

प्रशासनिक महकमे में हड़कंप

स्पेशल विजिलेंस यूनिट की इस कार्रवाई से प्रशासनिक महकमे में हड़कंप मच गया है। श्वेता मिश्रा के खिलाफ पूर्व में भी कार्यशैली को लेकर सवाल उठते रहे हैं, लेकिन पहली बार उनके खिलाफ इस स्तर पर कार्रवाई हो रही है। एसवीयू की यह छापेमारी भ्रष्टाचार के खिलाफ सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति का हिस्सा मानी जा रही है।

लोकल ट्रेन से उतर रहा था, बाड़ में फंस गई गर्दन, मुंबई सेंट्रल रेलवे स्टेशन पर 27 साल के लड़के की मौत

मुंबई, 5 जून (एजेंसियां)। सेंट्रल रेलवे स्टेशन के एक प्लेटफॉर्म पर गुरुवार सुबह एक दर्दनाक घटना घटी है। यहां गलत साइड से लोकल ट्रेन से उतरते समय लोहे की बाड़ में गर्दन फंसने से 27 वर्षीय एक युवक की मौत हो गई। घटना पश्चिमी रेलवे नेटवर्क पर स्थित स्टेशन पर सुबह करीब 9।45 बजे हुई। रेलवे पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि लोकल ट्रेन से उतरने की कोशिश के दौरान व्यक्ति की गर्दन बाड़ में फंस गई। अधिकारी ने बताया कि उसे नायर अस्पताल ले जाया गया जहां पहुंचने पर उसे मृत घोषित कर दिया गया। उन्होंने बताया कि पोस्टमार्टम किया जा रहा है। अधिकारी के अनुसार उसी ट्रेन में यात्रा कर रहे और घटना के गवाह कुछ यात्रियों के अनुसार, व्यक्ति विपरीत दिशा से उतरने की कोशिश कर रहा था, जो बाड़ वाला क्षेत्र है

पटियाला पहुंचे कृषि मंत्री शिवराज चौहान
धान के सीधी बिजाई मॉडल को बताया शानदार, जल संकट पर भी दिया बयान

चंडीगढ़, 5 जून (एजेंसियां)। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान एक दिवसीय दौरे पर पटियाला पहुंचे। राजपुरा में उन्होंने किसान चौपाल में किसानों से संवाद किया और ट्रैक्टर चलाया। अपने दौरे के दौरान केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने जल संकट पर बड़ा बयान दिया। चौहान ने कहा कि केंद्र सरकार सिंधु जल समझौते का एक बेहतर विकल्प देख रही है। केंद्र सरकार सिंधु जल समझौते को रद्द कर सिंधु झेलम व चेनाब का पानी पंजाब और हरियाणा को देने के लिए नए प्रस्ताव बनाने का पूरा प्रयास कर रही है। चौहान ने कहा कि पंजाब में भू जल स्तर नीचे जा चुका है और प्रदेश के कई इलाके डार्क जोन में जा चुके हैं ऐसे में पानी की समस्या की आपूर्ति के लिए सिंधु जल समझौता एक बेहतर विकल्प है। चौहान ने पंजाब के किसानों द्वारा धान की सीधी बिजाई को देश का बेहतर मॉडल माना । केंद्रीय कृषि मंत्री ने कहा कि देश के हर राज्य के किसानों को पंजाब के किसानों से सीख लेते हुए धन की सीधी बिजाई कर न केवल पानी की बचत करनी चाहिए बल्कि अन्य फसलों की पैदावार पर भी ध्यान देना चाहिए। राजपुरा के किसानों ने केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान से पंजाब एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी के लिए अतिरिक्त फंड की मांग की ताकि एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी किसानों की पैदावार को बढ़ाने और फसल विविधीकरण की ओर उन्हें ले जाने के लिए नए कृषि शोध कर खेती के नए विकल्प उन्हें मुहैया करा सके।

किसानों से बातचीत के दौरान केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि बैठकों में अक्सर लोग भाषण देकर चले जाते हैं जबकि इस तरह किसानों के बीच जाकर चौपाल में हिस्सा लेकर खेती बाड़ी से जुड़ी जमीनी समस्याओं और किसानों को आने वाली दिक्कतों का पता चलता है। कृषि मंत्री ने कहा कि वह इस प्रकार के चौपाल में आगे भी हिस्सा लेते रहेंगे और पंजाब के किसानों की समस्याओं पर उसे सीधा संपर्क करेंगे।

खुद की पिता की हत्या और मनाने लगे मातम, पुलिस ने सुलझाई मर्डर मिस्ट्री

रेवाड़ी, 5 जून (एजेंसियां)। हरियाणा जिले के रेवाड़ी के कालाका नहर के पास 31 मई को एक शव बरामद हुआ था। पुलिस ने शव की लोकेशन और मृतक के गांव के बीच रास्ते में खून के निशान भी पाए थे। शव की पहचान संगवाड़ी गांव के रहने वाले लाल सिंह के रूप में हुई थी। इस हत्या से इलाके में सनसनी फैल गई थी। मामले में मृतक के भाई ने शिकायत दी थी। शिकायत के आधार पर पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ हत्या की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया था। अब पुलिस ने इस हत्याकांड में हैरान कर देने वाला खुलासा किया है। पुलिस ने खुलासा किया है कि लाल सिंह की हत्या उन्हीं के दोनों बेटों ने की है। यानी जो बेटे पिता की मौत का दुख मना रहा थे, वो ही पिता के कातिल निकले। पुलिस ने इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मृतक लाल सिंह के बेटे मोहित और साथी पवन खुशवाह के रूप में हुई है। पवन खुशवाह मूल रूप से मथुरा का निवासी है और वर्तमान में बनीपुर चौक के पास किराये पर रहता था। दोनों आरोपियों को पुलिस ने कोर्ट में पेश किया और एक दिन की रिमांड पर लिया है। जांच में पता चला है कि दोनों बेटों ने अपने तीसरे साथी पवन खुशवाह के साथ मिलकर अपने पिता की हत्या की थी। लोहे की मुसली (सलाईनुमा हथियार) सिर पर मारकर लाल सिंह की हत्या की गई थी।

सजना है मुझे शिव के लिए
यूपी के हाथरस की राधा ने रचाई भोलेनाथ से शादी, हल्दी-मेहंदी और बारात में वरमाला भी

दौसा, 5 जून (एजेंसियां)। राजस्थान के दौसा जिले के बांदीकुई में ब्रह्मा कुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय केंद्र पर एक ऐसा अनूठा और आध्यात्मिक विवाह देखने को मिला, जिसने पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बना दिया। उत्तर प्रदेश के हाथरस की निवासी 32 वर्षीय राधा ने भगवान शिव से विवाह किया। यह समारोह पूरी तरह पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार संपन्न हुआ। राधा के इस आध्यात्मिक विवाह में हल्दी, मेहंदी, बारात और वरमाला जैसी सभी पारंपरिक रस्मों को निभाया गया। विवाह स्थल के तौर पर नंदगांव कॉलोनी स्थित एक निजी मैरिज गार्डन को विशेष रूप से सजाया गया था। राधा ने शिवलिंग को वरमाला पहनाई और सात फेरे भी लिए। इस आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालु और स्थानीय लोग शामिल हुए। बीएससी उत्तीर्ण राधा पिछले 11 वर्षों से बांदीकुई के ब्रह्मा कुमारी केंद्र से जुड़ी हुई हैं और शिव की आराधना में लीन हैं। राधा ने बताया कि उन्होंने 2014 में स्नातक करने के बाद गृहस्थ जीवन को त्याग दिया और आध्यात्मिक मार्ग अपना लिया। बचपन में ही पिता की मृत्यु के बाद उनका जीवन धर्म और साधना की ओर अग्रसर हो गया। इस आध्यात्मिक विवाह में राधा की मां प्रेमवती और मामा इंदु कुमार ने कन्यादान की रस्म निभाई। राधा ने स्पष्ट कहा कि बिना परिवार की सहमति के ऐसा विवाह संभव नहीं था। उनका मानना है कि यह विवाह भगवान शिव के प्रति उनकी पूर्ण आस्था और समर्पण का प्रतीक है। बांदीकुई ब्रह्मा कुमारी केंद्र की प्रभारी के अनुसार, इस प्रकार का विवाह केंद्र में पहली बार संपन्न हुआ है। यह परंपरा केवल उन महिलाओं के लिए होती है, जो गृहस्थ जीवन त्याग कर वर्षों से शिव की तपस्या में लीन रहती हैं। इस अनूठे विवाह के बाद, 17 जून से 21 जून तक माउंट आबू में एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जिसमें इस प्रकार के विवाह करने वाली महिलाओं को संकल्प प्रमाण पत्र और गोल्ड मेडल प्रदान किए जाएंगे। यह आयोजन समाज में आध्यात्मिक समर्पण की मिसाल बन गया है।

'जबरन शादी कराना चाहते हैं माता-पिता, घर में कैदकर मारा-पीटा', हाई कोर्ट पहुंच गई लड़की

मुंबई, 5 जून (एजेंसियां)। मुंबई से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि बिहार में शादी के लिए माता-पिता के कैद में रखी गई युवती ने बॉम्बे हाई कोर्ट से यह कहा कि वह अपने परिवार के किसी भी हस्तक्षेप के बिना पुणे में अकेले रहना और काम करना चाहती है। बता दें कि युवती के दोस्त ने हाई कोर्ट में बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका दायर की थी। याचिका में यह दावा किया गया था कि युवती को बिहार में रहने वाले उसके परिवार ने उस समय कैद कर लिया था, जब वह पिछले महीने एक समारोह में शामिल होने के लिए अपने घर गई हुई थी। युवती ने मदद के लिए अपने दोस्त को संदेश भेजा कर गुहार लगाई और यह कहा कि उसके माता-पिता ने उसके साथ मारपीट की और उसे उसकी इच्छा के खिलाफ शादी करने के लिए धमकाया भी जा रहा है और उसे घर में जबरन कैद करके रखा है। युवती पुणे में रियल एस्टेट क्षेत्र में काम करती है। कोर्ट के 29 मई के आदेश के अनुपालन में पुणे पुलिस ने युवती को बिहार में खोज निकाला और बुधवार को उसे जस्टिस नीला गोखले और जस्टिस फिरदौस पूनीवाला की अवकाशकालीन पीठ के समक्ष पेश किया। युवती से बात करने के बाद पीठ ने कहा कि वह (युवती) अपनी मर्जी से पुणे में रह रही है और काम कर रही है और उसने स्पष्ट रूप से कहा है कि वह अपने माता-पिता से दूर अकेले रहना चाहती है। जिसके बाद पीठ ने इसी के साथ याचिका का निपटारा कर दिया।

'महिला ने बिना पोस्टमॉर्टम के बेटे का शव मांगा'
भगदड़ को याद कर भावुक हुए डीके शिवकुमार

बंगलूरू, 5 जून (एजेंसियां)। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार बंगलूरू भगदड़ के बाद मीडिया को संबोधित करने के लिए बाहर आए तो भावुक हो गए। शिवकुमार घटना को याद कर अपने आंसू नहीं रोक पाए और बिलख पड़े। उन्होंने कहा कि हादसे में बच्चों की भी जान गई है। इस नुकसान की भरपाई नहीं हो सकती। बीते दिन भगदड़ में 11 लोगों की मौत हो गई थी, जबकि 30 से ज्यादा लोग घायल हुए थे। शिवकुमार ने नम आंखों और रुंधे हुए गले के साथ संवाददाताओं से कहा कि एक मां ने मुझसे अनुरोध किया कि मैं अपने बेटे का शव पोस्टमॉर्टम कराए बिना दे दूं, लेकिन यह एक कानूनी प्रक्रिया थी। उन्होंने कहा कि इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि बंगलूरू के एम। चिन्नास्वामी स्टेडियम में जीत का जश्न मनाने की अनुमति किसने दी, क्योंकि जवाबदेही तय की जाएगी और पूरी जांच के बाद कार्रवाई की जाएगी। हम इस अनहोनी पर भाजपा के राजनीतिक एजेंडे के खिलाफ हैं। हम राजनीति नहीं करना चाहते। इससे पहले बुधवार को घटना के तुरंत बाद शिवकुमार ने माफी मांगी और कहा कि 35,000 लोगों की क्षमता वाला स्टेडियम इतनी बड़ी भीड़ को संभाल नहीं सका। हालांकि, कर्नाटक के गृह मंत्री जी। परमेश्वर के अनुसार भीड़ का आकार कल के अनुमान से कहीं अधिक था। राज्य के गृह मंत्री ने आज दोपहर कहा कि करीब आठ लाख लोग आए थे। कर्नाटक सरकार ने भगदड़ में मारे गए लोगों के परिवारों को 10 लाख रुपये का मुआवजा देने की घोषणा की है। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने बुधवार शाम को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में मामले की मजिस्ट्रेट जांच की भी घोषणा की थी। मुख्यमंत्री ने कहा, 'मैं इस घटना का बचाव नहीं करना चाहता। हमारी सरकार इस पर राजनीति नहीं करेगी। मैंने मजिस्ट्रेट जांच के आदेश दिए हैं और 15 दिन का समय दिया है। लोगों ने स्टेडियम के गेट भी तोड़ दिए। भगदड़ मच गई। किसी को भी इतनी बड़ी भीड़ की उम्मीद नहीं थी।' भाजपा ने कर्नाटक सरकार की आलोचना की कि उसने इतनी भीड़ का अनुमान नहीं लगाया। कांग्रेस के कई नेता इस बार आरसीबी की संभावित जीत के बारे में बात कर रहे थे। कार्यक्रम से पहले ही जश्न का माहौल था। इससे यह संकेत मिल रहा था कि भारी भीड़ उमड़ेगी। केंद्रीय मंत्री शोभा करंदलाजे ने शिवकुमार के इस्तीफे की मांग की और भगदड़ की जांच के लिए उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के नेतृत्व में एक जांच समिति गठित करने का आह्वान किया।

बीएसएफ जवान का बॉर्डर से अपहरण कर बांग्लादेश ले गए उपद्रवी

कुछ ही घंटों के बाद करना पड़ा रिहा

मुर्शिदाबाद, 5 जून (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में भारत-बांग्लादेश सीमा पर उस वक्त तनाव बढ़ गया जब सुटियार, नूरपुर चांदनी चौक के पास बीएसएफ के एक जवान को कथित तौर पर बांग्लादेशी नागरिकों ने अपहरण कर लिया और उसे अंतरराष्ट्रीय सीमा पार ले गए। हालांकि, कुछ घंटों की तनावपूर्ण स्थिति के बाद बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) के साथ बातचीत के बाद भारतीय जवान को रिहा कराया गया। यह घटना तब हुई थी जब बीएसएफ का जवान कथालिया गांव के पास सीमा पर गश्त कर रहा था। बांग्लादेश की ओर से घुसपैठ की कोशिश को रोकने के लिए गश्त कर रहे बीएसएफ के जवान को बांग्लादेश के चपाई नवाबगंज जिले के कुछ उपद्रवियों ने पकड़ लिया और फिर उसे सीमा पार ले गए। एक सीनियर बीएसएफ के अधिकारी ने बताया, हमारे जवान को कुछ बांग्लादेशी नागरिक बंधक बनाकर सीमा पार ले गए थे। हमने तुरंत बीजीबी से संपर्क किया और फ्लैग मीटिंग के बाद जवान को कुछ ही घंटों में रिहा करवाया गया। जवान अब हमारे साथ है और पूरी तरह स्वस्थ है।

वायरल वीडिया और विवाद

दरअसल, सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें कथित तौर पर बीएसएफ के जवान को बांग्लादेश की सीमा में एक सुदूर क्षेत्र में केले के पेड़ से बंधा हुआ दिखाया गया था। वीडियो में दावा किया गया था कि जवान को चार घंटे तक बंधक बनाकर रखा गया था। हालांकि, वीडियो की प्रमाणिकता की पुष्टि नहीं हुई है। लेकिन इस वीडियो ने सीमा पर सुरक्षा व्यवस्था और बीएसएफ जवानों की स्थिति पर सवाल उठाए हैं। बीएसएफ ने इस घटना की जांच शुरू कर दी है और सीमा पर सुरक्षा प्रोटोकॉल की समीक्षा की जा रही है।

ठाकरे परिवार का एक होना तय
अब आदित्य के भाई ने भी दे दिया बयान कहा- 'मुझे परेशानी नहीं, दोनों बात करें'

मुंबई, 5 जून (एजेंसियां)। महाराष्ट्र की राजनीति में एक बार फिर बड़ा बदलाव होने के असार साफ दिख रहे हैं। पिछले साल हुए विधानसभा चुनाव में यहां भारतीय जनता पार्टी सबसे ज्यादा सीटें जीतने में कामयाब रही थी और ठाकरे परिवार बड़ा प्रभाव नहीं डाल पाया था। ऐसे में उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे एक बार फिर साथ नजर आ सकते हैं। राज ठाकरे की महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना और उद्धव ठाकरे की शिवसेना यूबीटी के नेता लगातार दोनों नेताओं के साथ आने को लेकर बयानबाजी कर रहे हैं। अब राज ठाकरे के बेटे और आदित्य ठाकरे के भाई अमित ठाकरे ने उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे के साथ आने के सवाल पर कहा कि राज और उद्धव दोनों भाई आपस में बात करेंगे तभी बात बनेगी। दोनों एक दूसरे को फोन कर बात करें तभी गठबंधन संभव है। मीडिया में बयानबाजी से काम नहीं होगा। अमित ठाकरे ने कहा आप जो दो भाई की बात कर रहे हैं, मेरा कहना इतना ही है कि उन दोनों भाइयों को एक दूसरे को कॉल करना चाहिए। मेरे कहने से कुछ नहीं होगा। दोनों साथ आते हैं तो मुझे कोई आपत्ति नहीं है। 2014/2017 और कोविड के समय में हमने देखा कि राज ठाकरे ने उद्धव ठाकरे को फोन किया था और कहा था कोविड जैसी भीषण विपदा में हम सरकार के साथ हैं। इसलिए उन दोनों को बातचीत करनी चाहिए। मीडिया के सामने बयानबाजी करने से गठबंधन नहीं होता है। दोनों के पास एक दूसरे के फोन नम्बर हैं, दोनों बात करें। आदित्य ठाकरे ने कहा था की बीजेपी और एनडीए को सत्ता से दूर रखने के लिए जो साथ आना चाहते हैं, हम उनके साथ बात करने के लिए तैयार हैं। इसके बाद से दोनों पार्टियों के बीच गठबंधन की अटकलें लगाई जाने लगीं। दोनों पार्टियों के अन्य नेताओं ने भी इन्हें हवा दी। हाल ही में मनसे के नेता प्रकाश महाजन ने कहा था कि गठबंधन करना है तो आदित्य ठाकरे को राज ठाकरे से मिलना चाहिए। अब अमित का बयान इसकी पुष्टि करता है कि दोनों पार्टियों के नेता साथ आना चाहते हैं। हालांकि, उद्धव या राज ठाकरे की तरफ से इस मामले पर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है।

सुविचार: संसाधनों की कमियाँ ना गिनाओ आज अगर मेहनत अच्छे से करोगे तो संसाधन भी आ जायेगे।

सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप से कांचा गच्चीबावली में हजारों पेड़ों को बचाने में मदद मिली

हैदराबाद, 5 जून (स्वतंत्र वार्ता)। 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस है, इसलिए बड़ी संख्या में लोगों ने (इंडियन सोसाइटी फॉर पीस एंड कल्चरल अफेयर्स) और ऑल इंडिया तंजीम इंसाफ के तत्वावधान में आज सुंदरिया पार्क में एक जुलूस और एक सार्वजनिक बैठक में भाग लिया। इस अवसर पर बोलते हुए, पूर्व सांसद, सीपीआई के सचिव और ऑल इंडिया तंजीम इंसाफ के अध्यक्ष सैयद अज़ीज़ पाशा ने कहा कि भारत ब्राजील के बाद वनों की कटाई के मामले में दुनिया में दूसरे नंबर पर है, क्योंकि 2019 से 2022 तक 5.8 मिलियन पेड़ काटे गए हैं और सैटेलाइट सर्वेक्षण से पता चलता है कि 117 पूरी तरह से विकसित पेड़ उखड़ गए हैं। दक्षिण भारत में तेलंगाना सबसे ज़्यादा है, जहां 2014 से 2024 तक 11,422 हेक्टेयर वन भूमि नष्ट हो गई।

इसके अलावा, सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप से कांचा गच्चीबावली को बचाने में मदद मिली, अन्यथा हजारों पेड़ गिर सकते थे। भारत सरकार को 1997 के क्योटो प्रोटोकॉल, 2015 के पेरिस समझौते और सीओपी 29, बाकू की सिफारिशों को सख्ती से लागू करना चाहिए और दुनिया को ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन से बचाने में भाग लेना चाहिए। उन्होंने जीएचएमसी और अन्य नगर पालिकाओं से घर निर्माण की अनुमति लेने से पहले दो पेड़ लगाने की पूर्व शर्त के तहत बैंगलोर नगर निगम के पैटर्न का पालन करने को कहा। आईएससीयूएफ के अध्यक्ष आर गोपाल ने कहा कि ग्लोबल वार्मिंग पूरे विश्व के लिए सबसे बड़ा खतरा है, क्योंकि हम अप्रत्याशित गर्मी की लहरें, बाढ़ और तूफान देख रहे हैं।

उन्होंने लोगों से प्लास्टिक के एकल उपयोग को न कहने का भी आह्वान किया, जो हमारे जीवन को अकल्पनीय नुकसान पहुंचा रहा है। उन्होंने पूरे राज्य में वर्तमान बरसात के मौसम में बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण करने पर जोर दिया। वरिष्ठ अधिवक्ता और आईएससीयूएफ के कार्यकारी अध्यक्ष के. प्रभाकर राव ने वर्तमान पर्यावरण को बेहतर बनाने के लिए बहुआयामी दृष्टिकोण पर जोर दिया, क्योंकि अंटार्कटिका और ग्रीनलैंड के ग्लेशियर बहुत तेजी से पिघल रहे हैं।

तंजीम इंसाफ के मुनीर पटेल ने जन जागरूकता अभियान और सामुदायिक भागीदारी पर जोर दिया। अधिवक्ता ए. विजया लक्ष्मी ने धन्यवाद प्रस्ताव रखा।

शहर की सड़कों पर भारी भीड़ द्वारा अघोषित जश्न मनाने से सुरक्षा को खतरा : सीपी आनंद

बेंगलुरू का हादसा हैरान करने वाला

हैदराबाद, 5 जून (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद शहर के पुलिस आयुक्त सी.वी. आनंद ने आज कहा, बेंगलुरू में भगदड़ को देखकर और सुनकर मुझे आश्चर्य हुआ कि हम कहां जा रहे हैं! यह विश्व कप जीतने वाली कोई राष्ट्रीय टीम नहीं है! यह आरसीबी नामक एक मात्र फ्रेंचाइजी है जो वाणिज्यिक लाइनों पर काम करती है और इसमें हैदराबाद का एक भी खिलाड़ी नहीं है! यह हैदराबाद की टीम भी नहीं है। रात 12 बजे रात के समय तैनात अधिकारी पूरी तरह से हैरान रह गए, जब टैंक बंड, एनटीआर मार्ग और नेकलेस रोड पर युवाओं और मौज-मस्ती करने वालों की भीड़ उमड़ पड़ी और उन्होंने अनियंत्रित तरीके से व्यवहार किया, जिसका नमूना आप वीडियो में देख सकते हैं। हर तरफ यातायात जाम हो गया। स्थिति और गुंडागर्दी को देखते हुए, अतिरिक्त बल भेजा गया और अनियंत्रित भीड़ को तितर-बितर करने के लिए लाठीचार्ज किया गया। एक पुलिस अधिकारी के दृष्टिकोण से, सड़कों पर बड़ी संख्या में लोगों द्वारा अघोषित जश्न मनाना सार्वजनिक सुरक्षा के लिए एक बड़ा खतरा है और इससे ठीक वही हो सकता है जो हमने बेंगलुरू में देखा।अगर हैदराबाद में भी कुछ मौतें होतीं, तो क्या कोई हैदराबाद शहर में आरसीबी के लिए जश्न मनाने की उम्मीद कर सकता है। लेकिन देश और दुनिया भर में सोशल मीडिया की बड़ी भूमिका के साथ, शायद पुलिस को भविष्य में हर किसी और हर चीज के लिए सतर्क रहना होगा। क्या ऐसा करना मानवीय रूप से संभव है- यही मैं सोच रहा हूं।

विधायक मगंती गोपीनाथ की हालत गंभीर, अस्पताल में भर्ती

हैदराबाद, 5 जून (स्वतंत्र वार्ता)। जुबली हिल्स से बीआरएस विधायक मगंती गोपीनाथ को गुरुवार को उनके आवास पर दिल का दौरा पड़ने के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उनके परिवार के सदस्य उन्हें आज दोपहर गाच्चीबावली के एक निजी अस्पताल ले गए। उनकी हालत गंभीर होने की खबरों के बीच पूर्व मंत्री और सिद्दीपेट विधायक हरीश राव और कई अन्य बीआरएस नेता भी अस्पताल पहुंचे। फिलहाल उन्हें 48 घंटे की निगरानी में रखा गया है। अस्पताल के सूत्रों ने बताया कि विधायक को फिलहाल वेंटिलेटर पर रखा गया है और उन पर उपचार का असर हो रहा है। 61 वर्षीय विधायक कुछ महीने पहले किडनी संबंधी बीमारी की सर्जरी के बाद ठीक हो रहे थे।

कैबिनेट बैठक से पहले मंत्री कोंडा सुरेखा बीमार पड़ीं

हैदराबाद, 5 जून (स्वतंत्र वार्ता)। वन, पर्यावरण और बंदोबस्ती मंत्री कोंडा सुरेखा कैबिनेट बैठक शुरू होने से कुछ समय पहले ही बीमार पड़ गईं। गुरुवार को सचिवालय स्थित कैबिनेट हॉल में वे बेहोश हो गईं। सचिवालय के कर्मचारियों ने तुरंत उनकी स्थिति का आकलन किया और प्रारंभिक उपचार दिया।

चिकित्सा पेशेवरों ने उनके बेहोश होने का कारण निम्न रक्तचाप बताया और उनका उपचार शुरू किया। उन्होंने बताया कि अब उनकी तबीयत स्थिर है। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने भी कोंडा सुरेखा की स्वास्थ्य स्थिति के बारे में जानकारी ली।

कांग्रेस नेता सरकारी योजनाओं को लोगों तक पहुंचाएं : मीनाक्षी

हैदराबाद, 5 जून (स्वतंत्र वार्ता)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की प्रभारी मीनाक्षी नटराजन ने पार्टी नेताओं से तेलंगाना सरकार द्वारा शुरू की गई कल्याणकारी योजनाओं को लोगों के ध्यान में लाने के महत्व पर जोर दिया है, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि जमीनी स्तर पर उनके सकारात्मक प्रभाव स्पष्ट हों। मीनाक्षी नटराजन ने टीपीसीसी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ के साथ मिलकर गुरुवार को गांधी भवन में वारंगल और महबूबनगर संसदीय क्षेत्रों के लिए अलग-अलग समीक्षा बैठकें कीं, जिसमें दोनों क्षेत्रों के पार्टी नेताओं ने भाग लिया। मीनाक्षी नटराजन ने बैठकों के दौरान कहा कि नेताओं को लोगों तक सरकारी योजनाओं को प्रभावी ढंग से पहुंचाने के लिए पहल करनी चाहिए, उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं और नेताओं दोनों को पार्टी और लोगों के बीच एक कड़ी के रूप में काम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि सभी पार्टी नेताओं को सहयोग करना चाहिए और वरिष्ठ और कनिष्ठ दोनों नेताओं के बीच समन्वय को सुविधाजनक बनाने के प्रयास किए जाने चाहिए। टीपीसीसी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ ने कहा कि समिति के गठन में देरी से सदस्यों में निराशा है, लेकिन उन्होंने जोर देकर कहा कि जल्द ही उचित पदों पर नियुक्ति की जाएगी। उन्होंने कहा कि विधायकों को पिछले 17 महीनों के दौरान अपने प्रदर्शन पर विचार करना चाहिए, क्योंकि स्थानीय चुनावों में निराशाजनक परिणाम उनके लिए मुश्किलें खड़ी कर सकते हैं।

इथेनॉल कंपनी के परमिट रद्द किए जाएं : सीपीएम

हैदराबाद, 5 जून (स्वतंत्र वार्ता)। सीपीआई(एम) तेलंगाना राज्य समिति के सचिव जॉन वेस्ले ने आज 60 किसानों की गिरफ्तारी और 12 किसानों को रिमांड पर लिए जाने की निंदा की, जो जोगुलम्बा गदवाल जिले के राजोली मंडल के पेड्डा दानवाड़ा गांव के बाहरी इलाके में इथेनॉल उद्योग की स्थापना के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे थे। एक बयान में उन्होंने कहा कि आसपास के गांवों के लोग कई महीनों से इस कारखाने की स्थापना के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रहे थे और उनका कहना था कि कारखाने के निर्माण के लिए ली गई जमीन के पास राज्य सरकार द्वारा स्थानीय दलितों को दी गई जमीन और मकान होने से कई तरह के प्रदूषण होंगे।

उन्होंने कहा, ग्राम सभा के प्रस्ताव और ग्राम पंचायत की अनुमति के बिना कंपनी प्रबंधन ने स्थानीय लोगों को आतंकित करने के लिए बाहर से जेसीबी, टिपर, कंटेनर और मजदूर मंगवाए। इसका विरोध करने वाले किसानों, महिलाओं और लोगों पर पुलिस ने लाठियां बरसाईं। स्थानीय किसानों और लोगों की सहमति और अनुमति के बिना उद्योग लगाना सही नहीं है। हालांकि कांग्रेस ने चुनाव के दौरान इथेनॉल कंपनी नहीं लगाने का वादा किया था, लेकिन अब वह अलग तरीके से काम कर रही है।

माकपा मांग कर रही है कि राज्य सरकार हिरासत में लिए गए लोगों को तुरंत रिहा करे, अवैध रूप से दर्ज सभी मामलों को वापस ले और इथेनॉल उद्योग की स्थापना को तुरंत वापस ले। राजस्व सम्मेलन में एक किसान के साथ पुलिस अधिकारी द्वारा मारपीट करने की खबरों पर प्रतिक्रिया देते हुए वेस्ले ने राज्य सरकार से चल रहे राजस्व सम्मेलनों को शांतिपूर्ण माहौल में आयोजित करने की मांग की। उन्होंने कहा, कई किसान गहरे संकट में हैं, क्योंकि वर्षों से अधिकारियों के चक्कर लगाने के बावजूद उनकी भूमि संबंधी समस्याओं का समाधान नहीं हुआ

रेवंत रेड्डी सस्ते दामों पर उद्योगपतियों को जमीन दे रहे हैं : हरीश राव

हैदराबाद, 5 जून (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री हरीश राव ने आज आरोप लगाया कि जब से सीएम ने 2013 के भूमि अधिग्रहण अधिनियम को रौंदकर अपने पसंदीदा दिग्गजों के लिए जबरन जमीन अधिग्रहण करने की जिम्मेदारी ली है, तब से निजी व्यक्ति और पुलिस किसानों पर लगातार लाठियां चला रहे हैं। उन्होंने कहा कि जोगुलम्बा गदवाल जिले के पेड्डा धनवाड़ा गांव में बुधवार को पुलिस ने इथेनॉल फैक्ट्री के बाउंसरों के साथ मिलकर किसानों पर अंधाधुंध हमला किया। राव ने कहा कि रेवंत रेड्डी, जो बार-बार खुद को पलामुरु का बेटा कहते हैं, ने अपने जिले में हुई घटना के 24 घंटे बाद भी कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। उन्होंने कहा, यह अपराध है कि पुलिस ने 12 गांवों के किसानों की पिटाई की और 40 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया तथा 12 लोगों को रिमांड पर भेज दिया। मैं सरकार से यह बताने को कह रहा हूं कि किसानों की पिटाई करने वाले इथेनॉल फैक्ट्री के मालिक या बाउंसरों के खिलाफ मामला क्यों नहीं दर्ज किया गया? कांग्रेस और रेवंत रेड्डी के डेढ़ साल के शासन में ऐसी कितनी घटनाएं हुई हैं। राव ने कहा कि लागाचेर्ला में फार्मा कंपनी का विरोध करने वाले लंबाडा किसानों को हथकड़ी लगाने की घटना के बाद केंद्रीय मानवाधिकार आयोग, एससी और एसटी आयोग की फटकार का राज्य सरकार पर कोई असर नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि इथेनॉल फैक्ट्री की स्थापना का विरोध करने वाले किसानों को निर्मल जिले के दिलावरपुर में भी पीटा गया। राव ने आरोप लगाया, सरकार ने सीएम और उनके रिश्तेदारों के रियल एस्टेट कारोबार को बढ़ाने के लिए 6-लेन ग्रीनफील्ड रोड के मामले में भी किसानों के खिलाफ मामले दर्ज किए हैं। सरकार ने जहीराबाद के न्यालकल के किसानों पर अंधाधुंध हमला किया है और अवैध मामले दर्ज किए हैं। जब सूर्यपेट जिले के चिलकलूरू गांव के किसानों ने सवाल किया कि क्या उनके कर्ज माफ किए गए हैं, तो 42 लोगों पर मामला दर्ज किया गया और पुलिस की बर्बरता दिखाई गई। निर्मल जिले के येरवाचिंता में अनाज की कटाई की प्रक्रिया पर सवाल उठाने पर किसानों के खिलाफ मामले दर्ज किए गए। रेवंत रेड्डी किसानों को और कितने तरीकों से धमकाएंगे? सीएम किसानों और लोगों के लिए एक भी काम नहीं कर रहे हैं, बल्कि केवल बुजुर्गों को जमीन दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि बीआरएस की ओर से वे पेड्डा धनवाड़ा गांव से गिरफ्तार किए गए 12 किसानों की तत्काल रिहाई की मांग करते हैं।

दिल्ली के जंतर-मंतर पर बंडी संजय ने पौधा लगाया

हैदराबाद, 5 जून (स्वतंत्र वार्ता)। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार ने आज जंतर-मंतर-1 के लॉन में पौधा लगाया। यह कार्यक्रम पर्यावरण संरक्षण और स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए आयोजित किया गया था। वरिष्ठ अधिकारियों और कर्मचारियों ने कार्यक्रम में भाग लिया और प्रकृति की रक्षा के अपने संकल्प की पुष्टि की। इस अवसर पर बोलते हुए, मंत्री ने कहा कि जलवायु परिवर्तन से लड़ने, जैव विविधता को संरक्षित करने और भावी पीढ़ियों के लिए हरी-भरी धरती प्रदान करने के लिए व्यक्तिगत और सामूहिक जिम्मेदारी बहुत महत्वपूर्ण है। इस लक्ष्य को आगे बढ़ाने के लिए, मंत्री ने एक बयान जारी कर अपने कार्यालय के प्रत्येक कर्मचारी से अपनी माँ के नाम पर एक पौधा लगाने को कहा। कार्यक्रम की शुरूआत एक पेड़ माँ के नाम नामक एक भावनात्मक अभियान से हुई। उन्होंने परिवार के सदस्यों से भी इसमें भाग लेने और पौधों की तस्वीरें और विवरण उनके कार्यालय को भेजने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि माताओं के प्यार के प्रतीक के रूप में पौधे लगाना और उनका पालन-पोषण करना एक सार्थक श्रद्धांजलि है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस तरह के छोटे-छोटे कार्य सामूहिक जागरूकता बढ़ाएंगे और एक टिकाऊ भविष्य की ओर ले जाएंगे।

पूर्व मंत्री ने किसानों की गिरफ्तारी की निंदा की

हैदराबाद, 5 जून (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री एस. निरंजन रेड्डी ने आज कहा कि जोगुलम्बा गदवाल जिले के पेद्दा धनवाड़ा में किसानों पर सरकार का अत्याचार क्रूर है। उन्होंने कहा कि किसानों को यह आश्वासन देने के बाद कि इथेनॉल उद्योग स्थापित नहीं किया जाएगा, गांव में इथेनॉल कारखाना स्थापित करना किसानों और लोगों के साथ धोखा है। सरकार की धोखाधड़ी पर सवाल उठाने वाले किसानों और उनके परिवारों पर पुलिस का लाठीचार्ज शर्मनाक है। चालीस किसानों को गिरफ्तार किया गया और 12 किसानों पर मामला दर्ज कर राज्य सरकार ने उन्हें रिमांड पर भेज दिया। हम कांग्रेस सरकार के अत्याचारों का विरोध करेंगे। लोग भविष्य में कांग्रेस की कुटिल नीतियों को सबक सिखाएंगे। रेड्डी ने जोगुलम्बा गदवाल जिले के पेड्डा धनवाड़ा में इथेनॉल कारखाने के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे किसानों पर लाठीचार्ज, गिरफ्तारी और रिमांड की निंदा की।

तुम्मला ने प्रगतिशील किसानों के लिए बीज वितरण के समापन की घोषणा की

हैदराबाद, 5 जून (स्वतंत्र वार्ता)। कृषि मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव ने घोषणा की कि प्रोफेसर जयशंकर तेलंगाना कृषि विश्वविद्यालय और राज्य कृषि विभाग के सहयोग से प्रगतिशील किसानों के लिए बीज वितरण कार्यक्रम गुरुवार को सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। उन्होंने बताया कि धान के लिए लगभग 20,000 बीज किट, ज्वार के लिए 1,522, लाल चना के लिए 4,568 और हरे चने के लिए 8,910 किट किसानों को वितरित किए गए हैं। नलगोंडा जिले को सबसे अधिक 2,192 बीज किट मिले, जबकि मेडचल मलकाजगिरी जिले को सबसे कम 379 किट मिले। तुम्मला नागेश्वर राव ने बताया कि किसानों को गुणवत्तापूर्ण बीज उपलब्ध कराने के लिए पिछले चार महीनों में योजनाएं तैयार की गई हैं।

भू-भारती की समय-सीमा में लगातार हो रहे परिवर्तन से भू-स्वामी असमंजस में

हैदराबाद, 5 जून (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस सरकार द्वारा लंबे समय से लंबित भूमि विवादों को सुलझाने के वादे के साथ शुरू किया गया बहुप्रचारित भू-भारती पोर्टल, भूमि मालिकों के बीच तेजी से विश्वसनीयता खो रहा है। कई सार्वजनिक आश्वासनों और सावधानीपूर्वक निर्धारित समय-सीमाओं के बावजूद, जमीनी हकीकत में कोई बदलाव नहीं आया है और हजारों लोग अभी भी समाधान का इंतजार कर रहे हैं।

धरणी पोर्टल की जगह लॉन्च किए गए भू-भारती को भूमि रिकॉर्ड और पंजीकरण में अनियमितताओं को ठीक करने के लिए एक पारदर्शी और जन-केंद्रित समाधान के रूप में प्रचारित किया गया था। इसके शुरू होने के दो महीने से अधिक समय बाद भी, पोर्टल ने अधिकांश शिकायतकर्ताओं को ठोस राहत नहीं दी है।

इस साल फरवरी में राजस्व मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने घोषणा की थी कि धरणी प्रणाली के तहत लगभग 2.45 लाख लंबित आवेदनों को 1 से 7 मार्च के बीच आयोजित 'राजस्व सदासुलु' (बैठक) के माध्यम से निपटाया जाएगा। इसके बाद, 14 अप्रैल को भू-भारती पोर्टल आधिकारिक तौर पर शुरू किया गया, जिसमें चार मंडलों में पायलट प्रोजेक्ट शुरू किए गए। सरकार का लक्ष्य इन क्षेत्रों में 1 मई तक भूमि से संबंधित सभी मुद्दों को हल करना है। अप्रैल के अंत में समयसीमा को बढ़ाकर 2 जून कर दिया गया, जो तेलंगाना स्थापना दिवस के साथ मेल खाता है।

लेकिन मंत्री ने भूमि संबंधी सभी मुद्दों को हल करने के लिए समयसीमा को एक बार फिर बढ़ाकर 15 अगस्त कर दिया, जिससे भूमि मालिक असमंजस में पड़ गए।

इस महीने की शुरूआत में अधिकारियों ने दावा किया था कि पायलट मंडलों में 60 प्रतिशत मुद्दों का समाधान कर दिया गया है, जिनमें से अधिकांश सदा बैनामा से जुड़े हैं। लेकिन लगभग 40 प्रतिशत विवाद अभी भी अनसुलझे हैं। सरकार 3 से 20 जून तक सभी मंडलों में 'राजस्व सदासुलु' का एक नया दौर आयोजित कर रही है ताकि संबंधित मंडलों में शिकायतों का समाधान किया जा सके।

ज़मीन मालिकों में निराशा बढ़ रही है और उनमें से कई का आरोप है कि कांग्रेस सरकार द्वारा बार-बार समयसीमा में बदलाव करना राजनीतिक इच्छाशक्ति और प्रशासनिक तैयारियों की कमी को दर्शाता है। उनका कहना है कि उन्हें राजस्व कार्यालयों के कई चक्कर लगाने के लिए मजबूर किया जा रहा है, लेकिन यह स्पष्ट नहीं है कि उनके मुद्दों का समाधान कब होगा।

अनिश्चितता का असर तेलंगाना में ज़मीन के लेन-देन पर भी पड़ रहा है। स्टाम्प और पंजीकरण अधिकारी भी मानते हैं कि ज़मीन के विवादों को सुलझाने में देरी की वजह से, ख़ास तौर पर कृषि भूमि के मामले में, काम में कमी आ रही है। भू-भारती पोर्टल ने एक नया प्लेटफॉर्म देने का वादा किया था, लेकिन अब तक इसने केवल नौकरशाही की पुरानी देरी ही दिखाई है। जब तक राज्य सरकार सुधारात्मक उपाय नहीं करती, भूमि से जुड़े मामलों का समाधान दूर की कौड़ी ही रह सकता है।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, KAMALA , M/O: SUB MAJ DHANESH KUMAR, R/O: HOUSE NO.181, UNCHA MAJRA, BASHARIA (125), PATAUDI, GURGAON, HARYANA – 122503, have changed my name from KAMALA to KAMLA, and my Date of Birth is: 01-01-1956 vide Affidavit dt.05-06-2025.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

सीपी ने सीएम के सभास्थल का दौरा किया

हैदराबाद, 5 जून (स्वतंत्र वार्ता)। राचकोंडा पुलिस आयुक्त सुधीर बाबू ने कल तिरुमालापुर तुर्कापल्ली मंडल में होने वाली मुख्यमंत्री की जनसभा की पृष्ठभूमि में सभा भवन परिसर का निरीक्षण किया। तत्पश्चात उन्होंने सभा स्थल की व्यवस्था, सुरक्षा उपाय, यातायात नियंत्रण आदि पर अधिकारियों व कर्मचारियों को आवश्यक निर्देश दिए। तत्पश्चात उन्होंने गुडूर टोल प्लाजा पर स्थापित चेक पोस्ट का दौरा किया तथा अधिकारियों को उचित निर्देश दिए।

'मैं स्टार था, वो सिर्फ मॉडल..., दीपिका पादुकोण को 2 साल डेट कर चुका : मुजाम्मिल इब्राहिम, 'घमंड' में कर लिया था ब्रेकअप

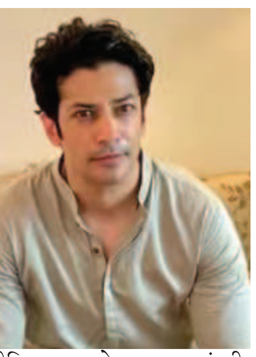

दीपिका पादुकोण आज इडंस्ट्री की एक सक्सेसफुल एक्ट्रेस है. इंडस्ट्री में अपने काम के साथ-साथ वह अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर भी हमेशा सुर्खियों में छाई रही हैं. अब एक एक्टर और सुपरमॉडल मुजाम्मिल इब्राहिम ने भी एक हैरान करने वाला खुलासा किया है कि दीपिका ने कभी उन्हें प्रपोज किया था.

राखी सावंत को फेम दिलाने वाली वो गाना परदेसिया ये सच है पीया वो गाना तो आपको याद ही होगा जिसने राखी को स्टार बना दिया था. इसी गाने में जो उनके हीरो के तौर पर नजर आए थे. वो थे मॉडल-एक्टर मुज्जमिल इब्राहिम. अब उनका कहना है कि वह दीपिका पादुकोण को 2 साल डेट कर चुके हैं. एक्टर ने बताया कि रणवीर से शादी होने से पहले तक वह दीपिका से बात किया करते थे.

दीपिका ने मुझे प्रपोज किया था

मुजम्मिल हाल ही में सिद्धार्थ कनन के शो में नजर आए थे. इसी दौरान मुजम्मिल ने दीपिका और अपने रिलेशनशिप पर खुलकर बात की है. उन्होंने कहा, 'हम दो साल तक एक दूसरे को डेट कर रहे थे. दीपिका उस वक्त भी बहुत कॉन्फिडेंट थीं, क्योंकि प्रकाश पादुकोण की बेटी हैं तो हर कोई उनसे परिचित था. उन्होंने इस बात का भी खुलासा किया कि दीपिका ने उन्हें प्रपोज किया था, लेकिन उन्होंने दीपिका से ब्रेकअप कर लिया था.

वो मॉडल थीं और मैं स्टार

अपनी बात आगे रखते हुए मुजम्मिल ने बताया, 'उस वक्त मैं स्टार था, मेरे गाने चलते थे, इडंस्ट्री में मेरा नाम था. उस वक्त वो स्टार नहीं थीं. आज वह सुपरस्टार हैं. लोग उनके फैंस हैं. हर कोई आज उन्हें जानता है लेकिन मुझे आज कोई नहीं जानता. मैं भी उनका बहुत बड़ा फैन हूं. मुझे उनकी फिल्में देखना पसंद हैं. उनके रोल जबरदस्त होते हैं. वो आज इतने आगे बढ़ चुकी हैं. शानदार काम कर रही हैं. लेकिन जो सच है वो है.'बता दें कि मुजम्मिल से जब सवाल किया गया कि क्या आज भी आप उनसे बात करते हैं, या उनके टच में हैं. इसके जवाब में उन्होंने कहा, 'साल 2019 में दीपिका की शादी रणवीर सिंह से हुई थी. उनकी शादी के बाद से ही मैं टच में नहीं हूं. शादी से पहले तो कभी कबार बात हो जाती थी, उन्होंने इस बात का भी खुलासा किया कि ब्रेकअप के बाद उनके बीच दोस्ती हो गई थी.

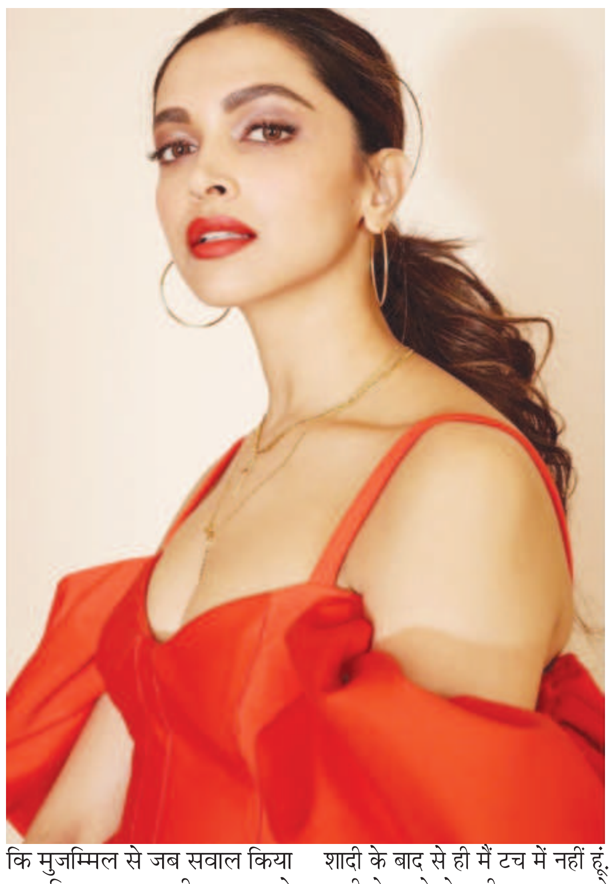

'66 की उम्र में सठिया गई है', नीना गुप्ता का बर्थडे लुक देख हैरान हुए लोगों ने किया ट्रोल

60 की उम्र में कमबैक कर पर्दे पर फिर से धमाल मचाने वालीं दिग्गज एक्ट्रेस नीना गुप्ता 66 साल की हो गई. जल्द वो फिल्म 'मेट्रो इन दिनों' में नजर आने वाली हैं. हाल ही में उन्होंने फिल्म की स्टारकास्ट के साथ अपना 66वां जन्मदिन सेलिब्रेट किया. इस मौके पर वो खास बोल्ड अंदाज में नजर आईं. लेकिन नेटिजंस को उनका ये अंदाज पसंद नहीं आया और ट्रोलिंग शुरू कर दी.

नीना गुप्ता 4 जून को 'मेट्रो इन दिनों' के ट्रेलर इवेंट लॉन्च में शामिल हुईं. उन्होंने पूरा स्टारकास्ट के साथ अपना बर्थडे केक काटा. इस मौके पर अनुपम खेर, पंकज त्रिपाठी, आदित्य रॉय कपूर, सारा अली खान, कोंकणा सेन शर्मा, पंकज त्रिपाठी और निर्देशक अनुराग बसु भी शामिल हुए. इस दौरान उन्होंने व्हाइट डीप नेक गाउन और ट्रेंडी बिस्किट ब्रा में नजर आईं.

बोल्ड और ब्यूटीफुल नीना का अंदाज

एक्ट्रेस का ये अंदाज काफी बोल्ड और ब्यूटीफुल था, जिसको उनकी उनकी बेटी मसाबा गुप्ता के फैशन लेबल ने डिजाइन किया था. लेकिन नीना की इस अदा को सोशल मीडिया यूजर्स ने बिलकुल पसंद नहीं किया. नीना को इसमें देख लोग चिढ़ गए और जली-कटी सुनाने लगे.

लोगों ने सुनाई खरी-खोटी

सोशल मीडिया पर जैसे ही नीना का ये वीडियो आया लोगों ने बातें बनानी शुरू कर दी. एक यूजर ने लिखा- इस उम्र में नीना सठिया गई है. एक अन्य ने लिखा- ये तो पहले से ही ऐसी थी. एक अन्य ने लिखा- 'यहां मम्मी अभी से हमको बोलती हैं ये सब मत पहनो'. एक अन्य यूजर ने लिखा- ' उम्र तो देखो मैडम. कई लोगों ने नीना के संस्कारों तक पर ताने मारे.

कुछ लोग कर रहे हैं सपोर्ट

वहीं, एक अन्य यूजर ने नीना के सपोर्ट में लिखा- 'बहुत लोगों को तकलीफ होने वाली है लेकिन वो उनकी जिंदगी है वो अपने हिसाब से जीएंगे बहुत सारे लोग सिर्फ जज करने वाले हैं हर किसी को अपने हिसाब से जीने का हक है.

कैसी है 'मेट्रो इन दिनों'

फिल्म 'मेट्रो इन दिनों' के ट्रेलर की बात करें तो इसमें नीना और अनुपम खेर के बीच लव स्टोरी को दिखाय गया है. नीना गुप्ता लगातार एक से बढ़कर एक फिल्में कर रही हैं.

वो प्रसिद्ध क्रिकेटर विवियन रिचर्ड्स के साथ अफेयर के बाद से चर्चा में रहीं. नीना ने 2008 में चार्टर्ड अकाउंटेंट विवेक मेहरा से शादी की और यह कपल काफी प्राइवेट रहता है.

कभी 13 साल छोटी एक्ट्रेस को किया था डेट, ब्रेकअप के बाद नए प्यार की तलाश में फ्लाप एक्टर !

अनुराग बसु की अपकमिंग फिल्म 'मेट्रो इन दिनों' का जबरदस्त बज बना हुआ है. इसके गाने जमाने लगे ने रिलीज होते ही तहलका मचा दिया. सोशल मीडिया पर इस गाने की रील्स की बाढ़ आ गई है. इस मल्टीस्टारर फिल्म में आदित्य रॉय कपूर, सारा अली खान, नीना गुप्ता, अनुपम खेर, पंकज त्रिपाठी, कोंकणा सेन शर्मा, फातिमा सना शेख और अली फजल लीड रोल में नजर आएंगे.

फिल्म में आदित्य रॉय कपूर और सारा अली खान एक-दूसरे के अपोजिट नजर आने वाले हैं. इन दिनों फिल्म के प्रमोशन में जुटे एक्टर ने हालिया इंटरव्यू में अपनी लव लाइफ और रिलेशनशिप के बारे में खुलकर बात की.

कुछ समय पहले तक आदित्य का नाम अनन्या पांडे के साथ जुड़ रहा था. वो 13 साल छोटी अनन्या पांडे को डेट कर रहे थे, लेकिन कुछ समय तक टॉक ऑफ द टाउन रहने के बाद कपल का ब्रेकअप हो गया.

अनन्या ने बताया था क्या है रेड फ्लैग

कुछ समय पहले अनन्या पांडे ने एक इंटरव्यू में रिश्ते में रेड फ्लैग के बारे में बात की थी. उन्होंने कहा था कि उनके लिए सबसे बड़ा रेड फ्लैग है कि कोई रिश्ते में उनकी बेइज्जती कर दे और पब्लिक प्लेस में उनकी रिस्पेक्ट न करे. कोई अच्छा काम कर रहा है, लेकिन सामने वाला उसकी इज्जत न करे. स्टारकिड ने आगे कहा था कि कोई लड़की सक्सेसफुल है और उसका पार्टनर उसकी सक्सेस से खुश नहीं है तो ये उनके लिए सबसे बड़ा रेड फ्लैग है.

आदित्य रॉय कपूर ने भी दिया रिएक्शन

अनन्या पांडे ने इस बयान को किसी पर तंज के तौर पर नहीं कहा था और न ही किसी का नाम लिया था, लेकिन इसे आदित्य रॉय कपूर ने जोड़ा जाना लाजमी थी. अब ऐसे में फिल्म 'मेट्रो इन दिनों' के प्रमोशन के दौरान जब आदित्य रॉय कपूर से रिलेशनशिप में रेड फ्लैग के बारे में पूछा गया, तो वो हंसते हुए बात को टाल देते है. एक्टर कहते हैं कि रेड फ्लैग है कि उसका कोई प्रिजन रिकॉर्ड न हो. हालांकि ग्रीन फ्लैग के बारे में आदित्य रॉय कपूर कहते हैं कि वो जिसके के साथ भी रिश्ते में रहें, जरूरी है कि वो इंसान दयालु हो. एक लंबे रिश्ते में दयालु होना बहुत जरूरी है.

ईशान खट्टर ने तोड़ी 'द रॉयल्स' के शर्टलेस सीन पर चुप्पी

वेब सीरीज 'रॉयल्स' में ईशान खट्टर और भूमि पेडनेकर के अलावा जीनत अमान, साक्षी तंवर जैसे कलाकारों ने अपना जलवा दिखाया. लेकिन ये सीरीज ज्यादातर ईशान के शर्टलेस होने को लेकर चर्चा में रही. अब ईशान खट्टर ने 'द रॉयल्स' में अपने शर्टलेस सीन के बारे में खुलकर बात की.

ईशान खट्टर ने नेटफ्लिक्स की 'द परफेक्ट कपल'से डेब्यू के बाद अब'द रॉयल्स' में एक ऐसा रोल निभाया जिसकी खूब चर्चा हो रही है.इस रोमांटिक सीरीज में उन्होंने राजकुमार का किरदार निभाया है, जिसमें कई शर्टलेस सीन थे, इन सींस को दर्शकों और आलोचकों ने पसंद किया तो कुछ ने इन्हें नापसंद किया. अब इसी पर बहस छिड़ गई है.

मैंने मेकर्स से बहस की थी

इस सीरीज में भूमि पेडनेकर भी अहम भूमिका में नजर आई थीं और इसे मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली. सीरीज में जरुरत से ज्यादा शर्टलेस सींस दिखाने की कोई जरूरत नहीं थी. ईशान ने बाद में साझा किया कि उन्होंने शो के निर्माताओं के साथ इस बारे में चर्चा की थी कि वह इस तरह के सींस की क्या जरूरत है, लेकिन मैंने विरोध भी किया. बाद में मुझे वही सब करना पड़ा जो स्क्रिप्ट की डिमांड थी. Mashable India से बात करते हुए, उन्होंने कहा, 'यह ऐसा किरदार है जो शर्ट नहीं पहनता है. ये देखकर मैंने विरोध किया और कहा कि स्क्रिप्ट में कुछ बदलाव होना चाहिए. मैंने कुछ दिनों तक उनसे बहस की कि 'मैं इस सीन में शर्ट पहन सकता हूं. इसकी जरूरत नहीं है कि वह शर्टलेस हो.' उन्होंने इसे स्क्रिप्ट में डालने के बहुत दिलचस्प तरीके निकाले जैसे कि मैं सोते समय कंबल ओढ़ सकता हूं..'

पहले भी वेब सीरीज कर चुके हैं ईशान

ये पहली बार नहीं है कि ईशान खट्टर किसी सीरीज में नजर आ रहे हैं. वह फिल्मों में तो एक्टिंग करते ही हैं, वह कुछ विदेशी वेब सीरीज भी काम कर चुके हैं. इसमें मीरा नायर निर्देशित वेब सीरीज 'सूटेबल ब्वॉय' और अमेरिकन सीरीज 'परफेक्ट कपल' जैसी सीरीज है, जिनमें उनके काम को काफी पसंद किया गया था. सीरीज 'परफेक्ट कपल' में ईशान हॉलीवुड एक्ट्रेस निकोल किडमैन के साथ काम किया था.

बता दे कि ईशान ने बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी. वह सौतेले भाई शाहिद कपूर की फिल्म 'वाह, लाइफ हो तो ऐसी(2005)' में भी काम कर चुके हैं. ईशान खट्टर ने साल 2018 में हिंदी फिल्म 'धड़क' से बॉलीवुड में डेब्यू किया था. फिल्म में उनके साथ श्रीदेवी की बेटी जाह्नवी कपूर नजर आई थीं.

'ठग लाइफ' में अपने रोल के लिए ट्रोल हुईं तृषा यूजर्स बोले- सभी सुपरस्टार्स को बर्बाद करके ही दम लोगे?

कमल हासन की मच अवेटेड फिल्म 'ठग लाइफ' विवादों के बीच आज सिनेमाघरों में रिलीज हुई। कमल हासन के कन्नड़ भाषा को लेकर दिए गए बयान के बाद फिल्म विवादों में भी घिर गई। जिसके बाद फिल्म की चर्चा और भी हो गई। फिल्म को लेकर बने बज को देखते हुए उम्मीद थी कि फिल्म बॉक्स ऑफिस पर भी धमाल मचाएगी। हालांकि, अभी तक फिल्म को लेकर जो रिव्यू सामने आ रहे हैं, बहुत अच्छे नहीं हैं। वहीं फिल्म की रिलीज के बाद लीड एक्ट्रेस तृषा कृष्णन नेटिजन्स के निशाने पर आ गई हैं। जानते हैं तृषा को लेकर एक्स पर यूजर्स कैसी-कैसी प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं।

यूजर्स ने दी तृषा को रिटायर होने की सलाह

'ठग लाइफ' में तृषा कृष्णन ने 'इंद्राणी' की भूमिका निभाई है। तृषा की गिनती साउथ की बड़ी अभिनेत्रियों में होती है। ऐसे में तृषा से फैंस को अच्छे काम की उम्मीद थी। हालांकि, अब फिल्म के रिलीज होने के बाद यूजर्स तृषा को ट्रोल कर रहे हैं। एक यूजर ने तृषा को ओवर रेटेड बताते हुए उन्हें रिटायर हो जाने की सलाह दे डाली। तो वहीं एक यूजर ने तृषा से एक्टिंग न करने की अपील करते हुए लिखा कि उन्होंने इस साल कई बड़ी फिल्मों को बर्बाद कर दिया।

यूजर्स बोले- तृषा ने अच्छी फिल्मों को बर्बाद किया

कुछ नेटिजंस ने तृषा को ओवर रेटेड और बर्बाद बताते हुए कहा कि उनका डाउनफाल शुरू हो गया है। यूजर ने तृषा की पिछली फिल्मों का जिक्र किया जिनमें तृषा की एक्टिंग लोगों को पसंद नहीं आई। एक यूजर ने 'ठग लाइफ' का रिव्यू करते हुए जहां कमल हासन की तारीफ की और फिल्म के संगीत और क्लाइमेक्स को सराहा। वहीं तृषा की एक्टिंग की बुराई करते हुए उनके कैरेक्टर को जबरदस्ती का बताया। वहीं एक यूजर ने तृषा से ऐसे बेकार किरदार न करने का आग्रह भी किया।

फिल्म को मिल रही मिली-जुली प्रतिक्रिया

कमल हासन के कन्नड़ भाषा को लेकर चल रहे विवाद के बीच 'ठग लाइफ' आज कर्नाटक को छोड़कर बाकी जगह रिलीज हुई है। इस फिल्म के जरिए कमल हासन और मणिरत्नम कई सालों बाद एक साथ वापस आए हैं। हालांकि, फिल्म से जैसी उम्मीदें थीं अभी तक वैसे रिव्यू सामना नहीं आ रहे हैं। फिल्म को मिली-जुली प्रतिक्रिया मिल रही है।

'आंखों की गुस्ताखियां' में विक्रांत मैसी और शनाया के बीच दिखेगी गजब की कैमिस्ट्री

शनाया कपूर की पहली फिल्म

विक्रांत मैसी और शनाया कपूर की फिल्म 'आंखों की गुस्ताखियां' का टीजर रिलीज हो गया है जिसमें एक अनोखी रोमांटिक कहानी की झलक देखने को मिल रही है। टीजर में दिखाया गया है कि कैसे दो अनजान लोग अचानक मिलते हैं और उनके बीच एक कनेक्शन बनता है, जो बिना बोले समझने और महसूस करने की भाषा बोलता है। ये कहानी है प्यार की उस मासूमियत की, जो संगीत के जरिए खिल उठती है और फिर अनजाने रास्तों से जुदाई की ओर बढ़ती है। विक्रांत और शानाया की केमिस्ट्री इस फिल्म का सबसे बड़ा आकर्षण है, जहां उनके बीच की नजाकत, खामोशी और भावनाओं को बड़ी खूबसूरती से दर्शाया गया है।

अनिल कपूर की भतीजी और संजय कपूर की बेटी शनाया कपूर इस फिल्म से अपना डेब्यू कर रही हैं। फिल्म में मुख्य रूप से एक ऐसा प्रेम दिखाया गया है जो अचानक होता है, लेकिन गहरा असर छोड़ जाता है। यह कहानी केवल रोमांस तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें जीवन के वो पहलू भी शामिल हैं जहां व्यक्ति अपनी पसंद और फैसलों के चलते अपनी प्रेमिका से अलग हो जाता है। विक्रांत मैसी इस बार एक संवेदनशील और इमोशनल किरदार में नजर आएंगे, वहीं शानाया कपूर अपनी पहली फिल्म में अपनी प्रभावशाली अभिनय से सबका दिल जीतने के मकसद से आ रही हैं।

फिल्म का म्यूजिक और डायरेक्शन

फिल्म की खासियत है इसका शानदार संगीत और विजुअल एस्थेटिक्स। विशाल मिश्रा के संगीत ने इस कहानी को और भी गहराई दी है, जो दर्शकों को पूरी तरह फिल्म की दुनिया में ले जाता है। संगीत की मधुरता और भावनात्मकता इस फिल्म का दिल है, जो कहानी के हर मोड़ को और भी जीवंत बनाता है। आंखों की गुस्ताखियां का निर्देशन संतोष सिंह ने किया है, जिन्होंने इस प्रेम कहानी को बखूबी पर्दे पर उतारा है। फिल्म का प्रोडक्शन मंसी बागला और वरुण बागला ने किया है, और इसे जी स्टूडियोज और मिनी फिल्म्स के बैनर तले प्रस्तुत किया गया है।

कब रिलीज हो रही फिल्म?

ये फिल्म 11 जुलाई 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है और पहले ही दर्शकों के बीच उत्सुकता का माहौल बना चुकी है। आंखों की गुस्ताखियां उन लोगों के लिए एक खूबसूरत अनुभव साबित होगी जो सच्चे प्यार की मासूमियत, संगीत की मिठास और जुदाई के दर्द को महसूस करना चाहते हैं। इस फिल्म के जरिए बॉलीवुड में एक नई रोमांटिक डायनामीक्स देखने को मिलेगी, जहां शब्द कम और भावनाएं ज्यादा कहती हैं। विक्रांत और शानाया का ऑनस्क्रीन डेब्यू दर्शकों को एक गहराई से भरा, दिल को छू लेने वाला सफर दिखाएगा, जो लंबे समय तक याद रहेगा।

निर्जला एकादशी

राशि अनुसार उपाय से हर मनोकामना होगी पूरी

मेष और वृश्चिक राशि

मेष और वृश्चिक राशि के स्वामी मंगल ग्रह हैं। मेष और वृश्चिक राशि वाले निर्जला एकादशी के दिन ॐ नमो भगवते वासुदेवाय मंत्र का जप और भगवान विष्णु का केसर युक्त जल से अभिषेक करें।

वृषभ और तुला राशि

वृषभ और तुला राशि के स्वामी शुक्र ग्रह हैं। वृषभ और तुला राशि वाले निर्जला एकादशी का उपवास रखकर मसूर और सफेद वस्त्र का दान करें और तुलसी की सुबह-शाम पूजा करें। ऐसा करने से भगवान विष्णु की कृपा से भौतिक सुख सुविधाओं की प्राप्ति होगी।

मिथुन और कन्या राशि

मिथुन और कन्या राशि के स्वामी ग्रहों के राजकुमार बुध ग्रह हैं। मिथुन और कन्या राशि वाले निर्जला एकादशी का व्रत करें और तुलसी पत्र से भगवान विष्णु का पूजा करें और विष्णु सहस्रनाम का पाठ करें। साथ ही गरीब व जरूरतमंद व्यक्ति को दान भी करें। ऐसा करने से कर्ज से राहत मिलेगी और आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

कर्क राशि

कर्क राशि के स्वामी चंद्र देव हैं। कर्क राशि वाले निर्जला एकादशी के दिन भगवान विष्णु की विधि विधान के साथ पूजा अर्चना करें और घर की उत्तर दिशा में घी का दीपक जलाएं। साथ ही सफेद वस्तुएं जैसे दूध, चावल, चीनी आदि का दान करें।

सिंह राशि

सिंह राशि के स्वामी ग्रहों के राजा सूर्यदेव हैं। सिंह राशि वाले निर्जला एकादशी का व्रत करें और सूर्य नारायण की पूजा अर्चना करें। साथ ही पीली वस्तुएं जैसे पीले कपड़े, सोना, गेहूं, चने की दाल आदि का दान करें।

धनु और मीन राशि

धनु और मीन राशि का स्वामी देवताओं के गुरु बृहस्पति हैं। धनु और मीन राशि वाले निर्जला एकादशी का उपवास रखें और भगवान विष्णु का पंचामृत से अभिषेक करें। साथ ही केला, नारियल और तुलसी अर्पित करें। साथ ही गरीब व जरूरतमंद लोगों को पीले फल जैसे आम, केला आदि का दान करें।

मकर और कुंभ राशि

मकर और कुंभ राशि के स्वामी न्याय के देवता शनिदेव हैं। मकर और कुंभ राशि वाले निर्जला एकादशी का उपवास रखें और नीले कपड़े, चप्पल, काले कपड़े, तिल आदि का दान करें। साथ ही गरीब व जरूरतमंद लोगों को पानी व शरबत बाटें। ऐसा करने से नौकरी व कारोबार में उन्नति होगी और आर्थिक कष्ट दूर होंगे।

क्या आपका फ्रिज सही दिशा में है?

वास्तु के अनुसार रंग और दिशा का रहस्य

अक्सर हम घर में फ्रिज को सिर्फ सुविधा के अनुसार किसी भी कोने में रख देते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि फ्रिज की दिशा और रंग का हमारे स्वास्थ्य और घर के माहौल पर असर पड़ सकता है? यह बात वास्तु और ज़ोनल एनर्जी की समझ रखने वालों के लिए नई नहीं है। इस आर्टिकल में हम आसान भाषा में समझेंगे इंदौर निवासी ज्योतिषी, वास्तु विशेषज्ञ एवं न्यूमेरोलॉजिस्ट हिमाचल सिंह से कि फ्रिज को कहां रखना बेहतर रहता है और किस रंग का फ्रिज किस दिशा में ज्यादा अनुकूल होता है।

सही दिशा

घर में हर दिशा का एक खास महत्व होता है। उत्तर, पूर्व, पश्चिम और दक्षिण ये चार मुख्य दिशा हैं, और इनके बीच की चार दिशाएं उत्तर-पूर्व, उत्तर-पश्चिम, दक्षिण-पूर्व और दक्षिण-पश्चिम भी बहुत मायने रखती हैं। हर दिशा एक अलग तरह की ऊर्जा लिए होती है। जब हम कोई भारी वस्तु जैसे फ्रिज इन दिशाओं में रखते हैं, तो वह उस दिशा की ऊर्जा को प्रभावित कर सकता है।

कहां न रखें?

सबसे पहले बात करते हैं फ्रिज की दिशा की। फ्रिज को कभी भी दक्षिण-पश्चिम दिशा में नहीं रखना चाहिए। यह दिशा स्थिरता और स्वास्थ्य से जुड़ी होती है। यहां फ्रिज रखने से घर के लोगों के स्वास्थ्य पर नकारात्मक असर हो सकता है। कई बार लोग इस दिशा को स्टोर रूम की तरह इस्तेमाल करते हैं और वहीं फ्रिज भी रख देते हैं, जो सही नहीं है।

किस रंग का हो फ्रिज?

अब बात करते हैं फ्रिज के रंग की। यह जरूरी है कि

फ्रिज का रंग उस दिशा की ऊर्जा से मेल खाता हो, अगर आपकी किचन उत्तर-पूर्व दिशा में है, तो हल्के नीले या सफेद रंग का फ्रिज सही रहेगा। अगर किचन दक्षिण-पूर्व में है, तो लाल या ऑरेंज रंग का फ्रिज वहां की ऊर्जा के साथ अच्छा तालमेल बनाएगा।

फ्रिज को रखने के लिए सबसे अनुकूल दिशा उत्तर या पूर्व है। इन दिशाओं में रखा गया फ्रिज न सिर्फ सही ऊर्जा बनाए रखता है, बल्कि खाने-पीने की चीज़ें भी अच्छी हालत में बनी रहती हैं। वहीं पश्चिम दिशा भी फ्रिज के लिए ठीक मानी जाती है, लेकिन दक्षिण या दक्षिण-पश्चिम से जितना हो सके बचना चाहिए।

रंग और दिशा के अलावा एक और बात पर ध्यान देना जरूरी है फ्रिज हमेशा साफ-सुथरा रहना चाहिए और उसके ऊपर कुछ भी भारी सामान नहीं रखना चाहिए। यह सिर्फ वास्तु के लिहाज से नहीं, बल्कि सफाई और स्वास्थ्य के लिए भी अहम है।

मन पर कई आक्रमण हो रहे हैं, इनमें नया है नशे का

हमारे मन पर चारों तरफ से आक्रमण हो रहे हैं। विचारों का आक्रमण हो रहा है, कहीं क्रोध प्रहार कर रहा है, कहीं वासनाओं ने घेर रखा है। इन सबके साथ एक नया आक्रमण चला है और वो है नशे का।

खासतौर पर शराब के नशे के दुष्परिणाम आ रहे हैं। मध्यप्रदेश में खंडवा के पास एक गांव में दुष्कर्म हुआ और अपराधियों ने इतना घृणित कुकृत्य किया कि उस नारी की आंतें तक निकाल लीं। दृश्य देखकर डॉक्टर भी व्यथित हो गए।

बात ये सामने आई कि अपराधी शराब पीए हुए थे। अब तो चिंता पालनी चाहिए। भारत में शराब की खपत तीन गुना बढ़ गई है और हर साल बढ़ेगी। जानकार लोग कहते हैं आने वाले तीन साल में शराब की खपत 4% बढ़ने वाली है। चिंता इसलिए पालें कि हमारा देश युवा आबादी का देश है।

विश्व में अनेक देश अपने लोगों को शराब से दूर रखने का प्रयास कर रहे हैं, लेकिन हमारे देश में जहां रज-रज, कण-कण में धर्म-संस्कृति बसी है, वहां वो ही लोग शराब को प्रश्रय दे रहे हैं, जिनके कंधे पर धर्म-अध्यात्म की डोली हमने छोड़ रखी है।

कहीं आप भी तो मोबाइल या टीवी देखकर नहीं खाते खाना?

वास्तु दोष आपकी तरक्की में बन सकता है सबसे बड़ी रुकावट

वास्तु शास्त्र में रोज की आदतों को केवल शारीरिक गतिविधि नहीं, बल्कि घर की ऊर्जा और सुख-शांति से जोड़ा गया है। खासतौर पर खाने-पीने से जुड़ी बातें बहुत अहम मानी जाती हैं। हमारा भोजन सिर्फ शरीर का पोषण नहीं करता, बल्कि पूरे घर की तरक्की और सकारात्मकता का आधार होता है।

दक्षिण दिशा की ओर मुंह करके न खाएं

वास्तु के अनुसार, भोजन करते वक्त उत्तर या पूर्व दिशा की ओर मुंह करना सबसे अच्छा होता है। दक्षिण दिशा यम से जुड़ी मानी जाती है, और इस दिशा की ओर मुंह करके खाना खाने से नकारात्मक ऊर्जा शरीर में प्रवेश कर सकती है। इससे मानसिक अशांति, स्वास्थ्य संबंधी दिक्कतें और आर्थिक नुकसान भी हो सकता है।

डाइनिंग टेबल हमेशा कुछ ना कुछ से सजी हो

अगर आप डाइनिंग टेबल पर बैठकर खाना खाते हैं तो यह जरूर ध्यान दें कि टेबल एकदम खाली न हो। वहां ताजे फल, मिठाई या सूखा नाश्ता जरूर रखा हो। वास्तु के अनुसार, खाली टेबल दरिद्रता को बुलावा देती है। कुछ न कुछ रखने से घर में समृद्धि और बरकत बनी रहती है।

बिस्तर पर बैठकर खाना न खाएं

आजकल लोग आराम के चक्कर में बिस्तर पर खाना खाते हैं, लेकिन यह आदत वास्तु के हिसाब से बहुत नुकसानदायक मानी जाती है। बिस्तर पर खाना खाने से घर की पॉजिटिव एनर्जी कमजोर होती है और धन की कमी आने लगती है।

बचा हुआ नमक सीधा न फेंकें

अक्सर लोग ऊपर से नमक डालकर खाते हैं और अगर बच जाए तो उसे सीधा कचरे में फेंक देते हैं।

वास्तु के अनुसार, नमक लक्ष्मी का प्रतीक होता है, और इसका अपमान करने से घर में क्लेश और दरिद्रता बढ़ सकती है। बचे हुए नमक में थोड़ा पानी डालकर बहा देना या सिंक में बहाना शुभ माना जाता है।

रात के जूठे बर्तन सिंक में न छोड़ें

रात का खाना खाने के बाद थककर जूठे बर्तन वहीं छोड़ देना आम आदत है, लेकिन यह वास्तु के अनुसार गलत है। रातभर जूठे बर्तन रखने से घर की सुख-शांति पर असर पड़ता है और धन की हानि हो सकती है। कोशिश करें कि सोने से पहले बर्तन साफ कर लिए जाएं।

मोबाइल या टीवी देखकर न खाएं

वास्तु शास्त्र के अनुसार, खाना खाते समय पूरा ध्यान भोजन पर होना चाहिए। अगर आप मोबाइल या टीवी में लगे रहते हैं, तो भोजन की ऊर्जा और शरीर का तालमेल बिगड़ जाता है। इससे न केवल पाचन खराब होता है, बल्कि यह घर में रिश्तों की दूरी भी बढ़ा सकता है। ये वास्तु दोष उत्पन्न करता है, जिससे आपकी तरक्की में बाधा आती और काम बनते-बनते रुक जाता है।

रोज शाम को इस खास चीज से करें आरती घर में फैलेगी शांति और दूर होंगे झगड़े

शाम का समय दिन और रात के बीच की कड़ी होता है। इस समय को आध्यात्मिक रूप से बहुत महत्वपूर्ण माना गया है। हिंदू मान्यताओं के अनुसार, दिन भर की हलचल के बाद जब सूर्य अस्त हो जाता है, तब नकारात्मक शक्तियां सक्रिय होने लगती हैं। ऐसे में अगर इस समय दीपक जलाकर आरती की जाए, तो यह नकारात्मकता को दूर करने में मदद करता है।

क्यों जरूरी है कपूर से आरती करना?

शाम की आरती में कपूर का इस्तेमाल करना बहुत ही लाभदायक होता है। कपूर को बेहद पवित्र और शुद्ध तत्व माना गया है। जब इसे जलाया जाता है, तो यह बिना किसी राख के पूरी तरह जल जाता है, जो जीवन की अस्थिरता और नश्वरता का प्रतीक है। इसके साथ ही, कपूर की खुशबू पूरे माहौल को शुद्ध करती है।

वातावरण के लिए लाभकारी

कपूर से आरती करने पर जो धुआं निकलता है, वह न सिर्फ वातावरण को साफ करता है, बल्कि मन को भी शांत करता है। इससे घर के हर कोने में सकारात्मक ऊर्जा फैलती है और धीरे धीरे वहां फैली नकारात्मकता दूर होने लगती है। कहा जाता है कि जिस घर में रोजाना कपूर से आरती की जाती है, वहां देवी देवता का वास बना रहता है।

कैसे करता है कपूर घर की समस्याओं को दूर?

ज्योतिष के अनुसार, कपूर शुक्र ग्रह से जुड़ा होता है। शुक्र ग्रह समृद्धि, प्रेम, सौंदर्य और सुख सुविधाओं का प्रतिनिधि माना जाता है। जब आप नियमित रूप से कपूर जलाते हैं, तो यह शुक्र ग्रह को मजबूत करता है। इससे न केवल आर्थिक स्थिति में सुधार आता है, बल्कि पारिवारिक रिश्तों में भी मिठास बढ़ती है।

दूर होती मानसिक अशांति

साथ ही, कपूर को राहु और केतु के दोष को कम करने वाला भी माना गया है। इन दोनों ग्रहों के असर से घर में कलह, मानसिक अशांति और आर्थिक दिक्कतें आ सकती हैं। लेकिन कपूर से आरती करने पर इन दोषों का प्रभाव घटने लगता है।

कैसे करें शाम की आरती?

शाम को सूर्यास्त के बाद घर के मंदिर में एक साफ दीपक में गाय के घी का दीप जलाएं। फिर उसमें एक छोटा सा कपूर डालें और उसे जलाकर आरती करें। आरती के समय भगवान का ध्यान करें और मन में घर की शांति और सुख की प्रार्थना करें। आप चाहें तो "ओम जय जगदीश हरे" जैसे भजन गा सकते हैं, जिससे माहौल और भी भक्तिमय हो जाता है।

क्या सच में 11:11 बदल सकता है किस्मत?

इस टाइम पर क्यों मांगी जाती है मनोकामना?

11:11 : कभी आपने गौर किया है कि कुछ खास संख्याएं बार-बार सामने आती हैं? जैसे कि घड़ी में 11:11 दिखना। कुछ लोग इसे इत्तेफाक मानते हैं, लेकिन बहुत से लोग इसे एक बड़ा संकेत समझते हैं। आज हम बात करेंगे उसी खास समय की, जब लोग अपनी गुप्त इच्छाएं ब्रह्मांड के सामने रखते हैं यानी रात 11 बजकर 11 मिनट पर।

क्या है 11:11 का रहस्य?

11:11 सिर्फ एक समय नहीं बल्कि एक तरह का संकेत है। इसे देखने वाले लोग मानते हैं कि ये कोई सामान्य बात नहीं, बल्कि कोई खास संदेश है जो हमें मिल रहा है।

अंक ज्योतिष में 11 को बहुत ही असरदार माना गया है। इसे 'मास्टर नंबर' कहा जाता है, जो इंसान की सोचने की ताकत और आत्मिक उन्नति से जुड़ा होता है। जब यह संख्या दो बार दोहराई जाती है, यानी 11:11, तो इसका असर और बढ़ जाता है।

कुछ लोग इसे 'सिंक्रोनिसिटी' भी मानते हैं, यानी कोई ऐसा इशारा जो दिखाता है कि हम सही रास्ते पर हैं और हमारे साथ कुछ अनदेखी शक्तियां हैं जो मदद कर रही हैं।

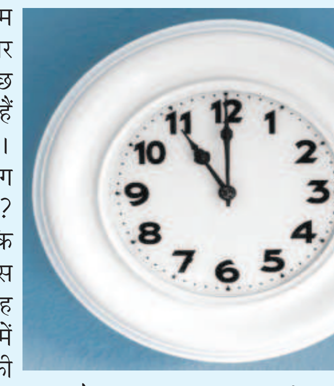

क्यों मांगते हैं लोग इस समय पर इच्छा? ज्योतिष मानता है कि रात के इस खास समय पर सभी ग्रह एक खास स्थिति में होते हैं, जिससे उनकी ऊर्जा एकसाथ असर डालती है। इसीलिए 11:11 पर जो भी इच्छा मांगी जाती है, उसमें ज्यादा ताकत होती है।

ऐसा भी कहा जाता है

ऐसा भी कहा जाता है कि ये वो पल होता है जब ब्रह्मांड आपकी बातों को ध्यान से सुनता है। आपकी सोच अगर साफ और सच्ची हो, तो उस समय बोली गई बातों का असर सीधा आपकी जिंदगी पर पड़ सकता है। इसलिए लोग अपनी बड़ी से बड़ी इच्छा इसी वक्त बोलना पसंद करते हैं।

कैसे मांगे इस समय पर अपनी मनोकामना?

सबसे पहले अपने मन को शांत करें और नकारात्मक सोच से दूर रहें। 11:11 से पहले खुद को पूरी तरह साफ सोच में ले आएं। अब सिर्फ उसी बात पर ध्यान दें, जो आप पाना चाहते हैं।

जैसे ही घड़ी में 11:11 बजे, आंखें बंद करें और अपनी इच्छा को मन में साफ-साफ बोलें। उसे ऐसे कहें जैसे वो पूरी हो चुकी है। यानी "मैं सफल हो गया हूँ" या "मुझे वो काम मिल गया है" इस तरह से।

इसके बाद अपने मन में ब्रह्मांड का शुक्रिया करें, जैसे किसी ने आपकी बात सुन ली हो। ये तरीका सिर्फ सोच का नहीं, बल्कि भरोसे का भी खेल है। अगर आप खुद उस पर यकीन नहीं करेंगे, तो असर नहीं दिखेगा।

क्या ये सच में असर करता है?

इसका जवाब इस पर निर्भर करता है कि आप कितनी श्रद्धा और यकीन से इसे अपनाते हैं। बहुत से लोग बताते हैं कि जब उन्होंने इस समय पर अपने दिल की बात कही, तो समय के साथ वो बात सच बन गई।

वैज्ञानिक नजरिए से भले ही इसका कोई ठोस आधार न हो, लेकिन मनोविज्ञान कहता है कि जब हम किसी बात पर पूरा ध्यान और भरोसा रखते हैं, तो वो चीज़ें हमारी ओर खिंचने लगती हैं।

क्या रसोई में लगानी चाहिए मनी प्लांट?

रसोई घर यानी किचन को हमेशा घर की ऊर्जा और सेहत से जुड़ा सबसे अहम हिस्सा माना जाता है। यहां तैयार होने वाला भोजन न केवल हमारे शरीर को पोषण देता है, बल्कि घर में सकारात्मक या नकारात्मक ऊर्जा का भी वाहक बनता है। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या रसोई में मनी प्लांट लगाना उचित है? बहुत से लोग मनी प्लांट को सिर्फ शोभा बढ़ाने वाला पौधा मानते हैं, लेकिन वास्तु शास्त्र में इसका विशेष महत्व है। मनी प्लांट को धन, समृद्धि और सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक माना जाता है, लेकिन यह पौधा कहां रखा जाए, इसका भी गहरा असर होता है। वास्तु के अनुसार मनी प्लांट को सही दिशा में और सही स्थान पर लगाना आवश्यक होता है, नहीं तो इसके नकारात्मक परिणाम भी देखने को मिल सकते हैं।

रसोई में मनी प्लांट लगाना कई बार अच्छा माना

जाता है, लेकिन इसकी कुछ शर्तें होती हैं। सबसे पहले तो इसे दक्षिण-पूर्व दिशा में रखा जाना चाहिए क्योंकि यह दिशा अग्नि तत्व की मानी जाती है और यहां रखा गया मनी प्लांट घर की आर्थिक स्थिति को मजबूत कर सकता है। यह दिशा रसोई के लिए भी उपयुक्त होती है, इसलिए यहां रखा गया मनी प्लांट सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बनाए रखता है।

लेकिन यदि आप इसे गलत दिशा जैसे उत्तर-पूर्व (North-East) में रख देते हैं, तो यह घर में आर्थिक तंगी, स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं और मानसिक तनाव को बढ़ा सकता है। साथ ही, मनी प्लांट को कभी भी गंदे या तेल-चिपचिपे स्थान पर नहीं रखना चाहिए क्योंकि इससे इसकी ऊर्जा प्रभावित होती है। रसोई में कई बार गैस, धुआं और गर्मी होती है, जो पौधे को नुकसान पहुंचा सकती है, इसलिए इसे ऐसी जगह रखें जहां इसे सीधी गर्मी न मिले और न ही गैस की सीधी लपट। इसके अलावा, इस पौधे को नियमित रूप से पानी देना, साफ-सफाई रखना और सूखे या पीले पत्तों को हटाना बेहद जरूरी होता है, क्योंकि मुरझाया हुआ मनी प्लांट नकारात्मकता को आकर्षित करता है।

एक और महत्वपूर्ण बात यह है कि मनी प्लांट को कांच की बोतल या ग्लास जार में पानी में रखकर रसोई की खिड़की के पास रखा जा सकता है, जहां इसे प्राकृतिक रोशनी मिले और ताजगी बनी रहे। इससे न केवल घर में हरियाली बढ़ती है, बल्कि यह आपकी आर्थिक तरक्की में भी मददगार हो सकता है। यदि आप रसोई में मनी प्लांट लगाने जा रहे हैं तो ध्यान रखें कि यह आपकी रसोई की साफ-सफाई, दिशा और ऊर्जा संतुलन के अनुसार ही हो। अगर इन नियमों का पालन किया जाए तो मनी प्लांट न केवल आपके घर की शोभा बढ़ाएगा, बल्कि जीवन में सुख, समृद्धि और सकारात्मकता भी लाएगा। लेकिन अगर इसे गलत स्थान या दिशा में लगाया जाए, तो इसके उल्टे परिणाम भी भुगतने पड़ सकते हैं। इसलिए वास्तु के अनुसार इसकी दिशा, स्थान और देखभाल पर विशेष ध्यान देना आवश्यक है, वरना पछताना पड़ सकता है।

स्वतंत्र वार्ता

शुक्रवार, 6 जून - 2025

पाक का शर्मनाक चेहरा

आपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद पाकिस्तान बौखलाया हुआ है। इसलिए वह भारत के खिलाफ अनर्गल प्रलाप करता दिखाई दे रहा है। वहां की सरकार, सेना और आतंकियों के गठजोड़ की तस्वीरों को दुनिया ने देख कर लानत और मलामत की है। लगातार उजागर हो रही उक्त तस्वीरें भारत के इस दावे की पुष्टि कर रही हैं कि आतंकवाद इस्लामाबाद की राष्ट्रीय नीति का हिस्सा बन चुका है। ताजा सबूत तो वह रैली है, जिसमें पाकिस्तान के सबसे बड़े सूबे पंजाब के स्पीकर मलिक अहमद खान ने लश्कर-ए-तैयबा के आतंकियों- सैफुल्लाह कसूरी और तलहा सईद के साथ मंच साझा किया। इससे पाकिस्तान समर्थित आतंकवाद पर भारत ने जो चिंताएं जाहिर की है उसको दुनिया बेहतर ढंग से देख व समझ रही है। बता दें कि सीमा पर टकराव के बाद पाकिस्तान को मुंह की खानी पडी इसके बाद भी जिस तरह से पाकिस्तानी नागरिक व आतंकी सेना की कथित जीत का जश्न मनाने के लिए रैलियां कर रहे हैं, वह हास्यास्पद है, क्योंकि इन रैलियों में वैश्विक स्तर पर घोषित आतंकी घूम-भी शामिल दिखाई दे रहे हैं। आखिर पाकिस्तान की पोल खोलने के लिए अब इससे बडा सबूत और क्या चाहिए? इन रैलियों से जाहिर है कि पहलगाम हमले के पीछे उसका ही हाथ था। खुद को विजेता साबित करने के उतावलेपन में पाकिस्तान ने अपना नकाब हटा दिया है। याद है, ऑपरेशन सिंदूर के बाद भी एक तस्वीर सामने आई थी, जिसमें दिखा था कि आतंकियों के जनाजे में पाकिस्तानी सेना के वरिष्ठ अफसर, हुक्मरान शामिल हुए थे। आतंकी हाफिज अब्दुल रऊफ ने जनाजे की नमाज पढ़ाई थी। सैफुल्लाह कसूरी पहलगाम का मुख्य साजिशकर्ता है और आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा में उसकी हैसियत डिप्टी चीफ की बताई जाती है। इसी तरह तलहा सईद लश्कर प्रमुख हाफिज सईद का बेटा है। भारत और अमेरिका ने इसे ग्लोबल टेररिस्ट घोषित कराने के लिए संयुक्त राष्ट्र में प्रस्ताव रखा था, लेकिन उस समय उसे चीन ने बचा लिया। वहीं, अमेरिका द्वारा घोषित आतंकी मुजम्मिल हाशमी भी सार्वजनिक रूप से भारत को जब-तब चुनौती देने की कोशिश करता दिखाई देता है। ये आतंकी सिर्फ भारत में अस्थिरता और आतंकवाद फैलाने की कोशिशों का समर्थन ही नहीं कर रहे, बल्कि उन्होंने यह भी स्वीकार किया है कि बांग्लादेश में पिछले साल हुए तख्तापलट में भी इनका ही हाथ था। शुरू से यह अंदेशा जताया जा रहा था कि शेख हसीना सरकार के खिलाफ खड़े हुए आंदोलन के पीछे विदेशी ताकतें थीं और अब यह आईने की तरह साफ हो गया है। पता नहीं कैसे पाकिस्तान ने यह गलतफहमी पाल ली है कि ढाका में कट्टरपंथियों को मजबूती देने से 1971 की उसकी हार का बदला पूरा हो जाएगा। पाकिस्तान में मौजूद आतंकी ढांचे भारत ही नहीं, पूरी दुनिया के लिए खतरा बने हुए हैं। वहां की स्टेट पॉलिसी में आतंकियों के दखल और असर को देखते हुए वैश्विक बिरादरी को सख्त कदम उठाने की जरूरत है। एफएटीएफ की इस महीने होने वाली बैठक में भारत यह मुद्दा उठा सकता है ताकि पाकिस्तान को फिर से ग्रे लिस्ट में डाला जा सके। दूसरे देशों को भी भारत का साथ देने के लिए आगे आना चाहिए क्योंकि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई सबकी है। इसके लिए प्रभावित सभी देश एकजुट हो कर पाकिस्तान के खिलाफ जुनूनी कार्रवाई करने के लिए तैयार रहें।

लोकप्रियता के लिए कर्नाटक ने व्यवस्थाओं को दांव पर लगाया

अशोक भाटिया

अजीब बात है कि कुंभ मेले में मामूली भगदड़ मच गई, जिसे करोड़ों लोगों ने इकट्ठा किया गया था , ये कांग्रेसी आकाश पाताल को एकजुट कर रहे थे । आज उनके द्वारा आयोजित चिन्नास्वामी स्टेडियम में कुछ हजार की भीड़ को वह नियंत्रित नहीं कर सके और चेंगरुन (बेंगलुरु) की भगदड़ में कम से कम 11 लोगों की मौत हो चुकी है तो 33 लोग घायल बताए जा रहे हैं। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को 18 साल बाद आईपीएल जीते 18 घंटे भी नहीं गुजरे थे कि सारी खुशियां मातम में बदल गई। ऐसे में सवाल उठता है कि आखिर जीत का जश्न मनाने गए बेकसूरों की मौत का जिम्मेदार कौन हैं? आरसीबी के मालिक, कर्नाटक सरकार या खुद क्रिकेट फैंस। बताया जाता है कि तीन जून की रात फाइनल जीतने के बाद चार जून को जीत का जश्न मनाने के लिए चिन्नास्वामी स्टेडियम में भव्य समारोह रखा गया। जब बाहर लोग अपनी जान गंवा रहे थे, तब आरसीबी मैनेजमेंट स्टेडियम के अंदर जीत का जश्न मना रहा था। जब रजत पाटीदार और विराट कोहली चिन्नास्वामी स्टेडियम में आए फैंस के सामने भाषण दे रहे थे, तब बाहर लोग जिंदगी और मौत की जंग लड़ रहे थे। भगदड़ में 11 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है। बावरिंग अस्पताल में 6 शव लाए गए, जिनमें 13 वर्षीय दिव्यांशी, 26 वर्षीय दिया, 21 वर्षीय श्रवण समेत तीन युवतियां और तीन युवक शामिल हैं। इनमें दो की पहचान अब तक नहीं हो सकी है। वायदेही अस्पताल में 4 शव पहुंचे- 20 वर्षीय भूमिक, 19 वर्षीय साहना, एक 20 वर्षीय युवक और एक 35 वर्षीय व्यक्ति की मौत हुई। मणिपाल अस्पताल में 19 वर्षीय चिन्मयी की मौत हुई है। हादसे में घायल 18 लोग अब भी विभिन्न अस्पतालों में उपचाराधीन हैं। आरसीबी फ्रैंचाइजी से टूर्नामेंट जीतने के कुछ ही घंटे के भीतर इतने बड़े इवेंट की जरूरत पर सवाल पूछे जा रहे हैं। आईपीएल के इतिहास में ये पहला मौका था, जब किसी फ्रैंचाइजी ने जीत के बाद इतनी बड़ी विक्ट्री परेड की प्लानिंग की। भारत को 1983 में वर्ल्ड कप जिताने वाली टीम के मेंबर रहे पूर्व तेज गेंदबाज मदन लाल की माने तो इस कार्यक्रम को दो-तीन दिन बाद पूरी तैयारी के साथ भी किया जा सकता था। मदन लाल ने पूछा है कि जब मंगलवार की पूरी रात अहमदाबाद में पार्टी की गई तो बेंगलुरु में जश्न मनाने की क्या जल्दी थी? आरसीबी की इस जीत को कर्नाटक सरकार ने कन्नाड़िगा अस्मिता से जोड़ने की भी कोशिश की। इस इवेंट में उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार सरकार के चेहरे के तौर पर सामने थे। एयरपोर्ट पर प्लेयर्स के स्वागत से लेकर उन्हें विधानसभा तक लेकर जाना, मुख्यमंत्री सिद्दारमैया से विराट कोहली समेत तमाम प्लेयर्स की मुलाकात करवाना, सम्मान दिलवाना, मीडिया का कैमरा हर वक्त डीके शिवकुमार पर ही फोकस रहा। जब बेंगलुरु पुलिस ने इतने बड़े इवेंट में सुरक्षा देने से अपने हाथ खड़े कर दिए थ। सूत्रों की माने तो पुलिस ने आयोजन टालने की सलाह दी थी। इसके बावजूद भीड़ जुटाने के पीछे सरकार की मंशा पर सवाल उठने चाहिए। बेंगलुरु को 'पढ़े-लिखे' लोगों का शहर माना जाता है। देश की सबसे बड़ी आईटी इंडस्ट्री यहीं हैं। पूरे देश से बच्चे यहां पढ़ने आते हैं। मगर हमारे देश में तो क्रिकेट के आगे सब बेबस हो जाते हैं। 45 हजार लोगों की बैठना की क्षमता वाले स्टेडियम में चार-पांच लाख लोग घुसने की कोशिश करेंगे तो यही हश्र होगा। लोग किसी तरह बस एक-दूसरे पर चढ़कर अंदर घुसने को आमादा थे, ये अपनी मौत को खुद बुलावा देने से कम नहीं था। जश्न के दौरान मची भगदड़ के बाद भाजपा ने कांग्रेस के नेतृत्व वाली कर्नाटक सरकार पर आपराधिक लापरवाही का आरोप लगाया। भाजपा ने आरोप लगाया कि भीड़ को नियंत्रित करने के लिए कोई उपाय या बुनियादी व्यवस्था नहीं की गई। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार पर हमला करते हुए पार्टी ने कहा कि वे सुरक्षा सुनिश्चित करने के बजाय रील बनाने में बिजी थे। भाजपा के अमित मालवीय ने बेंगलुरू भगदड़ को लेकर राज्य सरकार की आलोचना की है और खराब योजना और भीड़ के कुप्रबंधन का हवाला दिया है। उन्होंने इस घटना भाजपा ने दावा किया है कि आईपीएल में आरसीबी की जीत के जश्न के दौरान बेंगलुरु में भगदड़ मचने से 7 लोगों की मौत हो गई है और कई लोग जिंदगी के लिए संघर्ष कर रहे हैं। सूत्रों के अनुसार, स्टेडियम परिसर के पास भगदड़ में सात से ज़्यादा लोगों की मौत हो गई। इलाके में एक नाले के ऊपर एक स्लैब रखा हुआ था। जब भीड़ जमा हुई और उस पर खड़ी हुई, तो स्लैब गिर गया, जिससे अफरातफरी मच गई और जानलेवा भगदड़ मच गई।को प्रशासनिक लापरवाही के कारण होने वाली टाली जा सकने वाली त्रासदी बताया। जिन 11 लोगों ने अपनी जान गंवाई, वे महज क्रिकेट प्रेमी थे, विराट कोहली के दीवाने, आरसीबी के फैन थे। उन्हें नहीं पता था कि उनकी ये दीवानगी उन्हें अपनी जान की कीमत पर चुकानी पड़ेगी। 13 साल की दिव्यांशी से लेकर 26 साल की दीया और 21 साल का श्रवण, सभी उन लाखों लोगों में शामिल थे जो सिर्फ एक झलक अपने सितारों की पाने को आए थे। अपने स्टार के आंसुओं के लिए जो लाखों लोग पागल थे, उनके दर्द से उन स्टार खिलाड़ियों को कोई खास फर्क नहीं पड़ा। तालियां बजती रहीं। फ्लाइंग किस लुटाए जाते रहे। ऐसा कैसे हो सकता है कि इन स्टार खिलाड़ियों को जानकारी नहीं थी। और जानकारी नहीं थी तो दी क्यों नहीं गई? भगदड़ के बाद भी जश्न क्यों मनता रहा? और विजयी भाषण चलता रहा, पीठ थपथपाई जाती रही। विराट कोहली को एयरपोर्ट पर रिसीव करने पहुंचने वाले कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार का कहना है कि जश्न सिर्फ थोड़ी देर चला। सोचिए लोगों की मौत के बाद अगर एक मिनट भी जश्न मना, तालियां बजीं, ठहाके लगे, फ्लाइंग किस दिए गए तो इससे ज्यादा अमानवीयता और निर्दयता क्या हो सकती है। जब खुद सरकार एक जश्न का नेतृत्व करेगी। खेल की लोकप्रियता को भुनाने की कोशिश करेगी। भीड़ को रोकने और उसके सही प्रबंधन की जगह खुद झंडा लेकर घूमेगी तो आम लोगों से क्या उम्मीद की जाएगी? जब नेता इस तरह जश्न मनाएंगे तो जनता तो उनके पीछे पागल होगी ही। अब सरकार आयोजकों पर सवाल उठा रही है, आयोजक प्रशासन पर और बीच में फंसे हैं वो 11 परिवार, जो अपने अपनों को खो बैठे। हर जिम्मेदार अब कह रहा है कि हमें जानकारी नहीं थी। भगदड़ में सहाना की मौत के बाद उनके परिवार ने सरकार से नाराजगी जाहिर की है। बेंगलुरु में काम करने वाली सहाना यहां से 90 किलोमीटर दूर कोलार की रहने वाली थीं। पोस्टमार्टम के बाद नगर निगम के शव वाहन में उनकी बॉडी को शिफ्ट किया गया। परिवार ने कहा कि कोलार तक ले जाने के लिए फ्रीजर तक की व्यवस्था प्रशासन ने नहीं की। हॉस्पिटल में जब परिवार ने जबरदस्त तरीके से अपनी नाराजगी और गुस्सा जाहिर किया उसके बाद ही उन्हें फ्रीजर दिया गया। चिंतामणि के रहने वाले प्रज्वल की भी इस भगदड़ में मौत हो गई। प्रज्वल घर वालों से ये कहकर निकला कि बेंगलुरू में एक निजी कंपनी में उसका इंटरव्यू है और रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के जश्न में शामिल होने चिन्नास्वामी स्टेडियम पहुंच गया। घर वालों ने जब मीडिया के जरिये मृतकों की सूची में उसका नाम देखा तो उन्हें पता चला कि प्रज्वल जॉब इंटरव्यू के लिए नहीं बल्कि आरसीबी के विजय जश्न में शामिल होने गया था। मान भी लेते हैं कि जश्न मना रहे खिलाड़ियों को बाहर हुई भगदड़ और लोगों की मौत की जानकारी नहीं थी लेकिन क्या सरकार के कर्ता-धर्ता भी इससे अनजान थे? आखिर उपममुख्यमंत्री डीके शिवकुमार कप उठाने स्टेडियम के अंदर क्यों पहुंचे? उनका इस कप की जीत में क्या योगदान? क्या क्रिकेट और आरसीबी की लोकप्रियता भुनाने के लिए उन्होंने सारी व्यवस्थाओं को दांव पर लगा दिया? जिस वक्त उनके भीड़ में दबते, जान गंवाते और घायल होते लोगों के साथ होना चाहिए था, उस वक्त वो आरसीबी के कप के साथ थे। जब घायलों को उठाने की जरूरत थी, डीके शिवकुमार कप उठा रहे थे। बेंगलुरु में जो हुआ, उसकी भूमिका मंगलवार रात से ही तैयार हो रही थी। लेकिन उसके बाद भी शासन-प्रशासन बिल्कुल सतर्क नहीं हुआ। बेकाबू भीड़ और अनगिनत लोगों को रोकने के लिए पर्याप्त इंतजाम नहीं किए गए।

विश्व युद्ध की काली परछाइयां

भारत ने आतंकवादी संगठनों के विरुद्ध पहलगाम आतंकी हमले में 26 भारतीय निर्दोष नागरिकों की हत्या के विरोध में ऑपरेशन सिंदूर चला कर पाकिस्तान पर ताबड़तोड़ हमले किए थे और पाकिस्तान को घुटने पर ला दिया है। भारत ने पाकिस्तान पर संयमित, अनुशासित हमला कर आतंकवादी ठिकानों को तबाह किया है वहां किसी नागरिक अथवा सैनिक अड्डों पर बमबारी नहीं की और उसके बाद ऑपरेशन सिंदूर को कुछ समय के लिए पाकिस्तान के अनुनय विनय पर सिंधु जल समझौते तथा आतंकवादियों को वापस भारत भेजनें की शर्त पर चर्चा एवं शांति स्थापित करने के लिए स्थगित भी कर दिया है।

वैश्विक परिदृश्यः-

ट्रंप के सत्ता में आने और युद्ध विराम की घोषणा और ट्रॅम्प पुतिन की गहन चर्चा,जेलेन्सकी को शांति की समझाइश के बावजूद वर्तमान युद्ध के परिदृश्य में और तेजी आई है,युद्ध के विराम की संभावनाएं धूमिल ही हुईं है। भारत हमेशा से शांति सद्भावना और सौहाद्र का सर्वकालिक समर्थक रहा है।रूस यूक्रेन युद्ध में भारत की तरफ से लगातार प्रयास किए जाते रहे हैं कि युद्ध विराम हो जाए और इसके लिए भारत में अथक प्रयास भी किए हैं ,यह अलग बात है कि विस्तारवादी दृष्टिकोण को लेकर पुतिन और जेलेन्सकी अजीब सी राजनीतिक और कूटनीतिक परिस्थितियों में एक दूसरे के सामने खड़े तथा अड़े है । ट्रंप की आधी अधूरी कोशिशें के बाद भी पुतिन-जेलेन्सकी युद्ध रोकने के लिए तैयार नहीं है ताजा स्थितियों के अनुसार यूक्रेन ने रूस के हवाई बेस कैंप के ऊपर हमला कर करोड़ों के फाइटर विमान को तबाह कर दिया है ।

यह रूस के ही निवासी यूक्रेन के आत्मघाती हमदर्दों द्वारा किया गया है। अब रूस निश्चित तौर पर अपनी अस्मिता अपनी इज्जत बचाने के लिए यूक्रेन पर परमाणु हमला भी कर सकता है जिसके परिणाम स्वरूप पूरे विश्व में विश्व युद्ध की परछाइयां दिखने लगी हैं। अब इजराइल हमास युद्ध में भारत की नीति स्पष्ट रूप से आतंकवादी गतिविधियों और उग्रवाद के विरोध में रही है।

दूसरी तरफ इसराइल ने हमास, हिज्बुल्लाह और फिलिस्तीन इस्लामी जिहाद का खुलकर विरोध किया है।

इजरायल की बमबारी से घायल हुए पिलिस्तिनी नागरिकों के लिए 38 टन खाद्य सामग्री दवाएं और आवश्यक वस्तुएं भारत ने तत्काल मुहैया कराई है। भारत के संबंध अरब देशों के साथ-साथ यूरोप,अमेरिका ,ब्रिटेन, फ्रांस और नाटो देशों से भी मधुर हैं इन परिस्थितियों में अरब देश भारत के प्रति युद्ध विराम की संभावनाओं की तलाश में भारतीय पहल का इंतजार कर रहा है। अब भारत ने संयुक्त राष्ट्र संघ की सभा में जॉर्डन के शांति प्रस्ताव में वोटिंग में हिस्सा नहीं लिया ,120 देशों के मतों से प्रस्ताव पारित हो गया, 45 देशों ने वोटिंग में हिस्सा नहीं लिया। चूंकि जॉर्डन हमास को उग्रवादी संगठन नहीं मानता और भारत हमास को कट्टर उग्रवादी मानने की नीति पर चल रहा है। अब भारत को आगे बढ़कर पूरे विश्व का नेतृत्व करने का समय आ गया है। भारतवर्ष अर्वाचीन काल से अहिंसा का पुजारी रहा है। भारत ने पाकिस्तान और चीन पर कभी अपनी तरफ से हमला नहीं किया पर उसे पर आक्रमण करने पर उसने कभी किसी को छोड़ भी नहीं है। पुरातन काल से ही राजा, महाराजा और सम्राटों ने अपने राज्य कार्य में हिंसा को कभी प्रथम पंक्ति में महत्त्व नहीं दिया तथा विस्तार वादी नीतियों में भी सेना प्रयास करती रही की आक्रमण के दौरान कम से कम सैनिक हताहत हो।

फल स्वरूप राजा, महाराजा तथा सम्राटो ने सदैव अहिंसा के पुजारी बनकर ही राजकाज किया था। पहले से आक्रमण न करने की नीति तथा अहिंसा वादी नीति के कारण भारत पहले मुगलों का तथा बाद में अंग्रेजों का गुलाम हो गया था।

इसके उपरांत बहुत संघर्ष तथा मेहनत के बाद 1947 में भारत को आजादी मिली।

दूरगामी सोच का परिणाम है वंदे गंगा जल संरक्षण

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

जल है तो कल है कि चुनौती के बीच राजस्थान की भजन लाल सरकार द्वारा समूचे प्रदेश में मानसून से पूर्व 5 जून से 20 जून तक वंदे गंगा जल संरक्षण- जन अभियान इस मायने में महत्वपूर्ण हो जाता है कि राजस्थान सहित पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, दादरा-नगर हवेली और दमन दीव देष के ऐसे राज्य या केन्द्र शासित प्रदेश है जहां भूजल की निकासी भूजल के पुनर्भरण से कहीं अधिक हो रही है। अगर राजस्थान ही की बात करें और वह भी शुद्ध पेयजल की बात की जाए तो पीने योग्य पानी और उसकी उपलब्धता में 30 फीसदी का अंतर है। 30 प्रतिशत का अंतर कोई छोटा मोटा अंतर नहीं है ऐसे में इसे भलीभांति समझा जा सकता है कि राज्य सरकार को नागरिकों के लिए पीने के शुद्ध पानी की उपलब्धता बनाये रखने की चुनौती से कैसे दो-चार होना पड़ता होगा। वास्तव में यह गंभीर समस्या है। समूचे विश्व में पानी की उपलब्धता का संकट है। यदि हम भारत की ही बात करें तो 1950 में जहां प्रतिव्यक्ति सालाना 5200 घनमीटर पानी की उपलब्धता थी वह 2024 आते आते 1401 घनमीटर रह गई है और यदि विशेषज्ञों की माने तो 2050 तक यह उपलब्धता 1191 घनमीटर ही रह जाने की संभावना हो गई है। यही कारण है प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने पिछले दिनों कहा कि हमें पानी के उपयोग के संदर्भ में कम करें, पुनः उपयोग करें और पुनः चक्रित करने की नीति पर चलना होगा। देश में जल के पुनर्भरण में लगातार कमी आ रही है। प्रति व्यक्ति पानी की उपलब्धता में आज भारत 182 वें स्थान पर आ गया है। भूजल की उपलब्धता को देखा जाए तो 1950 से 2024 के दौरान 73 प्रतिशत की कमी आ गई है। दिल्ली, चैन्नई, पुणे, हैदराबाद, मुंबई सहित देश के अनेक छोटे बड़े शहर पेयजल की गंभीर समस्या से जुझ रहे हैं। विश्वव्यापी जल संकट को देखते हुए राजस्थान की भजन लाल सरकार की इस पहल को महत्वपूर्ण माना जाना चाहिए। दरअसल देश में उपलब्ध भूजल का 87 प्रतिशत उपयोग खेती किसानी में होता है तो 11.7 प्रतिशत उपयोग घरेलू कार्यों और लगभग 2 प्रतिशत उपयोग ही औद्योगिक क्षेत्र में होता है। संकट का बड़ा कारण परंपरागत जल संग्रहण स्रोतों का नष्ट होना, उनमें अवरोध होना, बढ़ती आबादी और शहरी क्षेत्र में आबादी का घनत्व बढ़ने के साथ ही अत्यधिक पानी की आवश्यकता वाली उपज को बढ़ावा देने से जल दोहन अधिक होने लगा है। सीवेज के कारण पानी का अत्यधिक उपयोग, बरसाती जल का प्रोपर संग्रहण नहीं होना, जंगलों का कक्रिट के जंगलों में बदलना और पानी के अन्य कार्यों में भी अत्यधिक उपयोग से पानी का संकट दिन प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। अनियमित बरसात और बरसाती चक्र में बदलाव को भी एक कारण माना जा सकता है। आज जितने पानी के पीने के लिए आवश्यकता होती है उससे कई गुणा अधिक पानी फ्लस करने, वाहनों की धुलाई, पौधों के रखरखाव व अन्य कार्यों में होने लगा है। सीमेंट, लोहा, जस्ता और अब एमसेंड आदि उद्योगों के लिए भी अधिक पानी की आवश्यकता होने लगी है। एक समय था जब सावन भादों में बरसात की झड़ी लगती थी और कई दिनों तक सूर्य देवता के दर्शन नहीं होते थे तो उस झड़ी का पानी सीधे जमीन में जाता था और वह प्राकृतिक वाटर हार्वेस्टिंग का सिस्टम होता था। सड़कों के साथ साथ ढ़लान क्षेत्र होता था और वहां एकत्रित पानी क्षेत्र में जल स्तर बढ़ाने के साथ ही पशुओं के पीने के काम भी आ जाता था। राजस्थान में रेगिस्तानी इलाकों में टांके आदि परंपरागत जल संग्रहण के साधन होते थे आज हम इन्हें भूलते जा रहे हैं। ऐसा नहीं है कि गिरते भूजल स्तर और जल संग्रहण को लेकर सरकार गंभीर ना हो। बल्कि कहना तो यह होगा कि सरकार अत्यधिक गंभीर होने के बावजूद जो परिणाम आने चाहिए वह प्राप्त नहीं हो सके हैं। इसका एक प्रमुख कारण दूरगामी सोच के साथ नीति और क्रियान्वयन का ना होना भी है। सरकार द्वारा वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम सरकार स्तर पर बड़े स्तर पर बनाने और निजी मल्टी स्टोरिज व सरकार गैरसरकारी संस्थानों में वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम बनाने पर जोर और बनाये जाने के बावजूद उनकी गुणवत्ता को लेकर सवाल इसलिए उठते रहते हैं कि ना तो रखरखाव पर ध्यान दिया जाता है और ना ही पानी के बहाव का पूरा ध्यान देने के कारण यह अपने उद्देश्यों पर खरे नहीं उतरे हैं। ऐसा नहीं है कि इन हालातों से सरकार अनजान हो यहीं कारण है कि राजस्थान की भजन लाल सरकार ने मानसून के ठीक पहले पर्यावरण दिवस के अवसर पर 5 जून से 20 जून तक समूचे प्रदेश में वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान संचालित कर रही है। सबसे अच्छी बात यह है कि इस अभियान में जनभागीदारी बढ़ाने पर जोर दिया गया है और स्वयं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने एक प्रमुख समाचार पत्र राजस्थान पत्रिका की मुहिम पर रामगढ़ में श्रमदान में हिस्सा लेकर आमजन को संदेश दिया है। राज्य सरकार द्वारा समूचे प्रदेश में इस तरह के कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। अभियान के दौरान जल संरचनाओं का जीर्णोद्धार, जल प्रदूषण में कमी, पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरुकता, भूजल पुनर्भरण, व्यवहार परिवर्तन से बेहतर जल उपयोग और व्यापक स्तर पर पौधारोपण के हरियालो राजस्थान की तैयारी आरंभ की है। रामगढ़ राजस्थान की राजधानी जयपुर की किसी जमाने में पेयजल की उपलब्धता के लिए जीवन रेखा माना जाता था और 1982 के एशियाड़ की नौकायन प्रतियोगिता के बाद इसके बहाव क्षेत्र में अतिक्रमणों का जो ग्रहण लगा वह इसे सूखे मैदान में बदल कर रख दिया है। पिछले लंबे समय से रामगढ़ को पुनर्जीवित करने की मुहिम चल रही है लगता है सरकार ने यहां वैकल्पिक स्रोत से पानी लाने की जो योजना बनाई है और समग्र प्रयासों से परंपरागत पानी के अवरुद्ध रास्ते चलने लगते हैं तो रामगढ़ को नया जीवन मिल सकेगा। रामगढ़ तो एक उदाहरण मात्र है देश व प्रदेश में ऐसे हजारों की संख्या में जल संग्रहण स्रोत है जो अतिक्रमणों व शहरीकरण की भेंट चढ़ रहे हैं। शहरीकरण के विस्तार के समय यदि परंपरागत जल बहाव क्षेत्रों से छेड़छाड़ नहीं की जाए तो हालात इतने अधिक नहीं बिगड़े पर पैसा कमाने का लालच हमारें आने वाली पीढ़ी के लिए संकट लाने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ता। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने पाणी रो मान राखो-जीवण रो ध्यान राखो समयानुकूल संदेश दिया है। सरकार की गंभीरता को इसी से समझा जा सकता है कि सभी मंत्रियों और प्रभारी सचिवों को इस कार्य की जिम्मेदारी सौंपी गई है।स्वयं मुख्यमंत्री श्रमदान कर रहे हैं। निश्चित रुप से इससे अवेयरनेस तो आयेगी ही जनभागीदारी भी बढेग़ी। देश के सभी राज्यों में इस तरह के अभियान चलाये जाने चाहिए। भले ही आज कुछ राज्यों में पानी का संकट दिखाई नहीं दे रहा हो पर पानी की बचत और भूजल के संग्रहण के प्रति हमें गंभीर होना ही होगा। पानी के पुनः उपयोग और पेयजल के अतिरिक्त अन्य कार्यों के लिए पुनःचक्रिकृत पानी के उपयोग को आदत बनाना होगा।

मॉनसून सत्र पर छिड़ी जंग

संजय सिन्हा

मॉनसून सत्र के ऐलान के बाद पक्ष और विपक्ष में घमासान सा छिड़ गया है।केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने मॉनसून सत्र की घोषणा ऐसे समय में की है, जब विपक्षी दलों के नेता ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा कराने के लिए सरकार से विशेष सत्र बुलाने की मांग कर रहे हैं। एक दिन पहले ही 16 दलों ने पीएम को इस बारे में खत लिखा था।आपको बता दूं कि संसद का मॉनसून सत्र अगले महीने की 21 जुलाई से 12 अगस्त तक आयोजित किया जाएगा।

केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता वाली संसदीय मामलों की कैबिनेट समिति ने इन तारीखों की सिफारिश की है और उसे मंजूरी के लिए राष्ट्रपति के पास भेजा गया है। उन्होंने मॉनसून सत्र की घोषणा ऐसे समय में की है, जब विपक्षी दलों के नेता पहलगाम में हुए आतंकी हमले और उसके बाद हुए ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा करने के लिए सरकार से विशेष सत्र बुलाने की मांग कर रहे हैं। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने विपक्ष की इस मांग के बारे में पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए कहा कि मॉनसून सत्र में नियमों के तहत सभी मुद्दों पर चर्चा की जा सकती है।

उन्होंने कहा कि संसद के दोनों सदनों का सत्र तीन महीने से अधिक समय के अंतराल के बाद 21 जुलाई को सुबह 11 बजे बुलाए जाएंगे।बता दें कि पहलगाम में हुए आतंकी हमले और उसके बाद किए गए ऑपरेशन सिंदूर के बाद यह पहला संसद सत्र होगा। माना जा रहा है कि यह सत्र भी हंगामेदार रह सकता है क्योंकि विपक्षी दल पहलगाम हमले पर चर्चा कराने के लिए पहले से ही संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग कर रहे हैं। एक दिन पहले ही इंडिया अलायंस के 16 दलों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इस बारे में चिट्ठी लिखी है।

इससे पहले कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने एक्स पर पोस्ट किया, ₹हम, इंडिया अलायंस के नेता, 22 अप्रैल, 2025 को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद के घटनाक्रम पर चर्चा करने के लिए संसद का विशेष सत्र बुलाने के अपने सामूहिक और तत्काल अनुरोध को दोहराते हैं। उन्होंने राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी सहित अन्य प्रमुख विपक्षी नेताओं द्वारा हस्ताक्षरित पत्र का हवाला भी दिया है। केंद्र सरकार पर देशवासियों और उनके निर्वाचित प्रतिनिधियों को अंधेरे में रखने का आरोप लगाते हुए, खड़गे ने कहा कि पहलगाम आतंकी हमले और भारत और पाकिस्तान के बीच हाल ही में हुए सैन्य संघर्ष के दौरान पुंछ, उरी और राजौरी में नागरिकों की हत्या के बारे में कई गंभीर सवाल उठे हैं। उन्होंने कहा कि युद्धविराम की घोषणाओं और भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति पर उनके प्रभावों के बारे में भी सवाल उपजे हैं। सरकार मॉनसून सत्र में हाई कोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस यशवंत वर्मा के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव भी ला सकती है। सरकारी सूत्रों के अनुसार, संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने अगले संसद सत्र में जस्टिस यशवंत वर्मा के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव के बारे में विभिन्न राजनीतिक दलों से बात करना शुरू कर दिया है। कांग्रेस महासचिव (संचार) जयराम रमेश ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि आम तौर पर संसद सत्र की तारीखों की घोषणा कुछ दिन पहले की जाती है, लेकिन कभी भी सत्र शुरू होने से 47 दिन पहले तारीखों की घोषणा नहीं की गई है।

उन्होंने अपने पोस्ट में कहा, यह केवल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस और भारतीय दलों द्वारा पहलगाम हमलों और उन आतंकवादियों को न्याय के दायरे में लाने में विफलता, ऑपरेशन सिंदूर के प्रभाव और इसके स्पष्ट राजनीतिकरण, सिंगापुर में सीडीएस के खुलासे, भारत और पाकिस्तान को एक साथ जोड़ना, पाकिस्तान वायु सेना में चीन को शामिल करना, मध्यस्थता पर राष्ट्रपति ट्रम्प के निरंतर दावे और हमारी विदेश नीति और कूटनीतिक प्रतिबद्धताओं की असंख्य विफलताओं पर चर्चा करने के लिए तत्काल विशेष सत्र बुलाने की बार-बार की जा रही मांग से भागने के लिए किया गया है।

कांग्रेस नेता ने कहा, हालांकि, मानसून सत्र में सर्वोच्च राष्ट्रीय महत्व के इन मुद्दों का बोलबाला रहेगा। प्रधानमंत्री विशेष सत्र से भाग गए हैं, लेकिन अब से छह सप्ताह बाद उन्हें बहुत कठिन सवालों का जवाब देना होगा।

श्री रिजिजू ने कहा, ''सत्र बुलाने के लिए राजनाथ सिंह की सिफारिश राष्ट्रपति को भेजी जाएगी।''

श्री रिजिजू की यह घोषणा विपक्षी नेताओं द्वारा ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा के लिए विशेष सत्र की मांग की पृष्ठभूमि में आई है। कांग्रेस के महासचिव (संचार) जयराम रमेश ने न्यूज एजेंसी एएनआई को दिए एक इंटरव्यू में कहा, '..हमारे संसदीय इतिहास में पहली बार 47 दिन पहले सत्र की घोषणा की जा रही है.... इसके पीछे कारण यह है कि सरकार इस विशेष सत्र की मांग से भागना चाहती है।

ढोंगी ढकोसलों का दरबार

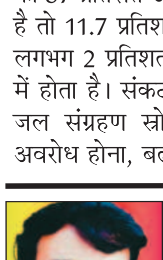

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

गाँव की चौपाल पर उस दिन बड़ी हलचल थी। लोग कह रहे थे - गं गा रा म अब संन्यासी बन गया है। वही गंगाराम जो पहले गालियाँ देता था, बीड़ी सुलगाता था और थूकने में भी धर्म खोज लेता था। उसने अब भगवा पहन लिया था, और माथे पर तिलक ऐसा खींचा कि सीधा शिव जी के गले से निकलकर कैलाश तक पहुँच जाए। उसके चेहरे पर वैराग्य का ऐसा नकली पेंट था कि जो रोशनी में देखने पर भी असली लग जाए। अब वो हर वाक्य के बाद 'बोलिए श्रीराम!' कहता था, और बीड़ी की जगह तुलसी की माला जपता था। गाँव की औरतें अब उसे 'बाबा जी' कहतीं और वो अपना पेट अंदर खींचकर कहता-अरे, सब माया है माया। जबकि माया तो उसके बगल में बैठी वो विधवा थी, जो उसके वैराग्य में रात का राग ढूंढ रही थी। बाबा गंगाराम ने शहर में एक आश्रम खोल लिया। नाम रखा- 'शाश्वत आत्ममुक्ति केंद्र'। हर इतवार को सत्संग होता, जिसमें भक्तजन अपने पापों का विसर्जन चाय और नमकीन के साथ करते। बाबा जी के प्रवचनों में गीता कम, गप ज्यादा होती। लेकिन चूंकि उन्होंने भाषण में तीन बार 'द्रौपदी' और पाँच बार 'कृष्ण' का नाम लिया था, तो लोग समझते कि वो तो साक्षात वेदव्यास के वंशज हैं। बाबा हर बार कहते, संसार रूपी नारी का वस्त्र जब खिंचता है, तभी धर्म डगमगाता है। और पीछे से लाइट बंद करके किसी भक्तिन का मोबाइल नंबर सेव कर लेते। फेसबुक पर बाबा जी की प्रोफाइल पर लिखा था-एक्स-सिनर टर्न्ड सेंट। लाइव्स इन साइलेंस। लिसन्स टू सोल। और डीपी में उनका एक चित्र था जिसमें वे मोरपंख के नीचे आँखें मूँदकर बैठे थे, लेकिन उसी चित्र के पीछे मंदिर की दान पेटी में नजर घुसाए एक बच्चा भी दिख रहा था, जिसे सबने इग्नोर कर दिया। भक्तों के लिए बाबा जी की बायो से ज्यादा महत्त्वपूर्ण उनकी बायोडाटा थी-"बाबा जी विदेश में भी प्रवचन दे चुके हैं।" और वो विदेश असल में नेपाल था, जहाँ वे शादी में भोंपू बजा रहे थे, पर फोटो को सत्संग कहकर अपलोड कर दिया गया। एक दिन गाँव में एक नाटक हुआ-ढोंगियों का धंधा। नाटक के अंत में गंगाराम जैसे ढोंगी बाबा की पोल खुलती है, तो लोगों ने खूब ताली बजाई। लेकिन असली बाबा गंगाराम वहीं भीड़ में बैठा था, चश्मा लगाकर, मूंगफली खाते हुए। और लोग उस पर हँसते नहीं, बल्कि कहते, बाबा जी, कितना सच्चा नाटक था! आपके जैसा कोई नहीं! बाबा जी मुस्कराए, जैसे बुद्धत्व को प्राप्त कर लिया हो। उन्होंने मूंगफली का छिलका जेब में रखा, और बोले-"ध्यान रखो, ढोंग करने वाले से बड़ा कलाकार कोई नहीं होता।" सबने सिर झुका लिया, क्योंकि ढोंग जब पूज्य बन जाए, तो सवाल उठाने वाले भी ढोंगी लगने लगते हैं।

बेंगलुरु में कैसे गईं 11 जानें : ज्यादा भीड़ से कैसे बना 'ब्लॉकेज'

शाम 4.10 बजे: स्टेडियम की क्षमता 35 हजार लोगों की थी, जबकि करीब 3 लाख लोग बाहर जमा थे। ऐसे में एंट्री को लेकर भीड़ बेकाबू हुई, पुलिस ने हल्का लाठी चार्ज करके खदेड़ा।

शाम 5 बजे: सरकारी आंकड़े के मुताबिक शाम 5 बजे तक विधानसभा और चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर करीब 3 लाख लोगों पहुंच गए।

स्टेडियम के एक गेट के बाहर भगदड़ मची। शुरुआत में 2 से 3 लोगों के मारे जाने की खबर आई। बाद में आंकड़ा बढ़ता गया।

शाम 5.30 बजे: RCB टीम विधानसभा पहुंची, जहां मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उनके मंत्रियों ने टीम का सम्मान किया।

शाम 6 बजे: टीम चिन्नास्वामी स्टेडियम पहुंची। कर्नाटक क्रिकेट एसोशिएसन ने जीत का सेलिब्रेशन आयोजित किया।

बंगलूर, 5 जून (एजेंसियां)। आमतौर पर आपने फिल्मों या किसी वीडियो में देखा होगा कि किसी बड़े आयोजन में भगदड़ मचती है और लोग एक-दूसरे के ऊपर गिरने लगते हैं। भागते लोगों के पैरों के नीचे आने से गिरे हुए लोग मरने लगते हैं, जबकि असल में इस दौरान बहुत कुछ होता है।

3 बातों का ख्याल रखते, तो बेंगलुरु में नहीं जातीं 11 जानें

स्विट्जरलैंड के सेंट गैलन यूनिवर्सिटी की एसोसिएट प्रोफेसर ऐना सिबेन सालों से भीड़ की गतिशीलता पर शोध कर रही हैं। उनके मुताबिक भीड़ के आउट

भगदड़ के पीछे की पूरी कहानी

ऑफ कंट्रोल होने के पीछे 3 मुख्य वजहें हैं...

1. कार्यक्रम में जुटने वाले लोगों की तादाद का गलत अनुमान

जब किसी कार्यक्रम में शामिल होने वाले लोगों की तादाद का सही अनुमान नहीं लगाया जाता है। ये बात सीधे कार्यक्रम के आयोजन और आयोजकों से जुड़ती है। इसे खराब इवेंट मैनेजमेंट की तरह देखा जा सकता है। अगर कम जगह में ज्यादा लोग इकट्ठा हो गए हैं तो लोगों के बीच चलने की जगह ही नहीं होगी और भीड़ में टर्बुलेंस बढ़ेगा, जिससे हादसा होने की आशंका बढ़ जाती है।

बेंगलुरु में क्या गड़बड़ी हुई : सीएम सिद्धारमैया ने कहा, 'विधानसभा में जब आरसीबी टीम पहुंची तो बाहर एक लाख लोग जमा थे। चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर 3 लाख लोग जमा थे। भगदड़ स्टेडियम के बाहर हुई। हमें इतनी भीड़ की उम्मीद नहीं थी।' कम जगह में ज्यादा लोगों के इकट्ठा हो जाने से लोग एक-दूसरे से टकराने लगे और 'फोर्सेज का ट्रांसमिशन' होने से भगदड़ की स्थिति बनी। कार्यक्रम के ऑर्गनाइजर्स और प्रशासन को उपलब्ध जगह के आधार पर लोगों की संख्या कंट्रोल करने की व्यवस्था करनी चाहिए थी। प्रशासन को व्यवस्थित तरीके से भीड़ को इंगेज करना चाहिए था।

2. एक ही समय में भीड़ का किसी एक तरफ चलने का इरादा

अगर किसी भी कार्यक्रम में शामिल भीड़ एक समय में एक साथ ही किसी जगह पर जाने लगे तो भीड़ के अनियंत्रित होकर हादसा होने की आशंका बढ़ जाती है। ऐसा अक्सर फायर इमरजेंसी जैसी सिचुएशन में होता है। आम तौर पर पब्लिक गैदरिंग के इवेंट, पूजा स्थलों या कथा, सत्संग वगैरह में श्रद्धालुओं का पहुंचना एक साथ नहीं होता, लेकिन जाने के समय अगर लोगों के रुक-रुककर निकलने की व्यवस्था न की गई हो तो पूरी भीड़ एक साथ बाहर निकलती है।

बेंगलुरु में क्या गड़बड़ हुई : विधानसभा के कार्यक्रम के बाद चिन्नास्वामी स्टेडियम में भी कार्यक्रम था। एक साथ भारी तादाद में लोग स्टेडियम के बाहर इकट्ठा होने लगे। फैंस खिलाड़ियों की एक झलक पाना चाहते थे। उम्मीद से कई गुना भीड़ के लिए सड़क पर अलग-अलग एंट्री और एग्जिट के लिए बैरीकेडिंग की जानी चाहिए थी।

3. भीड़ में कोई जानकारी या सूचना देर से मिलती है

अक्सर ज्यादा भीड़ वाली जगह में काफी ज्यादा शोर होता है। ऐसे में कोई भी जानकारी एक-दूसरे को सही से नहीं मिल पाती है। भीड़ में पीछे वाले लोगों को पता ही नहीं चल पाता कि आगे क्या चल रहा है। ऐसे में अगर कार्यक्रम स्थल में भगदड़ या दुर्घटना की स्थिति बनती है तो लोगों को इसका पता ही नहीं चल पाता है। इससे हादसे के बड़े होने की आशंका बढ़ जाती है।

बेंगलुरु में क्या गड़बड़ हुई : बेंगलुरु में सड़क पर अनियंत्रित भीड़ एक नाले पर पड़ी अस्थायी स्लैब पर खड़ी थी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार ज्यादा लोगों के वजन के चलते स्लैब टूट गई और कुछ लोग घायल हो गए। कुछ वीडियो आए हैं, जिनमें लोग कारों पर चढ़ते दिख रहे हैं। आगे क्या चल रहा है, इसकी सटीक जानकारी किसी को नहीं थी, हड़बड़ी में भीड़ बेकाबू होती गई। सेरेमनी ऑर्गनाइजर्स को इतनी बड़ी भीड़ को कंट्रोल करने के लिए एक सर्विलांस सिस्टम बनाना चाहिए था। साथ ही किसी तरह की गंभीर स्थिति ना बने, इसके लिए वॉलंटियर्स की बड़ी संख्या होनी चाहिए थी।

मृतकों के परिजनों को 10-10 लाख मुआवजा

भीड़ को नियंत्रित करने की कोई व्यवस्था नहीं थी

बंगलूरू, 5 जून (एजेंसियां)। इससे पहले कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने बुधवार को बताया कि चिन्नास्वामी क्रिकेट स्टेडियम के पास भगदड़ मचने से 11 लोगों की मौत हो गई और 33 अन्य घायल हो गए। स्टेडियम में बड़ी संख्या में लोग आरसीबी टीम की आईपीएल जीत के जश्न में हिस्सा लेने के लिए एकत्र हुए थे। उन्होंने मृतकों के परिजनों को 10-10 लाख रुपये का मुआवजा देने की घोषणा की। साथ ही उन्होंने घटना की मजिस्ट्रेट जांच के आदेश भी दिए। चिन्नास्वामी स्टेडियम में भगदड़ के बाद हर तरफ चीख पुकार मची थी। अपने खिलाड़ियों की झलक पाने पहुंचे प्रशंसक आयोजकों की ओर से किए बदहाल इंतजामों को कोस रहे थे। किसी को कुछ समझ नहीं आ रहा था कि कैसे देखते ही देखते जश्न का माहौल मातम में बदल गया। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु का आईपीएल चैंपियन बनने का सपना साकार होने के जश्न में पूरे कर्नाटक से क्रिकेट प्रेमी बंगलूरू के चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर मंगलवार रात से ही जुटने लगे थे। बताया गया था कि सम्मान समारोह के बाद खुली बस में खिलाड़ियों की परेड निकलेगी, लेकिन कब यह अंतिम समय तक तय नहीं हुआ। आयोजकों ने परेड को लेकर फैसला अंतिम मिनट तक नहीं किया। प्रवेश के लिए पास अनिवार्य थे, जबकि हजारों लोग बिना पास के पहुंच गए थे। पास चेक करने के लिए तो कुछ लोग तैनात थे, लेकिन भीड़ को नियंत्रित करने की कोई व्यवस्था नहीं थी। वहां जमा लोगों की भीड़ की मदद के लिए कोई नहीं था। लिंगराजपुरम से पहुंचे चश्मदीद इनायत ने बताया कि जब वे गेट नंबर 3 पर पहुंचे तो वहां तिल रखने की भी जगह नहीं थी। लोग बिना पास के अंदर जाने के लिए कतारों में खड़े थे। तभी गेट हल्का सा खुला और बाहर खड़ी भीड़ ने अंदर घुसने की कोशिश की।

धक्का मारने से खुला गेट

एक प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि तीन लड़कियों ने अंदर जाने के लिए जैसे ही दरवाजे को धक्का मारा तो वह खुल गया। पीछे से भीड़ ने उन्हें गिराया और उनको कुचलते हुए अंदर घुसने लगी। कई लोग एक के बाद एक गिरते रहे और उनकी चीख पुकार से स्टेडियम के बाहर का हिस्सा गूंज गया।

'मैंने अपनी पोती खो दी'

कनूर से 14 वर्षीय देव्यामशी अपनी मां, छोटी बहन और परिवार के अन्य सदस्यों के साथ आरसीबी की जीत का जश्न मनाने आई थी। भगदड़ के बाद उसका शव बॉरिंग अस्पताल में रखा था। अस्पताल के बाहर बदहवास उसकी दादी ने दर्द बयां करते हुए कहा कि वहां बहुत सारे लोग थे, एक दूसरे पर चढ़कर अंदर जाने की कोशिश कर रहे थे, धक्का-मुक्की कर रही भीड़ को कुछ नहीं हुआ लेकिन मैंने पोती को खो दिया।

किसी ने बोला, विराट इधर से आएगा-लोग दौड़ पड़े

गेट नंबर 1 पर जमा भीड़ में कहीं से आवाज आई कि विराट कोहली इधर से ही आएगा। भीड़ अचानक घूमी और गेट की ओर दौड़ पड़ी। आगे गेट बंद होने के कारण लोग लड़खड़ाए और एक दूसरे के ऊपर गिरने लगे। इनमें ज्यादातर युवा और महिलाएं थीं।

हिस्ट्रीशीटर रोहित तोमर के घर नोट गिनने की मशीन

> रिवॉल्वर और गोलियां भी मिली; 35 लाख कैश, गहने-लग्जरी गाड़ियों समेत करोड़ों का माल जब्त

रायपुर, 5 जून (एजेंसियां)। रायपुर में हिस्ट्रीशीटर रोहित तोमर को पुलिस तलाश रही है। रोहित ने एक प्रॉपर्टी डीलर के साथ मारपीट की थी। इसके बाद से वह फरार है। पुलिस उसकी खोजबीन करते हुए घर पर दबिश दी। पुलिस ने तोमर भाइयों के घर से 35 लाख कैश, गोल्ड और महंगी कार समेत करोड़ों का माल जब्त किया है। पुलिस को घर से नोट गिनने की मशीन भी मिली है। साथ ही एक पिस्टल और रिवाल्वर भी बरामद हुईं है, इसके बाद आर्म्स एक्ट में भी कार्रवाई की जा रही है।

दरअसल, रोहित तोमर पर आरोप है कि उसने पुराने रंजिश के चलते अपने बाउंसर के साथ मिलकर प्रॉपर्टी डीलर दशमीत चावला के साथ मारपीट की। दशमीत ने अपनी शिकायत में बताया कि 31 मई की रात में अपने दोस्त के साथ खाना खाने वीआईपी रोड के क्लब गया था। वहां पर रोहित तोमर उसे गेट के पास पुरानी रंजिश की वजह से गालियां देने लगा। फिर मारपीट करने के बाद जान से मारने की धमकी दी। घटना के बाद से आरोपी फरार है।

अलग-अलग थानों में रोहित के खिलाफ दर्ज मामले

- एक महिला ने 2015 में पुरानी बस्ती थाना में कर्ज नहीं चुकाने पर अननेचुरल सेक्स करने की रिपोर्ट दर्ज कराई।
- एक युवक ने 2016 में पुरानी बस्ती थाना में मारपीट की रिपोर्ट दर्ज कराई।
- कारोबारी को पैसा वसूलने जान से मारने की धमकी दी। कोतवाली थाने में एफआईआर।

सर्च वारंट के साथ पहुंची थी पुलिस की टीम

पुलिस ने बताया कि थाना तेलीबांधा रायपुर में दर्ज मामले में रोहित सिंह तोमर की खोजबीन की जा रही है, लेकिन आरोपी का अब तक कुछ पता नहीं चला है। इसके बाद पुलिस ने न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी सिर्फ आरोपी के भाटागांव स्थित मकान का सर्च वारंट प्राप्त किया गया। फिर तेलीबांधा पुरानी बस्ती थाना, क्राइम ब्रांच और रक्षा टीम के साथ 4 जून को मकान की तलाशी ली गई। मकान में 35 लाख कैश, 734 ग्राम सोने के जेवर, 125 ग्राम चांदी, बीएमडब्ल्यू, थार और ब्रेजा जैसी महंगी गाड़ियां मिली है। जिसे पुलिस ने जब्त किया है।

पैसों के हिसाब-किताब के डॉक्यूमेंट मिले

पुलिस ने सर्चिंग में घर से सी.पी.यू., आई-पेड, लैपटॉप, चेक एटीएम कार्ड, डी.व्ही.आर., ई-स्टॉम्प, पैसों के लेन-देन के हिसाब का रजिस्टर, जमीनों के दस्तावेज, नोट गिनने का मशीन, अवैध रूप से रखें 5 नग लोहे का तलवार, 1 नग रिवाल्वर, 1 नग पिस्टल, जिंदा राउण्ड और आवाजी कारतूस भी जब्त किया है। जिसके बाद पुलिस आर्म्स एक्ट में भी एक्शन ले रही है। बता दें कि, एक साल पहले रायपुर के हाइपर क्लब गोलीकांड के बाद पुलिस ने आरोपियों का सिर आधा मुंडवा कर जुलूस निकाला था।

मत्स्य विभाग संचालक के घर लाखों की चोरी

कोरबा, 5 जून (एजेंसियां)। कोरबा जिले में एक सरकारी अधिकारी के घर चोरी हुई है। शिवाजी नगर में जब परिवार के लोग बाहर गए थे, तभी मत्स्य विभाग के संचालक मनोज कुमार पैकरा के घर से चोर कार, स्कूटी और जेवरात लेकर फरार हो गए। घटना (4 जून) बुधवार रात की है।

मनोज कुमार पैकरा रायपुर में मत्स्य विभाग में संचालक हैं। उनकी पत्नी सुनीता पैकरा कोरबा में शासकीय शिक्षिका के पद पर कार्यरत हैं। प्लॉट नंबर 269/10 में उनका घर है। परिवार गर्मी की छुट्टियों में देहरादून-केदारनाथ गया हुआ है। मामला सिविल लाइन थाना क्षेत्र का है। बताया जा रहा है चोर घर का ताला तोड़कर चोर अंदर घुसे, फिर अलमारी तोड़कर जेवर निकाले, गाड़ी की चाबी निकाली और बाहर खड़ी गाड़ियां ले गए।

बृजमोहन बोले-नहीं टूटेगा नकटी गांव

सांसद ने कहा-अधिकारियों से कह दिया है किसी का घर न तोड़ें, पहले भी मैंने रोका था

रायपुर, 5 जून (एजेंसियां)। रायपुर का नकटी गांव जिसे तोड़कर विधायक कॉलोनी बनाई जानी है, वह अब नहीं टूटेगी। सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने दावा किया कि उन्होंने जिला प्रशासन के अधिकारियों को बुलाकर कहा है कि गांव को हटाया न जाए। बृजमोहन अग्रवाल ने यह भी कहा है कि विधायक कॉलोनी बिना किसी को हटाए भी बनाई जा सकती है।

बृजमोहन अग्रवाल ने कहा लगभग 7 साल पहले भी इश्यू आया था और उस समय मैंने उस गांव को उजड़ने से बचाया था। मुझसे एक-दो दिन पहले उस गांव के लोग आकर मिले थे तो मैंने उन लोगों को इस बात का विश्वास दिया है कि आपके घर नहीं तोड़े जाएंगे। सांसद ने कहा कि मैंने अधिकारियों को भी निर्देश दिए हैं कि वहां से किसी को हटाया न जाए।

मेरी जानकारी में 15 घर प्रधानमंत्री आवास में बने हुए हैं और इसलिए किसी को भी बेघर नहीं किया जाएगा, किसी का घर तोड़ा नहीं जाएगा। अधिकारियों से मेरी चर्चा हो गई है। विधायक कॉलोनी का प्रस्ताव है और उसके लिए वर्तमान में 17 एकड़ जगह उपलब्ध है तो उसके लिए बिना किसी को उजाड़े भी विधायक कॉलोनी बनाई जा सकती है।

नकटी गांव में कच्चे-पक्के मिलाकर करीब 80 घर नकटी गांव में कच्चे और पक्के मिलाकर करीब 80 घर बने हैं। इन घरों में साहू, यादव और सतनामी समुदाय के करीब 300 लोग लोग रहते हैं। ये लोग खेती किसानी और मजदूरी करते हैं। साथ ही बच्चे स्कूल जाते हैं, लेकिन अभी महिलाएं और बच्चे धरने पर बैठे हैं। धरने पर बैठी महिलाओं और पीएम आवास से बनाए गए घरों के मालिकों से बातचीत की। इस दौरान गांव की बुजुर्ग महिला कमला यादव कहती हैं कि उनके सीने पर चाहे बुलडोजर चल जाए, लेकिन वह अपनी जमीन नहीं देंगी।

एमबीबीएस में एडमिशन का झांसा देकर 22 लाख ठगे

मनेंद्रगढ़, 5 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के चिरमिरी में एमबीबीएस में एडमिशन दिलाने के नाम पर कोचिंग सेंटर के संचालक ने 21 लाख 80 हजार रुपए की ठगी कर ली। तीन वर्ष पूर्व कोचिंग सेंटर संचालक ने दंपती की बेटी को एमबीबीएस कॉलेज में प्रवेश दिलाने का झांसा दिया। पैसे लेने के बाद न तो कॉलेज में एडमिशन हुआ और न ही राशि ही वापस की गई। दंपती की रिपोर्ट पर पुलिस ने धोखाधड़ी का अपराध दर्ज किया है। मामला चिरमिरी थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, चिरमिरी अंतर्गत गोदरीपारा निवासी सुनील कुमार चौरसिया (62 वर्ष) ने थाने में शिकायत दर्ज कराई कि वे वर्ष 2022 में अपनी बेटी कौशिकी चौरसिया का एमबीबीएस में एडमिशन कराना चाह रहे थे।

गौ-तस्करी पर कोंडागांव पुलिस की बड़ी कार्रवाई

47 गौवंश मुक्त कराए, छह आरोपी गिरफ्तार

कोंडागांव, 5 जून (एजेंसियां)। कोंडागांव पुलिस ने पशु तस्करी के मामले में प्रभावशाली कार्रवाई करते हुए 47 गौवंश को तस्करों के कब्जे से मुक्त कराया है। इस मामले में छह आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है। यह कार्रवाई 3 जून की गई।

विनय दास मानिकपुरी ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि कुछ लोग गौवंश को उड़ीसा ले जा रहे हैं। थाना कोण्डागांव में मामला दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस ने गौ तस्करों की घेराबंदी की और और मौके 47 गौवंश को बरामद किया। पुलिस को छह गौ तस्करों को गिरफ्तार करने में कामयाबी मिली है। पकड़े गए आरोपियों के नाम जयराम बघेल, तुलाराम नाग, डुमकर मौर्य, गुडुराम नाग, रतन सुना और पदलाम सुना हैं। उन्होंने पूछताछ में गौ तस्करी करने का अपराध कबूल किया है।

पलामू में सड़क हादसे में बाप-बेटी की मौत

पलामू, 5 जून (एजेंसियां)। पलामू जिले के हुसैनाबाद अनुमंडल क्षेत्र में एक दर्दनाक सड़क हादसा सामने आया है। बुधवार की रात जपला-छतरपुर मेन रोड पर चौआचटान गांव के पास तेज रफ्तार कार ने एक बाइक सवार परिवार को रौंद दिया। हादसे में एक ही परिवार के दो लोगों की मौत हो गई। जबकि तीन अन्य सदस्य गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी एक ही मोटरसाइकिल पर सवार होकर रिश्तेदार के घर जा रहे थे। इसी दौरान विपरीत दिशा से आ रही आई ट्वेंटी कार ने जोरदार टक्कर मार दी।

62 लाख की अवैध शराब के मामले में आरोपी गिरफ्तार

दुर्ग, 5 जून (एजेंसियां)। दुर्ग पुलिस ने 4 महीने पहले पाटन ब्लॉक के फुंडा गांव स्थित महेंद्र वर्मा के फार्म हाउस से 500 पेटी अवैध शराब जब्त की थी। पुलिस ने आशंका जताई थी कि ये चुनाव शराब है और लोगों को बांटने के लिए लाई गई थी। तब से मामले का आरोपी महेंद्र कर्मा फरार था। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस प्रवक्ता पद्मश्री तंवर ने बताया कि निकाय चुनाव के समय 08 फरवरी 2025 को मुखबीर से मिली सूचना के आधार एसीसीयू दुर्ग की टीम और थाना पाटन पुलिस ने फुण्डा में एक साथ रेड की थी। उन्होंने महेन्द्र वर्मा (52 साल) निवासी देवादा थाना पाटन के फार्म हाउस से मध्यप्रदेश निर्मित 500 पेटी अंग्रेजी गोवा शराब जप्त किया था।

एक स्कूल में पोस्टिंग और दूसरे से वेतन

> युक्तियुक्तकरण में कई गड़बड़ी; अफसरों पर भड़के टीचर
> कहा-शहर के पदों को चहेतों के लिए छिपाए

बिलासपुर, 5 जून (एजेंसियां)। बिलासपुर में युक्तियुक्तकरण प्रक्रिया के तहत हुई काउंसलिंग में जिला प्रशासन के अफसरों की मौजूदगी में नियमों को दरकिनार कर गड़बड़ी करने का मामला सामने आया है। कई टीचर ऐसे हैं, जिनकी पोस्टिंग एक स्कूल में है, लेकिन पद नहीं होने के कारण उनका वेतन किसी दूसरे स्कूल से दिया जा रहा है। इसके बाद भी अतिशेष सूची में उनका नाम नहीं है। वहीं, एक महिला टीचर को प्राचार्य ने लिखकर दिया है कि स्कूल में एक भी पद अतिशेष नहीं है। फिर भी उन्हें अतिशेष बता दिया गया है।

पारदर्शिता को लेकर शिक्षकों ने जताई नाराजगी

जिले के जिन 755 शिक्षकों को अतिशेष बताया गया है, उसमें पूरी रात चहेतों का नाम हटाने और जोड़ने का काम चला। जिसके बाद जब काउंसलिंग हुई, तब शहर और

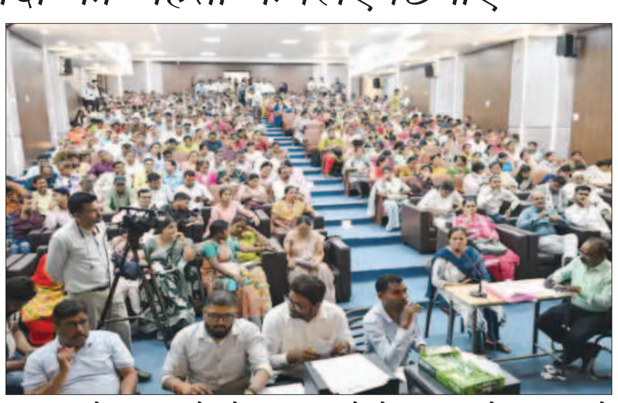

आसपास के रिक्त पदों को छिपा दिया गया। काउंसलिंग में पारदर्शिता नहीं होने के कारण शिक्षकों ने जमकर नाराजगी भी जताई। इस दौरान 150 से ज्यादा शिक्षकों ने सूची पर आपत्ति दर्ज कराई। 50 से ज्यादा ने लिखित असहमति देकर प्रक्रिया में भाग नहीं लिया। आरोप है कि अफसरों ने मनमानी की है। शिक्षकों के मुताबिक विषय बंधन को समाप्त करने के राजपत्र के नियम को पूर्णतः दरकिनार किया गया है और युक्तियुक्तकरण नियम के मार्गदर्शी निर्देश का भी मिडिल स्कूल और प्राथमिक शालाओं में उल्लंघन किया गया है। हायर सेकेंडरी, हाई स्कूल में अतिशेष घोषित करने में पक्षपात किया गया है।

शिक्षकों ने अतिशेष सूची को लेकर गंभीर अनियमितता और मनमानी करने का आरोप लगाया है। जूनियर शिक्षकों को सीनियर बताकर उन्हें सूची से बाहर रखा गया है और कई योग्य शिक्षकों को जानबूझकर अतिशेष दिखाया गया। वहीं, विषयों की भी अनदेखी की गई। विज्ञान विषय के शिक्षकों को कला में और वाणिज्य के शिक्षकों को विज्ञान की सूची में डाल दिया गया।

बिना मापदंडों के दी रिक्त पदों की जानकारी

शिक्षक नेताओं ने कहा कि मस्तूरी विकासखंड के मानिकचौरी संकुल के प्राथमिक शाला मानिक चौरी में छात्रों की संख्या 318 है, जहां पर तीन सहायक शिक्षक कार्यरत है। यहां एक भी रिक्त पद नहीं बताया गया है। वहीं, उसी संकुल में शासकीय प्राथमिक शाला रहटाटोर में छात्र संख्या 171 में तीन सहायक शिक्षक कार्यरत है, जहां पर सहायक शिक्षक के 3 रिक्त पद प्रदर्शित कर काउंसलिंग से भरने के लिए दिखाया गया।

अमेरिकी सेना ने इराक-सीरिया में अभियान के दौरान आईएसआईएस नेता को हिरासत में लिया

वॉशिंगटन, 5 जून (एजेंसियां)। अमेरिकी सेना ने इराक और सीरिया में डिफीट आईएसआईएस (डी-आईएसआईएस) अभियानों के दौरान एक आईएसआईएस नेता को हिरासत में लेने और आतंकी समूह के दो गुर्गों की मौत की घोषणा की। अमेरिकी सीईएनटीसीओएम ने गुरुवार को 'एक्स' पर एक आधाकिरिक बयान में कहा, अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सीईएनटीसीओएम) बलों ने छह डी-आईएसआईएस अभियानों का समर्थन किया, जिनमें से पांच इराक और एक सीरिया में था। इसके परिणामस्वरूप दो आईएसआईएस गुर्गों की मौत हुई, जबकि दो को हिरासत में लिया गया। इसमें एक आईएसआईएस नेता भी शामिल था। इनसे कई हथियार बरामद किए गए हैं। इन अभियानों के जरिए आईएसआईएस की पुनर्गठित करने, योजना बनाने, संगठित करने और क्षेत्र में नागरिकों और अमेरिकी और साझेदार बलों के खिलाफ हमले करने की क्षमता को रोकने कम करने का काम किया।

बयान के अनुसार, अमेरिकी सीईएनटीसीओएम बलों ने चल रहे डी-आईएसआईएस अभियान के समर्थन में 21-27 मई तक इराक और सीरिया में अभियान में सैन्य बलों का समर्थन किया। यूएस सीईएनटीसीओएम द्वारा सक्षम सीरियन डेमोक्रेटिक फोर्सेस ने 21-22 मई को डेयर एज-जूर के पास डी-आईएसआईएस ऑपरेशन चलाया। इस ऑपरेशन के तहत एक आईएसआईएस ऑपरेटिव को पकड़ा गया है। इसके अतिरिक्त, यूएससीईएनटीसीओएम द्वारा सक्षम इराकी बलों ने 21-27 मई को सलाह अल-दीन गवर्नरेट, किरकुक गवर्नरेट और अल-फलुजाह के भीतर उत्तरी इराक में डी-आईएसआईएस ऑपरेशन चलाया, जिसके परिणामस्वरूप कई स्थानों को खाली कराकर उन्हें नष्ट कर दिया गया।

ऑपरेशन के परिणामस्वरूप छोटे हथियारों और गोला-बारूद को जब्त किया गया। इस कार्रवाई में दो आईएसआईएस ऑपरेटिव मारे गए और एक आईएसआईएस नेता को पकड़ लिया गया। यूएस सीईएनटीसीओएम ने कहा, अमेरिका और मल्टीनेशनल कंबाइंड जॉइंट टास्क फोर्स-ऑपरेशन इनहेरेंट रिजॉल्व (सीजेटीएफ-ओआईआर) के सदस्य आईएसआईएस के खिलाफ लड़ाई के लिए अपनी निरंतर प्रतिबद्धता बनाए रखते हैं। यूएस सीईएनटीसीओएम कमांडर जनरल माइकल एरिक कुरिल्ला ने कहा, इस तरह के ऑपरेशन हमारे सहयोगियों और साझेदारों के साथ मिलकर इस रीजन में आईएसआईएस को हमेशा के लिए हराने के लिए यूएस सीईएनटीसीओएम की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

न्यूजीलैंड में माओरी हाका करने वाले तीन सांसदों पर कार्रवाई

> मतदान के बाद संसद से निलंबित किए गए

वेलिंगटन, 5 जून (एजेंसियां)। न्यूजीलैंड की संसद में माओरी हाका करने वाले तीन सांसदों पर कार्रवाई की गई है। संसद ने बृहस्पतिवार को मतदान के बाद तीनों सांसदों को निलंबित कर दिया। इन सांसदों ने एक प्रस्तावित कानून का विरोध करने के लिए माओरी हाका किया था।

जिन तीन सांसदों को संसद से निलंबित किया गया है, उनमें हाना-रावहिती मैपी-क्लार्क, डेबी नगारेवा-पैकर और रावरी वेटीटी शामिल हैं। हाना को सात दिनों के लिए और उनके दोनों सहयोगियों को 21 दिनों के लिए संसद से प्रतिबंधित किया गया है। ये तीनों सांसद माओरी पार्टी से हैं। अभी तक न्यूजीलैंड की संसद से किसी को तीन दिन के लिए ही निलंबित किया गया था। संसद से निलंबित किए गए सांसदों ने बीते साल नवंबर में एक विधेयक का विरोध करने के लिए माओरी हाका किया था। इन सांसदों का कहना था कि इस विधेयक को लागू कर माओरी लोगों के अधिकार कम किए जा रहे हैं। इस विरोध प्रदर्शन के कारण संसद में कई महीनों तक बहस चली। आखिरकार बृहस्पतिवार को संसद में घंटों की बहस के बाद तीनों सांसदों को निलंबित करने के लिए मतदान हुआ।

12 देशों के नागरिकों की एंट्री बैन

ट्रम्प बोले-खतरनाक लोगों से देश को बचा रहे, 7 और देशों पर आंशिक रोक लगाई

वॉशिंगटन, 5 जून (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने 12 देशों के लोगों के अमेरिका आने पर पूरी तरह से रोक लगाने का आदेश जारी किया है। उन्होंने कहा कि यह कदम अमेरिका की सुरक्षा और लोगों की जान की हिफाजत के लिए जरूरी है। यह बैन 9 जून से लागू हो रहा है। इनके अलावा 7 देशों के नागरिकों पर आंशिक रोक भी लगाई है। ये इमिग्रेशन और नॉन-इमिग्रेशन दोनों तरह के वीजा पर लागू होगी। ट्रम्प ने कहा अमेरिका को ऐसे विदेशी नागरिकों से सुरक्षित रखना जरूरी है जो आतंकवादी हमले करने, राष्ट्रीय सुरक्षा को नुकसान पहुंचाने, नफरत फैलाने या इमिग्रेशन कानूनों का गलत फायदा उठाने की कोशिश करते हैं।

अमेरिकी विदेश विभाग के मुताबिक पूर्ण बैन का मतलब है कि उस देश के अधिकतर नागरिकों का अमेरिका में प्रवेश पूरी तरह से प्रतिबंधित होता है। इनमें टूरिस्ट वीजा, स्टूडेंट वीजा, वर्क वीजा और इमिग्रेंट वीजा चाहने वाले लोग शामिल होते हैं। वहीं आंशिक बैन का मतलब है कि उस देश के नागरिकों पर कुछ खास प्रकार के वीजा या एंट्री पर रोक लगाई जाती है, बाकी पर नहीं। यानी इमिग्रेंट वीजा नहीं मिलेगा, लेकिन टूरिस्ट वीजा मिल सकता है। स्टूडेंट्स को परमिशन मिलेगी, लेकिन वर्क वीजा पर रोक रहेगी।

ट्रम्प बोले-वीजा जारी करते वक्त सावधानी बरतें

ट्रम्प ने दूसरे देशों के नागरिकों को वीजा जारी करते वक्त सावधानी बरतने के लिए कहा है। उन्होंने कहा कि वीजा जारी करते वक्त ध्यान रखना चाहिए कि ऐसे लोग अमेरिका न आ सकें, जो अमेरिकियों या देश के हितों को नुकसान पहुंचा सकते हैं। ट्रम्प ने कहा इमिग्रेशन वीजा पर आने वाले लोग स्थायी निवासी बन जाते हैं, इसलिए उनकी जांच ज्यादा जरूरी और कठिन होती है। सुरक्षा को खतरा होने पर भी इन लोगों को निकालना मुश्किल होता है। दूसरी तरफ नॉन-इमिग्रेशन वीजा पर आने वालों की जांच कम होती है। इसलिए जिन देशों में पहचान और जानकारी शेयर करने से जुड़ी व्यवस्थाएं ठीक नहीं हैं, वहां से आने वालों पर रोक लगाना जरूरी है।

2017 में 7 मुस्लिम बहुल देशों पर बैन लगाया था ट्रम्प ने अपने पहले कार्यकाल के दौरान 2017 में एक ट्रैवल बैन लगाया था, जिसे अक्सर मुस्लिम बैन कहा जाता है। इसमें ज्यादातर मुस्लिम बहुल देशों को शामिल किया गया था। जनवरी 2017 में जारी किए आदेश के मुताबिक शुरुआती प्रतिबंध में जिन 7 देशों पर पूरी तरह से अमेरिका आने पर रोक लगाई गई थी। उनमें ईरान, इराक, लीबिया, सोमालिया, सूडान, सीरिया और यमन शामिल थे। बाद में इसमें बदलाव किए गए।

पाकिस्तान में निजी कंपनी के 11 कर्मचारियों का अपहरण

छह को बचाया गया; शेष पांच की तलाश जारी

इस्लामाबाद, 5 जून (एजेंसियां)। पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी प्रांत खैबर पख्तूनख्वा से आतंकवादियों ने गुरुवार को एक निजी कंपनी के 11 कर्मचारियों का अपहरण कर लिया। हालांकि, पुलिस ने संदिग्धों का पीछा किया और अपहृत कर्मचारियों में से छह को बचा लिया।

अलर्ट मिलने पर जिला पुलिस अधिकारी पुलिस अधीक्षक डेरा इस्माइल खान और आतंकवाद निरोधी विभाग के पुलिस अधीक्षक शकील खान अपनी टीमों के साथ मौके पर पहुंचे और तलाशी शुरू की। शेष पांच बंधकों को बचाने और संदिग्धों को पकड़ने के लिए फिलहाल तलाशी अभियान चल रहा है। जानकारी के मुताबिक, एक निजी कंपनी के तीन वाहनों में सवार कर्मचारी इस्लामाबाद से क्वेटा जा रहे थे। तभी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के डेरा इस्माइल खान जिले में डोमंडा ब्रिज के पास उनका अपहरण कर लिया गया। एक अलग घटना में अफगानिस्तान की सीमा से लगे खैबर जिले के तिराह घाटी के निवासियों ने एक पाकिस्तानी सेना के सैनिक के अपहरण के प्रयास को विफल कर दिया।

पाकिस्तानी जेल से कैदियों के बाद हेड कॉन्स्टेबल भी फरार

अपराधियों को भगाने में मदद करने का आरोप लगा
आईजी समेत 23 अधिकारी सस्पेंड

इस्लामाबाद, 5 जून (एजेंसियां)। पाकिस्तान में कराची के मालिर जेल से 2 जून की रात को 216 कैदी फरार हो गए थे। अब इस जेल के हेड कॉन्स्टेबल राशिद चिंगारी के फरार होने की खबर आ रही है। दरअसल, उनपर कैदियों को भागने में मदद करने का आरोप लगा है। पाकिस्तानी वेबसाइट न्यूज के मुताबिक सिंध सरकार ने तुंरत उनकी गिरफ्तारी का आदेश दे दिया है। पाकिस्तानी जेल मंत्री अली हसन जरदारी खुद इस मामले को देख रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, 126 कैदी वापस लौट आए हैं, जबकि 90 कैदी अब भी फरार हैं।

शुरुआती जांच में पता चला कि जेल के अंदर ही कुछ अधिकारी कैदियों की मदद कर रहे थे। राशिद चिंगारी का नाम पहले सस्पेंड किए गए 23 जेल कर्मचारियों की सूची में नहीं था, लेकिन बाद की जांच में उनका नाम सामने आया है। जेल मंत्री ने इसमें शामिल पाए जाने वाले अधिकारियों पर कार्रवाई करने की बात कही है। उन्होंने कहा- इसमें शामिल अधिकारियों का पद कुछ भी हो कार्रवाई पर इससे फर्क नही पड़ेगा।

यूक्रेन में रूस का ड्रोन हमला, पांच लोगों की मौत

मरने वालों में एक बच्चा भी शामिल

कीव, 5 जून (एजेंसियां)। यूक्रेन के उत्तरी शहर प्रिलुकी में बृहस्पतिवार (स्थानीय समयानुसार) सुबह रूस ने ड्रोन हमला किया। रूस के इस हमले में कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि मरने वालों में एक बच्चा भी शामिल है, जिसकी उम्र एक साल थी। इस हमले में बच्चे की मां और दादी की भी मौत हो गई।

अधिकारियों के अनुसार, सुबह करीब 5:30 बजे प्रिलुकी के एक रिहायशी इलाके में छह ड्रोनों ने हमला किया।

राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने बताया कि ड्रोन हमले में जिस बच्चे की मौत हुई है, वह एक आपातकालीन कर्मचारी का पोता था। टेलीग्राम पर एक पोस्ट में जेलेंस्की ने कहा, 'बचाव दल के एक सदस्य ने अपने ही घर में हुए हमले का जवाब दिया। पता चला कि है कि शाहिद ड्रोन ने उनके घर पर हमला किया था।

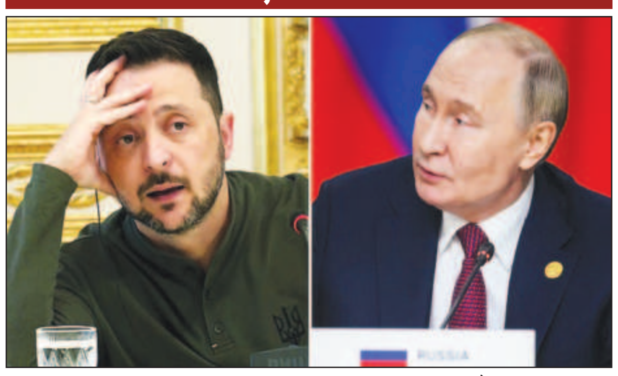

ट्रंप-पुतिन की बातचीत के कुछ घंटों बाद हुआ हमला

यह हमला अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से फोन पर बात करने के कुछ ही घंटों बाद हुआ। ट्रंप के अनुसार, राष्ट्रपति पुतिन ने कहा कि रूस सप्ताह के अंत में यूक्रेन द्वारा रूसी सैन्य हवाई अड्डों पर किए गए ड्रोन हमलों का जवाब जरूर देगा।

ड्रोन हमले में छह लोग घायल हुए, अस्पताल में भर्ती

अधिकारियों के अनुसार, प्रिलुकी में हुए ड्रोन हमले में छह लोग घायल हुए हैं। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अधिकारियों ने बताया कि प्रिलुकी की आबादी 50,000 है। यह शहर यूक्रेन की राजधानी कीव से करीब 100 किलोमीटर पूर्व में स्थित है। यह इलाका लड़ाई से दूर माना जाता है और यहां कोई सैन्य ठिकाना भी नहीं है।

रूस ने रातभर में 103 ड्रोन हमले किए: जेलेंस्की

राष्ट्रपति जेलेंस्की ने बताया कि रूस ने रात भर में अलग-अलग इलाकों में कुल 103 ड्रोन हमले किए हैं।

इसके अलावा, एक बैलिस्टिक मिसाइल भी दागी गई। जिन इलाकों में हमले किए गए हैं, उनमें डोनेट्स्क, खार्किव, ओडेसा, सुमी, चेर्निहिव, दि्नप्रो और खेरसॉन शामिल हैं। जेलेंस्की ने कहा, 'यह एक और बड़ा हमला है। यह रूस पर कड़े प्रतिबंध लगाने और सामूहिक रूप से दबाव डालने का एक और कारण है।'

पाकिस्तान में अहमदिया मुस्लिमों के ईद मनाने पर पाबंदी

5 लाख रुपए जुर्माने की धमकी; जबरदस्ती हलफनामा भरवाया जा रहा

इस्लामाबाद, 5 जून (एजेंसियां)। पाकिस्तान के सिंध और पंजाब प्रांत में अहमदिया मुस्लिमों को ईद मनाने से रोकने के लिए जबरदस्ती हलफनामें भरवाए जा रहे हैं। पंजाब में तो अहमदियों को चेतावनी दी गई है कि अगर उन्होंने ईद मनाई तो 5 लाख रुपए जुर्माना देना होगा।

पंजाब और सिंध के कई इलाकों में को अहमदिया समुदाय पर घर के अंदर धार्मिक रीति-रिवाजों और कुर्बानी न करने का भी दबाव बनाया जा रहा है। इस साल 7 जून को ईद मनाई जाएगी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, कई जगहों पर पुलिस अहमदिया लोगों को हिरासत में ले रही है और उन्हें धमकी देकर या परेशान करके हलफनामे पर साइन कराए जा रहे हैं।

पाकिस्तान में 20 लाख अहमदिया रहते हैं

पाकिस्तान में हमेशा से अहमदिया समुदाय सरकार और कट्टरपंथियों के निशाने पर रहा है। एम्नेस्टी इंटरनेशनल की जून 2024 की रिपोर्ट के मुताबिक, पंजाब में कम से कम 36 अहमदिया लोगों को मनमाने ढंग से गिरफ्तार किया गया था, ताकि उन्हें ईद की कुर्बानी करने से रोका जा सके। पाकिस्तान में करीब 20 लाख की आबादी वाला अहमदिया समुदाय उत्पीड़न का शिकार रहा है। 1974 के संवैधानिक संशोधन के तहत उन्हें मुस्लिम नहीं माना जाता।

इस्राइल ने गाजा से दो बंधकों के शव बरामद किए

> पीएम नेतन्याहू ने पीड़ित परिवारों के प्रति व्यक्त की संवेदना

तेल अवीव, 5 जून (एजेंसियां)। इस्राइल ने गाजा पट्टी से दो बंधकों के शव बरामद किए हैं। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को बताया कि ये दोनों लोग 7 अक्तूबर 2023 को हमास के हमले के दौरान पकड़े गए थे। बंधकों को शव बरामद होने पर पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने पीड़ित परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की।

पीएम नेतन्याहू ने बताया कि दोनों शव इस्राइली सेना और आंतरिक सुरक्षा एजेंसी शिन बेट ने मिलकर बरामद किए हैं। मृतकों की पहचान जुडीथ वेनस्टीन (70) और गाद हाग्गई (72) के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि दोनों के शवों को इस्राइल वापस लाया गया है।

खान यूनिस से बरामद किए गए शव

किबुत्ज नीर ओज ने दिसंबर 2023 में दोनों की मौत की घोषणा की थी। सेना ने कहा कि दोनों बंधकों के शव दक्षिणी गाजा शहर के खान यूनिस से बरामद किए गए हैं। बता दें कि सात अक्तूबर की सुबह हमास के लड़ाकों ने कई सैन्य ठिकानों पर हमला कर दिया था। उस समय दोनों अपने घर के बाहर टहल रहे थे। उस सुबह वेनस्टीन ने आपातकालीन सेवाओं को कॉल कर बताया था कि उन्हें और उनके पति को गोली मार दी गई है। उन्होंने अपने परिवार को भी संदेश भेजा था। वेनस्टीन का जन्म न्यूयॉर्क में हुआ था। वह गाजा सीमा के पास एक छोटे से समुदाय किबुत्ज नीर ओज में बच्चों को अंग्रेजी पढ़ाती थीं। किबुत्ज ने बताया कि वेनस्टीन ने गाजा से रॉकेट फायर के चिंता के चलते पीड़ित बच्चों और किशोरों को ध्यान तकनीक भी सिखाई थी। उनके पति हाग्गई एक सेवानिवृत शेफ और जैज संगीतकार थे। किबुत्ज ने बताया कि दंपती के दो बेटे और दो बेटियां हैं, और सात पोते-पोतियां हैं।

हमास के हमले में मारे गए थे 1200 लोग गौरतलब है कि हमास के आतंकवादियों ने सात अक्तूबर को हमला कर लगभग 1,200 लोगों को मार डाला था। इनमें ज्यादातर नागरिक थे। इसके अलावा, हमास ने 251 लोगों का अपहरण कर बंधक बना लिया था। हमास ने अभी भी 56 लोगों को बंधक बनाया हुआ है, जिनमें से लगभग एक तिहाई के जिंदा होने का अनुमान है। इसके अलावा, हमास ने बाकी बंधकों को युद्ध विराम समझौतों और अन्य सौदों के तहत रिहा कर दिया था। वहीं, इस्राइली सेना ने अब तक गाजा से आठ जिंदा बंधकों को बचाया है और दर्जनों शव बरामद किए हैं।

अमेरिका ने गाजा में सीजफायर प्रस्ताव पर वीटो लगाया

कहा-इजराइल को अपनी रक्षा करने का हक; 14 देशों ने जंग रोकने के लिए वोट किया

वॉशिंगटन, 5 जून (एजेंसियां)। अमेरिका ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) के गाजा में युद्धविराम कायम करने वाले प्रस्ताव पर वीटो लगा दिया है। यूएनएससी में बुधवार को इसके लिए वोटिंग हुई जिसमें 15 में से 14 देशों ने गाजा में युद्ध विराम के पक्ष में वोटिंग की। प्रस्ताव में सभी बंधकों की रिहाई और मानवीय सहायता प्रतिबंधों को हटाने की भी मांग की गई थी। अमेरिका इस प्रस्ताव के खिलाफ मतदान करने वाला एकमात्र देश था। अमेरिका ने इसे रोकने के लिए अपने वीटो पावर का इस्तेमाल किया। संयुक्त राष्ट्र में अमेरिकी राजदूत डोरोथी शिया ने कहा कि यह प्रस्ताव सीजफायर के 'कूटनीतिक प्रयासों' को कमजोर करेगा।

इस प्रस्ताव को यूएनएससी के 10 देश अल्जीरिया, डेनमार्क, ग्रीस, गयाना, पाकिस्तान, पनामा, कोरिया गणराज्य, सिएरा लियोन, स्लोवेनिया और सोमालिया ने मिलकर प्रस्तुत किया था, जिसपर

ब्रिटेन, फ्रांस, रूस और चीन ने भी सहमति जताई थी।

अमेरिकी राजदूत बोली-अमेरिका इस प्रस्ताव के पक्ष में नहीं

अमेरिका इस प्रस्ताव के पक्ष में नहीं है, और इसमें कोई आश्चर्य नहीं होना चाहिए। इस संघर्ष के शुरू होने के बाद से ही अमेरिका ने बहुत स्पष्ट रुख अपनाया है कि इजराइल को अपनी रक्षा करने का पूरा अधिकार है। शिया ने कहा कि हमें याद रखना चाहिए कि संयुक्त राष्ट्र ने हमास को 'आतंकवादी' संगठन नहीं माना है। हम किसी ऐसे कदम का समर्थन नहीं करेंगे जो हमास की निंदा नहीं करता और जो हमास से हथियार छोड़ने और गाजा छोड़ने की मांग नहीं करता है।

वीटो पावर क्या है जिसका अमेरिका ने इस्तेमाल किया

वीटो पावर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के पांच स्थायी सदस्यों (अमेरिका, रूस, चीन, ब्रिटेन और फ्रांस) को दी गई स्पेशल पावर है। इसके तहत, ये देश सुरक्षा परिषद के किसी भी प्रस्ताव को, चाहे वह कितना भी अहम क्यों न हो, अस्वीकार (वीटो) कर सकते हैं। इसका मतलब है कि अगर इनमें से कोई एक देश भी किसी प्रस्ताव के खिलाफ मतदान करता है, तो वह प्रस्ताव पारित नहीं हो सकता, भले ही बाकी सभी 14 सदस्य (10 अस्थायी और 4 स्थायी) इसके पक्ष में हों।

इजराइली सेना ने जीएचएफ केंद्रों को वॉर जोन घोषित किया

गाजा में स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार, 4 जून को अलग-अलग इजराइली हमलों में कम से कम 95 फिलिस्तीनी मारे गए और 440 से अधिक घायल हुए थे। अल जजीरा के मुताबिक गाजा में इजराइली हमले बढ़ें है। मध्य गाजा और पूरे क्षेत्र में इजरायली हमले लगातार जारी हैं।

इस बीच, इजराइली सेना ने लोगों को जीएचएफ के केंद्रों पर जाने से मना किया है। सेना ने चेतावनी जारी करते हुए कहा कि इन क्षेत्रों को युद्ध क्षेत्र माना जाएगा और यहां पूरे दिन के लिए सहायता रोक दी गई है।

इंडोनेशिया के बाली में बैन होगी पानी की छोटी प्लास्टिक बोतलें

जकार्ता, 5 जून (एजेंसियां)। इंडोनेशिया के टूरिस्ट आइलैंड बाली में एक लीटर से कम की पानी की बोतलों के प्रोडक्शन में रोक लगाने की योजना बनाई जा रही है, ताकि इस आइलैंड पर 'प्लास्टिक पॉल्यूशन' को कम किया जा सके। 'सिन्हुआ समाचार एजेंसी' की रिपोर्ट के मुताबिक बाली के अधिकारियों और कई प्रमुख बोतलबंद पानी उत्पादकों के बीच पिछले महीने बाली की राजधानी देनपसार में एक बैठक हुई। यहां गवर्नर आई वायन कोस्टर ने आधिकारिक तौर पर नई नीति की घोषणा की, जो अगले साल जनवरी में लागू होने वाली है।

आई वायन कोस्टर ने जोर देकर कहा कि इस योजना को केंद्र सरकार का समर्थन प्राप्त है। उन्होंने कहा, व्यवसायों को तुरंत अपना प्रोडक्शन बंद कर देना चाहिए और बचे हुए स्टॉक को बेच देना चाहिए।

मेक्सिकन राष्ट्रपति ने स्टील, एल्युमीनियम पर अमेरिकी टैरिफ को 'अनुचित' बताया

मेक्सिको सिटी, 5 जून (एजेंसियां)। मेक्सिकन राष्ट्रपति क्लाउडिया शिनबाम ने बुधवार को स्टील और एल्युमीनियम आयात पर अमेरिका द्वारा लगाए गए टैरिफ में की गई बढ़ोतरी को 'अनुचित', 'अस्थायी' और 'कानूनी आधार' पर गलत बताया है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में शिनबाम ने कहा कि यह कार्रवाई, जो यूनाइटेड किंगडम को छोड़कर सभी देशों पर लागू होती है, मेक्सिको के लिए अनुचित है। मेक्सिको जितना निर्यात करता है, उससे कहीं ज्यादा स्टील और एल्युमीनियम आयात करता है।

शिनबाम ने कहा, आमतौर पर घाटे की स्थिति में टैरिफ लगाया जाता है, लेकिन हम ज्यादा स्टील आयात करते हैं, इसलिए यह अनुचित है। इसके अलावा मेक्सिको और यूनाइटेड स्टेट्स एक फ्री ट्रेड एग्रीमेंट में भागीदार हैं, इसलिए मेक्सिकन सरकार के नजरिए से टैरिफ का कोई कानूनी आधार नहीं है। सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका का कहना है कि टैरिफ व्यापार की तुलना में राष्ट्रीय सुरक्षा चिंताओं पर अधिक विचार करता है। शिनबाम ने कहा, अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा के कारणों से इस पर विचार किया जा रहा है और कल ही, व्हाइट हाउस के प्रवक्ता ने कहा कि सुरक्षा मुद्दे सहित सभी मोर्चों पर मेक्सिको के साथ बहुत बेहतर सहयोग है। इसलिए हमें नहीं लगता कि यह सही है। ये टैरिफ अस्थिर साबित होगा, क्योंकि जैसे कई ऑटो पार्ट्स सीमा के एक तरफ से दूसरी तरफ जाते हैं, वैसा ही स्टील के साथ भी होता है।

शीनबाम ने कहा कि वह दिन में इंडस्ट्री लीडर्स से मुलाकात करेंगी, ताकि रणनीतियां पेश की जा सकें। उनके इकोनॉमी सेक्रेटरी मार्सेलो एब्रार्ड, इस हफ्ते अमेरिकी अधिकारियों के साथ बातचीत की तैयारी कर रहे हैं, ताकि एक समझौता हो सके। उन्होंने कहा, पचास प्रतिशत टैरिफ, स्टील और एल्यूमिनियम इंडस्ट्री पर एक बड़ा प्रभाव डालता है। 25 प्रतिशत पहले ही समस्याएं पैदा कर चुका था। शीनबाम ने कहा, अगर कोई समझौता नहीं हुआ, तो अगले हफ्ते उनकी सरकार यह घोषित करेगी कि कौन से कदम उठाए जाएंगे। यह आंख के बदले आंख की बात नहीं है। इसका उद्देश्य इंडस्ट्री और इसके द्वारा पैदा किए जाने वाले रोजगार को सपोर्ट करना है।

नगमा का शादीशुदा एक्टर्स के साथ रहा सीक्रेट रिलेशन, फिर भी अकेले काट रही जिंदगी

पुराने दौर की टॉप हीरोइन. 90 के दशक में अपनी खूबसूरती से युवाओं को दीवाना बना दिया था. सोशल मीडिया के बिना ही युवाओं की नब्ज पकड़ ली थी. सिर्फ सिल्वर स्क्रीन पर भरोसा करके भारी लोकप्रियता हासिल की. चिरंजीवी जैसे टॉप हीरोज के साथ रोमांस करने वाली इस हीरोइन ने अफेयर्स में भी नाम कमाया. तो आखिर वो कौन है? चलिए देखते हैं.

अपार लोकप्रियता और स्टारडम का अनुभव करने वाली इस ब्यूटी की रियल लाइफ कई अफेयर्स से जुड़ी रही. क्रिकेटर्स से लेकर फिल्म एक्टर्स तक, कई शादीशुदा स्टार्स के साथ इस ब्यूटी के अफेयर्स की खबरें उस समय जोर-शोर से चलती थीं. इसीलिए नगमा का नाम एक सनसनी बन गया था.

1980 में सलमान खान की फिल्म 'बाघी' से बॉलीवुड में कदम रखा नगमा ने. फिर साउथ की फिल्मों पर फोकस करके टॉलीवुड के स्टार हीरोज के साथ काम किया. बीच में भोजपुरी इंडस्ट्री में भी अपनी किस्मत आजमाई. लेकिन उसी समय उसने भोजपुरी इंडस्ट्री के दो स्टार्स के साथ रिलेशन बनाए. उनमें से एक थे भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और स्टार बल्लेबाज सौरव गांगुली. नगमा ने सौरव गांगुली के साथ कुछ सालों तक रिलेशन में रही, लेकिन कुछ कारणों से ब्रेकअप हो गया. 1999 वर्ल्ड कप के समय दोनों मिले थे. उस समय सौरव गांगुली भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान थे और उनकी शादी भी हो चुकी थी.

इसके बाद उस समय के स्टार एक्टर शरत कुमार के साथ प्यार में पड़ गई. हालांकि शरत कुमार की भी शादी हो चुकी थी. उनका रिलेशन भी ज्यादा दिन नहीं चला.

भोजपुरी फिल्मों में काम करते हुए नगमा भोजपुरी स्टार रवि किशन के साथ प्यार में पड़ गई. कई इवेंट्स में दोनों साथ नजर आए. नगमा ने रवि किशन के साथ कई फिल्मों में भी काम किया. इस एक्टर के साथ भी ज्यादा समय तक रिलेशनशिप नहीं चला. इसके बाद एक्टर मनोज तिवारी के साथ भी रिलेशन में होने की खबरें आईं.

कुल मिलाकर देखा जाए तो नगमा ने शादीशुदा चार लोगों के साथ अफेयर्स करके उस समय एक सनसनी मचा दी थी. अब इस ब्यूटी की उम्र 50 साल से ज्यादा हो गई है, लेकिन अब भी सिंगल लाइफ जी रही है. फिलहाल फिल्मों से दूर रहकर राजनीति में एक्टिंव हैं.

अरबाज खान ने पत्नी शूरा खान की प्रेग्नेंसी पर दिया बड़ा हिंट, यूजर बोले- अब पिता बनने वाले हैं

बॉलीवुड एक्टर और फिल्म निर्माता अरबाज खान के जल्द पिता बनने की खबरें चल रही हैं। हाल ही में अभिनेता को पत्नी शूरा खान के साथ देखा गया है, जहां उन्होंने शूरा की प्रेग्नेंसी को लेकर कुछ संकेत दिए है, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। आइए जानते हैं अभिनेता ने क्या कहा।

क्या है वायरल वीडियो?

सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में अरबाज खान को अपनी पत्नी के साथ किसी होटल से निकलते हुए देखा गया। इस दौरान दोनों ने फोटो खिंचान के लिए पोज दिए। उसी दौरान एक पैपराजी ने अभिनेता को बधाई दी, जिसके जवाब में एक्टर ने अपनी पत्नी को देखते हुए धन्यवाद कहा। इस वीडियो में शूरा खान को फ्लोरल फ्रॉक पहने देखा जा सकता है, वहीं अरबाज खान मैरून कलर की शर्ट और ब्लैक कलर की पैंट पहने दिख रहे हैं।

आप लोग जाने भी दो

आगे कुछ सवाल पूछने पर अभिनेता ने संकेत दिया कि वह अभी इस मामले पर चर्चा नहीं करना चाहते। इसके बाद जैसे ही पति-पत्नी वहां से निकलने के लिए कार की ओर बढ़ते हैं, तो किसी पैपराजी ने कहा जाने दो। इस पर अरबाज खान ने हंसते हुए कहा कि आप लोग जाने दो और कभी-कभी समझने की कोशिश करो। हालांकि, आपको बताते चलें कि दोनों ने प्रेग्नेंसी की खबरों का खंडन नहीं किया है, जिससे इस खबर की पुष्टि होने के संकेत मिल रहे हैं।

नेटिजंस ने दी प्रतिक्रिया

इस वीडियो के सामने आते ही नेटिजंस को अभिनेता अरबाज खान के पिता बनने की खबर सही होती दिख रही है। एक यूजर ने कमेंट किया कि अब वो पिता बनने वाले हैं। दूसरे यूजरे ने उन्हें बधाई दी है। इसके अलावा अन्य यूजर ने लिखा कि दोनों बहुत खूबसूरत दिख रहे हैं।

कमजोर कहानी, फीके भाव, कमल हासन व मणिरत्नम जोडी की निराशाजनक वापसी

मूवी रिव्यू: ठग लाइफ

'ये दिल्ली है। यहां सत्ता के लिए बेटा अपने बाप को मारता है। यह इस मिट्टी का शाप है। मुगल काल से यही सब चल रहा है!' फिल्म 'ठग लाइफ' के एक सीन में जब कमल हासन अपने बेटे जैसे साथी को उस पर अपने शक की वजह बताते हैं, तो वह सत्ता को चरित्र को उजागर कर रहे होते हैं। 'नायकन' के 38 साल बाद कमल हासन और मणरित्नम की जोड़ी फरि साथ आई है, लिहाजा उम्मीदें चरम पर हैं। लेकिन 'ठग लाइफ' एक नरिाशाजनक वापसी के अलावा और कुछ नहीं है।

'ठग लाइफ' की कहानी

फिल्म की कहानी के मुताबिक, रंगाराया शक्तिवेल (कमल हासन) और उसका भाई मनिक्कम (नासर) खतरनाक डॉन हैं। एक पुलिस मुठभेड़ के दौरान शक्तिवेल एक बच्चे अमारन (सिलंबरासन) की जान बचाता है। उस दौरान उसके बाप की मौत हो जाने के कारण वह उसे अपने बच्चे की तरह की पालता है। सदानंद (महेश मांजरेकर) भी एक डॉन है, जिसका शक्तिवेल के साथ छत्तीस का आंकड़ा है।

सदानंद के भांजे के धोखे के चलते मनिक्कम की बेटी अपनी जान दे देती है, जिसका बदला शक्तिवेल उसे मारकर लेता है। इस कारण सदानंद और उसका दूसरा भांजा (अली फजल) उसकी जान के दुश्मन बन जाते हैं। इसी बीच कुछ ऐसा होता है कि शक्तिवेल के अपने ही उसके दुश्मन हो जाते हैं और उसकी जान लेने की कोशिश करते हैं। क्या शक्तिवेल इसका बदला ले पाता है? यह जानने के लिए आपको सिनेमाघर जाना होगा।

ठग लाइफ' मूवी रिव्यू

हिंदी पट्टी में अपनी पहुंच बनाने की चाहत में कमल हासन और मणिरत्नम ने इस फिल्म का प्लॉट राजधानी दिल्ली आधारित रखा है। साथ ही इस फिल्म में हिंदी सिनेमा के कई सितारे छोटे रोल में नजर आ रहे हैं। फिल्म 'ठग लाइफ' को इसलिए भी खास माना जा रहा है, क्योंकि इससे कमल हासन और मणिरत्नम ने 1987 में रिलीज 'नायकन' में साथ काम किया था। लेकिन अफसोस कि कमल हासन और मणिरत्नम की जोड़ी इतने लंबे अरसे बाद भी कुछ खास परोसने में नाकामयाब रही है।

'ठग लाइफ' की शुरुआत फिर भी ठीकठाक अंदाज में होती है, जो दर्शकों में उत्सुकता जगाती है। लेकिन इंटरवल के बाद कहानी कमजोर पड़ जाती है और क्लाईमैक्स भी दमदार नहीं बन पड़ा है। फिल्म में बतौर राइटर मणिरत्नम और कमल हासन का नाम जुड़ा है, लेकिन अफसोस कि इसकी स्क्रिप्ट उतनी जोरदार नहीं है। डायरेक्टर के तौर पर मणिरत्नम ने कुछ अच्छे एक्शन सीन पेश किए हैं, लेकिन कथा और पटकथा की कमजोरी के कारण वह दर्शकों को लुभा नहीं पाते।

बात एक्टिंग की करें, तो कमल हासन हमेशा की तरह शानदार लगे हैं। उन्होंने जवानी से लेकर बुढ़ापे तक के हर अंदाज में शानदार काम किया है। जबकि सिलंबरासन टीआर भी अपने रोल में दमदार लगे हैं। तृषा कृष्णन के पास इस फिल्म में करने के लिए कुछ खास नहीं था। उनके टैलंट को वेस्ट किया गया है। महेश मांजरेकर, अभिरामी, नासर और अली फजल ने भी अच्छा काम किया है। सान्या मल्होत्रा फिल्म में सिर्फ एक डांस नंबर में नजर आती हैं।

फिल्म की सिनेमेटोग्राफी अच्छी बन पड़ी है। लेकिन बात अगर एआर रहमान के म्यूजिक की करें, तो वह भी कोई खास कमाल नहीं कर पाए हैं। फिल्म की हिंदी डबिंग भी कई दफा दर्शकों को खटकती है। क्यों देखें- अगर आप कमल हासन के जबरदस्त फैन हैं तो ही इस फिल्म को देखने जाएं। वरना इस फिल्म को नहीं भी देखेंगे तो कुछ खास नहीं मिस नहीं करेंगे।

फिल्मों से दूर, आईपीएल में पंजाब की मालकिन ने कैसे खड़ा किया अरबों का साम्राज्य

आईपीएल में अपनी ब्यूटी से सबको दीवाना बनाने वाली प्रीति जिंटा की हर कोई तारीफ करता है। उनकी खूबसूरती से लेकर भारी निवेश तक की बात होती है। आइए बताते हैं।

बॉलीवुड स्टारडम से लेकर सफल बिजनेस वेंचर तक, प्रीति जिंटा ने अपने लिए एक अलग रास्ता बनाया है। न केवल स्क्रीन पर अपनी यादगार रोल्स के लिए बल्कि इसके बाहर अपने बड़े निवेश के लिए भी वो जानी जाती हैं।

परिवार के लिए एक्टिंग से लिया ब्रेक

हाल ही में पंजाब किंग्स आईपीएल टीम की मालकिन फाइनल मैच हार गईं। परिवार पर ध्यान देने के लिए एक्टिंग से ब्रेक लेने के बावजूद, प्रीति भारी कमाई कर रही हैं। आइए एक नज़र डालते हैं कि वह फेम, काम और परिवार के बीच कैसे संतुलन बनाती हैं।

जीन गुडइनफ से की शादी

जीन गुडइनफ से शादी करने के बाद से, प्रीति जिंटा लॉस एंजिल्स चली गई हैं। इस कपल ने 2021 में जुड़वां बच्चों, जिया और जय का स्वागत किया। तब से प्रीति ने अपने परिवार पर ध्यान देने के लिए एक्टिंग से ब्रेक ले लिया।

टीम में 35 करोड़ का निवेश किया

एक रिपोर्ट के अनुसार, 2008 में प्रीति आईपीएल टीम पंजाब किंग्स की सह-मालिक बन गईं, कथित तौर पर उन्होंने इसमें 35 करोड़ रुपये का निवेश किया।

925 मिलियन डॉलर की टीम की मालकिन

टीम को 76 मिलियन डॉलर में खरीदा गया था और पिछले कुछ वर्षों में इसकी कीमत बढ़कर 925 मिलियन डॉलर हो गई है। यह केवल टीम ही नहीं है जो कमाती है। लीग के टिकट का लगभग 80 प्रतिशत टीम मालिकों को जाता है। पंजाब किंग्स में प्रीति का स्मार्ट निवेश उन्हें खूब फायदा देता है।

मुंबई में 17 करोड़ का अपार्टमेंट

आईपीएल के अलावा, एक्ट्रेस ने कई संपत्तियों में निवेश किया है। उनके पास मुंबई के पाली हिल्स में एक अपार्टमेंट है जिसकी कीमत 17 करोड़ रुपये है। जीन गुडइनफ से शादी करने के बाद, वह अमेरिका के बेवर्ली हिल्स चली गईं, लेकिन फिर भी उन्होंने अपने होमटाउन में निवेश किया।

शिमला में भी 7 करोड़ का घर

शिमला की रहने वाली प्रीति ने वहां 7 करोड़ रुपये की कीमत का घर खरीदा है। वह हर ब्रांड के लिए लगभग 1.5 से 2 करोड़ रुपये कमाती हैं। सात साल के ब्रेक के बाद, वह फिल्मों में वापसी कर रही हैं।

7 साल बाद फिल्मों में करेंगी वापसी

रिपोर्ट्स के अनुसार वह राजकुमार संतोषी की फिल्म 'लाहौर 1947' में दिखाई देंगी और इसके लिए उन्हें 10 करोड़ रुपये दिए गए हैं। फिल्म में सनी देओल, आमिर खान, शिल्पा शेट्टी, अली फजल और शबाना आजमी भी हैं।

प्रीति के पास सबसे लग्जरी कारें

प्रीति को लग्जरी कारों का शौक है और उनके पास कुछ सबसे यूनिक मॉडल हैं।

उनके कलेक्शन में 1.32 करोड़ रुपये की एक लग्जरी कार, 58 लाख रुपये की एक और कार, और कई गाड़ियां हैं।

कुल नेट वर्थ है इतने करोड़

फिल्मों से ब्रेक लेने के बावजूद, खूबसूरत एक्ट्रेस कैमरे की नजर में रहती हैं। प्रीति जिंटा की कुल नेटवर्थ 183 करोड़ रुपये है, जो उनके ब्रांड एंडोर्समेंट, बिजनेस वेंचर्स और आईपीएल टीम में उनके शेयर से आती है।

पांच साल पहले समझ आया कि एक्टिंग क्या है, वर्कशॉप से दिमाग की खिड़की खुली

करियर को लाइफ बनाकर जिएंगे तो परेशान रहेंगे : वामिका

वामिका गब्बी सिर्फ अभिनेत्री नहीं, एक खोज हैं। अपने किरदारों में, अपने भीतर और ज़िंदगी की परतों में। एक ओर जहां उन्होंने विशाल भारद्वाज जैसे दिग्गज फिल्मकार के साथ चार-चार प्रोजेक्ट्स में काम करके अपनी ऐक्टिंग को नया आकार दिया, वहीं दूसरी ओर ओशो की शिक्षाओं से आत्म-बोध की राह भी पकड़ी। वामिका खुद कहती हैं कि अभिनय की असली समझ उन्हें सिर्फ़ पांच साल पहले आई, जब विशाल सर की वर्कशॉप ने उनके भीतर की खिड़कियां खोल दीं। 'भूल चूक माफ' नाम की अपनी नई फिल्म में उन्होंने पहली बार कॉमिडी की और इस चुनौती को भी आत्मविश्वास से पार किया। वामिका मानती हैं कि एक अच्छा कलाकार बनने के लिए सिर्फ तकनीक नहीं बल्कि संतुलित निजी जीवन, रिश्तों की गहराई और मानसिक शांति भी जरूरी है। उनकी बातों में न सिर्फ एक कलाकार की परिपक्वता झलकती है बल्कि एक जागरूक इंसान की सोच भी।

विशाल भारद्वाज सर ने मेरी ऐक्टिंग को संवारा है

मैं इतनी खुशकिस्मत हूं कि विशाल भारद्वाज जैसे इतने बड़े डायरेक्टर ने मुझे लिया। मैं, डैड और भाई उनके इतने बड़े फैन हैं कि क्या बताएं। उनके साथ काम करना मेरे लिए सपने की तरह था। उन्होंने मुझे खुद अपनी फिल्मों के लिए सिलेक्ट किया। दूसरी बार जब उन्होंने फिर से काम करने को कहा तो मैं खुद शॉक्ड रह गई। यकीन नहीं हो रहा था लेकिन बाद में समझ आया कि ऐसा उन्होंने पहले भी तब्बू जी और प्रियंका चोपड़ा के साथ किया था। उन्हें किसी के साथ लगे कि ये अच्छा काम करती है तो वह उसके साथ फिर से काम करते हैं। मैंने उनके साथ चार प्रोजेक्ट किए हैं। उनसे जो सीखने को मिला, उस अनुभव ने कहीं ना कहीं मेरी थिंकिंग को शेप दिया। अब समझ आ गया कि कैसे प्रोजेक्ट्स को हां करना और किसको ना करना है। उनके साथ ने मेरी ऐक्टिंग को बहुत संवार है। मेरे ऐक्टिंग करियर में उनका बड़ा योगदान है।

पहले मैं टिपिकल हीरोइन टाइप ऐक्टिंग करती थी

मैंने विशाल भारद्वाज जी की वर्कशॉप में सीखा कि किसी सीन को किस तरह बेहतर किया जा सकता है। दरअसल, मैंने कहीं से ऐक्टिंग सीखी नहीं है। उससे पहले तक लगता था कि मैं बहुत टिपिकल हिरोइन टाइप ऐक्टिंग करती थी। जहां रोना, जहां हंसना, जहां गुस्सा करना है, सब एक जैसे हो जाते थे। उसमें कोई एडिशन नहीं था और ना वैरायटी। वर्कशॉप के बाद ऐसा लगा कि किसी ने मेरे दिमाग की खिड़कियां खोल दी हैं। फिर समझ आया कि यह तो समुंदर है। इसमें हरेक कैरेक्टर का रोना-हंसना अलग हो सकता है। मुझे समझ आया कि ये चीज ही बहुत अलग है। देखा जाए तो मुझे पांच साल पहले समझ आया था कि ऐक्टिंग होती क्या है और कितनी कठिन है। उसके बाद से मेरे करियर का ग्राफ जो बदला है, उसे मैं बता नहीं सकती।

करियर को लाइफ बनाकर जिएंगे तो परेशान रहेंगे

एक वक्त ऐसा था, जब अपने करियर वगैरह को लेकर मैं बहुत परेशान रहती थी। धीरे-धीरे समझ आया कि यहां तब अच्छा कर पाऊंगी, जब जिंदगी में अच्छा करूंगी। मेरे रिश्ते अच्छे नहीं होंगे, मैं आसपास के लोगों से अच्छा बर्ताव नहीं करूंगी तो कभी अच्छी ऐक्टर नहीं बन पाऊंगी। मैंने जब अपनी पर्सनल लाइफ पर काम करना शुरू किया तो समझ आया कि वहां से जो मिल रहा है, वो बहुत टैम्परेरी चीज है। वो जो मेरे दोस्त, फैमिली, रिश्ते हैं, वो हैं, जो मेरे साथ अंत तक जाएंगे। इसी वजह से मैं बोलती हूं कि 'My carrier is a part of my Life, it's not my Life.' अगर आप करियर को अपनी लाइफ बनाकर जीवन जिएंगे तो बहुत परेशान रहेंगे। ये परेशानी देख ली थी तो समझ आया गया कि ये मुझे नहीं चाहिए।

ओशो ने समझाया कि तुलना दूसरों सिर्फ खुद से करो

मुझे लगता है कि जिंदगी जब आप पूरी स्वीकार्यता से जीते हैं तो उसी का मतलब है कि नदी के बहाव में तैरने की कोशिश मत करो, बहो। चाहे अच्छा हो या बुरा। वो जो रजनीश (ओशो) को सुनकर, स्प्रिचुएलिटी में उतरकर चीजें समझ में आईं, उसके बाद भीतर एक शांति सी आ गई। हम सब एक रेस में आंखें बंदकर दौड़े रहे हैं। मैं भी उसी रेस में थी। दूसरों से तुलना करती थी। ओशो को सुनने के बाद समझ आया कि तुलना तो सिर्फ खुद से करनी चाहिए। उन्होंने कहा है कि अगर आपको किसी इंसान से समस्या है तो उसका समाधान आपके अंदर ही है। सामने वाले को नहीं बताना कि क्या सुधार करना है, वो आपको खुद में सुधार करना है। उनकी इस बात से मेरी जिंदगी की इतनी समस्याएं खत्म हो गईं कि क्या बताऊं।

फ्रीडम नहीं दी तो प्यार करप्ट हो जाएगा

ओशो जी ने जो प्यार की परिभाषा दी है, अब मैं उसी पर चलती हूं। उन्होंने कहा है कि 'The Ultimate State of Love is Freedom'। लगता है कि अगर मेरी जिंदगी में किसी ने यह वाला प्यार किया है तो वो डैड हैं। जिस तरह का फ्रीडम उन्होंने बिन मांगे दिया है, वो प्यार का अल्टीमेट स्टेट है। अब मैं कहीं भी प्यार ढूंढती हूं तो कोशिश रहती है कि उन्हें बांधकर ना रखूं। अगर मैं उन्हें बांध रही हूं तो यह प्यार नहीं, कुछ और है। फिर वो प्यार करप्ट हो जाता है। मुझे समझ आया कि फ्रीडम कितना जरूरी है। यह आप अपने पार्टनर, रिलेटिव, फ्रेंड्स सबको दें। विशाल सर ने ही ओशो जी के बारे में बताया था क्योंकि वह उन्हें सुनते थे। मुझे याद है कि एक बार हम मुंबई में एक प्रोजेक्ट की बात करने के लिए सैर पर निकले थे। उन्होंने एक ईयरपॉड खुद लगाया और एक मुझे दे दिया। हम ओशो की बातें सुनने लगे। बस वहीं से मेरा इंट्रेस्ट बढ़ा। फिर मैंने उन्हें खुद सुना। मैं पुणे में ओशो आश्रम भी तीन-चार बार गई हूं। वहां मैंने सुबह से लेकर शाम तक मेडिटेशन किया है।

सारे धुरंधरों ने तितली को उड़ाने में मदद की

फिल्म में मेरा नाम तितली है तो इसे जितना ऊंचा उड़ा सकती थी, उतनी कोशिश की। दरअसल, जिस तरह के कलाकारों के साथ इसमें काम किया है, उन धुरंधरों को देखकर कोई भी डर जाएगा। राजकुमार राव, रघुवीर सर, जाकिर हुसैन, सीमा पाहवा। मुझे डर था कि इन धुरंधरों के सामने कैसे टिक पाऊंगी। हालांकि, ये इतने सपोर्टिव और फिल्म के लिए इतना सोचते हैं कि पहले दो दिनों के बाद मेरे लिए चीजें बहुत आसान हो गईं। डरी तो बहुत थी पर इसके बाद इन सबने तितली को उड़ाने में बहुत मदद की।

पहली बार कॉमिडी करने से पहले नर्वस थी

फिल्म करते समय बहुत सी चुनौतियां थीं। मैं पहली बार कॉमिडी कर रही थी। इससे पहले, विशाल भारद्वाज, विक्रम मोटवानी जी, रंजन चंदेल के साथ काम किया। उन सबमें ड्रामा, सीरियसनेस, रोमांस था लेकिन मैंने कॉमिडी नहीं की थी। सच में, मैं बहुत नर्वस थी। कॉमिडी में सबसे बड़ा चैलेंज यह था कि मैं इसे कर सकती हूं या नहीं लेकिन इस फिल्म के बाद मुझे कॉन्फिडेंस आ गया कि कर सकती हूं। अब मैंने आगे जो फिल्में साइन की हैं, वो कॉमिडी ही हैं। मैं बहुत उत्साहित हूं कि आगे मैं कुछ और नया सीखूंगी।

समझ गए थे कि हम सही रास्ते पर हैं

फिल्म में टाइम लूप का कॉन्सेप्ट है। जैसे हॉलिवुड की मूवी है ग्राउंड हॉग डे। बेसिकली, इसमें हॉलिवुड की तरह टाइम लूप का कॉन्सेप्ट सेम है लेकिन वही अगर बनारस की गलियों में कर रहे हैं तो वो कैसे एक जैसा लगेगा। यहां के किरदार बहुत कलरफुल हैं। इन सबने फिल्म में जान डाल दी।

आगे जाकर अगर कोई ऐसी फिल्म बॉलिवुड में बनाएगा तो हमारा ही उदाहरण लिया जाएगा। इंडिया में यह कॉन्सेप्ट इतना इस्तेमाल नहीं हुआ है। मुझे लगता है कि यह बड़े गर्व की बात है कि इस टाइम लूप को हम हिंदी फिल्मों में इस्तेमाल कर रहे हैं।

हम जब स्क्रिप्ट पढ़ते थे तो वो मजेदार लगती थी लेकिन पता नहीं था कि शूट करते वक्त इतना ज्यादा मजा आएगा। आपको पता चल जाता है कि क्या बन रहा है और वो कहां तक जाएगा। हम जब शूट कर रहे थे, तभी समझ में आ गया था कि हम सही रास्ते पर हैं

वीजा बैन से छूट, पैसों की बरसात: पाकिस्तान पर इतना क्यों मेहरबान हैं ट्रंप? एक्सपर्ट ने खोला राज

नई दिल्ली, 5 जून (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कुछ फैसलों से पाकिस्तान को फायदा होता दिख रहा है। इस पर जाने-माने जियोस्ट्रैटेजिक एक्सपर्ट ब्रह्मा चेलानी ने अपनी राय जाहिर की है। उन्होंने कहा कि ट्रंप से जुड़ी की एक कंपनी के साथ क्रिप्टो डील पाकिस्तान को 'अच्छा फायदा' दे रही है। इस कंपनी के कारण ट्रंप और उनके परिवार की संपत्ति में जोरदार इजाफा हुआ है। ट्रंप ने भारत के साथ पाकिस्तान के सैन्य तनाव के दौरान पाकिस्तान की मदद की। उन्होंने दावा किया कि भारत को सैन्य कार्रवाई रोकने के लिए उन्होंने आर्थिक प्रतिबंधों का इस्तेमाल किया। ट्रंप ने बार-बार दावा करके यह दिखाने की कोशिश की है कि प्रधानमंत्री मोदी पर उन्होंने दबाव बनाया। ट्रंप आतंकवाद के मुद्दे पर चुप रहे हैं। उन्होंने पाकिस्तान को कई मामलों में छूट दी है। इसमें पाकिस्तान के लिए 39.6 करोड़ डॉलर की सुरक्षा सहायता भी शामिल है। अब पाकिस्तान उन 12 देशों की सूची में भी नहीं है जिनके नागरिकों पर अमेरिका ने यात्रा प्रतिबंध लगाया है। फरवरी में ट्रंप प्रशासन ने पाकिस्तान को 39.7 करोड़ डॉलर की सुरक्षा सहायता देने का फैसला किया था। यह पैसा पाकिस्तान के अमेरिका-निर्मित F-16 लड़ाकू विमानों की निगरानी के लिए दिया जाएगा। इससे यह सुनिश्चित किया जाएगा कि उनका इस्तेमाल आतंकवाद के खिलाफ हो, भारत के खिलाफ नहीं। फॉरेन पॉलिसी ने 25 अप्रैल को इस 'स्पेशल' मदद पर यह खबर दी थी। चेलानी ने यह भी कहा कि अमेरिका ने म्यांमार पर वीजा प्रतिबंध लगाया, लेकिन पाकिस्तान को छोड़ दिया। पाकिस्तान आतंकवादियों का समर्थन करने के लिए जाना जाता है। उन्होंने कहा कि ट्रंप का यात्रा प्रतिबंध 12 देशों पर है, जिसमें म्यांमार भी शामिल है। म्यांमार में अमेरिका सरकार विरोधी विद्रोहियों की मदद कर रहा है। लेकिन, पाकिस्तान को इस सूची से बाहर रखा गया है।

इससे पता चलता है कि ट्रंप भारत के पड़ोसी देशों के प्रति अलग रवैया अपना रहे हैं। ट्रंप ने बुधवार को 12 देशों के नागरिकों पर यात्रा प्रतिबंध लगाने का आदेश दिया। उन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा का हवाला दिया। व्हाइट हाउस ने कहा कि यह प्रतिबंध उन देशों पर लगाया गया है जो 'स्क्रीनिंग और जांच के मामले में कमजोर हैं' और 'अमेरिका के लिए बहुत बड़ा खतरा हैं।'

क्या रिजर्व बैंक लगातार तीसरी बार ब्याज दरों में करेगा कटौती? वैश्विक चुनौतियों के बीच 6 जून को फैसला

नई दिल्ली, 5 जून (एजेंसियां)। क्या भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की ओर से 6 जून 2025 को रेपो रेट में एक और बड़ी कटौती की संभावना है? अगर ऐसा होता है तो इससे जहां आम लोगों को फायदा होगा वहीं लोन की मांग में भी तेजी आएगी। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा की अध्यक्षता वाली छह सदस्यीय एमपीसी ने अप्रैल में अपने नीतिगत रुख को तटस्थ से बदलकर उदार करने का निर्णय लिया था। इससे बैंकों को भी कर्ज बांटने में मदद मिली और बैंकों ने भी होम लोन की ब्याज दरों में कटौती का कम ही सही पर घोषणाएं की।

वर्तमान में रेपो रेट 6 प्रतिशत पर

आरबीआई ने फरवरी में मौद्रिक ढील का चक्र शुरू किया था अप्रैल में एक और नीतिगत दर में कटौती की थी। वर्तमान में ब्याज दर 6 प्रतिशत है। अब बाजार के विशेषज्ञ और प्रतिभागी संभावित तीसरी दर कटौती की उम्मीद कर रहे हैं, वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता के बीच भारत के विकास को बढ़ाने के लिए आरबीआई 6 जून को तीसरी बार ब्याज दरों में कटौती कर सकता है।

महंगाई में कमी के बीच हो रही मौद्रिक नीति समिति की बैठक

केयरएज रेटिंग्स के मुख्य अर्थशास्त्री रजनी सिन्हा के अनुसार, जून में होने वाली मौद्रिक नीति की बैठक मुद्रास्फीति में उल्लेखनीय कमी के बीच हो रही है। हालांकि, वैश्विक परिस्थितियों की वजह से घरेलू विकास की संभावनाओं पर दबाव बना रहेगा। आरबीआई ने फरवरी 2025 से 50 आधार अंक की रेपो दर से कटौती की है। आरबीआई ने अपने आक्रामक तरलता सहज उपायों के माध्यम से प्रभावित रूप से 75 आधार अंक की कमी की है। हमें उम्मीद है कि एमपीसी इस विकास की गति में चल रही रिकवरी का समर्थन करने पर अपना ध्यान केंद्रित रखेगी। इसलिए जून की इस बैठक में रेपो दर में 25 आधार अंक की कटौती की उम्मीद है।

प्रतिकूल वैश्विक परिस्थितियों के बीच विकास को प्राथमिकता मिलने की उम्मीद

उनका कहना है, मुद्रास्फीति में गिरावट आरबीआई को प्रतिकूल वैश्विक परिस्थितियों के बीच विकास को प्राथमिकता देने की सुविधा देगी। हालांकि विकास की गति सुधार हुआ है, लेकिन असमान उपभोक्ता मांग, निजी पूंजीगत व्यय में वृद्धि और धीमी विनिर्माण गति जैसी चुनौतियां भी आरबीआई के सामने बनी हुई हैं। हमें उम्मीद है कि आरबीआई वित्त वर्ष 2026 में नीतिगत दर में 50 आधार अंकों की कटौती करेगा (जून में 25 आधार अंक कटौती सहित) अगर विकास दर में गिरावट आती है तो दरों में कटौती का चक्र शुरू होने की संभावना है।

6 जून को रेपो रेट में 25 आधार अंकों की कटौती होने की उम्मीद

बैंक ऑफ बड़ौदा के मुख्य अर्थशास्त्री मदन सबनवीस कहते हैं, हमारा मानना है कि मुद्रास्फीति में कमी और आरबीआई के विभिन्न उपायों की वजह से तरलता की स्थिति को बहुत सहज बना दिया है। एमपीसी 6 जून को रेपो दर में 25 आधार अंक की कटौती करेगी। विकास और मुद्रास्फीति दोनों पर टिप्पणी महत्वपूर्ण होगी क्योंकि दोनों के मापदंडों के लिए उनके पूर्वानुमानों में संशोधन की उम्मीद है।

सेंसेक्स में 444 अंक चढ़कर 81,442 पर बंद

निफ्टी भी 130 अंक चढ़ा; आईटी और मेटल शेयर्स में तेजी रही

मुंबई, 5 जून (एजेंसियां)। शेयर बाजार में आज यानी 5 जून को तेजी रही। सेंसेक्स 444 अंक की बढ़त के साथ 81,442 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी में भी 130 अंक की तेजी रही। ये 24,750 के स्तर पर बंद हुआ है। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 20 में तेजी और 10 में गिरावट रही। आईटी, एफएमसीजी और मेटल शेयर में तेजी देखने को मिली है। वहीं ऑटो और सरकारी बैंकों के शेयर्स में गिरावट रही।

एशियाई बाजारों में मिलाजुला कारोबार

एशियाई बाजारों में जापान का निक्केई 192 अंक की गिरावट के साथ 37,554 पर और कोरिया का कोस्पी 41 अंक ऊपर 2,812 पर बंद हुआ। हॉन्गकॉन्ग का हैंगसेंग इंडेक्स 252 अंक तेजी 23,906 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं चीन का शंघाई कंपोजिट 8 अंक की तेजी के साथ 3,384 पर बंद हुआ है। 4 जून को अमेरिका का डाउ जोन्स 91 अंक गिरकर 42,427 पर बंद हुआ। वहीं नैस्डेक कंपोजिट 61 अंक चढ़कर 19,460 पर और एस एंड पी 500 5,970 पर तेजी के साथ बंद हुआ।

रिजर्व बैंक की मॉनेटरी पॉलिसी मीटिंग का दूसरा दिन

रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी (एमपीसी) मीटिंग का आज दूसरा दिन है। एक्सपर्ट्स के अनुसार मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी इस बार भी रेपो रेट में 0.25% कटौती कर सकती है। यानी, आने वाले दिनों में लोन सस्ते हो सकते हैं। 6 जून को सुबह 10 बजे आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा इस मीटिंग में लिए गए फैसलों की जानकारी देंगे। इससे पहले हुई दो बैठक में 0.50% की कटौती हो चुकी है। इससे रेपो रेट गिरकर 6% पर आ गई है। एमपीसी में 6 सदस्य होते हैं। इनमें से 3 आरबीआई के होते हैं, जबकि बाकी केंद्र सरकार द्वारा नियुक्त किए जाते हैं।

कल बाजार में तेजी रही

शेयर बाजार में आज यानी 4 जून को तेजी रही। सेंसेक्स 260 अंक की बढ़त के साथ 80,998 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी में भी 78 अंक की बढ़त के साथ 24,620 के स्तर पर बंद हुआ है। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 19 में तेजी और 11 में गिरावट रही। मेटल, ऑटो, बैंकिंग और आईटी शेयर में ज्यादा तेजी देखने को मिली। वहीं रियल्टी शेयर्स में 0.70% की गिरावट रही।

जल्दी आया मानसून तो सस्ती हो गई शाकाहारी और मांसाहारी थाली

नई दिल्ली, 5 जून (एजेंसियां)। इस साल मानसून कुछ जल्दी ही आ गया। मानसून आने की वजह से लोगों को तपती गर्मी से राहत मिली। साथ ही सब्जियों और फल की भी पैदावार में इजाफा हुआ। यही वजह है कि बीते मई महीने में खाने-पीने की वस्तुएं सस्ती हुईं। तभी तो इस महीने वेज और नॉन-वेज, दोनों तरह की थाली की कीमत में कमी हुई है।

कहां से आई यह रिपोर्ट

रेटिंग एजेंसी क्रिसिल की एक रिपोर्ट आई है। इस रिपोर्ट का नाम है 'रोटी राइस रेट'। इस रिपोर्ट में बताया गया है कि मई 2025 में घर पर बनने वाली वेज और नॉन-वेज थाली की लागत 6% तक कम हुई है। यह कमी सब्जियों की कीमतों में भारी गिरावट के कारण हुई है। पिछले साल सब्जियों के दाम बहुत ज्यादा थे, इसलिए इस साल कीमतें कम लग रही हैं।

टमाटर की कीमतें खूब घटीं

रिपोर्ट में कहा गया है, टमाटर की कीमतें लगभग 29% गिरकर 23 रुपये/किलो हो गईं, जो मई 2025 में 33 रुपये/किलो थीं। पिछले साल उपज को लेकर चिंता थी, जिसके कारण कीमतें बढ़ गई थीं। इसका मतलब है कि पिछले साल टमाटर कम होने की आशंका थी, इसलिए दाम बढ़ गए थे। इस साल टमाटर ज्यादा हैं, इसलिए, दाम कम हो गए हैं। प्याज और आलू की कीमतों में भी 15% और 16% की गिरावट आई है। पिछले साल आलू की फसल को नुकसान हुआ था। पश्चिम बंगाल में तुषार संक्रमण और बेमौसम बारिश के कारण आलू की फसल खराब हो गई थी। वहीं, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और कर्नाटक जैसे राज्यों में पानी की कमी के कारण प्याज की पैदावार कम हुई थी। इसलिए पिछले साल प्याज के दाम बढ़ गए थे। क्रिसिल इंटेलिजेंस के डायरेक्टर पुशान शर्मा ने बताया कि मई 2025 में थाली की कीमतों में थोड़ा बदलाव हुआ है। वेज थाली की कीमत स्थिर रही, लेकिन नॉन-वेज थाली लगभग 2% सस्ती हो गई।

टमाटर और आलू के दाम बढ़ गए, लेकिन प्याज के दाम कम होने से वेज थाली की कीमत स्थिर रही। नॉन-वेज थाली की कीमत में कमी ब्रॉयलर (मुर्गी) की कीमतों में गिरावट के कारण आई है। उन्होंने आगे कहा कि आने वाले समय में सब्जियों के दाम बढ़ सकते हैं। ऐसा मौसम में बदलाव के कारण होगा। गेहूं और दालों की कीमतों में थोड़ी कमी आ सकती है, क्योंकि इस बार देश में इनका उत्पादन अच्छा हुआ है। चावल की कीमतें बढ़ने की उम्मीद है, क्योंकि वैश्विक बाजार में कीमतें अच्छी होने के कारण निर्यात 20-25% तक बढ़ सकता है। क्रिसिल ने यह भी बताया कि वनस्पति तेल की कीमतों में 19% की वृद्धि हुई है। ऐसा आयात शुल्क बढ़ने के कारण हुआ है। इसके अलावा, एलपीजी सिलेंडर की कीमत में भी 6% की वृद्धि हुई है। इन कारणों से थाली की कीमत में ज्यादा कमी नहीं आई। सब्जियों की कीमतों में कमी के साथ-साथ ब्रॉयलर की कीमत में भी लगभग 6% की गिरावट आई है। इस वजह से नॉन-वेज थाली सस्ती हो गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि ब्रॉयलर की कीमतों में गिरावट का कारण इनकी ज्यादा सप्लाई और कम मांग है। महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और कर्नाटक के कुछ हिस्सों में बर्ड फ्लू की खबरें आई थीं, जिसके कारण लोगों ने चिकन खाना कम कर दिया था। ब्रॉयलर की कीमत नॉन-वेज थाली की कीमत का लगभग 50% होती है। एक वेज थाली में रोटी, सब्जियां (प्याज, टमाटर और आलू), चावल, दाल, दही और सलाद शामिल होते हैं।

भारत आ जाइए सर, मिलकर सेलिब्रेट करेंगे...

देश के सबसे बड़े बैंक एसबीआई ने भगोड़े विजय माल्या से क्यों कहा ऐसा?

नई दिल्ली, 5 जून (एजेंसियां)। दुनिया की सबसे महंगी क्रिकेट लीग आईपीएल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को 18 साल में पहली बार ट्रॉफी नसीब हुई है। इस जीत पर टीम के पूर्व मालिक और भगोड़े शराब कारोबारी विजय माल्या ने पोस्ट किया। लेकिन अपनी इस पोस्ट के कारण वह सोशल मीडिया पर जमकर ट्रोल हो रहे हैं। देश के सबसे बड़े सरकारी बैंक एसबीआई ने उन्हें भारत आने को कहा है ताकि मिलकर इस जीत को सेलिब्रेट किया जा सके। माल्या पर कई बैंकों से लिए गए करीब 9,900 करोड़ रुपये का कर्ज नहीं चुकाने का आरोप है। इनमें सबसे बड़ा कर्ज एसबीआई का है। माल्या मार्च 2016 में विदेश भाग गए थे और फिलहाल ब्रिटेन में रह रहे हैं। आईपीएल के 18वें सीजन में आरसीबी की जीत पर माल्या ने एक्स पर ट्वीट किया, 'आरसीबी आखिरकार 18 साल बाद आईपीएल की चैंपियन बन ही गई। 2025 में पूरे टूर्नामेंट के दौरान टीम का प्रदर्शन शानदार रहा। संतुलित दिख रही टीम ने मजबूत कोचिंग और सपोर्ट स्टाफ के साथ दमदार प्रदर्शन किया। बहुत-बहुत शुभकामनाएं। ई साला कप नाम्दे।' उनके इस पोस्ट को 51 लाख यूजर्स ने देखा है और 5.6 हजार ने इस पर रिएक्ट किया है। इसमें एसबीआई का रिएक्शन सबसे खास है।जानेमाने उद्योगपति हर्ष गोयनका ने माल्या के ट्वीट और उस पर एसबीआई के रिएक्शन को पोस्ट किया है। उन्होंने लिखा, 'इसलिए मुझे एक्स बहुत पसंद है।' माल्या के ट्वीट पर रिएक्ट करते हुए एसबीआई ने कहा, 'सर भारत आ जाइये, साथ मिलकर सेलिब्रेट करेंगे।'

किंगफिशर एयरलाइन और यूनाइटेड ब्रुअरीज जैसी कंपनियों के मालिक रहे माल्या को भारत लाने के लिए सरकार लंबे समय से कोशिश कर रही है। माल्या की कंपनियों ने एसबीआई की अगुवाई वाले बैंकों के कंसोर्टियम से 9,900 करोड़ रुपये का लोन लिया था और पेमेंट में डिफॉल्ट किया।

सोना-चांदी की कीमतें ऑल टाइम हाई पर पहुंची

3,695 बढ़कर 1,04,675 प्रति किलो बिक रही, सोना 1,416 महंगा हुआ

नई दिल्ली, 5 जून (एजेंसियां)। चांदी का भाव आज यानी 5 जून को ऑल टाइम हाई पर पहुंच गया है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, 1 किलो चांदी का भाव 3,695 बढ़कर1,04,675 प्रति किलो पर पहुंच गया। इससे पहले चांदी का भाव 1,00,980 प्रति किलो था। वहीं सोने के दाम में भी आज तेजी रही। 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 1,416 बढ़कर 98,163 हो गया है। इससे पहले सोने की कीमत 96,747 प्रति 10 ग्राम थी। सोने ने 21 अप्रैल को 99,100 ऑल टाइम हाई बनाया था।

भोपाल सहित 4 महानगरों में 1 किलो चांदी की कीमत

दिल्ली: 1,04,000
मुंबई: 1,04,000
कोलकाता: 1,04,000
चेन्नई: 1,14,000
भोपाल: 1,04,000

भोपाल सहित 4 महानगरों में 10 ग्राम सोने की कीमत

दिल्ली : 24 कैरेट सोने की कीमत 99,750 और 22 कैरेट सोने की कीमत 91,450

मुंबई : 24 कैरेट सोने की कीमत 99,600 और 22 कैरेट सोने की कीमत 91,300

कोलकाता : 24 कैरेट सोने की कीमत 99,600 और 22 कैरेट सोने की कीमत 91,300

चेन्नई : 24 कैरेट सोने की कीमत 99,600 और 22 कैरेट सोने की कीमत 91,300

भोपाल : 24 कैरेट सोने की कीमत 99,650 और 22 कैरेट सोने की कीमत 91,350

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री सिद्धार्थी नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082
शक संवत् -1947,सूर्य उत्तरायणे,ऋतु- ग्रीष्म
महावीर निर्वाण संवत् -2551
कलियुग अवधि-432000
भोग्य कलि वर्ष-426874
सूर्योदय - 05-44
सूर्यास्त - 18-44
कलियुग संवत् -5126 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949126
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885126

ग्रह स्थिति

सूर्य- वृष मे
चंद्र- कन्या मे
मंगल कर्क मे
बुध- वृष मे
गुरु- मिथुन मे
शुक्र- मीन मे
शनि- मीन मे
राहु- कुंभ मे
केतु- सिंह मे

लग्नारंभ समय

वृष--- 04-20 बजे
मिथुन.. 06-20 बजे
कर्क-- 08-33 बजे
सिंह--- 10-44 बजे
कन्या... 12-51 बजे
तुला.... 14-58 बजे
वृश्चिक..17-06 बजे
धनु..... 19-20 बजे
मकर... 21-26 बजे
कुंभ... 23-17 बजे
मीन.... 00-55 बजे
मेष..... 02-31 बजे

दिशाशूल - पश्चिम - दही खाकर घर से निकले
तिथि- एकादशी 04-48 तक उपरान्त द्वादशी
मास - ज्येष्ठ शुक्ल , शुक्रवार 06 June
नक्षत्र - हस्त 06-32 तक उपरान्त चित्रा
योग - व्यतिपात 10-12 तक उप वरियान
करण- वणिज 15-31 तक उप विष्टी (भद्रा)
विशेष:- व्रत -त्योहार - स्मार्थ वैष्णव निर्जला ११ वतं

विशेषः- राशिफल गृहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 10:37 से 12:15 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो. 9247132654, 9167555710

दिन का चौघड़िया

चंचल 05:44 - 07:20 शुभ
लाभ 07:20 - 08:59 शुभ
अमृत 08:59 - 10:37 शुभ
काल 10:37 - 12:15 अशुभ
शुभ 12:15 - 13:53 शुभ
रोग 13:53 - 15:31 अशुभ
उत्पात 15:31 - 17:09 अशुभ
चंचल 17:09 - 18:44 शुभ

रात का चौघड़िया

रोग 18:44 - 20:09 अशुभ
काल 20:09 - 21:31 अशुभ
लाभ 21:31 - 22:53 शुभ
उत्पात 22:53 - 00:15 अशुभ
शुभ 00:15 - 01:37 शुभ
अमृत 01:37 - 02:59 शुभ
चंचल 02:59 - 04:20 शुभ
रोग 04:20 - 05:44 अशुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
अपना बेहतर प्रयास डाले । आपने दुसरो का समर्थन किया है परन्तु वे अपने बारे में अच्छा नहीं सोचते न जानते और आपके प्रयासों की सराहना करना वे भूल गए । आप ऐसे लोगों के बारे में चिंता न करे और अपने प्रयास जारी रखे ! अपनी कार्य के प्रति अपनी भावनाओ को लगाये न की उन लोगो के लिए जो आपको महत्व नहीं देते ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
यह समय अपने कार्य क्षेत्र को दिशा या बदलाव देने का उचित समय है । कुछ समय से आप अस्थिरता को महसूस कर रहे है । नए और जोश भर देने वाले अवसर आज आपके सामने आ सकते है और आपको आशावादी रहकर उन्हें पकड़ना है । यह आपके कार्य क्षेत्र को पुनर्जीवित करने में मदद करेगा और आगे जाकर आपकी कार्य क्षेत्र संबंधित समस्याओं का निराकरण करने में मदद करेगा।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
ग्रहों की स्थिति में परिवर्तन के कारण , एक नई ऊर्जा का संचार आप में हो सकता है । आप जीवंत महसूस करेंगे । आप में अधिक से अधिक काम लेने की इच्छा आप में प्रबल होगी और तब भी आप खुश रहेंगे । इससे पता चलता है की चीज़े सकारात्मक दिशा में आगे भड़ रही है। लेकिन इस उत्साह में , अपने स्वास्थ्य को नजरअंदाज न करे ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
आप समय के महत्व को जानते हैं और आप आज एक लक्ष्य को पूरा करने की दिशा में काम करेंगे। आप सही रास्ते पर हैं। कड़ी मेहनत करे , सफलता आप से दूर नहीं है। आपकी वित्तीय स्थिति स्थिर है और इसलिए आप व्यापार और शेयरों में कुछ जोखिम ले सकते हैं । आय के नए अवसर आज दिखाई दे सकते हैं। आगे जाने से पहले अपने शुभचिंतकों से परामर्श करें।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
आज आपको अत्यधिक खर्चो का सामना करना पड़ सकता है इसलिए नहीं की वो खर्चे दूर नहीं किये जा सकते थे बल्कि इसलिए की आप खुद उन खर्चो को करना चाहते थे । यह ठीक है की आप अपने मुश्किल समय के लिए पैसे बचाते है जो की बुद्धिमता वाला काम है लेकिन आज आप अपने या अपने किसी ख़ास व्यक्ति जो आपके बहुत निकट है।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
शनि देव जहां एक तरफ स्थितियों को कुछ अच्छा बनाएंगे तो वहीं आपके जीवनसाथी को ज्यादा स्पष्टवादी बना देंगे, उनका व्यवहार कुछ कड़वा सा महसूस हो सकता है लेकिन दिल से वह साफ होंगे इसलिए इस समय के दौरान उनकी बातों को अच्छे से सुनें, समझें और उनको मान्यता दें तथा कोई असहमति हो तो विचार विमर्श के द्वारा उसे हल कर लें। इससे आपका वैवाहिक जीवन खुशी से आगे बढ़ता रहेगा।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
=आप यह पता लगाने की कोशिश करें की कौन सी वस्तु या चीज़ से आप अपने आप से सर्वश्रेष्ट कार्य ले सकते है । यह आपकी विचारधाराओ और रचनात्मकता को भी अद्वितीय अनुभूति देगा । हालाँकि , आपके वित्तीय पुरस्कार में विलंब होगा , फिर भी अपने वित्तीय संकट से खुद को बचाने के लिए आपके पास पर्याप्त आय है।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
आज का दिन अपने प्रयासों को तेज करने और अपनी महत्वाकांक्षाओं को आगे बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करने के लिए सबसे अच्छा समय है । आप अपनी परियोजना के सफलतापूर्वक अंतः के लिए प्रतिबद्ध है जिसके लिए आप कड़ी मेहनत करेंगे । आपका संकल्प और अच्छे प्रयास बर्बाद नहीं होंगे और आप निकट भविष्य में अच्छे फल की उम्मीद कर सकते है ।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
आज आप एक आमंत्रक की भूमिका में रहेंगे ! इसलिए एक मेजबान की जगह एक आयोजक की भूमिका में रहे , आप दोनों ही मामलो में अच्छी राशि पाएंगे परन्तु एक आयोजक की भूमिका लाभप्रद होगी । यह आपकी जन्मजात क्षमताओं में से एक है सिर्फ आप उसकी पहचान नहीं कर पाये थे ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
आपका कार्य के समय हर छोटे बिंदु का मूल्यांकन और हर कार्य को पूरा करने के लिए सावधानी बरतना आपके वरिष्ठ अधिकारियों का ध्यान आपकी और आकर्षित करेगा । आपको और अधिक जिम्मेदारी दी जाएगी ।आपको अपने सामान्य कुशल तरीके से इन से निपटना होगा ताकि ये आपके कैरियर के अवसरों में आने वाले समय में वृद्धि कर सके ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
आपकी कोई ऐसी निजी घटना है जो आपको रोके हुए है और आपकी तरक्की की राह में बाधा बन रही है । अगर आप खुद को गंभीर मुसीबतों से बचाना चाहते हैं तो इन मुद्दों को सुलझा लें । अपने रिश्तों की महत्ता समझने की कोशिश करें , अपने प्रयासों को रिश्तों की अहमियत देखकर ही निर्धारित करें ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
आपने अपने लिए बहुत ऊँचे मानक तय किये हैं और आप इन्हें हासिल करने के लिए बहुत प्रयास कर रहे हैं । फिर भी लक्ष्य तक पहुंचना मुश्किल होगा और इससे आपको थोड़ी निराशा होगी । आपको लक्ष्य तय करने से पहले अपनी क्षमताएं ध्यान में रखनी होंगी । समय कोई बड़ा फैसला लेने के लिए उपयुक्त नही है ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

ट्रंप का ये फैसला भारत के लिए है झटका! खतरे में पड़ा 39 हजार करोड़ का एक्सपोर्ट

नई दिल्ली, 5 जून (एजेंसियां)। डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका में स्टील और एल्यूमिनियम उत्पादों पर 50% टैरिफ लगाने का निर्णय लिया है, जिसका प्रभाव भारत के निर्यात, स्थानीय विनिर्माण, कीमतों और व्यापार पर पड़ सकता है। वैसे तो भारतीय स्टील कंपनियों पर फिलहाल इसका कोई बड़ा सीधा असर नहीं दिख रहा है। हालांकि, विशेषज्ञों का कहना है कि चीन और अन्य देशों की ओर से डंपिंग की आशंका को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। विश्लेषकों के अनुसार, भारत से अमेरिका को स्टील का सीधा निर्यात सीमित मात्रा में होता है। हालांकि, भारत के लिए चिंता का विषय उन उत्पादों पर हो सकता है जो लोहे या स्टील से बनते हैं। मसलन, ऑटोमोबाइल, ऑटो पार्ट्स और इंजीनियरिंग गुड्स। इन

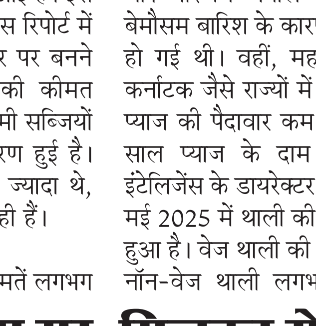

पर पड़ने वाला अप्रत्यक्ष असर आने वाले समय में अहम हो सकता है। यह टैरिफ नीति वैश्विक व्यापार के परिदृश्य को बदल सकती है, जिससे भारत सहित कई देशों के निर्यातकों को नई चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है।अमेरिका भारत का एक महत्वपूर्ण निर्यात बाजार है। स्टील और एल्यूमिनियम उत्पादों पर 50% टैरिफ लगने से भारत से अमेरिका को होने वाले निर्यात में कमी आ सकती है क्योंकि अमेरिकी आयातकों को यह महंगा पड़ेगा। इससे भारत की स्टील और एल्यूमिनियम उद्योग की प्रतिस्पर्धात्मकता प्रभावित हो सकती है और उनके उत्पादों की मांग में गिरावट आ सकती है। भारत ने वित्त वर्ष 2025 में अमेरिका को लगभग 4.56 बिलियन डॉलर मूल्य के स्टील, एल्यूमिनियम और संबंधित उत्पादों का निर्यात किया है, यह जानकारी ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव के आंकड़ों पर आधारित है। इनमें शामिल हैं: लोहा और स्टील उत्पादों का निर्यात 587.5 मिलियन डॉलर लोहा या स्टील के आर्टिकल्स का निर्यात 3.1 बिलियन डॉलर (पिछले वर्ष की तुलना में 14.1 प्रतिशत वृद्धि) एल्यूमिनियम और संबंधित वस्तुओं का निर्यात 860 मिलियन डॉलर इन उत्पादों का बड़ा हिस्सा महाराष्ट्र, गुजरात और तमिलनाडु में स्थित छोटे और मध्यम आकार के निर्माताओं से आता है।

अडानी ग्रुप ने टैक्स से भर दी सरकार की झोली

नई दिल्ली: देश के तीसरे बड़े औद्योगिक घराने अडानी ग्रुप ने वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान 74,945 करोड़ रुपये का टैक्स दिया जो पिछले साल के मुकाबले 29% ज्यादा है। इसमें डायरेक्ट और इनडायरेक्ट टैक्स दोनों शामिल हैं। इसके अलावा कर्मचारियों के सामाजिक सुरक्षा के लिए किए गए भुगतान भी इसमें शामिल हैं। पिछले साल यानी फाइनेंशियल ईयर 2023-24 गौतम अडानी की अगुवाई वाले ग्रुप ने 58,104 करोड़ रुपये का टैक्स दिया था। ग्रुप ने एक बयान में कहा कि सरकारी खजाने में यह योगदान लिस्टेड कंपनियों के माध्यम से दिया गया है। इसमें से 28,720 करोड़ रुपये डायरेक्ट टैक्स के रूप में दिए गए। 45,407 करोड़ रुपये इनडायरेक्ट टैक्स के रूप में दिए गए। बाकी 818 करोड़ रुपये अन्य योगदानों में शामिल हैं। ग्रुप की लिस्टेड कंपनियों में अडानी एंटरप्राइजेज, अडानी पावर, अडानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकनॉमिक जोन, अडानी टोटल गैस, अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस, अडानी ग्रीन एनर्जी और अंबुजा सीमेंट शामिल हैं। इन सात कंपनियों के अलावा ग्रुप की तीन अन्य लिस्टेड कंपनियों एनडीटीवी, एसीसी और सांघी इंडस्ट्रीज द्वारा दिए गए टैक्स को भी इस आंकड़े में शामिल किया गया है। अडानी ग्रुप ने साथ ही 'कर की तैयारी का आधार और दृष्टिकोण' नाम का एक डॉक्यूमेंट भी प्रकाशित किया है। यह डॉक्यूमेंट ग्रुप की सात कंपनियों की वेबसाइट पर उपलब्ध है। इसमें अडानी ग्रुप के ग्लोबल टैक्स और अन्य योगदानों का पूरा विवरण दिया गया है। 74,945 करोड़ रुपये की यह रकम बहुत बड़ी है। इतने पैसे में पूरा मुंबई मेट्रो नेटवर्क बनाया जा सकता है। यह नेटवर्क लाखों लोगों के लिए जीवन रेखा है।

'आतंक को बढ़ावा देने वाले समझ लें, अब ये बर्दाश्त नहीं होगा': कांग्रेस नेता सलमान खुर्शीद

नई दिल्ली, 5 जून (एजेंसियां)। कांग्रेस के सीनियर नेता सलमान खुर्शीद ने कहा कि सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल को भेजे जाने का अच्छ असर हुआ है। हमलोगों ने अपनी बात रखी औ इससे देश को फायदा हुआ है। उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया में यह संदेश गया है कि आतंक को बढ़ावा देनेवाले यह समझ लें कि अब यह बर्दाश्त नहीं होगा। भारत लौटने के बाद इंडिया टीवी से खास बातचीत में खुर्शीद ने यह बात कही। खुर्शीद ऑपरेशन सिंदूर को लेकर भेजे गए डेलिगेशन का हिस्सा रहे हैं। मलेशिया में पाकिस्तान की कूटनीतिक कोशिशों पर खुर्शीद ने कहा कि वहां पाकिस्तान हाई कमिशन की तरफ से एक प्रेस नोट भेजा गया था कि जो भी बात यह कह रहे हैं वह गलत है। लेकिन उस चिट्ठी में ना ही कोई तथ्य थे ना ही कोई लॉजिक था ना ही उसमें कोई सेंस था तो उसको हमने इग्नोर किया।

आतंकवाद का खात्मा भारत की सामूहिक राय

यह बात सही है कि पाकिस्तान का डेलिगेशन भी कई जगह गया है ,लेकिन जहां-जहां हम गए वहां पाकिस्तान का डेलिगेशन नहीं गया । उन्होंने कहा कि यह हर्ष का विषय है कि यहां सब लोग जो जानकार हैं वह यह कह रहे हैं कि जाने का अच्छा असर पड़ा। क्योंकि ये भारत की सामूहिक राय है कि आतंकवाद पूरे विश्व भर में समाप्त होना चाहिए। जो आतंकवाद को बढ़ावा देने वाले हैं उन सभी को यह समझना पड़ेगा कि अब यह बर्दाश्त नहीं होगा। यह संदेश हर जगह पहुंचा और इसको हर जगह लोगों ने अच्छे से रिसीव किया। जाहिर है कि यह सरकार की पहल है लेकिन हमारी पार्टी और विभिन्न विपक्षी पार्टियों ने भी इसको पूरा सहयोग दिया। एक चीज भारतवर्ष के बारे में है उसमें हमारे जितने भी डिफरेंस हो जहां भी भारत की अस्मिता का सुरक्षा का सवाल आता है वहां पर हम एक भाषा में बात करते हैं।

क्या मलेशिया में जो हुआ वो इफेक्टिव डिप्लोमेसी था?

खुर्शीद से जब यह सवाल किया गया तो उन्होंने कहा ऐसा नहीं मान लेना चाहिए कि हमने पूरा मैदान ही जीत लिया है। हमको बहुत ही प्रयास करना पड़ा, लोगों को समझाना पड़ा। कुछ देश बहुत तैयार बैठे रहते हैं उनकी विभिन्न परिस्थितियां होती हैं। उनकी अपनी मजबूरियां होती हैं उसको लेकर कहीं ना कहीं थोड़ा अनिच्छा होता है। इस पेशकश की एक अच्छाई है कि उनके साथ आप आमने-सामने बातचीत कर सकते हैं। आप जो बातचीत करते हैं डायलॉग करते हैं उससे कुछ ना कुछ असर जरूर होता है। बहुत अच्छा रिस्पांस हमको मिला प्रतिक्रिया जो भी हमने वहां सुनी उससे लगा कि हमारा जाना बहुत अच्छा था और इससे देश का बहुत फायदा होगा।

धारा 370 और कश्मीर पर क्या बोले खुर्शीद?

370 पर उनके बयान से विवाद से जुड़े सवाल पर खुर्शीद ने कहा कि पार्टी स्टेटहुड पर ही इस वक्त फोकस कर रही है और वहां के जो चुने हुए हमारे नुमाइंदे विधानसभा में हैं वह भी जो स्टेट की बात कर रहे हैं। चीफ मिनिस्टर भी स्टेट हुड की बात कर रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने भी अपने फैसले में कहा था कि सरकार ने हमको यह एश्योरेंस दिया है कि स्टेटहुड जल्दी मिल जाएगा। स्टेट हुड पर मैं समझता हूं कि हम सब एक ही राय के हैं अब केंद्र को फैसला लेना है।

कांग्रेस और खुर्शीद के बयान में विरोधाभास?

पार्टी और आपके बयान में विरोधाभास है? इस पर खुर्शीद ने कहा कि कोई विरोधाभास नहीं है। हर चीज का एक परसेप्शन होता है हर चीज का एक प्रसंग में लिया जाता है। वहां कुछ हो रहा है कि नहीं इसको तो वहां जाकर आप देख लीजिए। इसमें कोई विरोध करने या बहस करने की आवश्यकता नहीं है। जो हुआ है वह एक वास्तविकता है। वह सुप्रीम कोर्ट तक गया है । थरूर साहब हो कोई और हो वह अपनी समझ से कोई बात कह रहे हैं। आप मुझसे पूछ रहे हैं जो वास्तविकता है वह मैं आपको बता चुका हूं। वास्तविकता के सामने आज जो वहां की धरातल पर जो सिचुएशन है उसे पर आप वहां जाकर देख सकते हैं। पाकिस्तान ने उसको बाधित करना करने का प्रयास किया। यह हमारा मानना है। इसमें हम और सरकार एक ही व्यू के हैं । अब बैकग्राउंड क्या है समीक्षा क्या है एनालिसिस क्या है इस पर विरोध हो सकता है।लेकिन वह सब राजनीति का हिस्सा है। हमारे जाने से राजनीति समाप्त नहीं होगी। राजनीति बदल नहीं जाएगी। अगर हां आपस में समझौते इतने हो जाते, अगर हम जो बातचीत करें तो उसे सम्मान से सुनना चाहिए और गाली गलौज नहीं होनी चाहिए कि आपने यह क्यों पूछ लिया या आपने ऐसा क्यों पूछ लिया। जो भी दायित्व मुझे सोपा गया था वह हमारी पार्टी की ओर से सोपा गया था। पार्टी की ओर से फैसला लिया गया कि हम इस डेलिगेशन में अपने लोग भेजेंगे। इसलिए पार्टी ने हमें वहां भेजा। इसका श्रेय पार्टी को मिलना चाहिए।

तरनतारन में हथियार तस्करी गैंग के दो शातिर गिरफ्तार, छह अत्याधुनिक पिस्टल बरामद; केस दर्ज

चंडीगढ़, 5 जून (एजेंसियां)। तरनतारन पुलिस ने सीमा पार हथियार तस्करी मॉड्यूल का भंडाफोड़ कर लखना गांव से सूरजपाल सिंह और अर्शदीप सिंह को गिरफ्तार किया है। आरोपियों से छह अत्याधुनिक हथियार बरामद किए गए हैं। इनमें दो अत्याधुनिक पीएक्स5 ।30 पिस्तौल और चार 9एमएम ग्लॉक पिस्तौलें, जिनमें जिंदा कारतूस हैं, शामिल हैं। आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर आगे की जांच की जा रही है। डीजीपी गौरव यादव ने एक्स पर जानकारी साझा की। तरनतारन के एसएसपी अभिमन्यु राणा ने कहा कि हमें सूचना मिली थी कि युवाओं का एक समूह आईएसआई प्रायोजित सीमा पार ड्रग्स और हथियारों के नेटवर्क का हिस्सा था।।। एक अभियान चलाया गया और लखना गांव के निवासी दो आरोपियों सूरज और अर्शदीप को गिरफ्तार किया गया। हमने उनके पास से कुछ अत्याधुनिक हथियार बरामद किए।

बीजेपी विधायक सुरेश धस का जेल आईजी जालिंदर सुपेकर पर सनसनीखेज आरोप

मुंबई, 5 जून (एजेंसियां)। महाराष्ट्र से भ्रष्टाचार का एक नया मामला सामने आया है। भारतीय जनता पार्टी के विधायक सुरेश धस ने महाराष्ट्र के जेल विभाग के वरिष्ठ अधिकारी और विशेष पुलिस महानिरीक्षक जालिंदर सुपेकर पर बड़ा आरोप लगाया है। धस का दावा है कि उन्हें कुछ कैदियों की शिकायतें मिली हैं, जिनमें कहा गया है कि सुपेकर ने 300 करोड़ रुपये की मांग की थी। इस आरोप के बाद से राजनीतिक और प्रशासनिक हलकों में हलचल मच गई है। धस का यह बयान सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें वे सुपेकर के खिलाफ भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाते नजर आ रहे हैं। धस की ओर से लगाए गए आरोपों के अनुसार, सुपेकर एक लाख रुपये लेते हैं और 50 हजार रुपये का मोबाइल गिफ्ट के तौर पर लेते हैं। यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। मुझे उनके खिलाफ कई शिकायतें मिली हैं, जिनमें से एक में 300 करोड़ रुपये की उगाही की बात कही गई है। उन्होंने यह भी कहा कि जब कोई व्यक्ति अपने ही रिश्तेदार की बहू से पैसे मांगता है (इशारा वैष्णवी हगवणे मामले की ओर था), तो यह नैतिक पतन का प्रमाण है। वैष्णवी हगवणे ने पिछले महीने पुणे जिले में दहेज उत्पीड़न के चलते आत्महत्या कर ली थी।

सुपेकर ने आरोपों को किया खारिज

हालांकि, जब सुपेकर से इस मुद्दे पर संपर्क किया गया तो उन्होंने विधायक धस के आरोपों को पूरी तरह खारिज कर दिया। उन्होंने कहा, "यह सब निराधार, झूठ और बेमतलब है।" सुपेकर, जो वैष्णवी के पति शशांक (पूर्व एनसीपी नेता राजेंद्र हगवणे के पुत्र) के चाचा हैं, पहले भी इस मामले में विवादों में घिर चुके हैं। धस ने राजेंद्र हगवणे और उनके परिवार की भी आलोचना करते हुए वैष्णवी की आत्महत्या के लिए उन्हें दोषी ठहराया। बता दें कि हाल ही में जालिंदर सुपेकर को नासिक, छत्रपति संभाजीनगर और नागपुर जेल मंडलों के उपमहानिरीक्षक (डीआईजी) के अतिरिक्त प्रभार से मुक्त कर दिया गया है। वे पहले पुणे मुख्यालय से महाराष्ट्र कारागार विभाग के विशेष पुलिस महानिरीक्षक के तौर पर कार्यरत थे। अब इस पूरे मामले ने राजनीतिक मोड़ ले लिया है, जिससे सुपेकर की भूमिका और उनकी जिम्मेदारियों पर सवाल उठ रहे हैं।

बीएमसी चुनाव से पहले अखिलेश यादव की सपा ने एमवीए की बढ़ाई टेंशन! अबू आजमी ने कर दिया बड़ा ऐलान

मुंबई, 5 जून (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में मुंबई महानगरपालिका चुनाव को लेकर हलचल तेज हो गई है। इस बीच समाजवादी पार्टी ने भी हुंकार भर दी है। महाराष्ट्र सपा के अध्यक्ष और विधायक अबू आजमी ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि सपा मुंबई महानगरपालिका चुनाव में 150 सीटें लड़ाने जा रही है। अबू आजमी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए लिखा, बदलते दौर के बदलते माध्यम, डिजिटल युग में सपा है सक्षम। मुंबई महानगरपालिका चुनाव के मद्देनजर आज समाजवादी पार्टी मुंबई प्रदेश के सोशल मीडिया सम्मेलन को संबोधित किया। उन्होंने आगे लिखा, डिजिटल माध्यम आज अपनी निजी राय रखने, पार्टी का संदेश और जनहित के कार्यों को आम जनता तक पहुंचाने का सबसे सशक्त जरिया बन चुका है। लेकिन, यह तभी प्रभावशाली सिद्ध होता है, जब इसका उपयोग एक संगठित और रणनीतिक तरीके से किया जाए। अबू आजमी ने कहा, मुंबई महानगरपालिका चुनाव में सपा 150 सीटें लड़ाने जा रही हैं। यह देखकर खुशी हुई कि बड़ी संख्या में पार्टी के कार्यकर्ता इस प्रशिक्षण में शामिल हुए।

जनसभा में शामिल होने जा रही थीं पर्यावरणविद मेधा पाटकर, रेलवे स्टेशन पर पुलिस ने किया डिटेन

रायगड़ा, 5 जून (एजेंसियां)। प्रख्यात पर्यावरणविद मेधा पाटकर को गुरुवार को ओडिशा के रायगड़ा रेलवे स्टेशन से पुलिस ने हिरासत में ले लिया। वह काशीपुर ब्लॉक के सुंगेर गांव के हाटपदा इलाके में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में शामिल होने जा रही थीं। इस कार्यक्रम का आयोजन मां माटी सुरक्षा मंच की ओर से किया गया था और इसका उद्देश्य सीजिमाली खनन परियोजना का शांतिपूर्ण विरोध करना था।

क्यों लिया गया हिरासत में?

जानकारी के अनुसार, सुंगेर इलाके में ग्रामीण लंबे समय से खनन के खिलाफ आंदोलन कर रहे हैं। स्थानीय लोग सीजिमाली खदान के कारण पर्यावरण और अपने जीवन पर पड़ने वाले संभावित दुष्प्रभावों को लेकर गंभीर रूप से चिंतित हैं। इसी पृष्ठभूमि में, आज एक जनसभा रखी गई थी, जिसमें मेधा पाटकर सहित कई अन्य सामाजिक कार्यकर्ताओं और संगठनों के नेताओं को भाग लेना था। हालांकि, कार्यक्रम स्थल पर पहुंचने से पहले ही पुलिस ने रायगड़ा स्टेशन पर मेधा पाटकर और उनके साथ आए अन्य कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया। सूत्रों के मुताबिक, पुलिस उन्हें एक सुनसान जगह पर ले गई और उन्हें सभा में शामिल न होने के लिए समझाने का प्रयास किया। सूत्रों के अनुसार, यह कार्रवाई जिला प्रशासन के निर्देश पर की गई है। कलेक्टर द्वारा अधिकारियों को नोटिस भी जारी किया गया है।

कई नेता भी हिरासत में लिए गए

मेधा पाटकर के साथ हिरासत में लिए गए अन्य प्रमुख नेताओं में पश्चिम ओडिशा किसान संगठन समन्वय समिति के नेता लिंगराज, फर्जी मुकदमे विरोधी अभियान के नरेंद्र महांती और जय किसान आंदोलन से जुड़े हर बनिया शामिल हैं।

आदिवासी आंदोलनकारी भी गिरफ्तार

इसी तरह से कई आदिवासी आंदोलनकारियों को पहले भी गिरफ्तार किया गया है। आज के कार्यक्रम में पर्यावरणविद प्रफुल्ल सामंतराय, किसान नेता लिंगराज आजाद और अन्य संगठनों के प्रतिनिधियों को भी शामिल होना था। फिलहाल, पुलिस की ओर से इस घटना पर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। मेधा पाटकर एक प्रमुख भारतीय सामाजिक कार्यकर्ता हैं। वह मुख्य रूप से पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक न्याय और विस्थापित समुदायों के अधिकारों के लिए अपने आंदोलनों के लिए जानी जाती हैं। मेधा पाटकर को नर्मदा बचाओ आंदोलन की नेतृत्वकर्ता के रूप में भी जाना जाता है। यह आंदोलन नर्मदा नदी पर बन रहे बड़े बांधों, विशेष रूप से सरदार सरोवर बांध के विरोध में शुरू किया गया था। इस आंदोलन का मुख्य उद्देश्य बांधों के निर्माण से विस्थापित होने वाले लोगों के अधिकारों की रक्षा करना और पर्यावरण पर पड़ने वाले नकारात्मक प्रभावों की पोल खोलना था। उन्होंने विस्थापितों के उचित पुनर्वास और मुआवजे की मांग की।

नीट की 'आंसर की' में ऐसा क्या दिखा? छात्र ने पिता के रिवॉल्वर से खुद को मारी गोली

ग्वालियर, 5 जून (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के ग्वालियर में नीट एग्जाम की 'आंसर की' में कम नंबर आने छात्र ने खुद को गोली मारकर सुसाइड कर लिया। गोली की आवाज सुनते ही परिजन दौड़कर कमरे में पहुंचे। उन्होंने देखा की बेटा नीचे पड़ा हुआ है। वह उसे आनन-फानन में नजदीकी अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। एक रिटायर्ड फौजी के बेटे का इस तरह से सुसाइड करने से हर कोई परेशान है। पीड़ित परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है। ग्वालियर के महाराजपुरा थाना क्षेत्र के शताब्दीपुरम इलाके में रहने वाले नीट के छात्र ने खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। मृतक छात्र की पहचान 18 साल के निखिल प्रताप राठौर के तौर पर हुई है, जो कि शताब्दीपुरम इलाके में अपने माता-पिता और भाई के रहता था। निखिल के पिता सेना से रिटायर्ड है। मंगलवार की रात नीट की आंसर की आई थी। निखिल ने भी आंसर की डाउनलोड कर अपनी परफॉर्मेंस चेक की। इस दौरान उसके नंबर कम आए थे। परिवार ने जब निखिल से 'आंसर की' के नंबर के बारे में पूछा तो वह उन्हें बिना बताए ही वहां से चला गया। आंसर शीट में उम्मीद से कम नंबर देखकर निखिल मानसिक तनाव में आ गया और पिता की लाइसेंसी रिवॉल्वर को खुद के सिर पर रखकर गोली मार ली। गोली की आवाज सुनते ही परिजन भागते हुए नीचे कमरे में पहुंचे, जहां निखिल खून से लथपथ पड़ा हुआ था। वह उसे तुरंत उठाकर आनन-फानन में नजदीकी अस्पताल ले गए, लेकिन तब उसकी मौत हो गई थी। निखिल पढ़ाई को लेकर बेहद गंभीर था। पिता खुद उसे कोचिंग तक छोड़ने जाते थे।

अवैध रूप से रहने वालीं दो बांग्लादेशी महिलाएं दोषी करार, 5 महीने की सजा और बीस-बीस हजार जुर्माना

मुंबई, 5 जून (एजेंसियां)। मुंबई की एक फास्ट-ट्रैक कोर्ट ने भारत में अवैध रूप से घुसपैठ करने और रहने के जुर्म में दो बांग्लादेशी महिलाओं को पांच महीने की सश्रम कैद और 20-20 हजार रुपये के जुर्माने की सजा सुनाई है। यह मामला न सिर्फ त्वरित सुनवाई का उदाहरण है, बल्कि देश की आंतरिक सुरक्षा को लेकर की जा रही सतर्क कार्रवाई का भी संकेत देता है। गिरफ्तार महिलाओं के नाम चांदनी माजी (24 साल) और तसलीमा मोडल (41 साल) है। मिली जानकारी के अनुसार दोनों को मुंबई पुलिस की क्राइम ब्रांच की यूनिट-4 ने इस साल की 2 जनवरी को घाटकोपर के वैतागवाड़ी इलाके और घाटकोपर पूर्व के रेलवे ट्रैक के पास से गिरफ्तार किया था। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया की पुलिस को खुफिया सूत्रों से जानकारी मिली थी कि इन इलाकों में कुछ विदेशी नागरिक अवैध रूप से रह रहे हैं। इसके बाद पूछताछ और दस्तावेजों की जांच के बाद यह सामने आया कि दोनों महिलाएं अवैध रूप से भारत में घुसी थीं और फर्जी दस्तावेजों के जरिए खुद को भारतीय नागरिक बताकर कई सालों से पहचान छिपा रही थीं। पुलिस द्वारा जुटाए गए साक्ष्यों के आधार पर घाटकोपर पुलिस स्टेशन में इनके खिलाफ विदेशी नागरिक अधिनियम और अन्य संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया गया। 1 मार्च को इस केस में चार्जशीट अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट की कोर्ट में दाखिल की गई थी। इसके बाद मामला एक फास्ट-ट्रैक कोर्ट को सौंपा गया, जहां पुलिस और अभियोजन पक्ष ने यह प्रमाणित किया कि दोनों महिलाएं बांग्लादेशी नागरिक हैं और उन्होंने भारत में गैरकानूनी तरीके से प्रवेश किया था। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने अभियोजन पक्ष की दलीलों को पूरी तरह स्वीकार किया और महिला आरोपियों को दोषी ठहराते हुए पांच महीने की कैद और प्रत्येक पर 20,000 रुपये के जुर्माने की सजा सुनाई।

रोती-बिलखती रही नाबालिग बेटी, मां ने कहा ये सब करना ही पड़ेगा, भाजपा नेत्री की करतूत से हर कोई हैरान

हरिद्वार, 5 जून (एजेंसियां)। 13 वर्षीय नाबालिग बेटी से सामूहिक दुष्कर्म कराने के मामले में फंसी भाजपा महिला मोर्चा की पूर्व पदाधिकारी शुरू से ही चर्चाओं में रही है। मगर अब उसकी इस करतूत ने सभी को हैरान करके रख दिया है। जिस वक्त पीड़िता ने पुलिस के सामने दिए बयानों में दरिंदगी की कहानी बयां तो पुलिस अफसर भी हैरत में पड़ गए। आखिर एक मां अपनी ही बेटी के साथ ऐसा कैसे करवा सकती है। पीड़िता ने बयानों में ये तक बताया है कि कार में जब उससे दरिंदगी हुई तो वह रोते हुए चिल्लाती रही, मगर मां ने उसे यह कहकर चुप कर दिया कि यह सामान्य बात है। ये सब तो करना ही पड़ेगा। पुलिस की जांच में ये भी बात सामने आई है कि महिला नाबालिग बेटी को गलत रास्ते पर धकेलने की कोशिश में थी। भाजपा में कुछ साल पहले एक सामान्य कार्यकर्ता के तौर पर शामिल हुई महिला शुरुआत से ही चर्चाओं में रही है। पहले छात्र राजनीति में जुड़ी रही और फिर भाजपा से जुड़ गई। कुछ ही सालों के अंदर महिला मोर्चा में अहम पद पर आसीन हो गई। फरवरी 2023 में उसे एक महत्वपूर्ण पद की भी जिम्मेदारी दे दी गई। पार्टी से जुड़े सूत्र बताते हैं कि कई गलत कार्यों की शिकायतों के चलते उसे अगस्त 2024 में पद से मुक्त कर दिया गया था। अभी भी वह लगातार पार्टी में सक्रिय थी और मंचों पर भाषण देने में भी भूमिका निभा रही थी। मंचों पर बेटियों की सुरक्षा और उन्हें आगे बढ़ाने के तमाम भाषण देने वाली नेत्री खुद ही बेटी के यौन उत्पीड़न में फंस गई। पुलिस के अनुसार पीड़िता से पूछताछ और बयान दर्ज करने की प्रक्रिया करीब पांच घंटे तक चली।

राहुल का 'लंगड़े घोड़े बाहर करो' प्लान

क्या कांग्रेस से कमलनाथ, दिग्विजय और कांतिलाल भूरिया की होगी छुट्टी?

भोपाल, 5 जून (एजेंसियां)। राहुल गांधी इन दिनों कांग्रेस संगठन को मजबूत करने की तैयारी में जुटे हैं। इसी क्रम में मंगलवार को वह मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के प्रवास पर आए और कांग्रेस संगठन सृजन अभियान की बैठक में शामिल हुए। बैठक में संगठन को मजबूत करने के टिप्स तो दिए। साथ ही उन बुजुर्ग नेताओं को नसीहत भी दे दी, जिन्होंने कांग्रेस के लिए अपनी जिंदगी गुजार दी। राहुल गांधी ने घोड़ों की जो परिभाषा रची, उस हिसाब से बुजुर्ग नेता लंगड़े घोड़े हैं, जो दौड़ नहीं पा रहे हैं। ऐसे लंगड़े घोड़ों को अब रिटायर किया जाएगा। यदि राहुल के बयान के राजनीतिक मायने निकाले जाएं तो उनका इशारा कमल नाथ, दिग्विजय सिंह, कांतिलाल भूरिया और रामेश्वर नीखरा जैसे नेताओं की ओर माना जा रहा है। मध्य प्रदेश कांग्रेस के ये दिग्गज इंदिरा गांधी और राजीव गांधी के दौर से पार्टी में सक्रिय हैं और नेतृत्व भी कर रहे हैं। इन नेताओं को किनारा लगाने का अर्थ यह भी हुआ कि अब राहुल गांधी अपनी टीम बनाना चाहते हैं। स्वाभाविक भी है कि राहुल गांधी की जितनी उम्र है, इन नेताओं का कांग्रेस में अनुभव उससे कहीं अधिक है। अब सवाल यह है कि इन दिग्गज नेताओं की उपयोगिता क्या समाप्त हो गई है? कांग्रेस का इतिहास रहा है कि उसने सारे बुजुर्ग नेताओं को अंतिम समय में भी सहारा दिया है। इसके तमाम उदाहरण है। मध्य प्रदेश की ही बात करें तो आदिवासी नेत्री जमुना देवी को अंतिम सांस तक विधानसभा का नेता प्रतिपक्ष बनाकर रखा। अर्जुन सिंह की ही बात करें तो मध्य प्रदेश के बाद उन्हें केंद्र में मंत्री बनाकर रखा। कई बुजुर्ग नेताओं को उम्रदराज होने पर राज्यपाल जैसे पद दिए। मध्य प्रदेश में रामेश्वर ठाकुर और रामनरेश यादव जैसे नेताओं के लिए यह पुरस्कार ही था कि जब उन्हें चलते-फिरते नहीं बनता था, तब कांग्रेस ने उन्हें संवैधानिक मुखिया की कुर्सी देकर जीवन भर की तपस्या का पारितोषिक दिया। अब राहुल गांधी का कदम ठीक इसके विपरीत दिखाई दे रहा है, जो संवेदनशीलता के पैमाने पर भी खरा नहीं उतरता है। उम्र का फार्मूला किसी भी राजनीतिक दल में सफल नहीं रहा है। भाजपा ने भी इसे अपनाने का प्रयास किया, लेकिन बाद में उससे पल्ला झाड़ लिया। जाहिर है कि कमल नाथ हों या दिग्विजय सिंह जैसे नेता, इन्होंने कांग्रेस के लिए पूरा जीवन खपा दिया। यह ठीक है कि अब नई पीढ़ी को संगठन सौंपना है, लेकिन अपने ही नेताओं को अपमानित कर पीढ़ी परिवर्तन ठीक निर्णय नहीं हो सकता है।

रीवा में दर्दनाक हादसा ऑटो पर पलटा ट्रक, सात की मौत; कई घायल

रीवा, 5 जून (एजेंसियां)। रीवा में मौत की घाटी कही जाने वाली सोहागी घाटी में एक बार फिर बड़ा सड़क हादसा हो गया। हादसे में सात लोगों की मौत हो गई, जबकि कई लोग घायल हुए हैं। हादसा गुरुवार की दोपहर सोहागी थाना क्षेत्र अंतर्गत एनएच 30 में हुआ है। बताया गया कि ट्रक एनएच 30से होकर गुजर रहा था। तभी ट्रक अनियंत्रित होकर ऑटो के ऊपर पलट गया। ऑटो में कुल 8 लोग सवार थे, इस हादसे के चलते ऑटो सवार उसकी चपेट में आ गए, जिसमें सात लोगों की मौत हो गई। बताया गया है कि ऑटो सवार सभी लोग प्रयागराज से गंगा स्नान कर मऊगंज जिले के नईगढ़ी जा रहे थे। ऑटो सवार सभी लोग मऊगंज के नईगढ़ी के रहने वाले थे, जबकि ट्रक प्रयागराज से होकर रीवा की ओर आ रहा था। एडिशनल एसपी विवेक लाल ने बताया कि अभी सात लोगों की मौत की सूचना है, घायलों और मृतकों की पहचान की जा रही है। सभी घायलों को अस्पताल पहुंचाना ही हमारी प्राथमिकता है,

नॉर्थ-ईस्ट में बाढ़ और भूस्खलन की भयावह तस्वीर अब तक 50 लोगों की मौत; 1500 गांव जलमग्न

गुवाहाटी, 5 जून (एजेंसियां)। भारत के पूर्वोत्तर राज्यों में बाढ़ और भूस्खलन से भारी तबाही मची है। असम से लेकर मणिपुर तक लोगों की जानें जा रही हैं, फसल की जमीन बर्बाद हो गई है और लोगों के पास रहने को घर तक नहीं है।

असम में अब तक 19 मौत

असम की बात करें तो राज्य सरकार का कहना है कि अभी तक 19 लोगों की मौत हो चुकी है। 14 लोगों ने बाढ़ की वजह से जान गंवाई है और 5 लोगों की मौत भूस्खलन की चपेट में आने से हुई है। असम के मोरीगांव जिले में बाढ़ की स्थिति गंभीर बनी हुई है और जिले के 101 गांव बाढ़ से प्रभावित हैं। बाढ़ और भूस्खलन की वजह से असम और अरुणाचल प्रदेश में स्थिति बेहद खराब है। हालांकि, बुधवार को स्थिति में मामूली सुधार देखने को मिला, लेकिन हालात बहुत ज्यादा नहीं बदले हैं। बारिश में कुछ हद तक कमी जरूर देखी गई, लेकिन पूर्वोत्तर के कई हिस्सों में रात भर बारिश होती रही।

कहां कितनी मौत हुई?

सिक्कम समेत सात पूर्वोत्तर राज्यों में बाढ़ और भूस्खलन से मरने वालों की संख्या 50 हो गई है। 29 मई से अब तक अकेले असम में 19 लोगों की जान गई है। पूर्वोत्तर राज्यों के अधिकारियों द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों के मुताबिक, 29 मई से अब तक अरुणाचल प्रदेश में 12, मेघालय में 6, मिजोरम में 5, सिक्किम में 4, त्रिपुरा में 2 और नागालैंड और मणिपुर में एक-एक लोग की मौत हुई है।

21 जिलों के 6.79 लाख लोग प्रभावित

असम राज्य आपदा प्राधिकरण (एएसडीएमए) की रिपोर्ट के मुताबिक, 21 जिलों में बाढ़ और बारिश से 6.79 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हुए हैं। 1494 गांवों में बाढ़ का पानी घुस आया है और गांव जलमग्न हो गए हैं। असम के श्रीभूमि में सबसे ज्यादा 2,59,601 लोग प्रभावित हैं। इसके बाद हैलकांडी में 1,72, 439 और नगांव में 1,02,716 लोग बाढ़ से प्रभावित हैं। राज्य में बाढ़ प्रभावितों के लिए कुल 190 राहत शिविर संचालित किए जा रहे हैं, जो 39,746 विस्थापित लोगों को आश्रय की सुविधा मुहैया करवा रहे हैं।

स्वामी प्रसाद मौर्य फिर बदलेंगे पार्टी

अब इस बड़े नेता का देंगे साथ! सपा-बसपा की बढ़ेगी मुश्किल

लखनऊ, 5 जून (एजेंसियां)। बहुजन समाज पार्टी, भारतीय जनता पार्टी और समाजवादी पार्टी में रह चुके पूर्व कैबिनेट मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य एक बार फिर पाला बदल सकते हैं। वह फिलहाल अपनी जनता पार्टी के अध्यक्ष हैं। हालांकि उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में एक सियासी मुलाकात के बाद हलचल शुरू हो गई है। जानकारी के अनुसार लखनऊ में पिछले दिनों चंद्रशेखर आज़ाद और स्वामी प्रसाद मौर्य के अहम मुलाकात बीच हुई है। राजधानी में निजी स्थान पर लंबी बातचीत हुई। दोनों के बीच सामाजिक न्याय और दलित-पिछड़ा को एकजुट करने के मुद्दे पर चर्चा हुई। सूत्रों के मुताबिक, स्वामी मौर्य जल्द आज़ाद समाज पार्टी (कांशीराम) में शामिल हो सकते हैं। पार्टी स्वामी मौर्य को यूपी में बड़ी जिम्मेदारी दे सकती है। अगर स्वामी, आसपा (का) में शामिल होते हैं तो वह बहुजन समाज पार्टी और समाजवादी पार्टी के मुश्किलें बढ़ा सकते हैं। वर्ष 2012 में पडरौना विधानसभा सीट से चुनाव जीतने वाले स्वामी प्रसाद मौर्य बसपा सरकार में मंत्री भी रहे। इससे पहले वह 13वीं, 14वीं, और 15वीं विधानसभा में भी विधायक रहे हैं। स्वामी करीब 2 दशक तक बसपा, 6 साल बीजेपी और 2 साल सपा में रहे। वर्ष 2022 के चुनाव से पहले स्वामी ने बीजेपी से इस्तीफा दे दिया था और फिर वह सपा में शामिल हो गए थे। बीजेपी सरकार में वह कैबिनेट मंत्री भी थे। वर्ष 2022 के ही विधानसभा चुनाव में उन्होंने फाजिलनगरल विधानसभा से सपा के टिकट पर चुनाव लड़ा, हालांकि उन्हें हार का सामना करना पड़ा था।

पीएम मोदी के बिहार दौरे की तैयारी

इस बार सीवान होगी जनसभा

पटना, 5 जून (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर सरगर्मी तेज है। पीएम मोदी एक बार फिर से बिहार दौरे पर आ सकते हैं। 20 जून को कार्यक्रम तय हो सकता है। वे सीवान में जनसभा को संबोधित कर सकते हैं। पहले मोतिहारी में जनसभा का कार्यक्रम तय हो रहा था, लेकिन अब सीवान में जनसभा हो सकती है।

पीएम के आगमन की तैयारी में बिहार बीजेपी इकाई

पीएम मोदी चुनाव को लेकर एनडीए का एजेंडा जनता के सामने रख सकते हैं। मंच पर एनडीए के तमाम दलों के प्रमुख नेता नजर आ सकते हैं। एकजुटता का संदेश देने की कोशिश की जाएगी। पीएम मोदी बिहार को करोड़ों की योजनाओं की सौगात दे सकते हैं। बीजेपी की बिहार इकाई उनके आगमन को लेकर तैयारी में जुट गई है। कार्यक्रम को लेकर औपचारिक ऐलान जल्द होने की उम्मीद है।

29 मई को दो दिवसीय दौरे पर आए थे पीएम मोदी

पीएम का लगातार बिहार दौरा होना नेताओं और कार्यकर्ताओं को उत्साहित करने के उद्देश्य से भी देखा जा रहा है। बीजेपी की चुनावी तैयारियों को धार भी देंगे। इससे पहले ऑपरेशन सिंदूर के बाद पीएम मोदी 29 मई को दो दिवसीय दौरे पर बिहार आए थे। पटना एयरपोर्ट के नए टर्मिनल का उद्घाटन और बिहटा में बनने वाले एयरपोर्ट का शिलान्यास किया था। पटना में रोड-शो भी किया था। इसके अलावा पटना स्थित पार्टी दफ्तर में बीजेपी नेताओं के साथ उन्होंने बैठक भी की थी। 30 मई को बिक्रमगंज में उन्होंने जनसभा को संबोधित किया था।

इससे पहले प्रधानमंत्री 24 अप्रैल को राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस के मौके पर बिहार के मधुबनी जिले में आए थे और सभा को संबोधित किया था। अपने इसी दौरे के दौरान पीएम ने पहलगाम आतंकी हमले को लेकर आतंकियों को कल्पना से परे सबक सिखाने की घोषणा की थी। बिहार में इसी साल अक्टूबर-नवंबर में विधानसभा चुनाव होना है। बिहार में 243 सीटें हैं। एनडीए का मुकाबला महागठबंधन से है। तमाम दल तैयारियों में जुटा है। पीएम बिहार चुनाव को लेकर खुद एक्टिव नजर आ रहे हैं।

प्रॉपर्टी डीलर बन खुद को दिखाया रसूखदार

फिर झांसे में लेकर सरकारी महिला डॉक्टर से की शादी

साहिबाबाद, 5 जून (एजेंसियां)। इंदिरापुरम कोतवाली क्षेत्र की एक सरकारी महिला डॉक्टर ने अपने पति ससुर समेत चार लोगों पर दहेज उत्पीड़न करने का आरोप लगाते हुए रिपोर्ट दर्ज कराई है। खुद को रसूखदार प्रॉपर्टी डीलर बताकर झांसे में लेकर शादी की थी। पुलिस जांच में जुटी है। महिला ने दर्ज एफआईआर में बताया कि वह उत्तर प्रदेश स्वास्थ्य विभाग में मेडिकल ऑफिसर के पद पर कार्यरत हैं। वर्ष 2017-2018 में एक मित्र के जरिए उनकी मुलाकात हरियाणा बहादुरगढ़ के युवक से हुई थी। युवक ने बहादुरगढ़ में बड़ी संपत्ति होने और प्रॉपर्टी डीलिंग का काम करने की जानकारी दी थी। पिता राजकुमार को सरकारी स्कूल में प्रधानाचार्य बताया। 20 नवंबर 2021 में दोनों की शादी हुई। जिसमें करीब करीब डेढ़ करोड़ रुपये खर्च हुए थे। आरोप है कि दोनों घूमने के लिए गए थे। जहां नशे में युवक ने कम दहेज का ताना दिया और थप्पड़ मार दिया। फरवरी 2022 में उनसे बुरी तरह मारपीट की। वर्ष 2024 में उनका स्थानांतरण नोएडा हो गया। बताया कि यहां वह पति के साथ अपने पिता के घर रहने लगीं। 11 सितंबर 2024 को युवक ने मारपीट कर पैर मोड़ दिया। उन्हें ऑपरेशन कराना पड़ा। उनका लगातार दहेज के लिए उत्पीड़न किया जाने लगा। उन्होंने पुलिस से सामले की शिकायत की। सहायक पुलिस आयुक्त इंदिरापुरम अभिषेक श्रीवास्तव ने बताया कि पति समेत चार ससुराल वालों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। आरोपों की जांच कराई जा रही है। साक्ष्यों के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

बेंगलुरु की घटना पर अब आया सांसद पप्पू यादव का बड़ा बयान

'फरेबी सरकारों को इससे सीख लेनी चाहिए'

पूर्णिया, 5 जून (एजेंसियां)। बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर बीते बुधवार (04 जून, 2025) को हुई भगदड़ में अब तक 11 लोगों की मौत हो गई। इस घटना पर अब बिहार के पूर्णिया से सांसद पप्पू यादव ने प्रतिक्रिया दी है। गुरुवार (05 जून, 2025) को उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया। इस घटना को उन्होंने दुखद बताया। पप्पू यादव ने एक्स पर लिखा, बेंगलुरु चिन्नास्वामी स्टेडियम में आरसीबी की जीत के बाद जन उल्लास में हुई हृदयविदारक दुर्घटना में 11 लोगों की मृत्यु अत्यंत दुखद है। मेरी संवेदना मृतकों के परिजनों और घायलों के साथ है। कर्नाटक सरकार की संवेदनशीलता मर्मस्पर्शी लगी। उसने कुंभ, रेल हादसों की घटनाओं की तरह लाश की संख्या छुपाने, हेडलाइंस प्रबंधन पर जोर न देकर पीड़ितों और घायलों की सहायता करने पर बल दिया। आगे सांसद ने लिखा, प्रशंसकों के अतिउत्साह में हुई इस दुर्घटना के लिए शासन ने खुले दिल से माफी मांगी। आज के दौर की फरेबी सरकारों को इससे सीख लेनी चाहिए। सभी सरकारों को ऐसे आचरण को केस स्टडी के रूप में अपनाना चाहिए। बता दें कि आईपीएल 2025 का फाइनल मैच 3 जून को खेला गया था। इस मैच में आरसीबी ने पंजाब किंग्स को हराया था। बीते बुधवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की टीम विधानसभा पहुंची थी, जहां मुख्यमंत्री और राज्यपाल ने स्वागत किया था। इस बीच शाम के करीब 4.30 बजे के आसपास स्टेडियम के पीछे वाले गेट पर भगदड़ मच गई। ये घटना तब हुई जब विराट कोहली और पूरी आरसीबी टीम ट्रॉफी लेकर पहुंची थी। उधर कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा है कि वे इस घटना के बाद किसी का बचाव नहीं कर रहे हैं, लेकिन इस पर सियासत नहीं होनी चाहिए।

बिहार में बांग्लादेशी को 21 महीने की सजा

19 माह से जेल में बंद रकीबुल इस्लाम नेपाल के रास्ते आया था भारत

सीतामढ़ी, 5 जून (एजेंसियां)। भारतीय क्षेत्र में अवैध तरीके से घुसपैठ करना एक बांग्लादेशी नागरिक को महंगा पड़ गया है। वह पिछले करीब 19 महीनों से सीतामढ़ी जेल में बंद है और अब उसे 2 माह और जेल में ही रहना होगा। कोर्ट से अवैध घुसपैठ के मामले में उसे सजा मिली है। अनुमंडल न्यायिक दंडाधिकारी, पुपरी विवेक कुमार ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद घुसपैठ करने वाले इस बांग्लादेशी नागरिक को एक वर्ष नौ माह जेल की सजा सुनाई है। बताया गया है कि विदेशी अधिनियम की धारा- 14 में यह सजा सुनाई है। वहीं, 12 पासपोर्ट अधिनियम में छह माह की सजा सुनाई गई है। कोर्ट ने फैसले में कहा है कि दोनों सजाएं साथ-साथ चलेगी। मामले में सरकार पक्ष की ओर से अनुमंडल अभियोजन पदाधिकारी उमेश कुमार ने पक्ष रखा। वहीं, बचाव पक्ष की ओर से अधिवक्ता राघव कुमार ने बहस किया। सजा पाने वाला रकीबुल इस्लाम, पिता बादल गोंडा, बांग्लादेश के ढाका राज्य के मदारीपुर जिला अंतर्गत मदारीपुर गांव का रहनेवाला है। गौरतलब है कि इंडो-नेपाल बॉर्डर पर तैनात एसएसबी ने 12 अक्टूबर 2023 को भारतीय क्षेत्र से नेपाल सीमा क्षेत्र में प्रवेश करने के दौरान बांग्लादेशी रकीबुल इस्लाम को पकड़ कर सुरसंड थाना पुलिस के हवाले कर दिया था। दरअसल, उसके पास कोई वैध प्रमाण पत्र नहीं था। यानी उसके पास से न वीजा था और न पासपोर्ट।

मायावती ने बिना नाम लिए चंद्रशेखर पर साधा निशाना! कहा- वो स्वार्थी और अवसरवादी है

लखनऊ, 5 जून (एजेंसियां)। बहुजन समाज पार्टी की मुखिया और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने नगीना सांसद और आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के नेता चंद्रशेखर आजाद का नाम लिए बिना बड़ा जुबानी हमला बोला है। एक प्रेसवार्ता में गुरुवार, को बसपा चीफ ने कहा कि यूपी में एक ही पार्टी अंबेडकरवादी है जो कि बसपा है। बीएसपी को कमजोर करने की कोशिश हो रही है। यूपी में दलित और पिछडें के वोट को बांटने की कोशश हो रही है। कुछ पार्टी से सावाधान रहे जो स्वार्थी और अवसरवादी है। इस तरह से संगठन और पार्टी बने है। कुछ लोगों को बहुजन समाज से कुछ लेना देना नहीं है और पार्टी बनाते हैं। मायवती ने कहा कि कुछ दलित संगठन और पार्टी का इस्तेमाल बीएसपी को कमजोर करने के लिये किया जा रहा है। यहां दलितों और अन्य उपेक्षित वर्गों को गुमराह करने की कोशिश हो रही है। बीएसपी को मजबूत होता देखकर विपक्ष की जातिवादी पार्टियां दुखी हैं। विशेषकर दलित वर्ग से जुड़े संगठनों और पार्टियों को सक्रिय करके, उनसे कार्यक्रम करके दलितों को गुमराह करने में लगी है। उन्होंने दावा किया कि ये अवसरवादी संगठन या पार्टियां इन जातिवादी पार्टियों के हाथों में खेल रही हैं। ये बीएसपी के भोले भाले लोगों को अपने संगठनों से जोड़ने के लिए अपनी बैठक में मान्यवर कांशीराम और मेरा नाम ले रहे हैं। पूर्व सीएम ने कहा कि बैलेट पेपर से चुनाव होंगे तो बीएसपी के भी अच्छे दिन लौट आएंगे। कांग्रेस, बीजेपी, समाजवादी पार्टी के इशारे पर बीएसपी को कमजोर करने वाले स्वार्थी संगठनों और पार्टियों के नेता भले ही सांसद-मंत्री बन जाएं, लेकिन इनसे इस वर्ग का कोई भला नहीं होने वाला है। बसपा सुप्रीमो ने कहा कि ईवीएम में घांघली कराकर हमारी पार्टी के प्रत्याशी को हराया जा रहा है। हमारी पार्टी और सारी ओपजिशन पार्टी चाहती है की देश में सारा चुनाव बैलेट पेपर से हो। इसके अलावा मायावती ने कहा कि पहलगाम हमले को लेकर देश में राजनीति हो रही है। जो नहीं होना चाहिये। कोविड के बढ़ रहे मामलों के संदर्भ में बसपा चीफ ने कहा कि देश में कोराना का प्रकोप ज्यादा हो रहा है।

बिहार आ रहे राहुल गांधी, महिलाओं के साथ करेंगे संवाद

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष का मांझी पर पलटवार

गया, 5 जून (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा चुनावी हलचल के बीच लोकसभा के प्रतिपक्ष नेता राहुल गांधी छह जून को गया आएंगे। बिहार विधानसभा चुनाव के साथ-साथ माई-बहन मान योजना पर मुख्य रूप से फोकस होगा। इस संबंध में बिहार कांग्रेस कमेटी के प्रदेश प्रतिनिधि सह प्रवक्ता प्रो। विजय कुमार मिट्ठू ने बताया कि कांग्रेस पार्टी सह लोकसभा के प्रतिपक्ष नेता राहुल गांधी विगत पांच महीने में पांचवीं बार राजगीर और गया जी की धरती पर आ रहे हैं। इस दौरान राहुल गांधी अतिपिछड़ा और महिलाओं से सीधा संवाद कर दोनों वर्गों के लिए संघर्ष तेज करेंगे।

मांझी के पोस्ट पर यह बयान दिया

बिहार कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष राजेश कुमार गयाजी पहुंचने के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी के एक्स हैंडल पर पोस्ट किया गया कि इंदिरा गांधी के सामने नेहरू का सरेंडर, इमरजेंसी को जनता के सामने इंदिरा का सरेंडर, बोफोर्स के सामने राजीव गांधी का सरेंडर, सोनिया गांधी के सामने मनमोहन सिंह का सरेंडर राहुल गांधी के अध्यादेश फाड़ने पर पूरी यूपीए सरकार का सरेंडर। जिनका पूरा इतिहास सरेंडर का हो वह दूसरों पर उंगली नहीं उठाते राहुल गांधी जी। इस सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि केंद्रीय मंत्री मांझी जी हमारे अभिभावक के स्वरूप है और उनकी इतिहास की बुनियाद राजनीतिक तौर से कांग्रेस ही रही है।

यदि कांग्रेस उनकी पहचान नही देती तो मांझी जी के बोलने की जो शैली है। इसमें मांझी जी को यह बताना चाहिए कि कितने दिन वो कांग्रेस में रहे और उस काल मे जीतनराम मांझी जी कितना बार विधायक रहे। पहले वो बता दे और जहां तक हमारी पार्टी का है तो पूरे परिवार के पार्टी हमारी पार्टी नही है। इनकी पार्टी बेटा मंत्री, बहू विधायक, समधन विधायक और अपने मंत्री इन लोगों को कोई हैसियत है।

दलित बेटी पर हुई अत्याचार पर चुप है मांझी

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि पहले उनसे (केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी) एक सवाल पूछ लीजिएगा की कुढ़नी में जो दलित बेटी तड़प तड़प कर जघन्य का शिकार हुई। इस तरह से इनकी सरकार के कुव्यवस्था ने जान ले ली। कम से कम दलित होने के नाते चुप क्यों बैठे है। जरा सा उनसे सवाल पूछियेगा कि आप दलित के बड़का वोट बैंक लेकर के आप मंत्री विधायक हुए है, तो क्या आप अपनी पार्टी केवल परिवार के लिए बनाया है। जो दलित की बच्ची आज इस दुनिया मे नही रही हैं, उसके लिए आपका कोई हक नहीं बनाता है। आपकी पार्टी आप लोग अपने परिवार को हक दिलवाते हो लेकिन, एक दलित बच्ची एम्बुलेंस में चार घंटा बिना इलाज के तड़प-तड़प कर एक अद्दत आईसीयू में जगह नहीं दिला सके। उस पर भी एक स्पष्टीकरण दे देना चाहिए।

इस विषय पर महागठबंधन के लोग लेंगे फैसला

वहीं एआईएमआईएम के सुप्रीमो ओवैसी के महागठबंधन में आने के प्रस्ताव के सवाल पर उन्होंने कहा कि हमलोग जो भी फैसले लेंगे, हम लोग सारे गठबंधन के बैठक होगी। उसमें इस पर चर्चा होगी।

यह अकेले सवाल का जवाब देना उचित नहीं होगा। बिहार विधानसभा चुनाव में ओवैसी के महागठबंधन में शामिल होने से महागठबंधन को क्या फायदा होगा? इस सवाल पर उन्होंने कहा कि ये मीडिया की बात आई है और मीडिया की बात मीडिया में ही तैरने दी जाए। हमलोगों तक जब बात आएगी तो इसका जवाब जरूर देंगे।

खाद की कालाबाजारी का पर्दाफाश, एडीएम ने मारा छापा

बस्ती, 5 जून (एजेंसियां)। किसानों के हक पर डाका डालने वाले काला बाजारियों पर प्रशासन ने आखिरकार शिकंजा कस दिया है. एक बड़ा खुलासा हुआ है जिसने यूरिया की कालाबाजारी के एक बड़े नेटवर्क को बेनकाब किया है. यह सनसनीखेज मामला बस्ती जिले के कुदरहा ब्लॉक से सामने आया है, जहां साधन सहकारी समिति चरकैला में यूरिया की बड़े पैमाने पर कालाबाजारी का खेल चल रहा था. जिला प्रशासन की एक तेज-तर्रार टीम ने धमाकेदार छापेमारी की, जिसने इस काले कारोबार की परतें उधेड़ दीं. इस टीम का नेतृत्व खुद एडीएम प्रतिपाल सिंह चौहान और एसडीएम सदर शत्रुघ्न पाठक कर रहे थे. छापेमारी में स्टॉक में भारी गड़बड़ी पकड़ी गई, जिसके बाद समिति के सचिव राजू मिश्रा के खिलाफ तत्काल मुकदमा दर्ज करने का सख्त आदेश जारी किया गया.

चिराग पासवान ने सीएम नीतीश कुमार को लिखा लेटर

मुजफ्फरपुर केस पर सरकार को घेरा; यह तीन मांग भी कर दी

पटना, 5 जून (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने अपनी ही सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने सीएम नीतीश कुमार को दो पन्ने का एक पत्र लिखा है। इसमें उन्होंने मुजफ्फरपुर में दुष्कर्म पीड़िता की मौत मामले को लेकर स्वास्थ्य व्यवस्था पर सवाल उठाया। चिराग पासवान ने अपने पत्र में लिखा कि कुढ़नी क्षेत्र में 9 वर्षीय दलित बालिका के साथ सामूहिक दुष्कर्म और फिर नृशंस हत्या की प्रयास की घटना ने सम्पूर्ण बिहार को झकझोर दिया है। यह हृदयविदारक घटना न केवल एक मासूम जीवन की बर्बर हत्या है, बल्कि हमारे राज्य की कानून व्यवस्था, सामाजिक चेतना और सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली की गहन विफलता को भी उजागर करती है। चिराग पासवान ने सीएम को लिखे पत्र में लिखा कि पीड़िता ने छह दिनों तक जीवन के लिए संघर्ष किया, लेकिन एक जून को पीएमसीएच, पटना में उसने दम तोड़ दिया। बच्ची को अस्पताल में भर्ती कराने के लिए लगातार छह घंटे तक उसे एम्बुलेंस में ही तड़पते हुए इंतज़ार करवाया गया। यह तथ्य अत्यंत पीड़ादायक है कि जिन दरिंदों ने उस मासूम बच्ची के साथ सामूहिक दुष्कर्म किया, वह जितने दोषी हैं, उतने ही दोषी पीएमसीएच अस्पताल के डॉक्टर और प्रशासनिक स्टाफ भी हैं, जिन्होंने बच्ची को बचाने के लिए जरूरी उपचार देने के बजाय उसे एंबुलेंस में ही छोड़ दिया और उसके इलाज में अमूल्य समय गवां दिया। यह केवल लापरवाही नहीं, बल्कि मानवता के विरुद्ध अपराध है। केंद्रीय मंत्री ने सीएम नीतीश कुमार से यह तीन मांगें भी कर दी। कहा कि यह घटना केवल एक बच्ची की मृत्यु नहीं है। यह हमारे सामाजिक तंत्र और राज्य की संवैधानिक जिम्मेदारी की विफलता का प्रतीक बन चुकी है।

अब्बास के बाद अंसारी परिवार से होगी किसी नए चेहरे की सियासत में एंट्री! इन नामों पर चर्चा तेज

मऊ, 5 जून (एजेंसियां)। हेट स्पीच मामले में दो साल की सजा मिलने के बाद माफिया मुख्तार अंसारी के बेटे अब्बास अंसारी की विधायकी खत्म हो गई है। जिसके बाद अब यूपी की मऊ सदर विधानसभा सीट खाली हो गई है। इस सीट पर छह महीने के भीतर उपचुनाव होना है। इस सीट पर पिछले 27 सालों से अंसारी परिवार का ही दबदबा रहा है। ऐसे में इस तरह की चर्चाएं भी तेज है कि क्या ये अंसारी परिवार की सियासत का 'द एंड' है या फिर किसी नए सदस्य की एंट्री होगी? अब्बास अंसारी साल 2022 में पहली बार सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी से चुनाव जीतकर विधायक बने थे। ये चुनाव उन्होंने सपा-सुभासपा गठबंधन में रहकर लड़ा और पहली बार विधायक बने थे। इस चुनाव के दौरान एक जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने विवादित बयान दिया था, जिसके बाद उनके खिलाफ इस मामले में मुकदमा दर्ज हुआ और ढाई साल अंदर उन्हें अपनी विधायकी गंवानी पड़ी। इस सीट पर अंसारी परिवार का दबदबा रहा है। साल 1996 में पूर्वांचल के बड़े माफिया मुख्तार अंसारी पहली बार बहुजन समाज पार्टी के टिकट पर इस सीट से विधायक बने थे, इसके बाद ये सिलसिला कभी नहीं टूटा।

इन चेहरों पर दांव लगा सकता है अंसारी परिवार

मऊ सीट खाली होने के बाद अब छह महीने के भीतर उपचुनाव कराए जाएंगे। ऐसे में ये उपचुनाव अंसारी परिवार के लिए भी अग्निपरीक्षा हो सकता है। मुख्तार अब्बास की पत्नी अफ्शां अंसारी पर कई गंभीर मामले चल रहे हैं, उनपर गैंगस्टर एक्ट लगा है। जिसके बाद से वो फरार चल रही है। अब्बास अंसारी सजा मिलने के बाद चुनाव नहीं लड़ सकते। अब्बास की पत्नी निकहत अंसारी पर केस दर्ज है। उन पर नियमों के विरुद्ध जाकर जेल में पति से मुलाकात करने समेत विदेशी मुद्रा रखने जैसे केस दर्ज है। ऐसे में अब्बास की पत्नी और मां चुनाव नहीं लड़ सकती। माना जा रहा है मऊ सीट पर या तो अंसारी परिवार का कोई चेहरा या उनका करीबी चुनाव लड़ सकता है। इनमें कई चेहरों को लेकर कयास लगाए जा रहे हैं। अब्बास के बाद मुख्तार के छोटे बेटे उमर अंसारी पर दांव लगाया जा सकता है। वो राजनीति में सक्रिय भी है और अब्बास के जेल जाने के बाद उसके काम का संभालता भी रहा है। लेकिन, इसमें एक पेच है। उमर के खिलाफ भी नफरती भाषण मामले में केस दर्ज है। इस रेस में एक नाम नुसरत अंसारी का भी है। नुसरत मुख्तार के बड़े भाई अफजाल अंसारी की बेटी हैं। लोकसभा चुनाव में भी उनके नाम की काफी चर्चा रही थी। नुसरत ने अपने पिता के लिए जमकर चुनाव प्रचार किया था।

डॉक्टर्स की लापरवाही, नसबंदी के बाद पैदा हुई संतान

कोर्ट ने सरकार को दिया ये आदेश

प्रयागराज, 5 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज के मऊआइमा में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में महिला ने अपनी नसबंदी कराई, लेकिन इसके बाद उसने बच्ची को जन्म दे दिया। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि डॉक्टरों ने चूक की। इसके बाद महिला ने नसबंदी की विफलता के लिए अदालत में वाद दायर किया था। अब इस मामले में स्थाई लोक अदालत ने माना है कि डॉक्टरों ने गंभीर चूक की। साथ ही अदलत ने यूपी सरकार को याचिकाकर्ता महिला को मुआवजा देने का आदेश दिया।

स्थाई लोक अदालत के चेयरमैन विकार अहमद अंसारी और सदस्य डॉ। रिचा पाठक औरसत्येंद्र मिश्रा की पीठ ने मामले की सुनवाई करते हुए फैसला दिया। अदालत ने कहा कि याचिकाकर्ता महिला की अनचाही संतान, बच्ची के लिए पालन-पोषण के लिए सरकार की ओर से उसे दो लाख रुपये का मुआवजा दिया जाए। इसके अलावा अदालत ने कहा कि जब तक बच्ची 18 साल की नहीं हो जाती या ग्रेजुएशन नहीं कर लेती तब तक उसके रखरखाव के लिए 5,000 रुपये हर महीने दिए जाएं।

लोक अदालत ने की ये टिप्पणी

इतना ही नहीं अदालत ने नसबंदी सफल न होने की वजह से महिला ने जो मानसिक और शारीरिक तकलीफ झेली उसके लिए उसे 20 हजार अतिरिक्त मुआवजा देने का आदेश भी दिया। अदालत की ओर से जारी आदेश में नसबंदी की विफलता को लेकर डॉक्टरों की गंभीर लापरवाही की बात कही गई। साथ ही अदालत ने अपने आदेश में कहा कि नसबंदी सफल न होने की वजह से महिला को मानसिक और शारीरिक परेशानी तो हुई ही, बल्कि अब उसको एक अनचाही संतान का पोषण भी करना पड़ेगा।

ये है पूरा मामला

अदालत ने माना कि ये समाजिक-आर्थिक बोझ है। सरकार इसके लिए महिला को मुआवजा दे। दरअसल, याचिकाकर्ता महिला अनीता ने बताया कि उनके पहले से ही कई बच्चे हैं। उनको अब संतान नहीं चाहिए थी, इसलिए उन्होंने मऊआइमा के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में नसबंदी करवाई थी। इसके बाद उनको ऑपरेशन सफल रहने और आगे संतान न होने का आश्वसन दिया गया। हालांकि कुछ समय उनके शरीर में कुछ समस्या हुई। इसके बाद उन्होंने अल्ट्रासाउंड कराया। तब उनको 16 सप्ताह और 6 दिन की गर्भवती होने का पता चला।

बाद में उन्होंने एक बच्ची को जन्म दिया। इससे वो बहुत आहत हुईं। इसके लिए उन्होंने डॉक्टरों की लापरवाही को जिम्मेदार ठहराया। फिर उन्होंने लोक अदालत में एक वाद दायर किया। इसमें उन्होंने जिले के मुख्य चिकित्सा अधिकारी को पक्षकार बनाया और चूक के लिए उचित मुआवजा मांगा।

बिल्डर-डवलपर्स पर सख्त एक्शन

रेरा ने जारी किया नोटिस, दिया अल्टीमेटम

जयपुर, 6 जून (एजेंसियां)। राजस्थान में बिल्डर-डवलपर्स प्रोजेक्ट निर्माण की वास्तविक स्थिति छिपा रहे हैं। प्रदेश में ऐसे करीब 150 प्रोजेक्ट हैं। बिल्डर्स ने पिछले छह से आठ माह में इन प्रोजेक्ट्स की न तो निर्माण की स्थिति सार्वजनिक की है और न ही बुकिंगकर्ताओं को इसके बारे में बताया है। जबकि, प्रोजेक्ट के निर्माण से लेकर बुकिंग की स्थिति हर तीन माह में बताना अनिवार्य है।

रेरा अथॉरिटी का सख्त एक्शन

तिमाही प्रोजेक्ट रिपोर्ट (क्यूपीआर) रियल एस्टेट रेगुलेटरी अथॉरिटी (रेरा) के पोर्टल पर अपलोड करनी होती है। इसके जरिए बुकिंग कराने वाले लोगों को भी जानकारी मिल जाती है कि उन्हें प्रॉपर्टी तय समय पर मिल सकेगी या नहीं। रेरा अथॉरिटी ने इस पर सख्त एक्शन लेते हुए ऐसे सभी बिल्डर, डवलपर्स को नोटिस जारी किए हैं। उन्हें प्रोजेक्ट प्रोग्रेस रिपोर्ट भेजने के लिए एक माह का अल्टीमेटम दिया है। ऐसा नहीं करने पर पेनल्टी से लेकर प्रोजेक्ट निरस्त करने तक के प्रावधान की याद दिला दी है।

1- बुकिंगकर्ताओं को पता नहीं चल पा रहा कि उनके आशियाने का काम कितना पूरा हुआ।

2- अभी 5 हजार रुपए प्रति प्रोजेक्ट पेनल्टी, फिर टेकओवर करने तक के प्रावधान।

देरी के बाद सख्ती

प्रोजेक्ट्स में देरी के बाद रेरा को बिल्डर पर मॉनिटरिंग का दायरा बढ़ाना पड़ा है। हर तीन माह में प्रोजेक्ट की प्रोग्रेस रिपोर्ट देना अनिवार्य किया गया। साथ ही खरीदारों को भी सुविधा देना कि उन्हें पता चल सके कि उनके आशियाना का काम कितना पूरा हुआ, लेकिन कई बिल्डर फिर भी लापरवाही बरतते रहे।

ये है स्थिति...

3728 प्रोजेक्ट रजिस्टर्ड हैं रेरा में (प्लॉट 1745, कॉमर्शियल 105, ग्रुप हाउसिंग 1775, आवासीय व कॉमर्शियल मिक्स 103)।

561 बिल्डर-डवलपर ने एक्सटेंशन लिया अब तक।

97 प्रोजेक्ट से 1.87 करोड़ रुपए पेनल्टी वसूली गई अभी तक।

ये है पेनल्टी..

1- प्रति क्यूपीआर 5 हजार रुपए की पेनल्टी। अब हर तीन माह में राशि जुड़ती जाएगी।

2- प्रोजेक्ट लागत की 5 प्रतिशत तक पेनल्टी लगाई जा सकती है।

3- रेरा कोर्ट में मामला पहुंचने और आदेश की पालना नहीं करने पर प्रोजेक्ट टेकओवर करने की स्थिति।

4- बुकिंगकर्ता को ब्याज समेत जमा राशि लौटाने का भी प्रावधान है।

बिल्डर ये कर रहे...

1- जिस तिमाही में प्रोजेक्ट रजिस्टर्ड होगा, उस तिमाही के अंत में बिल्डर और डवलपर्स को अपनी पहली प्रोग्रेस रिपोर्ट सबमिट करनी होती है।

2- ऑनलाइन रिपोर्ट सबमिट करने पर प्रमोटर को फीस नहीं देनी होती है।

3- बिल्डर और डवलपर्स यह काम सर्टिफाइड आर्किटेक्ट, इंजीनियर और चार्टर्ड अकाउंटेंट से करा सकते हैं।

भाजपा का राजस्थान में नया प्रयोग

निर्दलीय विधायक चन्द्रभान सिंह को दी बड़ी जिम्मेदारी

पार्टी नेता बोले- आज तक ऐसा नहीं हुआ

जयपुर, 6 जून (एजेंसियां)। नरेन्द्र मोदी सरकार के 11 साल पूरा होने पर भाजपा पूरेराजस्थान में कई कार्यक्रम करेगी। पार्टी संकल्प से सिद्धि अभियान के तहत इस माह कई कार्यक्रम करने जा रही है। इन कार्यक्रमों के लिए जिलावार एक संयोजक और तीन सदस्यों की समिति बनाई है।

राजस्थान में नया प्रयोग

इस समिति में भाजपा पार्टी ने इस बार राजस्थान में नया प्रयोग किया है। पार्टी ने सरकार को समर्थन दे रहे निर्दलीय विधायक चन्द्रभान सिंह आक्या को भी एक जिले की जिम्मेदारी दी है। आक्या विधानसभा चुनाव में बागी हो गए थे और चुनाव जीत गए। उन्हें संकल्प से सिद्धि अभियान के तहत होने वाले कार्यक्रमों के लिए उदयपुर देहात का संयोजक बनाया गया है।

आज तक ऐसा नहीं हुआ...

निर्दलीय विधायक को इस तरह से जिम्मेदारी दिए जाने की चर्चा सियासी हलकों में गरम है। पार्टी के नेताओं का कहना है कि आज तक ऐसा नहीं हुआ, जब संगठन के किसी कार्य में संगठन से बाहर के किसी व्यक्ति को शामिल किया गया है। वह भी जब, तब निर्दलीय विधायक ने पार्टी प्रत्याशी को ही चुनाव हराया हो।

राजवी चुनाव हारे और चन्द्रभान सिंह चुनाव जीते

चन्द्रभान सिंह की जगह पार्टी ने 2023 में पूर्व उपराष्ट्रपति के दामाद नरपत सिंह राजवी को टिकट दिया था। यहां से राजवी चुनाव हार गए थे और चन्द्रभान सिंह चुनाव जीते थे।

एसआई भर्ती: *गरजे हनुमान बेनीवाल*

बोले- अगला पड़ाव दिल्ली होगा

जयपुर, 6 जून (एजेंसियां)। राजस्थान पुलिस एसआई भर्ती 2021 में कथित धांधली के विरोध में राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के संयोजक और नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल ने आंदोलन को नई दिशा देने का ऐलान कर दिया है। जयपुर के शहीद स्मारक पर चल रहे धरने के दौरान उन्होंने घोषणा की कि अब यह लड़ाई राजधानी दिल्ली की सड़कों पर लड़ी जाएगी।

हनुमान बेनीवाल ने कहा कि राज्य सरकार और जिम्मेदार अधिकारियों की चुप्पी यह दर्शाती है कि एसआई भर्ती में बड़े पैमाने पर फर्जीवाड़ा हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया कि ऐसे घोटालों से प्रदेश के युवाओं का भविष्य खतरे में डाल दिया गया है। परीक्षा में पारदर्शिता खत्म हो चुकी है। आरपीएससी जैसे महत्वपूर्ण संस्थान में विश्वास नहीं रहा। हम इसकी पूरी तरह से पुनर्रचना की मांग करते हैं।

आरएलपी संयोजक ने वर्तमान कांग्रेस सरकार ही नहीं, पूर्ववर्ती सरकार को भी घेरा। उन्होंने कहा कि दोनों ही दलों ने बेरोजगार युवाओं के साथ छल किया है। उपचुनावों में कांग्रेस की जमानत जब्त होने को उन्होंने जनाक्रोश का प्रमाण बताया। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि आज कांग्रेस विपक्ष की भूमिका निभाने में नाकाम रही है, शायद उन्हें डर है कि महेश जोशी की तरह ईडी और सीबीआई से पाला न पड़ जाए।

बेनीवाल ने स्पष्ट किया कि आरएलपी पार्टी सिर्फ जयपुर में आंदोलन तक सीमित नहीं रहेगी। सरकार को लग रहा है कि 25 मई की युवा आक्रोश रैली बीत गई, अब आंदोलन खत्म हो जाएगा।

मैं बता देना चाहता हूं कि अगला पड़ाव दिल्ली होगा और इस बार संघर्ष निर्णायक होगा। उन्होंने यह भी ऐलान किया कि आगामी संसद सत्र में वे इस मुद्दे को लोकसभा में उठाएंगे। एसआई भर्ती मामले में सरकार की चुप्पी को लेकर राज्य भर में रोष है।

पति-पत्नी के बीच 15 साल तक शारीरिक संबंध नहीं, कोर्ट ने माना मानसिक क्रूरता

जयपुर, 6 जून (एजेंसियां)। जयपुर के पारिवारिक न्यायालय क्रम-4 ने पति के विवाह विच्छेद के प्रार्थना पत्र को मंजूर करते हुए यह आदेश दिया। उधर, पत्नी ने दहेज प्रताड़ना का मामला दर्ज कराया। नवंबर 2003 में शादी हुई और 2018 से दोनों अलग रह रहे थे।

पति का कहना- शादी की पहली रात ही पत्नी ने संबंध बनाने से कर दिया था मना

विवाह विच्छेद के मामले में पति का कहना था कि शादी की पहली रात को ही पत्नी ने संबंध बनाने से मना कर दिया। यह भी आरोप लगाया कि पत्नी परिवार से अलग रहने के लिए दबाव बनाती थी और मांग नहीं बनाने पर आत्महत्या करने और झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी देती थी।

पत्नी बोली- पति के दूसरी महिलाओं से संबंध

वहीं पत्नी का कहना था कि पति के दूसरी महिलाओं से संबंध थे, इसलिए पति ने शारीरिक संबंध बनाने में रुचि नहीं दिखाई। कोर्ट ने कहा कि केवल आरोप लगाना ही पर्याप्त नहीं है। आरोप लगाने वाले पर उन्हें साबित करने का भी भार होता है।

17 जिलों के लिए ऑरेंज-येलो अलर्ट जारी

40-60 40-60 किमी प्रति घंटा गति से चलेगी अंधड़

जयपुर, 5 जून (एजेंसियां)। मौसम विभाग ने आज गुरुवार 5 जून को डबल अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के नए भविष्यवाणीके अनुसार थोड़ी देर में टोंक, सवाई माधोपुर, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, चूरू जिलों और आस-पास के क्षेत्रों के अलग-अलग स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। इस दौरान मेघगर्जन, आकाशीय बिजली के चमकने की भी संभावना जताई है। इस दौरान धूलभरी आंधी चलेगी, जिसकी गति 40-60 40-60 किमी प्रति घंटा रहने की संभावना है। इन 5 जिलों के लिए मौसम विभाग ने आरेंज अलर्ट जारी किया है।

इसी के साथ ही मौसम विभाग के नए अपडेट में जयपुर, दौसा, अलवर, भरतपुर, धौलपुर, करौली, बारां, कोटा, बूंदी, सीकर, झुंझुनू, नागौर जिलों और आस-पास के क्षेत्रों में कहीं-कहीं तेज सतही हवा के साथ मेघगर्जन व हल्की बारिश की संभावना है। 30-40 केएमपीएच की गति से धूलभरी आंधी चलने की संभावना है। इन 12 जिलों के लिए मौसम विभाग ने येलो अलर्ट जारी किया है।

मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार बीते 24 घंटे में प्रदेश में कहीं कहीं हल्के से मध्यम बारिश दर्ज की गई। सबसे ज्यादा बरसात पिलानी में 36.7 एम.एम. रेकॉर्ड की गई।

एजीटीएफ को मिली बड़ी कामयाबी, एके-47 और 34 जिंदा कारतूस के साथ दो बदमाश गिरफ्तार

धौलपुर, 6 जून (एजेंसियां)। राजस्थान पुलिस मुख्यालय की एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स ने जिले के राजाखेड़ा में अवैध हथियारों के खिलाफ एक बड़ी और निर्णायक कार्रवाई को अंजाम दिया है। इस अभियान में एक अत्याधुनिक एके-47 राइफल, उसकी मैगजीन और 34 जिंदा कारतूस के साथ दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

राजाखेड़ा थानाधिकारी रामकिशन यादव ने बताया कि पुलिस ने दो कुख्यात बदमाशों जितेंद्र उर्फ जीतू चंबल और तेजपाल ठाकुर निवासी गांव बसई घीयाराम को गिरफ्तार किया है। जीतू चंबल कुख्यात हिस्ट्रीशीटर रामदत्त उर्फ सोनू चंबल का भाई है, जिसे अवैध हथियारों की तस्करी का एक बड़ा सरगना माना जाता है। यह पूरी कार्रवाई राजाखेड़ा थाना क्षेत्र के बसई घीयाराम गांव में सफलतापूर्वक अंजाम दी गई।

पुलिस उप महानिरीक्षक क्राइम योगेश यादव के सुपरविजन और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एजीटीएफ सिद्धांत शर्मा के सुपरविजन में पुलिस निरीक्षक रविंद्र प्रताप सिंह के नेतृत्व में एक विशेष टीम को इंवेस्टिगेशन के लिए भेजा गया था। इस टीम का मुख्य लक्ष्य धौलपुर के बीहड़ क्षेत्र के कुख्यात गैंगस्टर रामदत्त ठाकुर उर्फ सोनू चंबल और उसकी गैंग के खिलाफ सटीक जानकारी जुटाना था।

हथियारों की पुख्ता सूचना मिलने के बाद एजीटीएफ और धौलपुर डीएसटी ने राजाखेड़ा थाना क्षेत्र के सदापुर गांव के बीहड़ों में एक संयुक्त सर्च ऑपरेशन चलाया। सर्च के दौरान कुख्यात बदमाश रामदत्त ठाकुर और उसकी गैंग ने पुलिस पर ताबड़तोड़ फायरिंग की, जिसके जवाब में पुलिस को भी आत्मरक्षा में गोलियां चलानी पड़ीं।

चिकित्सा मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर की पत्नी प्रीति कुमारी का निधन

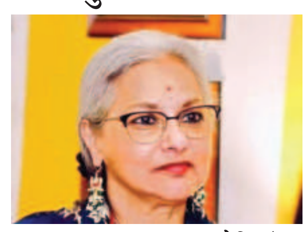

जयपुर, 5 जून (एजेंसियां)। राजस्थान सरकार में चिकित्सा मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर की पत्नी का निधन हो गया। बताया जा रहा है कि उनकी तबियत खराब होने पर उन्हें एक निजी अस्पताल में ले जाया गया था। जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। गजेंद्र सिंह की पत्नी प्रीति कुमारी खाना खाने के बाद अपने कमरे में सोने चली गई थीं, और जब सुबह तक नहीं उठीं तो परिवार के लोगों ने जगाने का प्रयास किया। लेकिन कोई प्रतिक्रिया नहीं हुई। ऐसे में उन्हें एसएमएस अस्पताल ले जा रहे थे, लेकिन तबीयत गंभीर होने के कारण प्रीति को एक निजी अस्पताल में ही दिखाया गया, जहां उन्हें डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। डॉक्टरों ने शुरुआती जांच के बाद बताया, प्रीति कुमारी की मौत संभवतः हार्ट अटैक, विशेषकर साइलेंट अटैक के कारण हुई है।

खेत में बने फार्म पोंड में डूबे दो मासूम

सिविल डिफेंस ने रात में चलाया रेस्क्यू ऑपरेशन

सीकर, 6 जून (एजेंसियां)। जिले के परडोली बड़ी गांव में दर्दनाक हादसा सामने आया, जहां खेत में बने फार्म पोंड में डूबने से दो मासूम बच्चों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान मंगलूना निवासी जितेंद्र पुत्र किशोर (14) और कृष्णा पुत्र प्रकाश (11) के रूप में हुई है।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार दोनों बच्चे अपने परिवार के साथ खेतों में जुताई के काम के लिए गांव आए थे। एक खेत में बनी तारबंदी को तोड़कर उसमें बने फार्म पोंड में नहाने चले गए लेकिन देर शाम तक वापस नहीं लौटे। परिजनों और ग्रामीणों द्वारा तलाश करने पर बच्चों के कपड़े पोंड के पास मिले और शव पानी में तैरते दिखे। इसके बाद ग्रामीणों ने पुलिस को मामले की जानकारी दी। पुलिस को जानकारी देने के बाद सिविल डिफेंस की टीम को भी जानकारी दी गई।

सिविल डिफेंस की टीम ने मौके पर पहुंचने के बाद रेस्क्यू अभियान चलाया, जिसका नेतृत्व सिविल डिफेन्स के चीफ वार्डन मदनसिंह कुड़ी कर रहे थे। एक्सपर्ट कैलाश मीणा और तैराक रामस्वरूप रणवां सहित टीम ने 20–25 मिनट के सर्च ऑपरेशन के बाद बच्चों के शव बाहर निकाले और तुरंत उन्हें सीकर के कल्याण अस्पताल भेजा गया, जहां पर चिकित्सकों ने दोनों बच्चों को मृत घोषित कर दिया और उनके शवों को कल्याण अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया है, जहां आज उनका पोस्टमार्टम होगा।

रेस्क्यू ऑपरेशन में सिविल डिफेन्स के विनोद गोदारा, बिजेंद्र ढाका, रियाजुद्दीन तागला, प्रदीप कुमावत, अंकुर लाखींवाल, हितेश शर्मा, सुभाष ढाका और सद्दाम हुसैन समेत कई सदस्य मौजूद रहे।

तीन कारों में स्टंट कर रहे 9 युवक गिरफ्तार

हनुमानगढ़, 6 जून (एजेंसियां)। हनुमानगढ़ जंक्शन शहर की सड़कों पर तेज रफ्तार में कारें दौड़ाते हुए हुड़दंग मचाना नौ युवकों को भारी पड़ गया। जंक्शन टाउन रोड पर देर रात स्टंट करते हुए तीन कारों में सवार युवकों का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, जिसके बाद पुलिस ने तुरंत जांच शुरू कर दी। सीसीटीवी फुटेज और वायरल वीडियो के आधार पर पुलिस ने एक-एक कर सभी युवकों को गिरफ्तार कर लिया। साथ ही तीनों गाड़ियों को भी जब्त कर लिया गया है। घटना मंगलवार रात करीब 10:30 बजे की है। तीन कारों में सवार होकर युवक जंक्शन टाउन रोड पर तेज रफ्तार से गाड़ियां दौड़ा रहे थे, हॉर्न बजा रहे थे और सड़क पर हुड़दंग मचा रहे थे। इस दौरान स्थानीय लोगों ने वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। वीडियो वायरल होते ही पुलिस प्रशासन हरकत में आया। जंक्शन सिटी थाना प्रभारी लक्ष्मण सिंह राठौड़ ने मामले को गंभीरता से लेते हुए एसपी के निर्देशन में तुरंत दो विशेष टीमों का गठन किया। टीमों ने वायरल वीडियो और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से तीनों गाड़ियों की पहचान की और संबंधित युवकों को चिन्हित किया। इसके बाद अलग-अलग स्थानों से सभी 9 युवकों को गिरफ्तार किया गया। शांतिभंग में पुलिस द्वारा पकड़े गए युवकों की पहचान विनोद कुमार उर्फ विवान (24),हेमंत छाबड़ा (19), घनश्यामदास उर्फ गोलू (18), प्रवेश (20), जितेन्द्र कुमार उर्फ सागर (18), कुशाग्र जाटोलिया (20), रोहित पारवानी (19), पियुष शर्मा (22) और अनुराग (22) सभी निवासीगण हनुमानगढ़ टाउन के रूप में हुई। गिरफ्तार युवकों को जब थाने लाया गया, तो उन्होंने पुलिस और समाज से माफी मांगते हुए कहा कि उनसे गलती हुई है और भविष्य में दोबारा ऐसा नहीं करेंगे।

कमलेश एनकाउंटर मामले की दोबारा जांच करने बाड़मेर पहुंची सीबीआई

बाड़मेर, 6 जून (एजेंसियां)। बाड़मेर के बहुचर्चित कमलेश प्रजापत एनकाउंटर मामले में सीबीआई ने दोबारा जांच शुरू कर दी है। यह कार्रवाई जोधपुर की विशेष सीबीआई कोर्ट द्वारा 16 अप्रैल 2025 को सीबीआई की क्लोजर रिपोर्ट खारिज करने के बाद शुरू हुई है। दरअसल कोर्ट ने इस मामले में दो आईपीएस अधिकारियों सहित 24 पुलिसकर्मियों और तत्कालीन राजस्व मंत्री और वर्तमान बायतू विधायक, उनके भाई और तत्कालीन आईजी की भूमिका की जांच के भी निर्देश दिए हैं। सीबीआई को दो महीने में अपनी जांच रिपोर्ट कोर्ट में पेश करने को कहा गया है। ऐसे में जानकारी के मुताबिक सीबीआई की एक टीम बाड़मेर पहुंच चुकी है और सर्किट हाउस में कैंप स्थापित कर जांच शुरू कर दी है। यह टीम कोर्ट द्वारा उठाए गए सवालों के जवाब तलाशेगी और मामले से जुड़े सबूतों की पुनः जांच करेगी। बता दें कि सीबीआई ने 31 मई 2021 को मामले की जांच अपने हाथ में ली थी और 5 जुलाई 2021 को FIR दर्ज की थी। लंबी जांच के बाद सीबीआई ने नेगेटिव क्लोजर रिपोर्ट पेश की। जिसमें कहा गया कि फर्जी एनकाउंटर का दावा साबित करना मुश्किल है। इस रिपोर्ट को कमलेश की पत्नी जसोदा ने 28 मार्च 2023 को कोर्ट में चुनौती दी। जसोदा के वकील अर्जुनसिंह राठौड़ ने तर्क दिया कि जांच निष्पक्ष नहीं थी। हरीश चौधरी से पूछताछ नहीं हुई और सीसीटीवी फुटेज गायब किए गए।

दो गांवों की दुनियाभर में हो रही चर्चा, इस बड़ी उपलब्धि पर पीएम मोदी बोले- 'बड़ी खुशखबरी'

जयपुर, 5 जून (एजेंसियां)। विश्व पर्यावरण दिवस की पूर्व संध्या पर राजस्थान को एक बड़ी उपलब्धि हासिल हुई है। उदयपुर जिले के मेनार गांव और जोधपुर के फलोदी तहसील में स्थित खींचन गांव को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित रामसर साइट के रूप में मान्यता मिली है। इस घोषणा के साथ ही राजस्थान में रामसर साइट्स की संख्या बढ़कर चार हो गई है।

बता दें, इससे पहले भरतपुर का केवलादेव घना राष्ट्रीय उद्यान और जयपुर की सांभर झील को यह दर्जा प्राप्त था। केंद्रीय वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने सोशल मीडिया के माध्यम से इसकी जानकारी साझा की।

भारत में अब 91 रामसर साइट्स

केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने बताया कि मेनार और खींचन को रामसर साइट्स की सूची में शामिल करने के बाद भारत में अब कुल 91 रामसर साइट्स हो गई हैं। यह उपलब्धि देश के पर्यावरण संरक्षण के प्रति बढ़ते प्रयासों और जन भागीदारी को दर्शाती है। बता दें, उदयपुर के मेनार गांव, जिसे 'बर्ड विलेज' के नाम से भी जाना जाता है, पक्षी प्रेमियों और पर्यावरणविदों के लिए विशेष महत्व रखता है। यहां स्थानीय समुदाय द्वारा पक्षियों के संरक्षण में किए गए प्रयासों को अब वैश्विक स्तर पर मान्यता मिली है। खींचन गांव भी अपनी जैव-विविधता और डेमोइसेल क्रेन (कुरजां) जैसे प्रवासी पक्षियों के आगमन के लिए प्रसिद्ध है।

प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री ने दी बधाई

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस उपलब्धि को पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भारत की प्रगति का प्रतीक बताया। उन्होंने केंद्रीय मंत्री की पोस्ट को साझा करते हुए लिखा कि यह एक सुखद समाचार है और यह दर्शाता है कि भारत पर्यावरण संरक्षण में तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने जन भागीदारी के महत्व पर भी जोर दिया।

पीएम मोदी का ट्वीट

वहीं, राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने इसे राज्य के लिए गौरव का क्षण करार दिया।

उन्होंने अपने एक्स पोस्ट में लिखा कि मेनार और खींचन का रामसर साइट्स की सूची में शामिल होना राजस्थान के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि है। उन्होंने इस उपलब्धि के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव के नेतृत्व और पर्यावरण संरक्षण के प्रति उनके समर्पण की सराहना की।

सीएम भजनलाल का ट्विट

राजस्थान की चार रामसर साइट्स

बताते चलें कि मेनार और खींचन के शामिल होने के बाद राजस्थान में अब चार रामसर साइट्स हैं। इससे पहले केवलादेव घना राष्ट्रीय उद्यान को 1981 में और सांभर झील को 1990 में रामसर साइट घोषित किया गया था। केवलादेव घना राष्ट्रीय उद्यान अपनी समृद्ध जैव-विविधता और साइबेरियन क्रेन जैसे प्रवासी पक्षियों के लिए विश्व प्रसिद्ध है, जबकि सांभर झील नमक उत्पादन के साथ-साथ पक्षियों की कई प्रजातियों का आश्रय स्थल है।

फलोदी का खींचन गांव

कैसे बनती है रामसर साइट?

रामसर साइट का दर्जा प्राप्त करने के लिए किसी स्थान पर हर साल कम से कम 20,000 पक्षी या किसी पक्षी प्रजाति की 1% आबादी का आगमन होना आवश्यक है। इस प्रक्रिया में वन विभाग और जिला प्रशासन प्रस्ताव तैयार कर राज्य सरकार को भेजते हैं। इसके बाद प्रस्ताव केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय और फिर संयुक्त राष्ट्र (यूएन) को भेजा जाता है। यूएन सभी मापदंडों की जांच के बाद रामसर साइट का दर्जा प्रदान करता है। मेनार और खींचन ने इन कठिन मापदंडों को पूरा कर यह सम्मान हासिल किया है।

उदयपुर का मेनार गांव

रामसर साइट बनने के फायदे

गौरतलब है कि रामसर साइट का दर्जा मिलने से मेनार और खींचन में इको-टूरिज्म को बढ़ावा मिलेगा। इससे स्थानीय युवाओं को रोजगार के नए अवसर प्राप्त होंगे। तालाबों और झीलों का संरक्षण सुनिश्चित होगा, जिससे सीवरेज और गंदगी को रोका जा सकेगा। साथ ही अवैध कब्जों पर भी अंकुश लगेगा। पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए होम स्टे और अन्य पर्यटन इकाइयों की शुरुआत होगी, जिससे देसी-विदेशी पर्यटकों की संख्या में वृद्धि होगी। इसके अलावा, पर्यटकों के लिए नई सुविधाओं का विकास भी होगा।

रामसर साइट क्या है?

रामसर साइट्स आर्द्रभूमि क्षेत्र हैं, जिन्हें 1971 में ईरान के रामसर शहर में हुए कन्वेंशन के तहत अंतरराष्ट्रीय महत्व का दर्जा दिया जाता है। इस कन्वेंशन का उद्देश्य आर्द्रभूमियों का संरक्षण और उनके पारिस्थितिक, आर्थिक व सांस्कृतिक महत्व को बनाए रखना है।

राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान में विश्व पर्यावरण दिवस पर हुआ कार्यक्रम

हैदराबाद, 5 जून (स्वतंत्र वार्ता)। विश्व पर्यावरण दिवस 2025 का आयोजन राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान, हैदराबाद में डॉ. गोलि पेंचल प्रसाद, प्रभारी सहायक निदेशक, के मार्गदर्शन में उत्साहपूर्वक सम्पन्न हुआ।

कार्यक्रम की शुरूआत वृक्षारोपण से हुई, जिसके अंतर्गत संस्थान परिसर में 15 पौधे तथा संस्थान से सटे हुए पार्क में 5 पौधे रोपित किए गए। इस अवसर पर डॉ. गोलि पेंचल प्रसाद, प्रभारी सहायक निदेशक, डॉ. अशफ़ाक़ अहमद (अनुसंधान अधिकारी-यूनानी), के. श्रीनिवास राव (पुस्तकालय एवं सूचना सहायक), तथा संस्थान के सभी अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे। इसके पश्चात संस्थान के अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए स्लोगन एवं संदेश लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें पर्यावरण संरक्षण से संबंधित रचनात्मक विचार प्रस्तुत किए गए। प्रतियोगिता के बाद हाई टी का आयोजन भी किया गया। कार्यक्रम की अगली कड़ी में शपथ ग्रहण समारोह और पर्यावरण जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें सभी प्रतिभागियों ने पर्यावरण संरक्षण हेतु संकल्प लिया। इस सत्र का संचालन डॉ. अशफ़ाक़ अहमद ने किया। कार्यशाला के दौरान पर्यावरण प्रदूषण, प्लास्टिक के अत्यधिक प्रयोग पर रोक, एवं जीवन में पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने के उपायों पर चर्चा की गई।

इस अवसर पर प्रेरणादायक वक्तव्यों के माध्यम से वक्ताओं ने प्रतिभागियों को जागरूक किया। वक्तव्य देने वालों में डॉ.वी. श्रीदेवी अनुसंधान अधिकारी-आयुर्वेद, डॉ. अशफ़ाक़ अहमद अनुसंधान अधिकारी यूनानी, डॉ. साकेत राम अनुसंधान अधिकारी आयुर्वेद, डॉ. संतोष माने अनुसंधान अधिकारी आयुर्वेद, डॉ. बिस्व रंजन दास अनुसंधान अधिकारी होम्योपैथी, डॉ. सत्यव्रत नंदा अनुसंधान सहायक संस्कृत शामिल रहे। वक्ताओं ने प्लास्टिक उत्पादों के उपयोग को त्यागने और दैनिक जीवन में वैकल्पिक पर्यावरणीय उपाय अपनाने पर बल दिया। प्रभारी सहायक निदेशक डॉ.जी.पी. प्रसाद ने भी प्लास्टिक कैरी बैग्स पर पूर्ण प्रतिबंध की आवश्यकता पर विशेष बल दिया। प्रतियोगिता में विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान किए गए। कार्यक्रम में संस्थान के लगभग 50 अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया और व्याख्यानों को गंभीरता से सुना। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रीय गान के गायन के साथ हुआ।

कांग्रेस की लापरवाही तेलंगाना के हरित क्षेत्र को नष्ट कर रही है : हरीश राव

हैदराबाद, 5 जून (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के वरिष्ठ विधायक और पूर्व मंत्री टी हरीश राव ने तेलंगाना की पर्यावरण प्रगति को बाधित करने और राज्य के हरित आवरण को नष्ट करने के लिए कांग्रेस सरकार की आलोचना की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी की लापरवाही न केवल पर्यावरण विनाश में बल्कि शासन में भी स्पष्ट है। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर गुरुवार को हरीश राव ने पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव के नेतृत्व में शुरू किए गए हरित हरम कार्यक्रम की उपलब्धियों को याद किया। उन्होंने कहा कि तेलंगाना का हरित आवरण 24 प्रतिशत से बढ़कर 31 प्रतिशत हो गया है, जिसमें 250 करोड़ से अधिक पौधे लगाए गए हैं।उन्होंने कहा, हमने सिर्फ हरित भविष्य का वादा नहीं किया, बल्कि उसे पूरा भी किया। वर्तमान कांग्रेस सरकार ने इस प्रगति को उलट दिया है, सरकार ने वृक्षारोपण निधि में 53 प्रतिशत की कटौती करते हुए इसे 36 करोड़ रुपये से घटाकर 17 करोड़ रुपये कर दिया है, तथा वनरोपण के लक्ष्यों में भी भारी कटौती कर दी है, उन्होंने हैदराबाद विश्वविद्यालय परिसर में वृक्षों की कटाई की भी निंदा की तथा इसे पर्यावरण और वन्य जीवन के प्रति सरकार की उपेक्षा का प्रतीक बताया।

विश्व पर्यावरण दिवस 2025 के अवसर पर भारतीय रेल ने चलाया जागरूकता अभियान

अभियान में लगभग 150 टन प्लास्टिक कचरे का हुआ निपटान

नई दिल्ली/हैदराबाद, 5 जून (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय रेल द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर विशेष आयोजन करते हुए 22 मई से 5 जून तक पंद्रह दिवसीय विशेष अभियान चलाया। इस वर्ष की थीम प्लास्टिक प्रदूषण समाप्त करें के अंतर्गत भारतीय रेल के सभी ज़ोन, मंडल, स्टेशन और कार्यालयों में जन-जागरूकता की विभिन्न गतिविधियां आयोजित की गईं। इस अभियान में रेलवे कर्मचारियों, यात्रियों, आम नागरिकों और अन्य साझेदारों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रमों की श्रृंखला में प्लास्टिक कचरे का आकलन, कचरे को अलग-अलग प्रकारों में छाँटना, प्लास्टिक बोतल क्रशिंग मशीनों की स्थिति की समीक्षा, स्वच्छता एवं जल संरक्षण के प्रयास, तथा प्लास्टिक उपयोग में कमी हेतु जागरूकता प्रसार जैसे कदम शामिल थे।

5 जून को पर्यावरण संरक्षण को लेकर संकल्प दिलाया गया, जिसमें प्लास्टिक उपयोग में बदलाव, स्वच्छता और ऊर्जा बचत जैसे विषयों पर ज़ोर दिया गया। रेलवे बोर्ड में यह संकल्प सदस्य (ट्रैक्शन एवं रोलिंग स्टॉक) द्वारा दिलाया गया, जिसमें अन्य बोर्ड सदस्य और ज़ोनल रेलवे के महाप्रबंधक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शामिल हुए। इस अवसर पर रेलवे की वार्षिक पर्यावरण सततता रिपोर्ट भी जारी की गई। पूरे अभियान में लगभग 150 टन प्लास्टिक कचरे का सुरक्षित निपटान किया गया, 1230 से अधिक स्टेशनों पर पोस्टर व डिजिटल माध्यमों से जागरूकता फैलाई गई, 740 से अधिक कार्यशालाएं आयोजित की गईं, 1200 स्टेशनों पर स्वच्छता अभियान चलाया गया, 180 से अधिक प्लास्टिक बोतल क्रशिंग मशीनों की कार्यप्रणाली की समीक्षा की गई और 230 नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से स्थानीय स्तर पर जन-जागरूकता को बल मिला।

भारतीय रेल पर्यावरणीय स्थायित्व को लेकर निरंतर प्रतिबद्ध है। वर्ष 2025-26 के लिए 750 करोड़ रुपये की एक समग्र योजना को स्वीकृति दी गई है जो पर्यावरण से जुड़ी गतिविधियों को समर्पित है। अब तक 98 प्रतिशत ब्रॉड गेज मार्गों का विद्युतीकरण किया जा चुका है। 3512 स्टेशनों एवं सेवा भवनों पर सौर रूफटॉप की स्थापना के माध्यम से लगभग 227 मेगावाट विद्युत उत्पादन क्षमता सृजित की गई है। सभी रेलवे स्टेशनों, कार्यालयों और आवासीय परिसरों में 100 प्रतिशत एलईडी लाइट्स की व्यवस्था की गई है। इसके अतिरिक्त, हाइड्रोजन ईंधन आधारित ट्रेनों के विकास, 2014 से अब तक 9.7 करोड़ पौधारोपण, और यात्री कोचों में 100 प्रतिशत बायो-टॉयलेट्स की स्थापना जैसे कदमों के ज़रिए रेलवे ने पर्यावरण की दिशा में ठोस पहल की है। भारतीय रेल अपनी पर्यावरणीय जिम्मेदारी को समाहित करते हुए, भविष्य में भी एक हरित और स्वच्छ परिवहन प्रणाली के निर्माण हेतु कृतसंकल्पित है।

जन्मदिन की पार्टी में तलवार लेकर नाचने पर एक व्यक्ति गिरफ्तार

हैदराबाद, 5 जून (स्वतंत्र वार्ता)। जवाहरनगर पुलिस ने गुरुवार को अपने जन्मदिन समारोह के दौरान तलवार लेकर नाचने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। पुलिस ने उसके कब्जे से धारदार हथियार भी जब्त कर लिया। गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान बीआरएस पार्टी के कार्यकर्ता कोंडल के रूप में हुई है। कोंडल का अपने जन्मदिन की पार्टी के दौरान तलवार के साथ नृत्य करने का एक वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर वायरल हो गया। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस ने तलाश शुरू की और उसे गिरफ्तार कर लिया। उनके खिलाफ शस्त्र अधिनियम, 1959 की धारा 25(ए) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

कागजनगर के एमबीबीएस छात्र की वियतनाम में दुर्घटना में मौत

कुमराम भीम आसिफाबाद, 5 जून (स्वतंत्र वार्ता)। कागजनगर कस्बे के 21 वर्षीय एमबीबीएस छात्र की मंगलवार को वियतनाम के कैन थो शहर में सड़क दुर्घटना में मौत हो गई, जब वह अपने दोस्त के साथ मोटरसाइकिल पर सवार होकर जा रहा था और मोटरसाइकिल दीवार से टकरा गई। मृतक आश्रित अर्शीद, एमबीबीएस के तीसरे वर्ष का छात्र था। वह कपड़ा व्यापारी अर्शीद अर्जुन और प्रथिमा का बेटा था। वह तीन साल पहले मेडिकल की पढ़ाई करने वियतनाम गया था।

अश्रित को गंभीर चोटें आईं और उसकी मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसके दोस्त को मामूली चोटें आईं। दुर्घटना का कारण तेज गति से वाहन चलाना माना जा रहा है। स्थानीय विधायक डॉ. हरीश बाबू ने आश्रित के माता-पिता से मुलाकात कर संवेदना व्यक्त की तथा केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी किशन रेड्डी से फोन पर बात कर शव को भारत वापस लाने का आग्रह किया।

हैदराबाद में इंजीनियरिंग छात्र ने कर ली आत्महत्या

हैदराबाद, 5 जून (स्वतंत्र वार्ता)। परीक्षा में खराब प्रदर्शन के कारण अवसाद में आकर एक इंजीनियरिंग छात्र ने बुधवार शाम को नागोले स्थित अपने घर में आत्महत्या कर ली। नागोले के आनंदनगर का रहने वाला तद्दाब्बा श्रीदीप (18) घटकेसर के एक निजी कॉलेज से इंजीनियरिंग के दूसरे वर्ष का कोर्स कर रहा है। पुलिस के मुताबिक बुधवार सुबह श्रीदीप स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का हवाला देकर कॉलेज नहीं गया और घर पर ही रहा। शाम को जब श्रीदीप की मां घर लौटी तो उसने देखा कि घर का दरवाजा अंदर से बंद है और श्रीदीप कोई प्रतिक्रिया नहीं दे रहा है। पड़ोसियों की मदद से उन्होंने दरवाजा तोड़ा और अंदर जाकर देखा तो श्रीदीप घर में छत के पंखे से लटका हुआ था। नागोले पुलिस ने कहा, परिवार के सदस्यों ने हमें बताया कि श्रीदीप ने प्रथम वर्ष की परीक्षा में अच्छा प्रदर्शन नहीं किया था और इस कारण वह अवसाद में आ गया था और उसने अपनी जान दे दी। मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच चल रही है।

तेजी से बढ़ रही है उम्र से संबंधित दूरदृष्टिता

हैदराबाद, 5 जून (स्वतंत्र वार्ता)। उम्र से संबंधित दूरदृष्टि दोष (प्रेसबायोपिया) की घटनाएं- एक ऐसी स्थिति जिसमें आंखें धीरे-धीरे पास की वस्तुओं को देखने की क्षमता खो देती हैं- तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में बढ़ रही हैं। हैदराबाद में नेत्र रोग विशेषज्ञों और सार्वजनिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों द्वारा 15 साल तक किए गए एक दीर्घकालिक अध्ययन से पता चला है कि इस नेत्र रोग की घटना दोनों तेलुगु राज्यों और संभवतः पूरे दक्षिण भारत में 50 प्रतिशत है।

इस 50 प्रतिशत घटना का अर्थ है कि तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में स्वस्थ जनसंख्या के 3 से 4 प्रतिशत लोगों में प्रतिवर्ष यह स्थिति विकसित होती है, जिससे उनकी निकट की वस्तुओं पर ध्यान केंद्रित करने की क्षमता क्षीण हो जाती है। इसके बावजूद, कई लोग अपनी दृष्टि को सही नहीं करवा पाते। अध्ययन में अनुमान लगाया गया है कि बिना सुधारे प्रेसबायोपिया का प्रचलन 33 प्रतिशत है। महत्वपूर्ण बात यह है कि हैदराबाद स्थित एलवी प्रसाद आई इंस्टीट्यूट (एलवीपीईआई) द्वारा किए गए शोध (जिसे मार्च 2025 में प्रतिष्ठित ब्रिटिश जर्नल ऑफ ऑफ्थैल्मोलॉजी में प्रकाशित किया गया) ने इस बात पर प्रकाश डाला कि प्रेस्बायोपिया की शुरूआत आमतौर पर 30 के दशक के अंत और 40 के दशक की शुरूआत में व्यक्तियों में देखी जाती है। 50 प्रतिशत घटनाएं तेलंगाना और आंध्र प्रदेश की राज्य सरकारों के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं में निकट दृष्टि सुधार को एकीकृत करने की तत्काल आवश्यकता को भी रेखांकित करती हैं।

विश्व पर्यावरण दिवस पर टिकाऊ कृषि को बढ़ावा देने का संकल्प

हैदराबाद, 5 जून (स्वतंत्र वार्ता)। सतत कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देने और पर्यावरण जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से चल रही वीकेएसए पहल के एक हिस्से के रूप में, आज का कार्यक्रम 5 जून 2025 को विश्व पर्यावरण दिवस के साथ रंगारेड्डी जिले के याचरम मंडल में आयोजित किया गया। इस सहयोगात्मक कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों, हितधारकों और समुदाय को पर्यावरण के अनुकूल कृषि तकनीकों को अपनाने और पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने के लिए प्रेरित करना था।

मंडल कृषि अधिकारी श्री रघुनाथ ने कहा, हमारा लक्ष्य किसानों को ज्ञान और उपकरणों से सशक्त बनाना है, जो उत्पादकता और पर्यावरण संरक्षण दोनों को बढ़ावा दें। डॉ. प्रिया ने कहा कि कृषि वैज्ञानिक समुदाय, संबंधित विभागों के साथ मिलकर, इस वीकेएसए कार्यक्रम के माध्यम से शिक्षा, नवाचार और सामुदायिक सहभागिता पर जोर देकर सतत कृषि विकास को बढ़ावा देने के लिए समर्पित है। उन्होंने रासायनिक उपयोग को कम करने, मृदा स्वास्थ्य को बढ़ाने और खेतों में नवीकरणीय ऊर्जा समाधानों को अपनाने के बारे में जानकारी साझा की।

सीआरआईडीए के पी. रामकृष्ण ने कहा, विश्व पर्यावरण दिवस के साथ अपनी यात्रा का समन्वय करके, हम इस संदेश को मजबूत करते हैं कि टिकाऊ कृषि हमारे ग्रह और भावी पीढ़ियों की भलाई के लिए आवश्यक है। उन्होंने कहा कि केवीके किसानों और शोधकर्ताओं के साथ मिलकर काम करता है ताकि पर्यावरण अखंडता को बनाए रखते हुए उत्पादकता बढ़ाने वाली प्रथाओं को बढ़ावा दिया जा सके और उन्हें लागू किया जा सके।

डॉ. दिलीप ने बताया कि विकास कृषि संकल्प यात्रा एक आधारभूत कार्यक्रम है जो समुदायों को सतत कृषि विकास में संलग्न करता है। डॉ. गौतम वीर चौहान ने कहा कि इस वर्ष विश्व पर्यावरण दिवस के साथ इसका संयोजन व्यापक रणनीतियों के प्रति समर्पण को दर्शाता है जो व्यक्तियों और पर्यावरण दोनों का समर्थन करते हैं।

यचारम मंडल के रायथु वेधिका में आज के वीकेएसए कार्यक्रम से पहले, आईसीएआर- केंद्रीय शुष्क भूमि कृषि अनुसंधान संस्थान- कृषि विज्ञान केंद्र की टीम, जिसमें डॉ. प्रिया पी. गुरव, डॉ. गौतम वीर चौहान, डॉ. दिलीप और श्री पी. रामकृष्ण शामिल थे, ने तेलंगाना के रंगा रेड्डी के यचारम मंडल में वेंकटेश्वर थांडा में सामूहिक वृक्षारोपण कार्यक्रम का दौरा किया और उसमें भाग लिया। एनजीओ डब्ल्यूओटीआर का प्रतिनिधित्व करने वाले एम. कृष्णा और श्री चेन्नईया ने इस पहल को सुगम बनाया, जिसमें लगभग 200 किसान और युवा पेशेवर शामिल हुए। डब्ल्यूओटीआर के शोधकर्ता डॉ. दीपक, डॉ. इमरान खान, के. ईश्वर (हैदराबाद) के साथ-साथ नाबार्ड के प्रतिनिधि श्री हर्ष रघुराम ने भी इसमें भाग लिया। आज के कार्यक्रम में खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा में किसानों की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया गया।

आज, पहली टीम ने याचारम मंडल में वेंकटेश्वर थांडा, केसी थांडा और याचारम का पता लगाया।

अस्थमा के लिए शुद्ध शाकाहारी मुफ़्त आयुर्वेदिक दवा

हैदराबाद, 5 जून (स्वतंत्र वार्ता)। अस्थमा, एलर्जी और पुरानी सर्दी के उपचार के लिए आयुर्वेद सेवा (पंजीकृत) द्वारा 8 जून, 2025 रविवार को गांधी ज्ञान मंदिर, महिला महाविद्यालय के सामने, कोठी, हैदराबाद में एक शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह दवा अस्थमा, एलर्जी और पुरानी सर्दी आदि से पीड़ित आम लोगों को डॉ.एम.पी. शर्मा और डॉ. राजेंद्र दाधीच के नेतृत्व में आयुर्वेदिक डॉक्टरों की एक टीम द्वारा दी जाएगी। यह दवा पूरी तरह से शाकाहारी एक प्राचीन फॉर्मूले से तैयार की गई है, जिसका सेवन मरीज़ मेडिकल कैंप में दिए गए औषधीय पानी के साथ कर सकते हैं।

यह दवा जो पूरी तरह से शाकाहारी है, केवल "मृगशिरा कार्ति" के शुभ दिन पर ही प्रभावी है। अगर मृगशिरा कार्ति के बाद दवा का सेवन किया जाता है, तो यह अच्छे परिणाम नहीं देगी। यदि कोई रोगी इस औषधि के सेवन से सर्वोत्तम परिणाम प्राप्त करना चाहता है तो उसे इस औषधि के सेवन से एक घंटे पहले तथा इस चमत्कारी औषधि के सेवन के बाद कम से कम एक घंटे तक कुछ भी खाने-पीने से बचना चाहिए। औषधि को औषधीय जल के साथ लेने के पश्चात रोगी को अगले 45 दिनों के लिए पूरक औषधि की 6 गोलियों का एक पैकेट दिया जाएगा, जिसका सेवन 15 दिन पूरे होने के पश्चात सुबह-शाम खाली पेट गुनगुने पानी के साथ किया जाएगा। इसका सेवन अरुद्रा कार्ति (22 जून), पुनर्वसु कार्ति (6 जुलाई) तथा पुष्य कार्ति (20 जुलाई) को किया जा सकता है। पूरक औषधि के साथ रोगी को हिंदी, अंग्रेजी तथा तेलुगु भाषा में मुद्रित सामग्री भी दी जाएगी, जिसमें औषधि निर्देश होंगे कि क्या खाना है, क्या नहीं खाना है। आयुर्वेद सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष के अनुसार यह शिविर लंबे समय से निरंतर आयोजित किया जा रहा है तथा हजारों रोगी इसका लाभ उठा चुके हैं तथा इस रोग से मुक्त हो चुके हैं।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री आदित्य योगी के जन्मदिवस के पावन अवसर पर जामबाग मंडल के पार्षद राकेश जायसवाल ने भाग्यनगर के चारमीनार स्थित श्री भाग्य लक्ष्मी माता मंदिर में 108 नारियल फोड़कर विशेष पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर सुरेश तोलडी, हरिनाथ, अनिल, संदीप, रवि, नरसिंह, साईराम और बाबूराजा सहित अनेक समर्पित कार्यकर्ता और शुभचिंतक शामिल हुए। इस अवसर पर आध्यात्मिक उत्साह और भक्ति का माहौल रहा और योगी आदित्यनाथ जी के स्वास्थ्य, समृद्धि और दीर्घायु के लिए मां भाग्य लक्ष्मी से आशीर्वाद मांगा गया।

बाबा गंगाराम सेवा समिति, हैदराबाद द्वारा अन्नदान कार्यक्रम संपन्न

हैदराबाद, 5 जून (स्वतंत्र वार्ता)। गंगा दशहरा के पावन पर्व तथा झुंझुनू वाले विष्णु अवतारी श्री बाबा गंगाराम जी के पावन धाम, श्री पंचदेव मंदिर (झुंझुनू, राजस्थान) के 50 वर्ष पूर्ण होने के शुभअवसर पर बाबा गंगाराम सेवा समिति, हैदराबाद द्वारा राधे राधे अन्नप्रसादम ग्रुप के साथ मिल कर नामपल्ली स्तिथ पब्लिक गार्डन के पास अन्नदान किया गया जिस में बड़ी संख्या में लोगों को भोजन कराया गया।

आज ही के दिन पचास वर्ष पूर्व सन 1975 मे राजस्थान के झुंझुनू नगर में विष्णु अवतारी श्री बाबा गंगाराम जी के धाम श्री पंचदेव मंदिर का निर्माण भक्त शिरोमणि श्री देवकीनंदन जी तथा माता गायत्री देवी जी द्वारा किया गया था जिस की प्राण प्रतिष्ठा जगद्गुरु शंकराचार्य द्वारा करायी गई थी।

इस अवसर पर बाबा गंगाराम सेवा समिति हैदराबाद से केशव शर्मा, पवन डिडवानिया, दीनबंधू अग्रवाल, वरुण सराफ, विशाल सराफ, विशाल डिडवानिया, अंकुर मोदी, अमित मोदी, संतोष केजरीवाल, कुसुम सराफ, मीना मोदी, निकिता मोदी, पूर्णिमा सराफ, नेहा सराफ, भावना गोयल आदि उपस्थित रहे और अन्नदान किया तथा राधे राधे ग्रुप से सतीश गुप्ता, आशा अग्रवाल, राम प्रकाश अग्रवाल, जगत नारायण अग्रवाल, महेश अग्रवाल, ई-जगन, संजय गोयल, किरण गोयल, प्रीतिका अग्रवाल, महेश गुप्ता, सुशील गुप्ता, भगतराम गोयल, गोपाल गोयल, अरविन्द गुप्ता, उमा रानी, अशोक गुप्ता, नन्दकिशोर अग्रवाल, आराध्या गुप्ता, अनन्या गुप्ता, प्रियांशी गुप्ता तथा अन्य सदस्य उपस्थित रहे। राधे राधे ग्रुप द्वारा बाबा गंगाराम सेवा समिति के सदस्यों का सम्मान किया गया तथा बाबा गंगाराम सेवा समिति ने राधे राधे ग्रुप का यह पुण्य कार्य आयोजित कराने पर आभार व्यक्त किया।

बजरंग सेना ने बकरीद से पहले गौ-माता की बिक्री के खिलाफ अतिरिक्त कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा

हैदराबाद, 5 जून (स्वतंत्र वार्ता)। बजरंग सेना के एक प्रतिनिधिमंडल ने राज्य अध्यक्ष एन.आर. लक्ष्मण राव के नेतृत्व में हैदराबाद जिले के अतिरिक्त कलेक्टर मुकुंद रेड्डी से मुलाकात की और बकरीद से पहले गौ-माता (गाय) की कथित बिक्री और अवैध परिवहन पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए एक औपचारिक ज्ञापन सौंपा।

प्रतिनिधित्व ने जिला प्रशासन से गायों की अवैध बिक्री और वध को रोकने के लिए तत्काल निवारक उपाय करने का आग्रह किया, जो न केवल कानून के खिलाफ है बल्कि हिंदुओं की धार्मिक भावनाओं को भी ठेस पहुंचाता है। प्रतिनिधिमंडल ने गौ संरक्षण कानूनों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए मवेशी बाजारों और पारगमन मार्गों पर सख्त निगरानी और प्रवर्तन का भी अनुरोध किया।

एन.आर. लक्ष्मण राव ने कहा, हमने अधिकारियों के ध्यान में साल के इस समय में गौ-माता के लिए बढ़ते खतरे को लाया है। हमें विश्वास है कि प्रशासन कानून और व्यवस्था बनाए रखने और समुदाय की धार्मिक भावनाओं की रक्षा करने के लिए तेजी से कार्रवाई करेगा।

कांग्रेस के शासन में हैदराबाद अव्यवस्था की स्थिति में है : केटीआर

हैदराबाद, 5 जून (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने बुधवार को एर्रागड्डा में मानसिक स्वास्थ्य संस्थान में खाद्य विषाक्तता त्रासदी के लिए कांग्रेस सरकार को जिम्मेदार ठहराया, जहां एक मरीज की मौत हो गई और 69 अन्य अस्पताल में भर्ती हैं। उन्होंने इस घटना को मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी के तहत प्रशासनिक पतन का प्रतिबिंब बताया। रामाराव ने एक बयान में कहा कि हैदराबाद, जो कभी बीआरएस शासन के दौरान अपनी प्रगति और व्यवस्था के लिए जाना जाता था, अब कांग्रेस शासन में अव्यवस्था की स्थिति में है। उन्होंने शासन में व्यापक विफलताओं के बीच सौंदर्य प्रतियोगिताओं की मेजबानी पर सरकार के ध्यान पर कटाक्ष किया।

उन्होंने कहा कि सौंदर्य प्रतियोगिताएं किसी शहर को सुंदर नहीं बनातीं, बल्कि प्रभावी शासन ऐसा करता है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस शासन तेलंगाना की प्रगति के लिए अभिशाप बन गया है। रामा राव ने कांग्रेस सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि वह आवासीय कल्याण विद्यालयों और सरकारी अस्पतालों में घटिया भोजन की आपूर्ति कर रही है, जिससे छात्रों और मरीजों की जान को खतरा है। उन्होंने सरकारी स्कूल के छात्रों को पाठ्यपुस्तकों के वितरण में देरी पर भी सवाल उठाया।

उन्होंने आरोप लगाया कि गृह, शिक्षा, सिंचाई और नगर प्रशासन से लेकर कृषि और स्वास्थ्य तक कई प्रमुख विभाग अव्यवस्था की स्थिति में हैं।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

केएल राहुल इंग्लैंड में इंडिया-ए टीम से जुड़े

दूसरा अनऑफिशियल टेस्ट आज से, 18 मेंबर्स वाली भारतीय टीम का भी हिस्सा हैं

मुंबई, 5 जून (एजेंसियां)। भारतीय विकेटकीपर-बल्लेबाज केएल राहुल इंग्लैंड में इंडिया-ए टीम से जुड़ गए हैं। वे 6 जून से इंग्लैंड लायंस के खिलाफ शुरू होने वाले दूसरे अनऑफिशियल टेस्ट से पहले टीम में शामिल हुए।

राहुल भारत-इंग्लैंड के बीच खेले जाने वाली 5 मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय टीम का भी हिस्सा हैं। इंग्लैंड के लिए टीम इंडिया के बाकी मेंबर्स 6 जून को मुंबई से रवाना होंगे। दोनों टीमों के बीच सीरीज का पहला मुकाबला 20 जून से शुरू होगा।

राहुल ने इंग्लैंड में 9 टेस्ट मैच खेले हैं

केएल राहुल ने इंग्लैंड में 9 टेस्ट मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने 34.11 की औसत से 614 रन बनाए हैं, जिसमें उनका बेस्ट स्कोर 149 रहा है। उन्होंने इन मैचों में 2 शतक और 1 अर्धशतक लगाया है।

दूसरा अनऑफिशियल टेस्ट कल से

इंडिया-ए को इंग्लैंड में तीन मैच खेलने हैं। इनमें दो मैच इंग्लैंड लायंस के खिलाफ होंगे, जबकि तीसरा मैच भारतीय क्रिकेट टीम के साथ खेला जाएगा। इंग्लैंड लायंस और इंडिया ए के बीच पहला मैच ड्रॉ रहा था। दूसरा मैच 6 से 9 जून तक खेला जाएगा। जबकि भारतीय सीनियर टीम के साथ मुकाबला 13 से 16 जून के बीच खेला जाएगा।

इंग्लैंड दौरे के लिए 18 मेंबर्स वाली भारतीय टीम

शुभमन गिल (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, अभिमन्यु ईश्वरन, करुण नायर, ऋशभ पंत (उपकप्तान), ध्रुव जुरेल, नीतीश रेड्डी, शार्दूल ठाकुर, रवींद्र जडेजा, वॉशिंगटन सुंदर, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, आकाश दीप, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव।

भारत से पहले टेस्ट के लिए इंग्लैंड टीम का ऐलान

ओवरटन की वापसी, एटकिंसन चोट के कारण टीम में नहीं

मुंबई, 5 जून (एजेंसियां)। भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज के पहले मैच के लिए इंग्लैंड टीम का ऐलान हो गया है। इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड ने गुरुवार को 14 मेंबर्स स्क्वॉड का ऐलान किया।

बेन स्टोक्स की कप्तानी वाली इस टीम में जेमी ओवरटन को मौका मिला है। वहीं, गस एटकिंसन चोट के कारण टीम में नहीं चुने गए हैं।

सीरीज का पहला मुकाबला 20 जून 2025 से हेडिंग्ले, लीड्स में शुरू होगा। इस मैच के साथ ही इंग्लैंड और टीम इंडिया के वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के चौथे साइकिल की शुरुआत होगी।

पहला मुकाबला 20 जून से

भारत के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए इंग्लैंड की टीम

बेन स्टोक्स (कप्तान), शोएब बशीर, जैकब बेथेल, हैरी ब्रूक, ब्रायडन कार्स, सैम कुक, जैक क्राउली, बेन डकेट, जेमी ओवरटन, ओली पोप, जो रूट, जेमी स्मिथ (विकेट कीपर), जोश टंग, क्रिस वोक्स।

ओवरटन तीन साल बाद मौका

बैटिंग-ऑलराउंडर ओवरटन तीन साल बाद टेस्ट टीम में लौटे हैं। ओवरटन ने इंग्लैंड के लिए 2022 में न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट डेब्यू किया था। उन्हें उस मैच के बाद फिर कभी टेस्ट टीम में मौका नहीं मिला।

इंग्लैंड दौरे के लिए 18 मेंबर्स वाली भारतीय टीम

शुभमन गिल (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, अभिमन्यु ईश्वरन, करुण नायर, ऋशभ पंत (उपकप्तान), ध्रुव जुरेल, नीतीश रेड्डी, शार्दूल ठाकुर, रवींद्र जडेजा, वॉशिंगटन सुंदर, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, आकाश दीप, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव।

करुणाकरण-वरियाथ की जोड़ी को मिली जीत

मिश्रित युगल में भारत की उम्मीदें बरकरार रखीं

जकार्ता, 5 जून (एजेंसियां)। सतीश कुमार करुणाकरण और आद्या वरियाथ ने इंडोनेशिया ओपन सुपर 1000 बैडमिंटन टूर्नामेंट के मिश्रित युगल के दूसरे दौर में प्रवेश किया, लेकिन भारत की अन्य जोड़ियां शुरुआती दौर में के बाद बाहर हो गईं। करुणाकरण और वरियाथ ने 45 मिनट तक चले शुरुआती दौर के कड़े मुकाबले में चीनी ताइपे की ये होंग वेई और निकोल गोंजालेस चैन को 15-21, 21-16, 21-17 से हराया।

इस स्पर्धा में हालांकि अन्य भारतीय जोड़ियों ने निराश किया क्योंकि वे अगले दौर में आगे बढ़ने में असफल रहीं। रोहन कपूर और रुतविका शिवानी गाड्डे को युची शिमोगामी और सयाका होबारा की जापान की जोड़ी से 14-21, 9-21 से शिकस्त मिली।

आशिथ सूर्या और अमृता प्रमथेश को डेनमार्क के मैड्स वेस्टरगार्ड और क्रिस्टीन बुश के हाथों 15-21, 9-21 से हार का सामना करना पड़ा। ध्रुव कपिला और तनिषा क्रास्टो की जोड़ी भी शुरुआती दौर की बाधा को पार करने में विफल रही। इस जोड़ी को मलेशिया के दूसरे वरीय टैंग जी चेन और ई वेतोह के खिलाफ 11-21, 21-16, 14-21 से हार का सामना करना पड़ा।

डब्ल्यूटीसी फाइनल से पहले क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने किया खास प्लेइंग 11 का ऐलान

खेल डेस्क, 5 जून (एजेंसियां)। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2025 का लीग स्टेज खत्म हो चुका है, जिसके बाद अब इसका फाइनल मुकाबला खेला जाएगा। साउथ अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के बीच होने वाला यह मैच 11 जून से खेला जाएगा। इस बड़े मुकाबले से पहले क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने डब्ल्यूटीसी 2023-25 की अपनी बेस्ट टेस्ट इलेवन का ऐलान किया है। खात बात यह है कि इस टीम में भारत के दो खिलाड़ियों को मौका मिला है, जिसमें सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल के अलावा दिग्गज तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का नाम शामिल है।

डब्ल्यूटीसी के इस चक्र में दुनियाभर भर में टेस्ट क्रिकेट ने जबरदस्त रोमांच पैदा किया, जिसमें रिकॉर्ड दर्शक, ऐतिहासिक पारियां और रोमांचक मुकाबले देखने को मिले। इस बेस्ट XI में वे खिलाड़ी शामिल हैं, जिन्होंने पिछले दो सालों में घरेलू और विदेशी दोनों परिस्थितियों में लगातार बेहतरीन प्रदर्शन किया। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने ओपनर के तौर पर यशस्वी के साथ उस्मान ख्वाजा को रखा है। ख्वाजा ने इस चक्र में श्रीलंका के खिलाफ 232 रन की पारी खेली।

टीम के मिडिल ऑर्डर में कौन-कौन?

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने मिडिल ऑर्डर में न्यूजीलैंड के केन विलियमसन और इंग्लैंड के जो रूट को चुना है। विलियमयन ने पिछले दो सालों में 11 मैच खेले और इसमें 54.85 की औसत से 1152 रन बनाए, जिसमें पांच शतक शामिल हैं। इसके अलावा रूट ने 22 टेस्ट मैचों में हिस्सा लिया और 54.66 की औसत से 1968 रन बनाए, जिसमें सात शतक शामिल हैं। इस टीम में बतौर बल्लेबाज इंग्लैंड के हैरी ब्रूक और श्रीलंका के कामिंदु मेंडिस को भी मौका मिला है, जबकि विकेटकीपर के तौर पर एलेक्स कैरी को शामिल किया गया है।

पैट कमिंस बने टीम के कप्तान

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के इस टीम का कप्तान पैट कमिंस को बनाया है, जहां गेंदबाजी में उनका साथ देने के लिए बुमराह के अलावा न्यूजीलैंड के मैट हेनरी और पाकिस्तान के नोमान अली का नाम शामिल है। इस टीम के 12वें खिलाड़ी साउथ अफ्रीका के कगीसो रबाडा हैं।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया की डब्ल्यूटीसी 2023-25 की बेस्ट इलेवन- यशस्वी जायसवाल, उस्मान ख्वाजा, केन विलियमसन, जो रूट, हैरी ब्रूक, कामिंदु मेंडिस, एलेक्स कैरी, पैट कमिंस (कप्तान), जसप्रीत बुमराह, मैट हेनरी, नोमान अली।

भारतीय क्रिकेट की नई सनसनी, मंदार भंडारी ने सिर्फ 47 गेंदों में ठोका शतक

मुंबई, 5 जून (एजेंसियां)। महाराष्ट्र प्रीमियर लीग 2025 की शुरुआत हो चुकी है. इस बेहतरीन टूर्नामेंट का पहला मुकाबला रत्नागिरी जेट्स और ईगल नासिक टाइटंस के बीच में पुणे के महाराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में खेला गया था. इस मैच में ईगल नासिक टाइटंस के युवा सलामी बल्लेबाज मंदार भंडारी ने धमाकेदार बल्लेबाजी करते हुए अपनी टीम के लिए बहुमूल्य शतक बनाया. मंदार भंडारी ने अपनी इस पारी के दौरान रत्नागिरी जेट्स के किसी भी गेंदबाज को नहीं छोड़ा और सभी के खिलाफ तगड़ा प्रहार किया.

मंदार भंडारी महाराष्ट्र प्रीमियर लीग 2025 के पहले शतकवीर बन चुके हैं. उन्होंने मात्र 48 गेंद पर अपना शतक पूरा किया. युवा सलामी बल्लेबाज ने अपनी इस पारी के दौरान 12 चौके और 6 छक्के जड़े. उन्होंने इस मैच में 56 गेंद पर 112* रन बनाए. इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए रत्नागिरी जेट्स ने 20 ओवर में छह विकेट खोकर 194 रन बनाए थे. टीम की ओर से सलामी बल्लेबाज धीरज पतंगड़े ने 47 गेंद पर 7 चौके और 4 छक्कों की मदद से 81* रन की तूफानी पारी खेली. धीरज के अलावा कप्तान अजीम काजी ने 42 रन बनाए.

ईगल नासिक टाइटंस की ओर से तेज गेंदबाज मुकेश चौधरी ने चार ओवर में 43 रन देकर तीन विकेट झटके. जवाब में मंदार भंडारी की शतकीय पारी की वजह से ईगल नासिक टाइटंस ने इस मैच को 10 गेंद रहते हुए जीत लिया. मंदार भंडारी ने शुरुआत से ही आक्रामक क्रिकेट खेलना शुरू कर दिया था. टीम को उनसे बड़ी पारी की उम्मीद थी और उन्होंने किसी को भी निराश नहीं किया.

बता दें कि, मंदार भंडारी ने महाराष्ट्र प्रीमियर लीग 2024 में भी शतक बनाया था. उन्होंने छत्रपति शिवाजी किंग्स के खिलाफ जड़ा था. हालांकि उसे मैच में उन्हें हार का सामना करना पड़ा था. रत्नागिरी जेट्स के खिलाफ मैच में उन्होंने आक्रामक बल्लेबाजी की और अपनी टीम को जीत दिलाई. मंदार भंडारी के अलावा साहिल पराख ने 46 रन का योगदान दिया.

मंदार भंडारी अपने प्रदर्शन से काफी खुश होंगे. वे अपने इसी फॉर्म को आगे जारी रखना चाहेंगे. ईगल नासिक टाइटंस ने 2025 सीजन की शुरुआत धमाकेदार तरीके से की है. पिछले सीजन के फाइनल में रत्नागिरी जेट्स ने ईगल नासिक टाइटंस को हराया था. भले ही महाराष्ट्र प्रीमियर लीग 2024 की ट्रॉफी को ईगल नासिक टाइटंस अपने नाम ना कर पाई हो लेकिन इस सीजन को वह जरूर जीतना चाहेंगे.

बेंगलुरु हादसे पर कोहली बोले-पूरी तरह से टूट चुका हूं

तेंदुलकर ने कहा-जो हुआ वह दुखद; पठान ने लिखा-भगदड़ दिल दहलाने वाली

बेंगलुरु, 5 जून (एजेंसियां)। बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की विक्ट्री परेड में भगदड़ मच गई। इससे 11 लोगों की मौत हो गई। साथ ही 33 लोग घायल हो गए हैं। इस पर विराट कोहली ने इंस्टाग्राम पर लिखा- 'मेरे पास कहने के लिए शब्द नहीं हैं। पूरी तरह से टूट गया हूं।' उन्होंने हार्टब्रेक का इमोजी भी बनाया।

दिग्गज बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर कहा- 'जो हुआ वह दुखद है।' पूर्व तेज गेंदबाज ने कहा- 'भगदड़ दिल दहलाने वाली है।' युवराज सिंह ने लिखा- जश्न का क्षण, त्रासदी में बदल गया। आरपी सिंह ने भी दुख जताया है। इस खबर में पढ़िए बेंगलुरु की भगदड़ पर क्रिकेट जगत की राय।   हम घटना से दुखी है। फैंस की सुरक्षा हमारे लिए सबसे अहम है। हम मौतों पर शोक व्यक्त करते है और पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना जताते हैं। घटना की जानकारी के बाद हमने तुरंत अपने शेड्यूल में बदलाव किया और प्रशासन के निर्देशों का पालन किया। दिग्गज बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने लिखा- 'बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम में जो कुछ हुआ, वह बेहद दुखद है। मेरी संवेदनाएं हर पीड़ित परिवार के साथ हैं। सभी के लिए शांति और शक्ति की कामना करता हूं। भारतीय टीम के पूर्व तेज गेंदबाज इरफान पठान ने लिखा- 'फैंस क्रिकेट और हमारे जीवन का दिल हैं। आज बेंगलुरु में हुई भगदड़ और मौतें दिल दहला देने वाली है। मेरी संवेदनाएं और संवेदनाएं इस अकल्पनीय त्रासदी से प्रभावित परिवारों के साथ हैं।'

भारतीय टीम के पूर्व तेज गेंदबाज ने लिखा- 'बेंगलुरु दुर्घटना से बहुत दुखी हूं। मेरी हार्दिक प्रार्थनाएं उन लोगों के लिए हैं, जिन्होंने अपनी जान गंवाई और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। मजबूत बने रहें।'

उजबेकिस्तान में दिखेगा बिहार का दम : तीन खिलाड़ी करेंगे प्रतिनिधित्व

मुजफ्फरपुर, 5 जून (एजेंसियां)। खेल के मैदान में बिहार के खिलाड़ियों का जलवा एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दिखने जा रहा है। उजबेकिस्तान की राजधानी ताशकंद में 23 से 27 जुलाई 2025 तक आयोजित होने वाले सवात वर्ल्ड कप 2025 के लिए बिहार के तीन प्रतिभाशाली खिलाड़ियों का चयन भारतीय टीम में हुआ है। यह चयन उनकी पिछली उपलब्धियों को ध्यान में रखते हुए ऐशियन सवात महासंघ (ईरान) और राष्ट्रीय सवात संघ द्वारा किया गया है। स्वीटी कुमारी यूथ कैटेगरी में खेलेंगी। उन्होंने इससे पहले साउथ ऐशियन सवात चैंपियनशिप 2024 में भारत को दो-दो गोल्ड मेडल दिलाए थे। इसके साथ ही उन्होंने ऐशियन सवात चैंपियनशिप, इंडोनेशिया में सिल्वर मेडल जीतकर देश का मान बढ़ाया था। अब वह वर्ल्ड कप में भारत के लिए चुनौती पेश करेंगी।

वहीं, प्रियम कर्ण कैडेट वर्ग में हिस्सा लेंगे। उन्होंने इंडोनेशिया में आयोजित ऐशियन सवात चैंपियनशिप 2024 में ब्रॉन्ज मेडल जीतकर अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी पहचान बनाई थी। जबकि तीसरे खिलाड़ी यस राज ने नेशनल फेडरेशन कप और नेशनल सवात चैंपियनशिप दोनों में गोल्ड मेडल जीतकर भारतीय टीम में अपनी जगह पक्की की है।

राज्य सवात संघ बिहार के सचिव शिहान राहुल श्रीवास्तव ने तीनों खिलाड़ियों को भारतीय टीम में चयन का पत्र सौंपते हुए गर्व जताया कि भारत पहली बार सवात फ्रेंच बॉक्सिंग वर्ल्ड कप में भाग लेने जा रहा है और उसमें बिहार से सर्वाधिक तीन खिलाड़ियों का चयन हुआ है। उन्होंने इसे पूरे राज्य के लिए गौरव का क्षण बताया और विश्वास जताया कि अगर भारतीय टीम का नेतृत्व बिहार को मिलता है, तो ताशकंद में भारत का झंडा लहराना तय है।

इस अवसर पर राज्य सवात संघ बिहार की कोषाध्यक्ष सेंडाई शिल्पी सोनम ने कहा कि यह देखकर बेहद गर्व होता है कि बिहार के खिलाड़ी अब विदेशी खेल प्रतियोगिताओं में भी अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि यह उपलब्धि दर्शाती है कि बिहार अब खेल के हर मंच पर अपनी पहचान बनाने के लिए तैयार है और राष्ट्रीय टीम में खिलाड़ियों की भागीदारी इसका प्रमाण है।

जोकोविच फ्रेंच ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचे

अब वर्ल्ड नंबर-1 सिनर से भिड़ेंगे; गौफ ने क्वार्टर फाइनल में कीज को हराया

स्पोर्ट्स डेस्क, 5 जून (एजेंसियां)। सर्बिया के टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच ने फ्रेंच ओपन 2025 के मेंस सिंगल्स के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। क्वार्टर फाइनल में जोकोविच ने पहले सेट में पिछड़ने के बावजूद शानदार वापसी की।   24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन जोकोविच ने क्वार्टर फाइनल में तीसरे सीड एलेक्जेंडर ज्वेरेव को चार सेटों में 4-6, 6-3, 6-2, 6-4 से हराया। इस जीत के साथ जोकोविच ने फ्रेंच ओपन में अपनी 101वीं जीत दर्ज की है। 38 साल के जोकोविच अब सेमीफाइनल में दुनिया के नंबर-1 खिलाड़ी जैनिक सिनर से भिड़ेंगे। दोनों के बीच अब तक 8 मुकाबले हुए हैं, जिनमें स्कोर 4-4 है। पिछले तीन मैचों में सिनर ने जीत हासिल की है। इटली के टेनिस स्टार जैनिक सिनर सेमीफाइनल में पहुंच चुके हैं। उन्होंने क्वार्टर फाइनल में कजाखस्तान के एलेक्जेंडर बुब्लिक को 1 घंटे 49 मिनट में 6-1, 7-5, 6-0 से हराया। इस जीत के साथ सिनर ने ग्रैंड स्लैम में अपनी लगातार 19वीं जीत दर्ज की है और वह अब नोवाक जोकोविच के खिलाफ सेमीफाइनल में खेलेंगे।

अमेरिकी खिलाड़ी कोको गौफ ने क्वार्टर फाइनल में हमवतन मेडिसन कीज को हरा दिया है। उन्होंने कीज को 6-7(6), 6-4, 6-1 से हराया। सेमीफाइनल में गौफ का मुकाबला फ्रांसीसी वाइल्डकार्ड खिलाड़ी लोइस बॉइसन से होगा, जिन्होंने छठी वरीयता प्राप्त मिर्रा एंड्रीवा और तीसरी वरीयता प्राप्त जेसिका पेगुला को हराकर सभी को चौंका दिया है।

'अपना वर्चस्व दिखाना चाहते थे मैग्नस', गुकेश से हार पर कार्लसन के हाथ पटकने पर आया आनंद का बयान

स्टावेंजर (नॉर्वे), 5 जून (एजेंसियां)। आनंद आमतौर पर अपने शांत व्यवहार और सज्जनतापूर्ण शैली के लिए जाने जाते हैं। हालांकि, इस मामले पर वह प्रतिक्रिया देने से नहीं कतराए। आनंद ने कहा कि 34 वर्षीय कार्लसन गुकेश के खिलाफ जीतकर दिखाना चाहते थे कि इस खेल में उनका वर्चस्व जो कोई और खिलाड़ी नहीं बना सकता।

नॉर्वे शतरंज में विश्व चैंपियन भारत के डी गुकेश से हारने के बाद विश्व नंबर-एक मैग्नस कार्लसन ने मेज पर रखे चेस बोर्ड पर हाथ पटका था। किसी ने कार्लसन जैसे दिग्गज से इस तरह की प्रतिक्रिया की अपेक्षा नहीं की थी। अब इस पर भारत के महान चेस खिलाड़ी विश्वनाथन आनंद का बयान आया है। उन्होंने कहा कि गुकेश से हारने के बाद कार्लसन की उग्र प्रतिक्रिया शायद इसलिए थी क्योंकि उन्होंने देखा कि खेल में उनके वर्चस्व को किसी युवा खिलाड़ी द्वारा चुनौती दी जा रही है। आनंद ने कहा कि FIDE इस घटना पर बहुत जल्द चर्चा कर सकता है। नॉर्वे शतरंज के छठे राउंड में गुकेश से हार से हताश कार्लसन ने मेज पर हाथ पटका था, जिससे मोहरें तितर बितर हो गईं। कार्लसन फिर 'ओह माय गॉड' चिल्लाते हुए उस हॉल से निकल गए। उनकी यह प्रतिक्रिया देखकर पूरी दुनिया हैरान थी। कार्लसन इसी टूर्नामेंट में गुकेश से एक बार भिड़ चुके थे, जिसमें नॉर्वे के इस दिग्गज खिलाड़ी ने जीत हासिल की थी, लेकिन दूसरे में उन्हें हार का सामना करना पड़ा।

आनंद आमतौर पर अपने शांत व्यवहार और सज्जनतापूर्ण शैली के लिए जाने जाते हैं। हालांकि, इस मामले पर वह प्रतिक्रिया देने से नहीं कतराए। आनंद ने कहा कि 34 वर्षीय कार्लसन गुकेश के खिलाफ जीतकर 'रेत में कुछ रेखा खींचना' चाहते थे। वह दिखाना चाहते थे कि इस खेल में उनका वर्चस्व जो कोई और खिलाड़ी नहीं बना सकता। आनंद ने कहा, 'गुकेश को हराना कार्लसन के लिए बहुत मायने रखता था। भले ही अन्य सभी खेलों में उनकी हालत उतनी अच्छी नहीं हो, लेकिन क्लासिकल चेस में मुझे लगता है कि वह कुछ साबित करना चाहते थे। वह युवा खिलाड़ियों को दिखाना चाहते थे कि अभी भी वही इस खेल के शहंशाह हैं। उनकी प्रतिक्रिया सबकुछ बताती है। मुझे लगता है कि गुकेश के खिलाफ एक और जीत से वह बहुत खुश होते।'

आनंद अंतरराष्ट्रीय शतरंज महासंघ के उपाध्यक्ष हैं और प्रसारण प्रतिबद्धताओं के लिए नॉर्वे में ही हैं। उन्होंने कहा कि यह तथ्य कि वह जीतने की स्थिति से हार गए, शायद इस वजह से उनकी निराशा और हताशा और बढ़ गई। आनंद ने कहा, 'दुनिया के किसी भी प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ, वह इतनी अच्छी स्थिति में आकर हारना पसंद नहीं करते। मुझे भी ठीक ऐसा ही महसूस हुआ था जब मैंने तीन साल पहले 2022 में नॉर्वे में मैग्नस के खिलाफ अपने खेल में कुछ गलतियां की थीं और हार गया था।' आनंद ने कहा कि कार्लसन के खेल में गिरावट के लिए कई कारक जिम्मेदार हो सकते हैं। उन्होंने कहा, 'निश्चित रूप से यह खेल और उसकी रणनीति उनके लिए बहुत मायने रखता था और वह करीब आकर फिसल गए, लेकिन इसके पीछे थकान भी एक कारण हो सकता है। यह नया समय नियंत्रण का नियम भी एक कारण हो सकता है। इस क्लासिकल चेस टूर्नामेंट में इस बार सडन-डेथ आर्मगेडन टाई-ब्रेक है।' आनंद ने कहा कि उन्होंने अपने खेल करियर के दौरान टेबल पर कई खिलाड़ियों को गुस्सा जाहिर करते देखा, जिसे असामान्य कहना गलत नहीं होगा। उन्होंने कहा, 'हां मैंने काफी गुस्सा देखा है। यह सब कुछ काफी समय से चल रहा है, लोग चिल्ला रहे हैं और गालियां दे रहे हैं। मुझे लगता है कि यह दिल्ली में 2000 विश्व चैंपियनशिप में भी हुआ था। उस मैच में एस्टोनिया के जान एहलवेस्ट के साथ अपने मैच के बाद वासिली इवानचुक ने एक कुर्सी फेंकी थी। इसलिए, केवल कैमरे का फर्क है, घटनाएं काफी समय से हो रही हैं।'

आनंद ने कहा, 'और दूसरी बात जो मैं कहूंगा वह यह है कि गुकेश और कार्लसन के बीच का खेल बहुत तेज गति में हुआ। मेरा मतलब है कि शायद मैग्नस क्लासिकल शतरंज को लेकर उत्साहित नहीं हैं, लेकिन उन्होंने निश्चित रूप से गुकेश से मुकाबला करने का सोचा होगा। या अगर गुकेश व्यक्तिगत रूप से नहीं, वह उसके खिलाफ अपना वर्चस्व साबित करना चाहते थे जो अब विश्व चैंपियन है। मेरा मतलब है, शायद उनके दिमाग में बहुत सारी चीजें चल रही थीं और वह बाहर आ गईं। इसलिए गुकेश के खिलाफ उन दो मैचों को कार्लसन ने गंभीरता से लिया। और यही आंशिक रूप से निराशा का कारण बना।'

आनंद ने कहा कि ऐसी घटनाएं इतनी आम नहीं हैं, लेकिन कभी-कभार वे धीरे-धीरे सामने आती हैं और ज्यादातर तब होती हैं जब कोई खिलाड़ी मजबूत स्थिति से हार जाता है। उन्होंने कहा, 'मेरा मतलब है, यह इतना आम नहीं है।

केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने विश्व पर्यावरण दिवस पर पौधे लगाए

हैदराबाद, 5 जून (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर दिल्ली स्थित अपने सरकारी आवास पर पौधे लगाए। खम्मम जिले के विभिन्न सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले और इस साल कक्षा 10 के परिणामों में टॉपर रहे कई छात्रों ने भी कार्यक्रम में भाग लिया। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री ने उन्हें शॉल ओढ़ाकर बधाई दी। उन्होंने उन्हें पर्यावरण संरक्षण की आवश्यकता के बारे में समझाया। बाद में उन्होंने छात्रों से उनके भविष्य के लक्ष्यों के बारे में पूछा और उन्हें लक्ष्य प्राप्त होने तक बिना हार माने लगातार काम करने को कहा।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि कई लोग पर्यावरण की रक्षा करते हुए मैदानी स्तर पर धरती माता की सेवा कर रहे हैं और हम सभी को उनसे प्रेरणा लेने की जरूरत है। उन्होंने सभी से पेड़ लगाने और पर्यावरण संरक्षण को अपने जीवन का हिस्सा बनाने के लिए हाथ मिलाने का आह्वान किया, साथ ही कार्बन उत्सर्जन और प्लास्टिक के उपयोग सहित कई प्रदूषकों को कम करने का आह्वान किया।

मदिगा समुदाय के कांग्रेस विधायकों ने कैबिनेट पद के लिए लॉबिंग तेज की

हैदराबाद, 5 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मदिगा समुदाय के कांग्रेस विधायकों ने तेलंगाना सरकार के आगामी विस्तार में कैबिनेट पद प्राप्त करने के लिए अपने प्रयास तेज कर दिए हैं। गुरुवार को अदलुरी लक्ष्मण, अमदेली समेल, काले यादया और कवमपल्ली सत्यनारायण सहित चार मदीगा विधायकों ने नई दिल्ली में एआईसीसी अध्यक्ष खड़गे और महासचिव केसी वेणुगोपाल से मुलाकात की और कैबिनेट विस्तार में एक अवसर के लिए पार्टी के नेतृत्व से अपील की। पिछले एक महीने में, ये विधायक लगातार टीपीसीसी, मुख्यमंत्री और तेलंगाना के प्रभारी के साथ कैबिनेट में अपने समुदाय के प्रतिनिधित्व की वकालत करने के लिए संपर्क में रहे हैं। मीडिया से बात करते हुए, चारों विधायकों ने कहा कि उन्होंने एआईसीसी अध्यक्ष खड़गे और महासचिव केसी वेणुगोपाल से आग्रह किया है कि वे सुनिश्चित करें कि उनके समुदाय को मंत्रिमंडल में शामिल किया जाए। उन्होंने कहा कि पार्टी नेतृत्व ने मंत्रिमंडल विस्तार में उनके समुदाय के नेताओं को शामिल करने के विचार पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है। कांग्रेस विधायक अदलुरी लक्ष्मण ने कहा, यह मदिगा समुदाय के छह विधायकों का मुद्दा नहीं है, बल्कि सभी मदिगा लोगों से जुड़ा मुद्दा है। हमें उम्मीद है कि 200 प्रतिशत न्याय होगा। उन्होंने बताया कि विधायकों ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को एक पत्र भी भेजा है, जिसमें मंत्रिमंडल में उनके समुदाय के प्रतिनिधित्व की वकालत की गई है। अदलुरी लक्ष्मण ने कहा, हम अपने अनुरोधों पर चर्चा करने के लिए राहुल गांधी से मिलने का इरादा रखते हैं।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि मडिगा समुदाय किसी का विरोधी नहीं है। उनकी महत्वपूर्ण आबादी के बावजूद, उन्हें महत्वपूर्ण राजनीतिक भूमिकाओं में प्रतिनिधित्व नहीं मिलता है। तेलंगाना कांग्रेस के छह मदिगा विधायकों ने कहा है कि उन्हें इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि नेतृत्व मंत्री पद के लिए किसे चुनता है। कांग्रेस विधायकों ने कहा, मंत्रिमंडल में कुछ लोग अपने समुदाय का नाम ले रहे हैं। हालांकि, वास्तविकता यह है कि आज तक तेलंगाना मंत्रिमंडल में कोई मदिगा नहीं रहा है। हम मंत्रिमंडल में वास्तविक मदिगा प्रतिनिधित्व की मांग कर रहे हैं।

पलानी परेड ग्राउंड में अग्निवीर सत्यापन समारोह आयोजित

हैदराबाद , 5 जून (स्वतंत्र वार्ता)। कई महीनों के कठोर प्रशिक्षण के समापन के अवसर पर, आर्टिलरी सेंटर, हैदराबाद ने अग्निवीर बैच 05/24 के लिए अपने सत्यापन समारोह का आयोजन किया। यह महत्वपूर्ण घटना प्रशिक्षुओं के लिए एक परिवर्तनकारी यात्रा का प्रतीक है, क्योंकि वे आधिकारिक तौर पर भारतीय सेना में शामिल होते हैं, जो सम्मान के साथ राष्ट्र की सेवा करने के लिए मन, शरीर और आत्मा से तैयार होते हैं। दिन की शुरूआत आर्टिलरी सेंटर हैदराबाद के युद्ध स्मारक पर एक मार्मिक श्रद्धांजलि के साथ हुई, जहां अग्निवीर, प्रशिक्षक और वरिष्ठ अधिकारी राष्ट्र की सेवा में सर्वोच्च बलिदान देने वाले शहीद नायकों को श्रद्धांजलि देने के लिए एकत्र हुए। गंभीर मौन में मनाया गया पुष्पांजलि समारोह साहस, कर्तव्य और देशभक्ति की विरासत की एक शक्तिशाली याद दिलाता है जो हर सैनिक को विरासत में मिलती है। पलानी परेड ग्राउंड में आयोजित इस समारोह की समीक्षा ब्रिगेडियर राहुल थपलियाल, सेना मेडल, कमांडेंट और चीफ एग्जीक्यूटिव इंस्ट्रक्टर, आर्टिलरी सेंटर, हैदराबाद ने की। इस कार्यक्रम में शानदार परेड ड्रिल्स का प्रदर्शन किया गया, जो अनुशासन और सटीकता का प्रदर्शन था, जो अग्निवीरों की अटूट प्रतिबद्धता और उनके प्रशिक्षकों के अथक प्रयासों का प्रमाण है। अपने संबोधन में, कमांडेंट ने अग्निवीरों की समर्पण और दृढ़ता की सराहना की, और राष्ट्रीय सुरक्षा की रक्षा करने और सशस्त्र बलों के मूल्यों को बनाए रखने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने प्रशिक्षकों और प्रशिक्षण कर्मचारियों की भी सराहना की, युवा क्षमता को प्रशिक्षित सैनिकों में ढालने में उनकी कड़ी मेहनत और व्यावसायिकता को स्वीकार किया। सत्यापन समारोह न केवल नए सैनिकों की आधिकारिक भर्ती का प्रतीक है, बल्कि आर्टिलरी सेंटर, हैदराबाद में सैन्य प्रशिक्षण में उत्कृष्टता के लिए निरंतर प्रतिबद्धता को भी दर्शाता है। जैसे-जैसे अग्निवीर अपनी नई भूमिकाओं में आगे बढ़ते हैं, वे अपने प्रशिक्षण के दौरान सिखाए गए अनुशासन, निष्ठा और सेवा के मूल्यों को अपने साथ लेकर चलते हैं।

राशन दुकानों में चावल का स्टॉक उपलब्ध नहीं

करीमनगर, 5 जून (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्ववर्ती करीमनगर जिले के कुछ हिस्सों में लोगों को कई उचित मूल्य की दुकानों में चावल उपलब्ध न होने के कारण असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। यद्यपि चावल का वितरण आमतौर पर प्रत्येक माह के पहले सप्ताह में शुरू हो जाता है, लेकिन कुछ राशन दुकानों में अब तक चावल नहीं पहुंचा है, जिससे लाभार्थियों को इन दुकानों के बार-बार चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। आपूर्ति में देरी के पीछे परिवहन वाहनों की कमी को कारण बताया जा रहा है।

सूत्रों ने बताया कि हाल ही में हुई बेमौसम बारिश के कारण राज्य सरकार ने धान की खरीद में तेजी ला दी है और धान को चावल मिलों तक पहुंचाने के लिए सभी उपलब्ध लॉरियों को डायवर्ट कर दिया है। ऐसी घटनाएं भी हुईं, जब बारिश के कारण कटी हुई धान की फसल पानी सोखने के कारण वजन में बढ़ गई।

फसल को चावल मिलों तक ले जाने में देरी के साथ-साथ, इससे खरीद में बाधाएं पैदा हुईं। स्थिति से निपटने के लिए, कथित तौर पर सभी परिवहन वाहनों को केवल धान की ढुलाई के लिए लगाया गया, जिसके परिणामस्वरूप राशन की दुकानों में चावल वितरण के लिए लॉरियों की कमी हो गई। सामान्यतः ऑर्डर मिलने के तुरंत बाद चावल भेज दिया जाता है, लेकिन इस महीने वितरण में देरी हुई है।

करीमनगर कस्बे में गोदामगड्डा इलाके में उचित मूल्य की दुकान पिछले कुछ दिनों से स्टॉक की कमी के कारण बंद है, जिससे लोगों को खाली हाथ लौटना पड़ रहा है।

राजन्ना-सिरसिल्ला जिले के घांबीरावपेट मंडल में अभी तक राशन की दुकानों तक चावल नहीं पहुंचा है। एक राशन डीलर ने बताया कि बढ़िया किस्म के चावल की मांग बहुत ज़्यादा है। उन्होंने कहा कि जो लोग पहले चावल लेने से बचते थे, वे भी अब बिना किसी चूक के इसे ले रहे हैं।

तेलंगाना पिछड़ा वर्ग आयोग की बैठक में विभिन्न मुद्दों पर चर्चा

हैदराबाद, 5 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना पिछड़ा वर्ग आयोग ने आज पिछड़ा वर्ग आयोग कार्यालय में बैठक की तथा विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की। विशेष रूप से राज्य सरकार के अधीन कार्यरत कर्मचारियों का विवरण एकत्रित करने पर समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इसके तहत विभिन्न विभागों के सचिवों के साथ आयोग की समीक्षा बैठक आयोजित करने का निर्णय लिया गया, जिन्होंने समय सीमा के भीतर जानकारी प्रस्तुत नहीं की है। इस महीने की 9, 10 और 11 तारीख को हटाई गई 26 जातियों पर आयोग द्वारा आयोजित की जाने वाली जन सुनवाई की व्यवस्था की समीक्षा की गई। आयोग को सर्वोच्च न्यायालय को रिपोर्ट प्रस्तुत करनी है, इसलिए आयोग ने सरकार से जाति जनगणना में दर्ज जनसंख्या तथा हटाई गई जातियों की सामाजिक-आर्थिक, शैक्षणिक और पिछड़ेपन का विवरण उपलब्ध कराने का अनुरोध करने का निर्णय लिया है। आयोग ने निजामाबाद जिले के तल्ला रामपुर गांव में पिछले महीने प्रकाश में आए पिछड़ा वर्ग को उनके गांवों से बेदखल किए जाने के मुद्दे पर निजामाबाद कलेक्टर द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट की जांच की तथा जिला प्रशासन की प्रतिक्रिया की सराहना की।

चालीस जातियों को केंद्रीय ओबीसी सूची में शामिल करने के संबंध में केंद्र सरकार से तत्काल कार्रवाई करने का अनुरोध करने का निर्णय लिया गया। कार्यक्रम में अध्यक्ष जी. निरंजन, सदस्य रापोलू जयप्रकाश, तिरुमालागिरी सुरेंदर, रंगू बाला लक्ष्मी, बाला माया देवी सदस्य सचिव, श्रीनिवास राव उपनिदेशक, सतीश कुमार विशेष अधिकारी और लक्ष्मीनारायण शोध अधिकारी शामिल हुए।

दुर्घटना में 3 वर्षीय बच्चे की मौत, दूल्हा घायल

जगतियाल, 5 जून (स्वतंत्र वार्ता)। जगतियाल जिले के कोंडागट्टू में गुरुवार तड़के एक सड़क दुर्घटना में तीन वर्षीय एक बच्चे की मौत हो गई और दूल्हे सहित छह अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। यह दुर्घटना उस समय हुई जब महाराष्ट्र के नांदेड़ से एक बारात करीमनगर जिले के हुजुराबाद जा रही थी। आमों से लदे एक मिनी ट्रक ने दूल्हे और परिवार के अन्य सदस्यों को ले जा रही कार को टक्कर मार दी। कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और बच्चे की मौके पर ही मौत हो गई, जिसकी पहचान रुद्र के रूप में हुई। दुर्घटना के बाद उसी दिन होने वाली शादी रद्द कर दी गई। स्थानीय पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और घायलों को जगतियाल के सरकारी अस्पताल पहुंचाया।

फ्लाईओवर के नीचे तारनाका जंक्शन आज से बंद रहेगा

हैदराबाद, 5 जून (स्वतंत्र वार्ता)। संयुक्त पुलिस आयुक्त, यातायात, हैदराबाद 18 अप्रैल को, उस्मानिया विश्वविद्यालय और लालपेट के बीच यात्रा को सुविधाजनक बनाने के लिए फ्लाईओवर के नीचे तारनाका जंक्शन को वाहनों की आवाजाही के लिए फिर से खोल दिया गया था। परीक्षण अवधि के दौरान, हमने अनुकरणीय अध्ययन, ड्रोन अध्ययन, गूगल डेटा का विश्लेषण, विभिन्न ट्रैफ़िक सिग्नल टाइमिंग की कोशिश की, जंक्शन पर सड़क इंजीनियरिंग पहलुओं का अध्ययन करने के अलावा यात्रियों से फीडबैक भी लिया। सभी अध्ययनों से संकेत मिलता है कि फ्लाईओवर के नीचे तारनाका जंक्शन को खुला रखना संभव नहीं है और ट्रैफ़िक की भीड़ को कम करने, सड़क दुर्घटनाओं से बचने और आम सड़क उपयोगकर्ताओं के हित और सुरक्षा के लिए जंक्शन को बंद करने की सलाह दी जाती है। इसी को देखते हुए, सभी नागरिकों से अनुरोध है कि वे ध्यान दें कि फ्लाईओवर के नीचे तारनाका जंक्शन 6 जून 2025 से बंद रहेगा।

रसूलपुरा फ्लाईओवर के लिए भूमि अधिग्रहण पूरा करें : कमिश्नर आरवी कर्णन

हैदराबाद, 5 जून (स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी आयुक्त आर.वी. कर्णन ने अधिकारियों को रसूलपुरा फ्लाईओवर के निर्माण के लिए भूमि अधिग्रहण को जल्द से जल्द पूरा करने का निर्देश दिया है। सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन के जीर्णोद्धार कार्य के मद्देनजर, आयुक्त ने गुरुवार को सिकंदराबाद क्षेत्र के विभिन्न क्षेत्रों का निरीक्षण किया। इस अवसर पर, रेलवे स्टेशन के पास बस स्टॉप का निरीक्षण किया गया। अधिकारियों ने आयुक्त को बताया कि रेलवे सीमा से 24 मीटर तक भूमि की आवश्यकता है। प्रोजेक्ट एसई श्रीनिवास ने आयुक्त को समझाया कि बस स्टॉप के लिए वैकल्पिक भूमि आवंटित करने और इसे स्थानांतरित करने की आवश्यकता है। इस अवसर पर, आयुक्त ने अधिकारियों को रसूलपुरा में एच सिटी द्वारा किए जाने वाले फ्लाईओवर निर्माण स्थल का तुरंत निरीक्षण करने और भूमि अधिग्रहण करने का निर्देश दिया।

भारत के पहले सरकारी स्वामित्व वाले टी वॉलेट ने 16 लाख उपयोगकर्ताओं के साथ 8 साल पूरे किए

हैदराबाद, 5 जून (स्वतंत्र वार्ता)। भारत के पहले सरकारी स्वामित्व वाले डिजिटल वॉलेट, टी वॉलेट ने 2017 में लॉन्च होने के बाद से 16 लाख पंजीकृत उपयोगकर्ताओं तक पहुंच बनाई है और 4 करोड़ से ज़्यादा लेन-देन किए हैं, यह जानकारी गुरुवार को तेलंगाना सरकार के इलेक्ट्रॉनिक सर्विस डिलीवरी (ईएसडी) विंग ने आईटीई एंड सी विभाग के तहत दी। वर्ष 2016 में नोटबंदी के दौरान शुरू किया गया टी वॉलेट पूरे राज्य में डिजिटल भुगतान को बढ़ावा दे रहा है। यह वॉलेट कई तरह की सेवाएँ देता है, जिसमें आईएमपीएस -आधारित रियल-टाइम बैंक ट्रांसफ़र, यूटिलिटी बिल भुगतान, सेवा शुल्क भुगतान और मर्चेंट लेनदेन शामिल हैं। टी वॉलेट मीसेवा के 4,500 से ज़्यादा केंद्रों और 11,000 से ज़्यादा फेयर प्राइस शॉप्स के साथ एकीकृत है, जो दूरदराज और ग्रामीण इलाकों में पहुंच सुनिश्चित करता है, साथ ही नागरिकों के पास मोबाइल ऐप, वेब या मोबाइल एक्सेस के बिना रहने वालों के लिए सहायक सेवाओं के ज़रिए इसका इस्तेमाल करने के विकल्प भी हैं। 1 जून, 2017 को लॉन्च किया गया टी वॉलेट 2016 के विमुद्रीकरण के बाद एक अग्रणी प्रतिक्रिया थी, जिसका उद्देश्य तेलंगाना में कैशलेस लेनदेन को बढ़ावा देना था। इसकी प्रमुख तत्काल भुगतान सेवा (आईएमपीएस) सुविधा सीधे बैंक खाते में धन हस्तांतरण की अनुमति देती है, जो इसे पारंपरिक वॉलेट से अलग करती है जो पीयर-टू-पीयर लेनदेन या यूपीआई पर निर्भर करते हैं, और निर्बाध बैंकिंग एकीकरण के लिए 24/7 उपलब्धता प्रदान करते हैं। आईटीई और सी विभाग ने वित्तीय समावेशन को बढ़ाने में टी वॉलेट की भूमिका पर जोर दिया, विशेष रूप से वंचित क्षेत्रों में, आठ वर्षों में इसकी वृद्धि ने तेलंगाना के नागरिकों के लिए राज्य के नेतृत्व वाले डिजिटल भुगतान समाधान के रूप में इसके महत्व को रेखांकित किया।

बिहार के मुखियाओं के लिए प्रशिक्षण सह एक्सपोजर विजिट का उद्घाटन

तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के पुरस्कार विजेता ग्राम पंचायतों का प्रदर्शन दौरा भी शामिल

हैदराबाद, 5 जून (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान (एनआईआरडीए एंड पीआर), हैदराबाद ने बिहार लोक प्रशासन एवं ग्रामीण विकास संस्थान (बीआईपीएआरडी) के 117 मुखियाओं (ग्राम पंचायत अध्यक्षों) और 4 पंचायत सचिवों के साथ-साथ 3 युवा पेशेवरों (कुल 124) के लिए तीन दिवसीय प्रशिक्षण सह एक्सपोजर विजिट कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम का उद्घाटन एनआईआरडीए एंड पीआर के हैदराबाद परिसर में डॉ. अंजन कुमार भांजा, एसोसिएट प्रोफेसर और प्रमुख, सीपीआरडीपी एंड एसएसडी, एनआईआरडीए एंड पीआर द्वारा किया गया। समारोह में डॉ. चिन्नादुरई, डॉ. प्रत्युष्ना पटनायक, डॉ. अरुणा जयमणि, अजीत कुमार सिंह और तेलंगाना के करतल ग्राम पंचायत के पूर्व सरपंच जी लक्ष्मी नरसिम्हा रेड्डी सहित प्रतिष्ठित संकाय सदस्यों ने भाग लिया। अपने मुख्य भाषण में, डॉ. अंजन कुमार भांजा ने पंचायती राज में उत्कृष्टता विद्यालय के माध्यम से भारत भर में ग्राम पंचायतों को मजबूत करने में एनआईआरडीए एंड पीआर के नेतृत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने संस्थान की परिवर्तनकारी पहलों पर जोर दिया, जिसमें निरंतर प्रशिक्षण और ई-सक्षमता, प्रशिक्षण मॉड्यूल का विकास, ईग्राम प्रशिक्षण, ग्राम पंचायत विकास योजना (जीडीपी) दिशानिर्देश और परिवर्तन के उत्प्रेरक के रूप में वार्ड सदस्यों के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम शामिल हैं। डॉ. भांजा ने जलग्रहण प्रबंधन, वनीकरण, नवीकरणीय ऊर्जा अपनाने और जीपीडीपी के माध्यम से विकेन्द्रीकृत योजना जैसे अभिनव प्रथाओं के माध्यम से सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) को आगे बढ़ाने में पंचायती राज संस्थानों (पीआरआई) की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया। डॉ. चिन्नादुरई ने स्वागत भाषण दिया और प्रतिभागियों से अपने ग्राम पंचायतों में शासन और सेवा वितरण को बढ़ाने के लिए कार्यक्रम के दौरान देखी गई सर्वोत्तम प्रथाओं को अपनाने का आग्रह किया। उन्होंने समावेशी विकास को बढ़ावा देने और जमीनी स्तर पर राष्ट्रीय नीतियों के प्रभावी कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने, समुदाय संचालित प्रगति को बढ़ावा देने में पीआरआई की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। 5 से 7 जून 2025 तक निर्धारित तीन दिवसीय कार्यक्रम में तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में पुरस्कार विजेता ग्राम पंचायतों का प्रदर्शन दौरा शामिल है। एनआईआरडी एंड पीआर संकाय द्वारा समन्वित और तेलंगाना सरकार के पंचायती राज और ग्रामीण विकास विभाग द्वारा समर्थित इस यात्रा का उद्देश्य अनुकरणीय शासन मॉडल में व्यावहारिक अंतर्दृष्टि प्रदान करना है। अभिनव प्रथाओं और सफलता की कहानियों को प्रदर्शित करके, कार्यक्रम मुखियाओं को अपने समुदायों में स्थायी और प्रभावशाली बदलाव लाने के लिए सशक्त बनाना चाहता है।

चारु सिन्हा ने सीआईडी के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक का पदभार संभाला

हैदराबाद, 5 जून (स्वतंत्र वार्ता)। वर्ष 1996 बैच की भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) अधिकारी चारु सिन्हा ने अपराध जांच विभाग (सीआईडी) के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजीपी) का पदभार संभाला है। आईपीएस अधिकारी चारु सिन्हा केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) में सात साल के शानदार कार्यकाल के बाद तेलंगाना लौटी हैं।

उन्होंने बिहार, जम्मू और कश्मीर में सेवा की। उल्लेखनीय है कि वह सीआरपीएफ में बिहार, जम्मू, कश्मीर और दक्षिणी सेक्टरों में 4 सेक्टरों का नेतृत्व करने वाली पहली आईपीएस अधिकारी थीं। अपनी नई भूमिका में, चारु सिन्हा एडीजीपी, महिला सुरक्षा, एसएचई टीमों और भरोसा केंद्र का पूर्ण अतिरिक्त प्रभार भी संभालेंगी।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.